महानगर नई दिल्ली रविवार 24 नवंबर, 2019, रु. 5.00 (12+4 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com epaper.jansatta.com facebook.com/jansatta twitter.com/jansatta

महाराष्ट्र में बड़ा सियासी उलटफेर

अजित के पालाबदल से फडणवीस बने मुख्यमंत्री

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

महाराष्ट्र में शिवसेना-कांग्रेस-राकांपा गठबंधन के द्वारा सरकार बनाने की चल रही कवायद के बीच शनिवार को बड़ा सियासी उलटफेर हो गया। भाजपा के देवेंद्र फडणवीस ने दोबारा मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने सुबह आठ बजे उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिला दी। राकांपा नेता और शरद पवार के भतीजे अजित पवार ने उनके साथ ही उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इससे पहले राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने केंद्र का शासन हटाने के लिए घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए और इस संबंध में एक गजट अधिसूचना तड़के पांच बजकर 47 मिनट पर जारी की गई। इसके बाद सुबह आठ बजे राजभवन में ही शपथ ग्रहण कार्यक्रम हुआ।

राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने सुबह आठ बजे दोनों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

यह शपथ ग्रहण ऐसे समय में हुआ है जब एक दिन पहले शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस के बीच मुख्यमंत्री पद बाकी पेज 8 पर

मुंबई में शनिवार सुबह राजभवन में राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के साथ देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार।

शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस की ही बनेगी सरकार : पवार

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए भाजपा से हाथ मिलाने के अजित पवार के फैसले को शनिवार को 'अनुशासनहीनता' करार दिया। उन्होंने कहा कि उनके भतीजे और पाला बदलने वाले पार्टी के अन्य विधायकों पर 'दल-बदल विरोधी कानून' के प्रावधान लागू होंगे।

शनिवार सुबह हुए चौंका देने वाले राजनीतिक घटनाक्रम के बाद पवार ने शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ मिलकर मीडिया को संबोधित किया। वहां शपथ ग्रहण समारोह के दौरान अजित पवार के साथ दिखने वाले विधायकों में पांच शरद पवार के साथ दिखे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख ने दावा किया कि भाजपा नीत नई सरकार विधानसभा में बहुमत साबित नहीं कर पाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस' के पास संयक्त रूप से संख्या बल है और तीनों दल सरकार बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस, राकांपा और शिवसेना को निर्दलीय बाकी पेज 8 पर

राकांपा प्रमुख ने इन अटकलों को खारिज किया कि मुख्यमंत्री पद को लेकर उनकी बेटी सुप्रिया सुले के साथ सत्ता संघर्ष के कारण अजित ने पाला बदला।

महाराष्ट्र के लोग बदला लेंगे : उद्धव

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस और राकांपा के अजित पवार के शपथ लेने पर टिप्पणी की है कि यह महाराष्ट्र के जनादेश पर भाजपा का सर्जिकल स्ट्राइक है और लोग इसका बदला लेंगे। उद्धव ठाकरे ने शरद पवार की मौजूदगी में मीडिया से कहा, 'शिवसेना जो करती है, खुलेआम करती है।'

ठाकरे ने एक लोकप्रिय मराठी टीवी धारावाहिक के शीर्षक बाकी पेज 8 पर

राकांपा विधायक लापता, दर्ज कराई गई शिकायत

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

महाराष्ट्र में राजनीतिक उलटफेर के बीच शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा ने अपने एक विधायक के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई है। शाहपुर के राकांपा विधायक दौलत दरोदा सुबह दक्षिण मुंबई में राजभवन पहुंचने के बाद लापता हो गए।

शाहपुर के विधायक दौलत दरोदा राजभवन पहुंचने के बाद लापता हो गए।

एक अधिकारी ने बताया कि दरोदा अपने बेटे करण के साथ शुक्रवार रात ठाणे में अपने निर्वाचन क्षेत्र से निकले थे और मुंबई पहुंचने के बाद से उनसे बाकी पेज 8 पर

मोदी और शाह ने दी बधाई

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार को महाराष्ट्र के क्रम से मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर शनिवार को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया कि देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार को क्रम बाकी पेज 8 पर

'गठबंधन सरकार ही बनेगी'

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अहमद पटेल ने शनिवार को कहा कि देवेंद्र फडणवीस ने जिस 'गुपचुप' तरीके से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद और राकांपा के अजित पवार ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, उसे राज्य के इतिहास में काले अक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में शिवसेना, बाकी पेज 8 पर

विधायक दल के नेता पद से अजित पवार बर्खास्त

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी के साथ हाथ मिलाने एवं उपमुख्यमंत्री के रूप में शनिवार को शपथ लेने वाले अजित पवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने विधायक दल के नेता पद से बर्खास्त कर दिया है। शाम को राकांपा विधायकों के साथ बैठक में शरद बाकी पेज 8 पर

दिलीप वलसे बने राकांपा विधायक दल के नए नेता

सुप्रीम कोर्ट पहुंची शिवसेना, कांग्रेस, राकांपा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के शपथ ग्रहण के बाद शिवसेना, कांग्रेस और राकांपा इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। तीनों दलों ने राज्यपाल के द्वारा भाजपा और अजित पवार को सरकार बनाने को न्योता दिए जाने को असंवैधानिक बताया है। इसके साथ ही तीनों दलों ने इस शपथ को रद्द करने और विधायकों की खरीद-फरोख्त को रोकने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर तुरंत 'शक्ति परीक्षण' कराने का भी अनुरोध किया है। याचिका रजिस्ट्री के समक्ष दायर की गई है।

तीनों पार्टियों की ओर से याचिका दायर करने वाले वकील सुनील फर्नांडीस ने कहा कि इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट रविवार को सुबह साढ़े 11 बजे सुनवाई शुरू करेगा। तीनों पार्टियों ने यह भी कहा है कि अदालत राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को निर्देश दे कि वे शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करें। याचियों ने कहा है कि उनके पास 144 से ज्यादा विधायकों का समर्थन है।

आज सुबह 11:30 बजे से सुनवाई करेगी शीर्ष अदालत

तीनों दलों ने विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर तुरंत 'शक्ति परीक्षण' की मांग की

शुक्रवार शाम को राकांपा, शिवसेना और कांग्रेस ने साझा सरकार पर सहमति बनने की बात कही थी, लेकिन शनिवार की सुबह उलटफेर करते हुए देवेंद्र फडणवीस ने राजभवन में मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। फडणवीस ने राजभवन में समर्थन का जो पत्र सौंपा, उसमें भाजपा के 105 विधायकों के अलावा राकांपा के कई विधायकों और निर्दलीय विधायकों के नाम शामिल थे।

संविधान के अनुच्छेद 14 और 32 के तहत याचिका दाखिल कर राज्यपाल द्वारा देवेंद्र फडणवीस को सरकार बनाने का न्योता देने के फैसले को निरस्त करने की मांग की गई है और इसके अलावा बाकी पेज 8 पर

जेएनयू में शुल्क बढ़ोतरी के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में शुल्क बढ़ोतरी के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों के समर्थन में बड़ी संख्या में नागरिक समाज शनिवार को दिल्ली की सड़कों पर उतर आया। प्रदर्शनकारियों में एम्स, दिल्ली विश्वविद्यालय,आंबेडकर यूनिवर्सिटी, जामिया व अन्य संगठनों से लोग शामिल हुए। इनमें शिक्षक, छात्र,जेएनयू के पूर्व छात्र और नागरिक समाज के बड़ी संख्या में लोग थे। उन्होंने मंडी हाउस से संसद की ओर मार्च शुरू किया और विश्वविद्यालय प्रशासन से शुल्क वापस लेने व सरकार से सभी के लिए शिक्षा किफायती बनाने की मांग करते हुए नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों की बड़ी संख्या को देखते हुए सुरक्षाबलों की तैनाती की गई थी। घंटों सड़कें जाम रहीं।

इनमें शिक्षक, छात्र,जेएनयू के पूर्व छात्र और नागरिक समाज के बड़ी संख्या में लोग थे।

यह पहला मौका है जब हफ्ते भर से चल रहे छात्रों के विरोध प्रदर्शन में नागरिक समाज के सदस्यों व स्वयंसेवी संगठनों ने इसमें हिस्सा लिया। इसमें स्वराज अभियान के अगुआ व जेएनयू के पूर्व छात्र योगेंद्र यादव सहित कई बुद्धिजीवी शामिल हुए। एसएफआइ, केवाइएस, एआइएसएफ और एनएसयूआइ सहित कई छात्र दलों के सदस्यों ने बड़ी संख्या में इस विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। राष्ट्रीय जनता दल और दलित समूह भीम आर्मी के कार्यकर्ता भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शनकारी मंडी हाउस क्षेत्र में जमा हुए और नारे लगाते हुए मार्च शुरू किया।

उन्होंने पुलिस तैनाती के बीच मार्च करते हुए संसद की ओर बढ़ने की कोशिश की। लेकिन पुलिस ने बाराखंबा रोड, फिरोजशाह रोड सहित जगह-जगह बैरिकेड लगा कर उन्हें रोक दिया। दिल्ली पुलिस के अलावा रैपिड एक्शन फोर्स भी लगी थी। वे प्रदर्शनकारियों को यहां से खदेड़ने की कोशिश भी कर रहे थे। एहतियातन वाटर बाकी पेज 8 पर

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय

यह पहला मौका है जब हफ्ते भर से चल रहे छात्रों के विरोध प्रदर्शन में नागरिक समाज के सदस्यों व स्वयंसेवी संगठनों ने इसमें हिस्सा लिया। इसमें स्वराज अभियान के अगुआ व जेएनयू के पूर्व छात्र योगेंद्र यादव सहित कई बुद्धिजीवी शामिल हुए।

जनसत्ता बारादरी

पश्चिमी दिल्ली से भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा दिल्ली में प्रदूषण का जिम्मेदार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ठहराते हैं। वर्मा कहते हैं कि मौजूदा दिल्ली सरकार ने बुनियादे ढांचे को दुरुस्त करने के लिए कोई काम नहीं किया। वे दिल्ली के लिए केजरीवाल सरकार को नुकसान बताते हैं। विस्तृत बातचीत पढ़ें पेज 7 पर

बलात्कारी को नौ दिन में सुनाई सजा

बांदा, 23 नवंबर (भाषा)।

उत्तर प्रदेश में महोबा जिले की एक अदालत ने 16 साल की लड़की के साथ बलात्कार करने के दोषी को महज नौ दिन की नियमित सुनवाई कर शुक्रवार को बीस साल कैद की सजा सुनाई और उस पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

जिला अदालत ने बीस साल कैद की सजा सुनाई और उस पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता दिनेश सिंह ने बताया कि अपर जिला व सत्र न्यायाधीश प्रथम (त्वरित) रामकिशोर शुक्ला की अदालत ने एक किशोरी के साथ बलात्कार करने के मामले की नियमित सुनवाई के दौरान अभियोजन और बचाव पक्ष के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद शुक्रवार को सिर्फ नौ दिन में ही दोषी युवक रामकरण बाकी पेज 8 पर

नाबालिग से बलात्कार करने पर दस साल की कठोर कैद

ठाणे, 23 नवंबर (भाषा)।

एक जिला अदालत ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले में 17 वर्षीय लड़की से बलात्कार करने के दोष में 25 वर्षीय मजदूर को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पीपी जाधव ने 18 नवंबर को जारी एक आदेश में दोषी मुबारक मोहम्मद अली सैयद पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया।

25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि वागले एस्टेट में अंबेवाड़ी का रहने वाला आरोपी पीड़िता का पड़ोसी है और उसने उससे दोस्ती की। अभियोजन ने कहा कि सैयद ने पीड़िता को शादी करने का झांसा देकर कई बार बाकी पेज 8 पर

दरअसल

धरती पर सबसे दुरूह स्थान का पता चला | **खोज** | इथियोपिया के डॉलोल भू-तापीय क्षेत्र में जीवन नहीं

पृथ्वी पर ऐसी जगह, जहां जिंदगी नामुमकिन

लंदन, 23 नवंबर (भाषा)।

शोधकर्ताओं ने पृथ्वी पर एक ऐसा जलीय वातावरण खोज निकाला है जहां जीवन की संभावना शून्य है। इस खोज का उद्देश्य जीवन की संभावनाओं को कम करने वाले घटकों के बारे में अग्रिम जानकारी प्राप्त करना है।

'नेचर इकोलॉजी एंड इवोल्यूशन' नामक पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन से पता चला है कि इथियोपिया के डॉलोल भू-तापीय क्षेत्र के गर्म, खारे, अतिअम्लीय तालाबों में जीवन पूरी तरह से असंभव है। इन तालाबों में किसी भी प्रकार के सूक्ष्म जीव भी उपस्थित नहीं थे।

'स्पेनिश फाउंडेशन फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी'(एफईसीवाईटी) के अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि डॉलोल क्षेत्र नमक से भरे ज्वालामुखी के मुख यानि क्रेटर पर स्थित है। जलतापीय गतिविधियों के कारण इस क्रेटर से लगातार उबलता पानी और जहरीली गैसें निकलती रहती हैं।

उन्होंने बताया कि सर्दियों में भी इस स्थान का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक होता है और यह पृथ्वी पर स्थित सबसे गर्म वातावरण वाले क्षेत्रों में से एक है।

अनुसंधानकर्ताओं क- अनुसार इस क्षेत्र में अत्याधिक खारे और अतिअम्लीय तालाब पाए जाते हैं। शून्य(अतिअम्लीय) से लेकर 14 (अत्याधिक क्षारीय) के मानक पर इस स-थान का पीएच शून्य से भी कम अर्थात नकारात्मक निशान तक पहुंच जाता है।

पहले हुए अनुसंधान में यह बताया गया था कि इस दुरुह बाकी पेज 8 पर

'नेचर इकोलॉजी एंड इवोल्यूशन' नामक पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन से पता चला है कि इथियोपिया के डॉलोल भू-तापीय क्षेत्र के गर्म, खारे, अतिअम्लीय तालाबों में जीवन पूरी तरह से असंभव है। इन तालाबों में किसी भी प्रकार के सूक्ष्म जीव भी उपस्थित नहीं थे।

'स्पेनिश फाउंडेशन फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी'(एफईसीवाईटी) के अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि डॉलोल क्षेत्र नमक से भरे ज्वालामुखी के मुख यानि क्रेटर पर स्थित है। जलतापीय गतिविधियों के कारण इस क्रेटर से लगातार उबलता पानी और जहरीली गैसें निकलती रहती हैं।

जनसत्ता रविवारी

24 नवंबर, 2019

जग दर्शन का मेला

हर साल दिल्ली में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का महत्त्व कई मायनों में दूसरे मेलों से अलग है। इसके जरिए विभिन्न देशों और राज्यों के व्यापारियों को अपना कारोबार बढ़ाने में तो मदद मिलती ही है, लोगों को भी विभिन्न संस्कृतियों की जानकारी मिलती है। बता रहे हैं सुशील राघव।

• कहानी/ हबीब कैफी • ललित प्रसंग/ सुरेश सेठ • मुद्दा/ मोनिका शर्मा • शख्सियत/ जगदीश चंद्र बसु • दाना-पानी/ मानस मनोहर • सेहत/ रविवारी डेस्क

पहनावे का नया अंदाज • दीप्ति अंगरीश

• कविता/ किरण सिंह • कहानी/ सिराज अहमद

जनसत्ता क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

It's for general information, I, Jai Prakash Prashad S/o Dhari Prashad R/o-RZ-K2/50, Nihal-Vihar, Delhi-110041,afairm, name of mine, my wife and my minor son has been wrongly-written as Jai Prakash,Mamta and Akash Kumar in my minor son Akash Prashad (DOB.31.12.2003) school-educational documents.The Actual name of mine, my wife and my minor son are Jai Prakash Prashad, Jai Shree Devi and Akash Prashad,respectively which maybe amended accordingly. 0040521681-3

It is for general information that I,Seema D/o Harish Chand, W/o Jag Jeevan R/o-A-3/281 Nand Nagri,Delhi-110093, inform that name of mine hasbeen wrongly-written as Seema Jatav in my Central-Bank-Of-India Passbook. The actual name of mine is Seema which may be amended accordingly. 0040521681-1

I Pooja Ashok Upadhyay D/o-Ashok Babulal Upadhyay, R/o.-C-64, Rajouri-Garden, New-Delhi-110027. Have changed my Name To Pooja Suri. 0040521675-8

I, Aashish Kumar Sharma S/o Ravi Kumar SharmaR/o Z-329,A Sector-12, Noida-201301, have changed my name to Ashish Sharma. 0040521635-1

I, Arun Kumar S/o Ramesh Kumar Bhatia R/o-C-4/3, First Floor, Sector-11, Rohini, Delhi-110085, have changed my name to Arun Bhatia. 0040521675-7

I, Babita Kumari D/o Jasbir Singh R/o A-210, Phase-I, Sector-3, Pappan Kalan, Dwarka, Delhi-110075, changed my name to Babita Chauhan. 0040521581-1

I, Chetan Kumar, S/o Nagappa Suladhal, R/o 173/1, Marakatti Road, Chandanahosur, Tarihal Belagavi, Karnataka-590003, informs that I have changed my name Chetan Kumar to Chetan Kumar Nagappa Suladhal, for all future purposes. 0040521590-3

I, Daljit Singh Behl S/o Dalip Singh R/o-A-3/99, F/F, Paschim-Vihar, N.Delhi-110063.have changed my name to Daljit Singh. 0040521675-2

I, Gurdev Singh Bhambra, S/o Sh. Sukhchain Singh R/o-H.No.51, Rameshwar-Nagar, Azadpur, Delhi-110033, changed my name to Gurdev Singh,for all purposes. 0040521668-2

I, Harish Arora S/O Satya Pal R/O-3591, Raja-Park, Rani-Bagh, Shakur-Basti, Delhi.Changed Name To Harish Chander. 0040521675-6

I, Javed S/o Shauqat Ali R/o-3229 Phatak Teliyan,Turkman-Gate Delhi.have changed my name to Mohd Javed for all purposes. 0040521668-1

I, Kalamesh S/o Nagappa Suladhal R/o 173/1, Marakatti Road, Chandanahosur, Tarihal, Belagavi, Karnataka-590003, informs that I have changed my name from Kalamesh to Kalamesh Nagappa Suladhal for all future purposes. 0040521590-1

I, Kewal Krishan Tanwar S/o-Pyare Lal Tanwar R/o-Y-989, Mangolpuri, Delhi-110083,have changed my name to Kewal Krishan, for all purposes. 0040521675-4

I, Kawaljeet Kaur, W/o Rajinder Singh, R/o House No.3650, Gali no.6, Narang Colony, Tri Nagar-110035 Delhi, after marriage have changed my name to Jaspreet Kaur. 0040521587-1

I,Surinder Singh Wason S/o Diwan Singh Wason R/o-WZ-572/584, S/F Gali No-20, Shiv-Nagar, ND-58, have changed my name to Surinder Singh for all future purposes. 0040521579-1

I, Zakiya Nafees W/o Azizul Hasan R/o P-97, 2nd floor, Batla House, Jamianagar, N.Delhi-110025, changed my name Sayeeda Zakia Nafisi to Zakiya Nafees permanently. 0040521580-1

I, Malaprabha W/o Nagappa Suladhal R/o 173/1, Marakatti Road, Chandanahosor, Tarihal, Belagavi, Karnataka-590003, informs that I have changed my name from Malaprabha to Malaprabha Nagappa Suladhal for all future purposes. 0040521590-2

No.1493985Y NK Govind Singh s/o Late Sh. Hari Singh Kumari R/o Vill.-Kunjasu PO-kunjasu, Tehsil-Pokhari, Distt. Chamoli, Uttrakhand-246473.inform that my daughter name is wrongly-mentioned as Kumar Shakshi instead of Shakshi in my army record. Her Actual and correct name is Shakshi. AFFIDAVIT-IN-DL80962121676281R. 0040521333-2

I, Tran Kumar S/o Rampal Singh R/o-H.No.161, Village-Dagarpur, Khekra, Bhaghpat, U.P.250101, have changed my name to Tarun Kumar. 0040521675-3

I, Tajinder Singh Nanda S/O, Harmohinder Singh Nanda R/o H-17 Gf, Shivaji Park, Punjabi Bagh West, New Delhi-110026 have changed my name to Gajinder Singh Nanda for all purposes. 0040521600-1

I, Sumita Chakraborty, W/o Vijay Arvind Rao, R/o 93C Pocket-A, DDA Flats Sukhdev Vihar, Delhi – 110025 hold Passport No. K8633244 which incorrectly mentions my Name as Sumita Chakaraborty, Father's Name as Jayanta Chakaraborty and Mother's Name as Baby Chakaraborty. The correct spelling of my name is Sumita Chakraborty, Father's Name is Jayanta Chakraborty and Mother's Name is Baby Chakraborty. 0070685042-1

I, Sumit Kumar S/o Babu Lal Gupta R/o F/284, Pandav Nagar, Mayur Vihar, Phase-I, Shamas Pur, Patpar Ganj, Delhi-91, have changed my name to Sumit Kumar Gupta for all future purposes. 0040521588-1

I, Sudhesh S/o Vinod Kumar R/o-15/309 KalyanPuri, Delhi-110091,have changed my name to Sudhesh Kumar Permanently. 0040521675-9

I, Shkuntla Rani R/o 50 II floor Defence Enclave, New Delhi-110092 have changed my name to Shakun Arora 0070685040-1

I, Shivangi Singh W/o Shivanshu Sachan, R/o Tower -M602, Nimbus Hyde Park, Sector-78, Noida U.P.-201301, have changed my name from Shivangi to Shivangi Singh to all future Purposes. 0040521599-1

I, Sanjivini D/o Hukam Chand Malhotra R/o-40-41, Pocket-3, Sector-25, Rohini, Delhi-110085, have changed my name to Sanjivini Malhotra.0040521668-4

I, Rohit S/o Pushkar Singh R/o Flat No. 18-19, Kh.No.630/1, 2nd floor, left Numberdar Colony, Burari, Delhi-110084, have changed my name from Rohit to Rohit Bartwal for all future purposes. 0040521617-1

I, Ravita@Ritu D/o-Satbir Kumar W/o Mintu R/o-B-78 Maharani-Enclave Hastsal-Uttam-Nagar West-Delhi-110059.have Changed my name to Ritu. 0040521675-10

I, Ravi S/o Vijay Kumar R/o 8/334, Lalita Park, Laxmi Nagar, Delhi-110092, have changed my name to Ravi Kanojia for future purposes. 0040521611-1

I, Rajnish Sood S/O A.S.Sood R/O-J-2/601, Kingsburry-Appt.TDI-City, Nangal-Kalan, Sonipat-Haryana-131023. Have Changed my Name to Rajnesh Sood. 0040521675-1

I, Raj Kumar Thakur S/o Shri Chaman Lal Thakur, R/o 3098, Arya Pura, Old Subzi Mandi, Malka Ganj, Delhi-110007, have changed my name from Raj Kumar to Raj Kumar Thakur, for all future purposes. 0040521584-1

I, Nitin Kumar Gupta, R/o D-55, First Floor, Pushpanjali Enclave, Pitampura, Delhi – 110034 have changed my name to Nitin Gupta. 0070685043-1

I, Neelam Rani Arora W/o-Krishan Kumar R/o-4-D/6, Old-Rajinder Nagar, New Delhi-110060, have changed my name to Neelam Arora. 0040521675-5

I, Mohinder Kaur Nanda W/o Gajinder Singh Nanda R/o H-17 Gf, Shivaji Park, Punjabi Bagh West, New Delhi-110026, have changed my name to Mohninder Kaur Nanda for all purposes. 0040521586-1

I, Mohd Javed,S/o-Shauqat Ali R/o-3229, Phatak Teliyan,Turkman-Gate Delhi, inform that Mohammad Shauqat Ali,and Shauqat Ali,both name used my father. Both name were same and one person. 0040521668-3

I, Kumari Rupam Priya W/o Kishore Kumar R/o-78, Pkt-4, Sector-24, Rohini,Delhi-110085 have changed my name to Rupam Priya. 0040521668-5

मैं, मोहम्मद गुलज़ार पुत्र इस्माइल मिया सुखहै मिया, बसडीला महंथ टोला, फरेन्दहा, कुशीनगर, उत्तर प्रदेश का स्थाई निवासी हूँ मैं अपना नाम बदलकर ''गुलज़ार अंसारी पुत्र इस्माइल'' रखा है।

"IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

खोया+पाया

I, TIRATH Singh S/o Bijander Singh R/o h.no-487 driyapur-Kalan Delhi-39.have lost my original-certificate class-10th year-2013 Rollno -8685215 CBSE-Delhi. 0040521681-11

I, SHUBHAM Bhardwaj S/o Anil kumar R/o-3/206 ganga-Ram gali-shahdara,Delhi-32.have lost my original-certificate class-10th year-2011 Rollno-8121789 CBSE-Delhi. 0040521681-9

I, Arti Sahni D/o-Shyam Sunder R/o-396 Gagan-Vihar New Delhi-51. is getting a duplicate-certificate class-10th year-1994 Rollno-6324962 CBSE-Delhi for third-time. 0040521681-10

I,No.5350679 'A' Yam Bahadur Kawar Serving at 1184,DSC,PL,DHQ,Security Troops,New Delhi-110011,in my service records my daughter name has wrongly mentioned as Saya Magar instead of Saya Kawar.DL-7210037292625081405 4R 0040521643-1

I, Anurag Sharan S/o Late Braj Bhushan Sharan R/o Flat 288, Ground floor, Narmada Appt., Alaknanda, New Delhi-110019, have lost my original NOC dt.08.07.1986, issued by DDA in favour of Sh. B.B. Sharan of above address. If found contact: 9341221607. 0040521572-1

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को विदित हो कि मेरे मुव्वकिल महेन्द्र सिंह पुत्र स्व. लालाराम, एवं पुष्पा पत्नी श्री महेन्द्र सिंह, निवासी 8008, मुल्तानी ढांडा, गली नं 10–11, पहाड़गंज, नई दिल्ली–110055, ने अपने पुत्र जतिन एवं इसकी पत्नी श्रीमति लक्षिता उर्फ मैना को अपनी हर चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है और अपने समस्त रिश्ते नाते समाप्त कर लिये हैं क्योंकि वे मेरे मुव्वकिल के आज्ञाकारी नहीं रहे हैं और उनका व्यवहार मेरे मुव्वकिल एवं उनके परिवार के प्रति ठीक नहीं है। मेरे मुव्वकिल को उनसे खतरा है। अतः भविष्य में वे अपने समस्त कार्यों वे लेन–देन के लिए स्वयं जिम्मेवार होंगे। मेरे मुव्वकिल व उनके अन्य परिवाजनों का कोई लेना–देना नहीं होगा।

G.L. GOSWAMI - ADVOCATE
Ch. No. 576, Wester Wing,
Tis Hazari Court, Delhi -110054

PUBLIC NOTICE

Be it known to all concerned that my client Shri Chander Sagar Aggarwal S/o. Shri D.S. Aggarwal and his wife Smt. Asha Aggarwal both R/o 143, Lok Nayak Apartment, Sector-9, Rohini, Delhi -110085, have severed all their relations with their son Vivek Kumar Aggarwal and his wife Pratibha Aggarwal due to their mischievous and cruel acts committed by them against my clients. My above said clients have disowned them from all their moveable and immovable properties with immediate effect. Any person dealing with them shall be at his/her/their own risk, my clients will not be responsible in any manner in future.

RAHUL MEHTA - ADVOCATE
Ch. No. 482, Civil Side,
Tis Hazari Courts, Delhi -110054

TO WHOMSOEVER IT MAY CONCERN

General public is hereby informed at large that my client Smt. Inderpreet Pathak R/o Flat No. 243, Sarvodaya Apartment. Sector-12, Pocket-8, Dwarka, New Delhi-110075 has severed all her ties from her husband **Naveen Chandra Pathak** S/o Late Sh. Krishan Dutt Pathak (DOB-20.6.1967) with immediate effect. My client shall in no way be held responsible for his financial, mental and physical deeds, of whatsoever nature. Anybody dealing with him shall do so at his/her own risk and consequences.

MANPREET BHALLA (Advocate)
Ch.No.620, Patiala House Courts,
New Delhi-110001

PUBLIC NOTICE

Be it known to the public at large that My clients Smt. Neetu and Mr. Sunil Kumar (Both Husband and Wife) Residing at House No. F-528 JJ Colony Madipur New Delhi-63, has disowned and debarred their son Aman and daughter in law Isha from their movable and immovable properties/assets and severed all relation with them, due to their Misbehavior and criminal conduct. My clients shall not be responsible for their any act or conduct. Whoever deals with them deals at their own cost and consequences.

D.C. AKARNIYA - ADVOCATE
B-22, BGS Block,
Tis Hazari Courts,Delhi -110054

PUBLIC NOTICE

My client namely Shakeel Ahmad S/o Nazeer Ahmad R/o D-16/8, Block D, Okhla Vihar, Jamia Nagar, Okhla, South Delhi-110025 has disown and debarred his son Kashif from all moveable and immovable properties and severed all realtions with them. If anyone deals with them in any manner whatsoever shall be doing his/her own risk and responisnblity. My client and other family members shall not be responsible for their any act in future.

Javed Mohsin, Advocate
Ch. No. 650, Patiala House Court,
Mobile: 8285469435

PUBLIC NOTICE

To be known to all that I, **Sh. Pradeep Singh Rawat** S/o Sh. Kunwar Singh Rawat R/o 186, Janta Flats, Pocket-B, Paschim Puri Extn., Madipur, New Delhi-110063 Owner of **DDA Janta Flat No-186, Janta Flats, Pocket-B, Paschim Puri Extn., Madipur, New Delhi-110063 (Possession Letter, Demand Letter), NOC (electricity connection, & water connection)** have been lost misplaced. An F.I.R. to this effect has been lodged in the Police Station Crime Branch, Delhi Vide LR No:**1923622/2019** Dt. **22/11/2019**, SO No.**430/2014**.
Any person(s) claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents, may write/contact with above named person at above Address/Phone No. **9811304357** within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objection with respect to this property, can personally inform or write to Dy. Director LAB(H) LIG or Director (H) LIG D-Block, DDA, Vikas Sadan, INA, New Delhi-23.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि Clix Housing Finance Private Limited एक सम्पत्ति प्रथम तल, सम्पत्ति संख्या WZ–21, प्लाट नं0 45 व 46 क्षेत्रफल 112.1/2, वर्गगज., रेक्ट न 35, किला नं0 13,14,17,18,23,24 व रेक्ट नं0 36, किला नं0 4, जो कि ग्राम ख्याला, विष्णु पार्क, नई दिल्ली 110018 में स्थित है व जिसकी स्वामिनी श्रीमती गुरमीत कौर पत्नी श्री स. पाल सिंह है और जिसे श्रीमती शशि दुबे खरीद कर रही है को सम्यक बंधक रख रहा है। यदि कोई व्यक्ति/वित्तिय संस्था/बैंक/बोर्ड अथवा अन्य कोई निकाय आदि इस सम्पत्ति में अपना कोई हित अथवा दावा रखता हो तो इस सूचना के प्रकाशन की तिथि के 7 दिन के भीतर निम्न पते पर अपने दस्तावेज सहित संपर्क करे। तत्पश्चात ऐसा कोई भी दावा या हक शून्य व अमान्य होगा।

अवनीश शुक्ला (अधिवक्ता)
चेम्बर न. E-419, कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली–110032.
9871603366, 9717476101.

दिल्ली की अनधिकृत कालोनियों के लोग 16 दिसंबर से करा सकेंगे संपत्ति का पंजीकरण

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

दिल्ली के ग्रामीण इलाकों में मौजूद अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने की प्रक्रिया में कानूनी बाधाओं को दूर करने के लिये दिल्ली के उपराज्यपाल ने 20 दिसंबर को ऐसे 79 गांवों को शहरी क्षेत्र में घोषित कर दिया है।

दिल्ली की 1731 अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने की प्रक्रिया के तहत इन कॉलोनियों के निवासी अपनी संपत्ति का पंजीकरण कराने के लिए 16 दिसंबर से आवेदन कर सकेंगे। आवास एवं शहरी विकास मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इस प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए इन कॉलोनियों को नियमित करने की प्रक्रिया को पूरी तरह से ऑनलाइन बनाया गया है। पुरी ने कहा कि कॉलोनियों का सीमांकन करने और प्रत्येक संपत्ति के नक्शे बनाने से लेकर संपत्ति के पंजीकरण की प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि इसके लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने दो अलग वेब पोर्टल बनाए हैं। पुरी ने कहा कि इनमें से एक पोर्टल पर कॉलोनियों के सीमांकन की प्रक्रिया शनिवार से शुरू कर दी गई है, जबकि दूसरा पोर्टल संपत्तियों के पंजीकरण के लिए बनाया जा रहा है। पुरी ने सीमांकन के लिए बनाए गए वेब पोर्टल का उद्घाटन करते हुए बताया कि दूसरा पोर्टल 16 दिसंबर से शुरू करने का लक्ष्य तय किया है। डीडीए के उपाध्यक्ष तरुण कपूर ने बताया कि अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के 23 अक्तूबर के फैसले के बाद जारी अधिसूचना में ही तय कर दिया गया है कि संपत्ति के पंजीकरण के लिये आवेदन करने के 180 दिन के भीतर आवेदक को पंजीकरण प्रमाणपत्र देना होगा। पंजीकरण के लिए आवेदन सिर्फ ऑनलाइन ही किया जा सकेगा। कपूर ने कहा कि आवेदन की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिये डीडीए अपने क्षेत्रीय कार्यालयों में 25 से 30 सहायता केन्द्र एक दिसंबर से शुरू कर देगा। इन केंद्रों में लोगों को पंजीकरण की आवेदन प्रक्रिया को पूरा करने के लिये निशुल्क मदद की जाएगी।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के ग्रामीण इलाकों में मौजूद अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने की प्रक्रिया में कानूनी बाधाओं को दूर करने के लिये दिल्ली के उपराज्यपाल ने 20 दिसंबर को ऐसे 79 गांवों को शहरी क्षेत्र में घोषित कर दिया है। इसके अलावा कॉलोनियों के जुड़ी जमीन पर भू–उपयोग में बदलाव से जुड़े मुकदमों को भी सरकार वापस लेगी। उपराज्यपाल जल्द ही इस आशय के फैसले की घोषणा कर देंगे। पुरी ने कहा कि जनवरी के अंतिम सप्ताह तक नियमितीकरण की प्रक्रिया को पूरा कर दिया जायेगा और निर्धारित समयसीमा में संपत्तियों के पंजीकरण की प्रक्रिया भी पूरी कर ली जायेगी।

उन्होंने बताया कि इन कॉलोनियों को नियमित करने की राह में सबसे बड़ी बाधा कॉलोनियों के सीमांकन की थी। पुरी ने पिछले 11 साल से यह काम लंबित होने के लिये दिल्ली की वर्तमान और पिछली सरकारों को जिम्मेदार ठहराते हुये कहा कि कालोनियों का सीमांकन कर इनके नक्शे बनाने का काम सर्वे ऑफ इंडिया की मदद से उपग्रह मैंपिग द्वारा किया जा रहा है। केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि इस पद्धति से 500 कॉलोनियों का सीमांकन कर इनमें से 40 कॉलोनियों के नक्शे शनिवार को शुरू किये गये डीडीए के पोर्टल पर अपलोड कर दिये गये हैं। अपलोड किये गये नक्शे देखकर स्थानीय लोग और कॉलोनी की आरडब्लूए 15 दिन के भीतर अपने सुझाव और आपत्तियां डीडीए को देकर शंकाओं का समाधान कर सकेंगे।

पुरी ने कहा कि समूची प्रक्रिया की निगरानी मंत्रालय द्वारा की जा रही है, जिससे लोगों को संपत्ति का स्वामित्व अर्जित करने में दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़े और भविष्य में कानूनी विवादों से बचा जा सके। उन्होंने बताया कि मंत्रालय पूरी प्रक्रिया की साप्ताहिक समीक्षा रिपोर्ट भी सार्वजनिक करेगा। यमुना खादर क्षेत्र, पुरातत्व विभाग और वन विभाग की जमीन पर बसीं कॉलोनियों को नियमित करने के सवाल पर पुरी ने कहा कि फिलहाल कानूनी बाधाओं के कारण इन कॉलोनियों के बारे में कोई फैसला नहीं किया गया है।

रेलगाड़ियों में खानपान सेवा मुहैया कराने वाली 47 निजी कंपनियों को नोटिस

नई दिल्ली, 23 नवंबर (भाषा)।

भारतीय रेलवे खानपान निगम (आइआरसीटीसी) ने रेलगाड़ियों में खाना मुहैया कराने वाले 47 निजी सेवा प्रदाताओं को नोटिस जारी कर उन्हें खानपान सेवा की गुणवत्ता में सुधार करने का निर्देश दिया।

आइआरसीटीसी ने शनिवार को एक बयान में यह जानकारी दी। यह कदम ट्रेन में खानपान सेवा में सुधार के लिए उठाया गया है। भारतीय रेल में कुल 358 कंपनियां खानपान सेवा मुहैया कराती हैं और इनमें से केवल 13 फीसद कंपनियों को नोटिस भेजा गया है। प्रदर्शन के मानकों पर खरे नहीं उतरने पर आइआरसीटीसी पहले ही 24 ठेके रद्द कर चुका है। बाकी 23 ठेकेदारों की निगरानी की जा रही है जिसके आधार पर उनपर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बयान में आइआरसीटीसी ने कहा, खराब प्रदर्शन करने वालों को कंपनियों को छोड़ा नहीं जाएगा और मानकों पर खरा नहीं उतरने पर उनके ठेके रद्द किए जाएंगे। आइआरसीटीसी ने कैटरिंग सेवा पर निगरानी रखने के लिए और यात्रियों की शिकायत का उसी समय समाधान करने के लिए अधिकतर ट्रेनों में कैटरिंग सुपरवाइजर और सहायक नियुक्त किए हैं। कंपनी विभिन्न ट्रेनों में भोजन की सुरक्षा और साफ सफाई का ऑडिट भी करवा रही है।

मालविंदर, गोधवानी न्यायिक हिरासत में

नई दिल्ली, 23 नवंबर (भाषा)।

दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को फोर्टिस हेल्थकेयर के प्रवर्तक मालविंदर सिंह और रेलीगेयर इंटरप्राइजेज लिमिटेड के पूर्व सीएमडी सुनील गोधवानी को रेलीगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड में धन के कथित दुरूपयोग से जुड़े धनशोधन मामले में न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

प्रवर्तन निदेशालय द्वारा हिरासत में लेकर पूछताछ की अवधि समाप्त होने के बाद उन्हें अदालत में पेश किया गया जहां से विशेष न्यायाधीश संदीप यादव ने उन्हें सात दिसंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

मुंबई में राकांपा प्रमुख शरद यादव के साथ हुई संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस के बाद शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे।

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री शेषराम यादव निवासी म.न. 2671, गली नं. 68 बी–ब्लॉक संतनगर बुरारी दिल्ली ने अपनी पुत्री सोनिया यादव को उसके अनैतिक, असामाजिक एवम दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल एवम सम्बन्ध विच्छेद कर लिया है। सोनिया के किसी भी कृत्य के प्रति मेरे मुवक्किल जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरि नारायण पाण्डेय
(अधिवक्ता)
चै.नं. टी–37, तहसील रोड, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

PUBLIC NOTICE

My clients Budh Ram And his wife Shimla R/O house no 193 gali No. 2 shalimar village Delhi have severed or discontinue their relation with Mohan Kumar and his wife Asha Rani and their son Amit and daughter Meenakshi and debarred them from all their movable and immovable properties & my clients shall not responsible for their activities.

Sd/-
ZUBAIR AHMED ADVOCATE
Ch. No. L-22, P.S. RATHI BLOCK TIS HAZARI COURT DELHI

The Indian EXPRESS Classifieds
FROM ANYTHING TO EVERYTHING

EXPRESS EDUCATION

LAW AMBITION LAW INSTITUTE
JHARKHAND JUDICIARY MOCK INTERVIEW 2019...
SCARED OF FACING THE REAL INTERVIEW ???
COME HAVE THE MOCK INTERVIEW
REGISTER AS SOON AS POSSIBLE
CALL/MGS - 8800660301/8800662130
Email-ambitionlaw1@gmail.com
JOIN IAS LAW TEST SERIES 24th NOV.
10th DEC. NEW BATCH FOR JUDICIARY
MUKHERJEE NAGAR
NEW BATCH FOR JUDICIARY
6th DEC. 8800660301
Registration Open Till : 25 Nov.
Toll Free No. : 1800-12000-2001
8800662140, 011-49841810
32-B, 3rd Floor, Pusa Road,
Near Metro Pillar No. 122, New Delhi- 110005
www.ambitionlawinstitute.com

Contact for Advt. Booking: M/s Friends Publicity Service 23276901, 23282028 (M): 9212008155, 9212665841.

दिल्ली के विकास में बाधक है 'आप' सरकार : हरदीप सिंह पुरी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

आवास एवं शहरी मामलों के राज्यमंत्री हरदीप सिंह पुरी ने दिल्ली में नागरिक सुविधाओं को विश्वस्तरीय बनाने में दिल्ली की केजरीवाल सरकार पर बाधक बनने का आरोप लगाते हुए शनिवार को 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल पर जमकर हमला बोला, हालांकि दिल्ली में भाजपा के मुख्यमंत्री पद के दावेदार बनने के सवाल पर पुरी ने कहा कि उनका ऐसा कोई इरादा नहीं है। पुरी ने शनिवार को दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने की प्रक्रिया में इनकी सीमांकन की बाधा को दूर करने की घोषणा के लिए आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पिछले ढाई साल से इन कॉलोनियों के सीमांकन के अलावा मेट्रो, आवास और परिवहन सहित सभी बड़ी परियोजनाओं में सिर्फ बाधक बन रहे हैं।

यह पूछे जाने पर कि दिल्ली में चुनाव से पहले आवास, परिवहन, सड़क निर्माण और स्वच्छता से जुड़े तमाम बड़ी परियोजनाएं पुरी द्वारा शुरू किए जाने के मद्देनजर क्या उन्हें भाजपा के मुख्यमंत्री पद का दावेदार माना जाए। पुरी ने कहा, महत्त्वपूर्ण फैसले करना और इन्हें लागू कराना मंत्रालय का काम है, इसका दिल्ली के चुनाव से कोई ताल्लुक नहीं है। उन्होंने कहा कि जहां तक दिल्ली में भाजपा के मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनने का सवाल है, तो ऐसा मेरा कोई इरादा नहीं है।

जम्मू कश्मीर का राज्य दर्जा बहाल करने की कांग्रेस ने की मांग

जम्मू, 23 नवंबर (भाषा)।

जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग के समर्थन में वरिष्ठ नेताओं की अगुआई में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शनिवार को विरोध मार्च निकाला और देश में जारी आर्थिक सुस्ती को लेकर विरोध जताया। शहीदी चौक स्थित कांग्रेस मुख्यालय से शुरू होकर कांग्रेस का विरोध मार्च राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को संबोधित एक ज्ञापन सौंपने के बाद उपायुक्त कार्याय में समाप्त हो गया।

370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त करने के बाद शहर में अपनी तरह का यह पहला प्रदर्शन है। जम्मू कश्मीर कांग्रेस अध्यक्ष जीए मीर ने विरोध मार्च से पहले बताया, 'आज का यहां का प्रदर्शन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन के तहत आयोजित किया जा रहा है।

समान नागरिक संहिता पर नहीं होनी चाहिए कोई आपत्ति : पंत

नई दिल्ली, 23 नवंबर (भाषा)।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति पीसी पंत ने शनिवार को कहा कि भारत के लिए 'समान नागरिक संहिता' पर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने दलील दी कि विशेष विवाह अधिनियम या ब्रिटिश शासन द्वारा लागू किए गए उन कानूनों पर कोई आपत्ति नहीं है, जो हर किसी पर लागू होते हैं, चाहे वे किसी भी धर्म के क्यों न हों।

पंत ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से समान संहिता की जरूरत के बारे में जागरूकता फैलाना लोगों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाने में एक अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि लोगों को अंग्रेजों (ब्रिटिश शासन) द्वारा बनाए गए कानून या विशेष विवाह अधिनियम या किशोर न्याय अधिनियम के प्रति कोई आपत्ति नहीं है। इसमें 2006 में संशोधन के बाद मुसलिम दंपति को किसी बच्चे को गोद लेने का अधिकार दिया गया, जबकि उनके पर्सनल लॉ में यह प्रतिबंधित था। उन्होंने 'भारतीय नागरिक संहिता–सभी भारतीयों के लिए समान नागरिक कानून' विषय पर आयोजित एक सेमिनार में यह कहा। इसका आयोजन 'भारतीय मतदाता संगठन' ने किया था।

पटना हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति आईए अंसारी और इलाहाबाद हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति जेडयू खान ने भी कार्यक्रम में अपने विचार रखे। कार्यक्रम में अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल अमन लेखी भी शरीक हुए। न्यायमूर्ति अंसारी ने कहा कि नागरिक कानूनों में एकरूपता स्वागतयोग्य कदम है, लोगों को इसकी पड़ताल करनी चाहिए कि उनके खुद के पर्सनल लॉ में क्या बदलाव किए जा सकते हैं।

मौसम
तापमान नई दिल्ली
अधिकतम-26.0 डि.से. सूर्योदय- 6:50
न्यूनतम- 15.0 डि.से. सूर्यास्त- 17:25

गंदे पानी व प्रदूषण की दोहरी मार झेल रही है दिल्ली : श्याम जाजू

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व दिल्ली प्रभारी श्याम जाजू ने शनिवार को कहा कि आम जनता गंदा पानी व प्रदूषण की दोहरी मार झेल रही है। दिल्ली सरकार आम जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में नाकाम रही है और अपनी नाकामियां छुपाने के लिए केवल आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति कर रही है। वे कनॉट प्लेस में भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदर्शन को संबोधित कर रहे थे।

श्याम जाजू ने कहा कि आम आदमी पार्टी का पूरा कुनबा दिल्ली के लोगों के बीच झूठ का प्रचार-प्रसार कर मुफ्त योजनाओं की आड़ में दूषित पानी के मुद्दे को ढकने की पूरी कोशिश कर रहा है, लेकिन जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली किसी भी व्यक्ति को दिल्ली भाजपा कभी माफ नहीं करेगी। पानी के लिए हमारा संघर्ष जनता के लिए जनता के द्वारा किया जा रहा है जिसका प्रतिनिधित्व दिल्ली भाजपा कर रही है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दुष्यंत गौतम ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने 2014 में कहा था कि पार्टी के सत्ता में आते ही शुद्ध जल उपलब्ध कराएगी। इसके बाद 2015 में 2017 तक और अब 2024 तक सभी घरों में नल से पानी उपलब्ध कराने का दावा कर रही है। इस प्रदर्शन में प्रदेश महामंत्री राजेश भाटिया, मोर्चा प्रभारी योगेंद्र चंदोलिया समेत पार्टी के अन्य नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए।

'जवाब देने से बच रहे हैं मुख्यमंत्री'

गंदे पानी के नमूनों को लेकर भाजपा ने शनिवार को आप पर हमला बोला। भाजपा नेता विजय गोयल ने कहा कि गंदे पानी की आपूर्ति व सीवर-पानी के कनेक्शन पर भाजपा ने सवाल उठाए हैं। इन सवाओं का जवाब देने से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बच रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल बोर्ड की वित्तीय हालत बेहद खराब है और उसे कर्मचारियों को वेतन तक देने में परेशानी आ रही है। उन्होंने कहा कि पहले जल बोर्ड ने 200 मीटर और 300 मीटर के प्लॉटों पर सीवर-पानी शुल्क खुद 1,14,110 रुपए व 1,24,110 रुपए ज्यादा रखा और लोगों को नए कनेक्शन लेने के लिए मजबूर किया।

फ्री पानी नहीं जहर पिला रही 'आप'

गंदे पानी की आपूर्ति के खिलाफ भाजपा ने शनिवार को विधायक एसके बग्गा के खिलाफ कृष्णा नगर में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की अगुआई कर रहे भाजपा नेता संदीप कपूर ने कहा कि दिल्ली सरकार मुफ्त पानी नहीं जहर पिला रही है। उन्होंने कहा कि सरकार मुफ्त पानी की जगह पर जनता को गुणवत्ता युक्त पानी उपलब्ध कराए। इस मौके पर भाजपा नेता नीमर भगत और भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के सहप्रभारी डॉ. अनिल गोयल समेत अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

तीसरे दिन भी तंवर की भूख हड़ताल जारी, आज होगी खत्म

दिल्ली में केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत और आवास योजना लागू नहीं करने के विरोध में शनिवार को पूर्व विधायक करण सिंह तंवर का प्रदर्शन जारी रहा। रविवार को उनकी भूख हड़ताल खत्म होगी। वह तीन दिन से भूख हड़ताल पर हैं। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री पांच साल से लापता हैं और वे जनता के साथ बदले की भावना से काम कर रहे है इसलिए केंद्र सरकार की योजनाओं को लागू नहीं किया गया है।

तेज हवा से प्रदूषण स्तर में मामूली सुधार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

राजधानी में शनिवार को हवा की गति बढ़ने के साथ ही प्रदूषण के स्तर में मामूली सुधार हुआ लेकिन यह अभी भी बहुत खराब दर्जे में बनी हुई है। प्रदूषण निगरानी प्रणाली सफर के मुताबिक एक-दो दिन में हवा की गति थमने पर प्रदूषण फिर गहरा सकता है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से हल्की बारिश की संभावना है। इसके बाद प्रदूषण से राहत मिल सकती है।

शनिवार सुबह नौ बजे समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) 340 दर्ज किया गया जबकि शुक्रवार शाम चार बजे यह 360 था। दिल्ली के अधिकांश निगरानी केंद्रों पर वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में पाई गई। नेहरू नगर में एक्यूआइ 387 के साथ सबसे अधिक प्रदूषित क्षेत्र रहा जबकि शादीपुर में सबसे कम 268 एक्यूआइ दर्ज किया गया। पड़ोसी जिले गाजियाबाद में (380), ग्रेटर नोएडा (364), गुरुग्राम (310), फरीदाबाद में (318) और नोएडा (349) में प्रदूषण मामूली रूप से कम हुआ है। सफर ने बताया कि हवा की गति बढ़ने के कारण शनिवार और रविवार को वायु गुणवत्ता में थोड़ा सुधार होने की उम्मीद जताई थी। हालांकि 25 नवंबर से पश्चिमी विक्षोभ के कारण हवा की गति फिर से कम होगी। इससे फिर से प्रदूषण बढ़ने की आशंका है दिन में हल्के बादल छाए रहे। हवा में नमी का स्तर बढ़ा रहा।

पर्यावरण संरक्षण सामूहिक जिम्मेदारी : विक्रम सिंह

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 23 नंवबर।

सोशल एंपावरमेंट विलेजर्स एसोसिएशन सेवा (एसईविए) और केंद्रीय आयुष मंत्रालय के राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के सहयोग से सेवा के नर्सरी पार्क पॉकेट-सी मयूर विहार फेस दो में औषधीय पौधरोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 381 औषधीय पौधे लगाए एवं वितरित किए गए। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पत्रकार और लेखक हरीश चंद वर्णवाल ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण मानवता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आयुष मंत्रालय के निदेशक विक्रम सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सामूहिक जिम्मेदारी है। गृह मंत्रालय के उप सचिव अखिल चंद झा ने कहा कि दिल्ली गैस चैंबर मे तब्दील हो चुकी है। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है कि हम पेड़-पौधे लगा कर, प्रदूषण स्तर को कम करें।

विश्व युवक केंद्र के चीफ कंट्रोलर उदय शंकर सिंह ने कहा कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि मानवता की रक्षा के लिए पेड़-पौधे लगाए। सेवा के सचिव राकेश कुमार ने कहा कि औषधीय पौधारोपण पर्यावरण एवं स्वास्थ्य की रक्षा होगी।

'सरकार से बेहतर भारतीय सिविल कोड तैयार करने की मांग'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

भारतीय मतदाता संगठन ने समान अधिकार दिवस पर शनिवार को नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में संगोष्ठी आयोजित की। इसमें वक्ताओं ने सरकार से यह मांग की कि वह विधि आयोग को निर्देश दें कि वह विश्व के विकसित देशों के समान नागरिक कानूनों और भारत में लागू कानूनों का अध्ययन कर दुनिया का सबसे अच्छे भारतीय सिविल कोड का मसविदा तैयार करें। संगोष्ठी का विषय था-सभी भारतीयों के लिए समान कानून।

संगोष्ठी को सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति पीसी पंत, राष्ट्रीय सवयंसेवक संघ के प्रचारक एवं मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संरक्षक इंद्रेश कुमार, विश्व हिंदू परिषद के कार्याध्यक्ष आलोक कुमार, पूर्व केंद्रीय मंत्री केजे अल्फोंस, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ संजय पासवान, भारत के अतिरिक्त महाधिवक्ता अमन लेखी, भारतीय मुस्लिम महिला आंदोलन की नेता जाकिया सोनम, न्यायमूर्ति आईए अंसारी, शिक्षाविद फिरोज बख्त अहमद, इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायधीश जेड यू खान, मानवाधिकार कार्यकर्ता डा ख्वाजा इफ्तिकार अहमद, फिल्मकार गजेंद्र चौहान सहित अन्य लोगों ने संबोधित किया।

भारतीय मतदाता संगठन के अध्यक्ष डॉक्टर रिखब चंद जैन ने संगठन के कार्यकलापों की जानकारी दी तो अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने सभा का संचालन किया।

केंद्र की गलत आर्थिक नीतियों से बढ़ रही है बेरोजगारी : कांग्रेस

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

दिल्ली कांग्रेस ने केंद्र की आर्थिक नीतियों पर सरकार को घेरा। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा ने कहा कि देश में बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। इसका मुख्य कारण नोटबंदी और केंद्र सरकार की गलत आर्थिक नीतियां हैं। सुभाष चोपड़ा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शनिवार को पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर जिला और चांदनी चौक के आदर्श नगर जिला में हल्ला बोल अभियान का आयोजन किया।

सुभाष चोपड़ा ने कहा कि पिछले 16 सालों में निजी निवेश सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। केंद्र सरकार आर्थिक मोर्चे पर पूरी तरह विफल साबित हुई है। एक ओर जहां घरेलू बचत 20 साल में सबसे कम हुई है। वहीं, देश में बचत की संपूर्ण दर 34.6 फीसद से गिरकर 30 फीसद रह गई है। चोपड़ा ने कहा कि आंकड़ों पर नजर डालें तो साफ होता है कि निर्यात में 66.4 फीसद का योगदान देने वाली 29 मुख्य आवश्यक चीजों में 21 में भारी गिरावट हर साल हो रही है। जय प्रकाश अग्रवाल ने आदर्श नगर जिला में आक्रोश रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि राजधानी में सभी छोटे बड़े दुकानदार और कारोबारी नोटबंदी, जीएसटी की बढ़ी हुई दरों के कारण न केवल कंगाली की कगार पर हैं, बल्कि आधे से अधिक प्रतिष्ठान तालेबंदी के शिकार भी हुए हैं। रैली में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जय प्रकाश अग्रवाल, लवली, नसीब सिंह समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

'प्रसव के बाद बच्चे के साथ महिला की देखभाल भी जरूरी'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

प्रसव के बाद महिलाओं के स्वास्थ्य में भारी उतार-चढ़ाव आते हैं ऐसे में प्रसव के छह हफ्ते तक उनकी विशेष देखभाल की दरकार होती है। महिलाओं में अवसाद बहुत आम बात है। यह बातें महिला रोग विशेषज्ञ डॉ अचला बत्रा ने कहीं। वे कार्यशाला नेशनल एसोसिएशन फार रिप्रोडक्टिव एंड चाइल्ड हेल्थ (नार्ची) की ओर से हुए सम्मेलन में बोल रही थीं। दो दिवसीय इस सम्मेलन का विषय प्रसव के बाद मां का स्वास्थ्य (पोस्टपार्टम हेल्थ) है। इसमें एम्स के महिलारोग विशेषज्ञ डा जेबी शर्मा ने महिलाओं के प्रसव संबधी मिथकों को तोड़ने व उन्हे समही मायने में समझने की जरूरत पर बल दिया।

नार्ची दिल्ली की ओर से होने वाले इस सम्मेलन में देश में नार्ची की संस्थापक व आयोजन समिति की अध्यक्ष डॉ अचला बत्रा ने कहा कि इस बार हमने यह विषय इस लिए रखा है क्योंकि यह सबसे उपेक्षित क्षेत्र है। इस पर महिला के परिजन बात ही नहीं करते और न ही डाक्टरों के बीच ही इस पर बात की जाती है। महिला या तो बीमारी की हालत में अस्पताल आती है या फिर प्रसव के पहले। प्रसव के बाद महिला सहित सभी लोग केवल बच्चे के देखभाल में ही व्यस्त हो जाते हैं। लेकिन इश समय महिला के स्वास्थ्य का ख्याल रखना भी जरूरी है। समान्य प्रसव के बाद भी कई तरह की दिक्कतें पैदा हो सकती हैं जिन पर ध्यान देकर उसके इलाज की जरूरत होती है। सम्मेलन में प्रसव के बाद खून का थक्का बनने व उसके बचाव व प्रबंधन पर रोशनी डाली गई।

डॉ जेबी शर्मा ने कहा कि 20 से 25 फीसद महिलाओं को अवसाद का समाना करना पड़ता है। करीब इतनी ही महिलाओं में पेशाब पर से नियंत्रण कम हो जाता है। वे इस दिक्कत को हल्के से व्यायाम से दूर कर सकती हैं। डॉ सरिता श्याम सुंदर ने कहा कि महिलाओं में हार्मोन संबंधी बदलाव भी होते हैं जिनसे भी उनकी सेहत प्रभावित होती है। साथ ही कहा कि थायरॉइड व अन्य बीमारियां भी हो जाती हैं। जिससे महिलाओं की सेहत पर बुरा असर पड़ता है। इस मौके पर महिला रोग विशेषज्ञों ने दिशानिर्देश का खाका पेश किया जिससे मरीजों के प्रसव के समय ही इसके बारे में पूरी तरह से अवगत कराया जाय।

नारियल के रेशे से बनेंगी ग्रामीण इलाकों में सड़कें

निर्भय कुमार पांडेय
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

प्रगति मैदान में चल रहे 39वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में विभिन्न राज्य सरकारों और केंद्र सरकार के विभिन्न-विभागों के मंडप लगाए गए हैं। ये मंडप संबंधित विभाग या मंत्रालय के कार्यक्रमों और योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के मकसद से लगाए गए हैं। ऐसा ही सूक्ष्म, लघु एवं माध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार का कयर बोर्ड भी है, जहां पर नारियल के रेशे से बनाए गए विभिन्न उत्पदों की प्रदर्शनी लगाई गई है। तीन साल पहले बोर्ड ने ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क बनाने के लिए एक खास तरह की तकनीक इजाद की थी। इस तकनीक के माध्यम से बनी सड़कों की लागत कम आती है और इस तरह की सड़कों पर लंबे समय तक गड्ढे भी नहीं बनते। एक अधिकारी ने बताया कि फिलहाल इस तकनीक से तमिलनाडू, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कें बनाई जा रही हैं। भविष्य में दक्षिण भारत के अन्य राज्यों में भी इस तरह की सड़कों का निर्माण होगा।

कयर बोर्ड के क्षेत्रीय निदेशक, जे के शुक्ला ने बताया कि इस तकनीक में कयर बोर्ड की मदद से बनाए जाने वाली सड़कों में नारियल के रेशे से बनी एक पट्टी (चादर) की मदद ली जाती है। इसके अलावा नारियल के अपष्ठि का इस्तेमाल भी किया जाता है। उन्होंने बताया कि दक्षिण भारत के इलाकों में देखने को मिलता था कि कुछ साल बाद सड़कें मिट्टी में नमी ज्यादा होने के कारण नीचे धंस जाती थी। उन्होंने बताया कि चादर मिट्टी की नमी को सोख लेती है, जिससे गड्ढा बनने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है।

कूड़े के ढेर होंगे पार्क में तब्दील

एक अधिकारी ने बताया कि आज अधिकतर महानगरों में कूड़े का निस्तारण एक बड़ी समस्या बन गई है। कयर बोर्ड कूड़े के ढेर पर नारियल के अपष्ठि और रेशे का इस्तेमाल कर पार्क बनाने पर काम कर रहा है। कूड़े के ढेर पर नारियल की पट्टी और अपष्ठि को बिछाकर एक परत बनाई जाती है। इस परत पर पौधे लगाए जाते हैं, जिसके बाद वह कूड़े का ढेर कुछ सालों के भीतर एक सुंदर पार्क का रूप ले लेता है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला

मेले में बढ़ने लगी भीड़

प्रगित मैदान में चल रहे 39वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में दर्शकों की भीड़ बढ़ने लगी है। शनिवार को छुट्टी का दिन होने की वजह से 40 हजार से अधिक दर्शक मेले में पहुंचे। उम्मीद है कि रविवार को दर्शकों की संख्या और बढ़ सकती है। आइटीपीओ प्रशासन का कहना है कि पिछले कुछ दिनों की तुलना में शनिवार को प्रदूषण के स्तर में सुधार दिखा। यही कारण है कि मेले में दर्शक अपने परिजनों के साथ पहुंचे थे। स्कूल की छुट्टी होने के चलते बच्चे भी परिजनों के साथ मेले में पहुंचे।

मेले में अपने परिवार के साथ सुरेंद्र सिंह ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में प्रदूषण स्तर काफी खराब था। वहीं, शनिवार को छुट्टी का दिन होने के कारण वह परिजनों के साथ घूमने के लिए आए हैं। उन्होंने बताया कि हालांकि बीते सालों की तुलना इस साल मेले का आकार बहुत ही छोटा है। वहीं, मालवीय नगर से अपने दोस्तों के साथ आए सुमित कुमार ने बताया कि सेना और अद्धसैनिक के मंडप काफी लुभा रहे हैं। उसने बताया कि सैनिकों के साथ फोटो भी खींचवाए और सेल्फी ली। वहीं, शिखा ने बताया कि मेला भले ही छोटा है। पर घूमने के लिए बहुत कुछ है। उसने बताया कि मेले में कई ऐसे मंडप हैं, जहां पर युवतियों के लिए कई प्रकार के सामान बिक रही हैं।

इलाहाबाद बैंक ALLAHABAD BANK
विश्वास की परम्परा A tradition of trust
चितरंजन पार्क (शाखा कोड- 1083)
पता: सी- 405 ए, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली-110019
फोन: 011-26277060, फैक्स: 011-26277060

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिये)

प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 के साथ पठित प्रतिभूतिकरण अधिनियम 2002 की धारा 13 (4) के अंतर्गत

जैसा कि, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन (अधिनियम), 2002 (2002 के 54) के अंतर्गत इलाहाबाद बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के (नियम 3) के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि 26.7.2019 जारी कर ऋणधारक- मै. सुमन गार्मेन्ट्स, प्रॉप. श्री अनिल कुमार, पुत्र श्री चन्द्र भान सिंह, निवासीः मकान सं. 117, गली नं. 3, सदरपुर कॉलोनी, सेक्टर- 45, नोएडा (उ.प्र.)- 201301 तथा गारन्टर श्री सुभाष राय, पुत्र श्री अम्बिका राय, मकान सं. 58, गली नं. 2, लखपत कॉलोनी-II, नई दिल्ली-110044 को उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि 25.7.2019 को रु. 17,33,070.00 (रुपये सत्तरह लाख तैंतीस हजार सत्तर मात्र) के साथ उस पर आगे का ब्याज, लागतों, खर्चे तथा अन्य अनुषांगिक चार्जेज वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

ऋणधारक/ गारन्टर/ मार्टगैजर निर्धारित अवधि में इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक/ गारन्टर/ मार्टगैजर तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आज, 18 नवम्बर, 2019 को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त प्रतिभूति हित प्रवत्तन नियमावली 2002 के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सभी संपत्ति का कब्जा कर लिया है।

विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय 25.7.2019 को रु. 17,33,070.00 (रुपये सत्तरह लाख तैंतीस हजार सत्तर मात्र) के साथ उस पर आगे का ब्याज, लागतों, खर्चे तथा अन्य अनुषांगिक चार्जेज के लिये इलाहाबाद बैंक, चितरंजन पार्क शाखा, सी- 405, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली-110019 के चार्ज के अधीन होगा।

ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।

अचल सम्पत्ति/ चल परिसम्पत्तियों का विवरण

अनिल कुमार, पुत्र श्री चन्द्र भान सिंह के नाम में प्लॉट नं. 117, गली नं. 3, खसरा नं. 112 में शामिल, ग्राम सदरपुर, परगणा एवं तहसील दादरी, जिला गौतम बुध नगर (उ.प्र.) में स्थित अचल सम्पत्ति जो कि मकान की सम्पत्ति है, का सभी भाग तथा हिस्सा।

चौहद्दी इस प्रकार है:
उत्तरः अन्य सम्पत्ति दक्षिणः अन्य सम्पत्ति
पूर्वः अन्य सम्पत्ति पश्चिमः रोड

तिथिः 18 नवम्बर, 2019 प्राधिकृत अधिकारी
स्थानः नई दिल्ली इलाहाबाद बैंक

पंजाब नेशनल बैंक punjab national bank
भरोसे का प्रतीक ... the name you can Bank upon!
शाखा कार्यालयः डी-ब्लॉक, वसन्त विहार, नई दिल्ली-110008

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)
परिशिष्ट-IV (नियम 8 (1) देखें)

जैसा कि, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन (द्वितीय) अधिनियम, 2002 के अंतर्गत पंजाब नेशनल बैंक, बसंत विहार, नई दिल्ली शाखा के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 9 के साथ पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि 2.9.2019 जारी कर ऋणधारक(कों)/गारन्टरोंः मै. नाइटराइडर्स एप्पैरल्स प्रा.लि., बी एम मॉडगिल, निर्भीक मॉडगिल, महिन्दर सिंह, विंकल मॉडगिल, शैलजा खन्ना, देविन्दर सिंह, गुरविन्दर सिंह, अनु मॉडगिल को उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि 2.9.2019 को रु. 342.50 लाख (रुपये तीन सौ बयालिस लाख तथा पचास हजार मात्र) के साथ लागू होने वाले/स्वीकृत दर पर आगे का ब्याज एवं चार्जेज वापस लौटाने का निर्देश दिया था। पुनः ऋणधारक ने उक्त तिथि के बाद रु. 53.81 लाख जमा किया अतएव मांग में उतनी राशि की कटौती की जायेगी।

ऋणधारक, गारन्टर इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक, गारन्टर तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आज, 22 नवम्बर, 2019 को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 9 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां श्री महिन्दर सिंह, पुत्र श्री पियारे सिंह के स्वामित्व की नीचे वर्णित संपत्ति का सांकेतिक कब्जा कर लिया है। विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित संपत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन संपत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय 2.9.2019 को रु. 342.50 लाख (रुपये तीन सौ बयालिस लाख पचास हजार मात्र) तथा उस पर आगे के ब्याज एवं चार्जेज के लिये पंजाब नेशनल बैंक, बसंत विहार, नई दिल्ली शाखा के चार्ज के अधीन होगा।

ऋणधारक ने उक्त तिथि के बाद रु. 53.18 लाख जमा किया, अतएव मांग में उतनी राशि की कटौती की जायेगी।

ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

श्री महिन्दर सिंह, पुत्र श्री पियारे सिंह के स्वामित्व में सम्पत्ति प्लॉट नं. 623, फेज V, उद्योग विहार, गुड़गाँव, हरियाणा (माप 250 वर्ग मी.) का सभी भाग तथा हिस्सा।

सम्पत्ति की चौहद्दीः
पूर्वः 25 एम/प्लॉट नं. 622 पश्चिमः 25 एम/प्लॉट नं. 624
उत्तरः 10एम/सड़क 12 मी. चौड़ा दक्षिणः 10 एम/प्लॉट नं. 616

तिथिः 22/11/2019 प्राधिकृत अधिकारी
स्थानः गुरूग्राम पंजाब नेशनल बैंक,

DR. BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY
Institute of Engineering & Technology, Agra
Advertisement No. RW/02/2019 Dated 21.11.2019
Advertisement for Direct Recruitment for Teaching Posts
The Institute invites application from Indian Nationals who are bright and motivated for faculty positions at the level of **Professor, Associate Professor in C.E., C.S.E., E.E., E.C.E., M.E. Branches, Assistant Professor in C.E. & E.E. and TPO** under Self Financing Scheme (SFS) latest by **13.12.2019.** Qualification and salary as per AICTE/Govt/University norms. For further details and application form, please visit: **http://www.dbrau.org.in**
REGISTRAR

कर्नाटका बैंक लिमिटेड
सम्पूर्ण भारत में, आपका पारिवारिक बैंक
प्रधान कार्यालय : मंगलुरु - 575 002 CIN : L85110KA1924PLC001128
आस्ति वसूली प्रबंधन शाखा
8-बी, प्रथम तल, राजेंद्र पार्क, पूसा रोड, नई दिल्ली -110060
फोनः 011-25813466, ई-मेल : delhiarm@ktkbank.com, मो.: 9319891680

अचल सम्पत्ति की बिक्री सूचना

वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम 2002 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 (6) के साथ पठित वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के प्रावधान के अंतर्गत अचल परिसम्पत्तियों की बिक्री के लिये ई-नीलामी बिक्री सूचना

एतद्द्वारा आम जनता तथा विशेष रूप से ऋणधारक (कों) तथा गारन्टर (रों) को सूचित किया जाता है कि प्रतिभूत क्रेडीटर के पास गिरवी/ चार्ज्ड नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जिसका कर्णाटका बैंक लि. प्रतिभूत क्रेडीटर के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा 19.08.2019 को भौतिक कब्जा (सम्पत्ति मद सं. 1 के लिये) तथा 18.1.2019 को प्रतिभूत क्रेडीटर के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा सांकेतिक कब्जा (सम्पत्ति मद सं. 2 के लिये) किया गया है, की 1) मै. एसएएस एण्टरप्राईजेज, प्रतिनिधित्व द्वारा उसके प्रॉप्राईटरः श्री शशिकान्त मिश्रा, 5337, 2रा तल, बस्ती हरफूल सिंह, सदर बाजार, नई दिल्ली-110006, 2) श्री शशिकान्त मिश्रा, पुत्र श्री जय शंकर मिश्रा, 3) श्री जय शंकर मिश्रा, पुत्र श्री राम कुमार मिश्रा, नं. 2) एवं 3) का पताः 485, बाबा फरीदपुरी, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-110008 जो ऋणधारक/ गारन्टर/ सह-देनदार हैं, से कर्णाटका बैंक लि., पटेल नगर शाखा, नं. 11/14, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, दिल्ली- सेन्ट्रल- 110008, टेली.: 011-25885548, फोन 9654509020/ 9654995412, प्रतिभूत क्रेडीटर के बकाये पीएस ओवरड्राफ्ट खाता 5467000600015201 के अंतर्गत 01.01.2019 से आगे के ब्याज तथा लागतों के साथ रु. 51,92,036.50 (रुपये इक्यावन लाख बानवे हजार छत्तीस एवं पैसे पचास मात्र) की वसूली के लिये "जैसा है जहां है", "जो भी जैसा है" तथा "जो कुछ भी वहां है" आधार पर बिक्री की जायेगी।

अचल सम्पत्ति का विवरण

1. श्री जय शंकर मिश्रा के स्वामित्व में बाबा फरीदपुरी, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली- 8 की आबादी में ग्राम खामपुर राया क्षेत्र में स्थित उस पर निर्मित भवन के साथ आवासीय सम्पत्ति संख्या 485ए, खसरा नं. 1220/289, माप 55 वर्ग यार्ड्स का सभी भाग तथा हिस्सा।
   चौहद्दीः पूर्वः गली, पश्चिमः अन्य सम्पत्ति, उत्तरः अन्य सम्पत्ति, दक्षिणः अन्य सम्पत्ति।
   आरक्षित मूल्य/ अपसेट मूल्य जिससे कम में सम्पत्ति की बिक्री नहीं की जायेगीः रु. 24,00,000/- (रुपये चौबीस लाख मात्र) है।
   जमा/ प्रस्तुत की जाने वाली धरोहर राशिः रु. 2,40,000.00 (रुपये दो लाख चालीस हजार मात्र) है।
2. श्री जयशंकर मिश्रा के स्वामित्व में उसके नीचे की भूमि में आनुपातिक, अविभाजित एवं इन्डिवायजेबल अधिकारों के साथ बस्ती हरफूल सिंह, सदर थाना रोड, नई दिल्ली-6 में स्थित व्यावसायिक सम्पत्ति (कमरे) प्रा.नं. 2, दूसरे तल पर माप 139 वर्ग फीट के साथ कॉमन पैसेज, सीढ़ियां एवं कॉमन शौचालय, सम्पत्ति म्यूनिसिपल नं. 5596, 5598, 5621 से 5624 जो प्लॉट नं. 34, साउथ वार्ड नं. XIV पर निर्मित है।
   चौहद्दीः पूर्वः कॉमन वाल एवं प्रा. रूम नं. 3, पश्चिमः कॉमन वाल एवं प्रा. रूम नं. 3, उत्तरः कॉमन पैसेज, दक्षिणः अन्य सम्पत्ति।
   आरक्षित मूल्य/ अपसेट मूल्य जिससे कम में सम्पत्ति की बिक्री नहीं की जायेगी रु. 9,73,000.00 (रुपये नौ लाख तिहत्तर हजार मात्र) है। जमा/ प्रस्तुत की जाने वाली धरोहर राशिः रु. 97,300.00 (रुपये सत्तानवे हजार तीन सौ मात्र) है।

(ऋणधारकों/ मार्टगैजरों का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिये उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।)

(इस सूचना को ऋणधारकों/ गारन्टरों के लिये प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन नियमावली-2002 के नियम (8) के उप-नियम (6) के अंतर्गत सूचना भी मानी जाये।)

बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिये कृपया कर्णाटका बैंक की वेबसाईट में दी गई लिंक अर्थात् www.karnatakabank.com पर शीर्ष "बिक्री के लिये गिरवी परिसम्पत्तियाँ" देखें।

ई-नीलामी का संचालन 13.12.2019 को 11.00 बजे पूर्वा. से 12.00 बजे अप. तक 05 मिनट के असीमित विस्तार के साथ पोर्टल https://bankauctions.in पर किया जायेगा। इच्छुक बोलीदाता को https://bankauctions.in पर अपना नाम निःशुल्क पंजीकृत कराना होगा तथा मै. 4 क्लोजर, फ्लैट नं. 102, प्लॉट नं. 20, अमृथा अपार्टमेन्ट्स, मोतीनगर, हैदराबाद-500018, सम्पर्क नं. 040-28836405, मोबाईल 8142000809, ईमेलः vikas@bankauctions.in तथा info@bankauctions.in से ई-नीलामी (अनुमानतः 30.12.2019 को) पर ऑन लाइन प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा।

स्थानः दिल्ली कर्णाटका बैंक लि. के लिये
तिथिः 22.11.2019 मुख्य प्रबंधक एवं प्राधिकृत अधिकारी

www.readwhere.com

मौसम

तापमान	नोएडा	गाजियाबाद	गुरुग्राम	फरीदाबाद
अधिकतम	27.7 डि.से.	27.7 डि.से.	27.7 डि.से.	28.2 डि.से.
न्यूनतम	14.7 डि.से.	14.7 डि.से.	14.7 डि.से.	14.6 डि.से.

खबरों में शहर

स्वास्थ्य जांच शिविर

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

मांगेराम गर्ग चैरिटेबल ट्रस्ट ने उनकी जयंती पर मेगा हेल्थ चेकअप कैंप, रक्तदान और भंडारों का आयोजन किया। इसमें बड़ी संख्या में लोगों का इलाज और जांच की गई। रक्तदान शिविर में 100 लोगों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के प्रेम गोयल ने कहा कि मांगेराम गर्ग बाल काल में समालखा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को पानी पिलाना, युवावस्था में बिनोवा भावे के सानिध्य में स्वालंबन आंदोलन में अग्रणी भूमिका के रूप में कार्य करते हुए घरों से शौच साफ करना, प्रौढ़ावस्था में समाज व राष्ट्र के सर्वांगीण विकास हेतू सैकड़ों संस्थाओं का सृजन किया। केंद्रीय मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने कहा कि वे एक श्रेष्ठ संगठक थे। उनका जीवन एकाग्रता और निष्ठा से परिपूर्ण समाज और राष्ट्र के कल्याण, उन्नति और विकास के लिए समर्पित रहा। भाजपा उपाध्यक्ष श्याम जाजू ने कहा कि बाबूजी ने एक नारा दिया कि भारत की आत्मा तीर्थों में वास करती है और तीर्थों का विकास भारत का विकास है। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा के संगठन महामंत्री सिद्धार्थन, मिजोरम भाजपा के प्रभारी पवन शर्मा, उत्तरी दिल्ली नगर निगम के मेयर अवतार सिंह, भाजपा मुख्यालय के प्रभारी महेंद्र पांडे, भाजपा जिला प्रभारी सत्येंद्र सिंह समेत दिल्ली के अनेक भाजपा नेता समारोह के साक्षी बने।

विधानसभा में पहली बार होगी दसवीं राष्ट्रमंडल संसद

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

राष्ट्रमंडल देशों की संसद इस बार दिल्ली में आयोजित की जाएगी। यह संसद दिल्ली विधानसभा में होगी। इसके लिए विधानसभा ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने बताया कि यह संसद 25 से 27 नवंबर तक चलेगी। इसमें 24 देशों से 47 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। देश में पहली बार इस संसद का आयोजन किया जा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला इसके मुख्य अतिथि होंगे। उन्होंने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ने इस संसद के आयोजित की जिम्मेदारी दिल्ली को सौंपी है। इसमें राष्ट्रमंडल संसद के सभापति एमीलिया लिफाका और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी शामिल होंगे। युवाओं में लोकतंत्र की जानकारियां देने के लिए यह संसद बुलाई जाती है जिसमें 18 से 29 साल के युवा शामिल होते हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि दिल्ली के शीतकालीन सत्र के लिए भी विधानसभा तैयारी कर रही है। यह सत्र दो व तीन दिसंबर को होगा।

न्याय की आस में मध्य प्रदेश से आकर दे रहे धरना

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

न्याय की आस में मध्य प्रदेश से जंतर मंतर पर आकर धरना दे रहे बुजुर्ग निर्मल कुमार जैन की उम्मीद अभी भी नहीं टूटी है। वे पिछले 10 सालों से हर महीने कई बार दिल्ली आकर जंतर मंतर पर धरना देते हैं। अक्तूबर में भी इन्होंने करीब 21 दिनों तक धरना दिया था। मध्य प्रदेश के दामोह में रहने वाले निर्मल जैन राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के खिलाफ धरना दे रहे हैं। जैन ने आयोग के अध्यक्ष और रजिस्ट्रार के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग को लेकर केंद्र और राज्य सरकार को कई पत्र लिखे हैं। जैन का आरोप है कि मानवाधिकार आयोग ने उनके परिवार के साथ अमानवीय व्यवहार किया है। इस संबंध में वे कई पत्र केंद्र सरकार को भी भेज चुके हैं।

आज के कार्यक्रम

सभा/संगोष्ठी

साहित्य कला परिषद : मयूर उत्सव 2019 का आयोजन, पूर्वी विनोद नगर स्पोर्टस कॉम्पलेक्स, मयूर विहार फेस-दो, शाम साढ़े छह बजे।

दिल्ली सरकार : दिल्ली शास्त्रीय संगीत महोत्सव, एंपीथिएटर, सुंदर नर्सरी, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स मार्ग, हजरत निजामुद्दीन, शाम छह बजे।

दलित, जनवादी लेखक संघ, जनसंस्कृति मंच और न्यू सोशलिस्ट इनिशिएटिव के साझा तत्वाधान में : दलित आंदोलन : साहित्य और कलाएं, विचार गोष्ठी, एफ 19 संत गुरु रविदास सभागार, यूनाइटिड बिल्डिंग, कनाट प्लेस, 24 नवंबर शाम तीन बजे।

थिएटर

इंडिया हैबीटेट सेंटर : ए फिस्टफुल ऑफ रुपीज (अंग्रेजी) का मंचन, द स्टेन ऑडिटोरियम, सेंटर परिसर, लोधी रोड, शाम सात बजे।

शकूरपुर बस्ती में सीवर सफाई के दौरान हुआ हादसा

एक मजदूर की मौत, तीन बेहोश

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

नेताजी सुभाष पैलेस थाना क्षेत्र के शकूरपुर बस्ती में लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) के एक सीवर सफाई मजदूर की सफाई करने के दौरान दम घुटने से मौत हो गई, जबकि तीन अन्य मजदूर बेहोश हो गए। घटना के बाद सभी चारों मजदूरों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां पर इलाज के दौरान अशोक (30) की मौत हो गई। वहीं, बेहोश हुए मजदूर सांई (50), रोहित (35) और गोरेलाल (30) का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने दोनों ठेकेदारों के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज कर लिया है। शुरुआती छानबीन में पुलिस को पता चला है कि सफाईकर्मियों को कोई सुरक्षा उपकरण नहीं दिए गए थे। इस करण सफाई के दौरान मजदूर बेहोश हो गए थे।

जानकारी के मुताबिक, शनिवार सुबह करीब 11 बजे शकूरपुर के जी-ब्लॉक, शिव मंदिर के निकट सीवर की सफाई करते समय चार मजदूरों के बेहोश होने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस और दमकलकर्मियों ने एंबुलेंस की सहायता से सभी को भगवान महावीर अस्पताल में भर्ती कराया। डीसीपी (नॉर्थ वेस्ट) विजयंता

सफाई मजदूरों को नहीं दिया गया था कोई सुरक्षा उपकरण

पुलिस ने दो ठेकेदारों के खिलाफ दर्ज किया लापरवाही का मामला

आर्या ने बताया कि सुभाष पैलेस थाना पुलिस ने लापरवाही का मामला दर्ज कर दो ठेकेदारों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम राजकुमार (27) और बबलू (45) हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मौके पर दो मजदूर खड़े रहे और जब अन्य दो मजदूर नाले में सफाई के लिए उतरे तो उनमें से एक भी बाहर वापस नहीं आया। उनके साथियों ने आवाज लगाकर उनके बारे में पता करने की कोशिश की। अंदर से कोई जवाब नहीं आया। फिर एक-एक करके बाहर खड़े दोनों मजदूर भी अपने साथियों को बचाने के लिए सीवर में बिना किसी सुरक्षा उपकरण पहने उतर गए, लेकिन वे भी बाहर नहीं आए। बाहर खड़े लोगों को उनके बारे में शक हुआ। पीसीआर को मामले की जानकारी देकर लोगों ने खुद भी मजदूरों को बाहर निकालने की कोशिश की। विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। लेकिन तब तक मौके से दोनों ठेकेदार फरार हो गए।

परिवार को देंगे 10 लाख का मुआवजा : जैन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

शनिवार देर रात को लोक निर्माण मंत्री सत्येंद्र जैन ने सीवर सफाई के दौरान हुई मौत के मामले में जांच के आदेश दिए हैं और मृतक के परिवार को 10 लाख रुपए का मुआवजा देने का एलान किया है। इस पूरे मामले की रिपोर्ट क्षेत्रीय एसडीएम से मांगी गई है। उधर, शकूरपुर में नाले की सफाई करते हुए सफाई कर्मी की मौत पर नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शोक व्यक्त किया। उन्होंने शनिवार को हादसे में घायल हुए सफाई कर्मचारियों से भगवान महावीर अस्पताल में मुलाकात की। उन्होंने इस दुर्घटना की उच्च स्तरीय जांच और मृतक के परिवार के लिए मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग के नाले की सफाई करते समय एक सफाईकर्मी की दम घुटने से मौत हो गई और तीन अन्य सफाई कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार ने छोटी-छोटी गलियों में सीवर की सफाई के लिए 9000 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से 200 छोटी मशीनें किराए पर लीं, लेकिन ये मशीनें बेकार खड़ी हैं।

कार पीछे करते समय स्कूटी में टक्कर, मां की गोद से गिरा बच्चा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल के बाहर कार पीछे करते समय चालक ने एक स्कूटी सवार में टक्कर मार दी। इस हादसे में 10 महीने की एक मासूम बच्चा अपनी मां की गोद से नीचे गिर गया। घटना के बाद बच्चे को अस्पताल में पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। वहीं, स्कूटी सवार महिला और उसके देवर को चोट पहुंची हैं। मृतक बच्चे का नाम अरबाज है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

जानकारी के मुताबिक जावेद (26) अपनी भाभी मलका और अरबाज को लेकर जीटीबी अस्पताल स्कूटी से आ रहा था। इसी बीच कार चालक ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी थी। जावेद परिवार के साथ शहीद नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में रहते हैं। अरबाज के पिता कपड़े बेचने का काम करते है। अरबाज को कुछ दिनों से निमोनिया की शिकायत थी। इस पर उसके चाचा और मां उसे स्कूटी से लेकर शुक्रवार सुबह जीटीबी अस्पताल में इलाज के लिए लेकर गए थे। लेकिन अस्पताल के बाहर ही एक कार चालक गाड़ी को बड़ी तेज से पीछे कर रहा था। उसी दौरान कार चालक ने स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही अरबाज मां की गोद से नीचे गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

किशोरों को ऑनलाइन उपलब्ध कराते थे अश्लील सामग्री, छह गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

किशोरों को ऑनलाइन अश्लील सामग्री उपलब्ध कराने वाले छह लोगों को दिल्ली पुलिस की साइबर यूनिट ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति अश्लील (पोर्नोग्राफी) फोटो और विडियो भेजकर बच्चों की मानसिकता पर गलत प्रभाव डाल रहा थे। यही सामग्री आरोपियों ने सोशल मीडिया पर भी फैला रखी थी। इनके पास से कई सिम कार्ड और कुछ अन्य चीजें बरामद हुई हैं। यह गिरफ्तारी दिल्ली पुलिस के मासूम नामक कार्यक्रम के तहत किया गया।

साइबर यूनिट स्पेशल सेल के उपायुक्त अनेश राय के मुताबिक गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान दिल्ली के जहांगीरपुरी के संजू राठौड (25), बिजवासन के अमित मंडल (24), बदरपुर के नरेंद्र कुमार (22), टैगोर गार्डन के रेवती नंदन आनंद (34), पीतमपुरा के लोक राज यर्जुवेदी (61) और कोटला मुबारकपुर के सुदामा राम (29) शामिल हैं।

पूछताछ में पता चला कि वे लोग फेसबुक, वॉट्सअप और इंस्टाग्राम सहित अन्य जगहों पर एक समूह बनाकर अश्लील चीजें डालते थे। आरोपियों में नरेंद्र इंजीनियरिंग तीसरे सत्र का छात्र है तो संजू सब्जी मंडी आजादपुर में दैनिक वेतनभोगी है। अमित गुरुग्राम की एक निजी कंपनी में हाउसकीपिंग विभाग में काम करता है तो सुदामा फैशन डिजाइनिग की एक कंपनी में खजांची का काम करता है।

रविवार को हर लोकसभा में शहरी केंद्र प्रमुख सम्मेलन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

विधानसभा चुनाव के लिए बूथ प्रबंधन को मजबूत करने के लिए भाजपा रविवार को शहरी केंद्र प्रमुख सम्मेलन आयोजित करेगी। यह सम्मेलन दिल्ली की सभी लोकसभा सीट पर आयोजित होगा। कार्यक्रम संयोजक और बूथ प्रबंधन विभाग के संयोजक धर्मवीर सिंह ने बताया कि इसमें बूथ प्रबंधन विभाग प्रदेश टोली, लोकसभा, जिला, विधानसभा और मंडल संयोजक, शहरी केंद्र प्रमुख, दिल्ली के सभी सांसद, लोकसभा में रहने वाले प्रदेश पदाधिकारी एवं प्रदेश मोर्चा पदाधिकारी, विधायक, पूर्व विधायक एवं विधानसभा प्रत्याशी, विधानसभा विस्तारक, अन्य नेता व कार्यकर्ता उपस्थित होंगे।

पांच साल के बेटे की हत्या के आरोप में मां समेत तीन गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

उत्तरी-पूर्वी जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ और खूजरी खास थाना पुलिस ने पांच साल के बच्चे की हत्या की गुत्थी सुलझा ली है। मासूम बच्चे का शव नाले में प्लास्टिक के बैग में बीती 20 नवंबर को मिला था। पुलिस ने वारदात में शामिल बच्चे की मां, उसका प्रेमी और प्रेमी के दोस्त को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान 22 साल की प्रियंका (बदला हुआ नाम), धीरज (22) और प्रदीप शर्मा (27) के तौर पर हुई है। पूछताछ में पता चला है कि आरोपी मां ने पांच साल के विभु की प्रेमी के कहने पर गला दबाकर हत्या कर दी थी और बाद में एक वैन की मदद से प्लास्टिक के बोरे में डाल कर नाले में फेंक दिया था। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में रखवा दिया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला था कि उसकी गला घोंट कर हत्या की गई थी। इसके बाद से पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। इसी बीच पुलिस को एक सीसीटीवी फुटेज मिला, जिसमें उस वैन का नंबर मिला, जिसकी मदद से आरोपी नाले में शव को फेंक कर फरार हुए थे। फिलहाल पुलिस पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

जिला पुलिस उपायुक्त वेद प्रकाश सूर्या ने बताया कि गुरुवार दोपहर को खजूरी खास थाना पुलिस को नाले में प्लास्टिक के बोरे में एक बच्चे का शव मिला था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। जांच में पुलिस को पता चला कि बच्चे की हत्या गला दबाकर की गई है। खजूरी खास थाना पुलिस ने हत्या और सबूत मिटाने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पुलिस के अलावा स्पेशल स्टाफ की टीम भी मामले की जांच में जुट गई। टीम ने आरोपियों को पकड़ने के लिए इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाली। इसी बीच

आरोपी मां ने प्रेमी के कहने पर की थी बेटे की गला घोंटकर हत्या

खजूरी खास थाना क्षेत्र में पांच साल के बच्चे का शव नाले में मिला था

पुलिस को सीसीटीवी में एक ईको वैन दिखाई दी। वैन में एक महिला व दो लोग शव को नाले में फेंकते हुए दिखे। फुटेज धुंधली होने के कारण पुलिस आरोपियों की पहचान नहीं कर सकी। ईको वैन के शीशे पर हिंदी में कुछ लिखा था। उसके आधार पर पुलिस ने करीब 200 ईको वैन की जांच के बाद दयालपुर में ईको वैन ढूंढ निकाली। इसके बाद पुलिस ने वैन मालिक प्रदीप को पकड़ लिया। हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उसने अपना गुनाह कबूल लिया। इसके बाद पुलिस ने प्रियंका व धीरज को भी गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ के दौरान आरोपी प्रियंका ने पुलिस को बताया कि छह साल पहले उसकी शादी जयबीर नामक एक शख्स से हुई थी। जयबीर से उसे तीन बच्चे थे। जयबीर शराब पीने का आदी था। शराब पीकर वह उसके साथ मारपीट करता था। जयबीर की हरकतों से परेशान होकर प्रियंका ने उसे छोड़ दिया और वह हलवाई का काम करने वाले धीरज के साथ रहने लगी थी। जयबीर से हुए बच्चे आरोपी धीरज को पसंद नहीं थे। वह उन्हें मारता-पीटता था। घटना वाले दिन भी आरोपी ने विभु की पिटाई की थी, जिससे वह बेहोश हो गया। उसकी सांसे अटक-अटककर चलने लगी। दंपति ने बेटे का गला घोंट दिया।

एआइआइए का वेस्टर्न सिडनी यूनवर्सिटी के साथ शोध के लिए समझौता

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

आयुर्वेद को आधुनिक चिकित्सा पद्धति से जोड़कर इलाज की बेहतर संभावनाओं का पता लगाने के लिए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआइआइए) ने ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनवर्सिटी के साथ शोध के लिए समझौता किया। इस सिलसिले में दोनों के बीच सहमति पत्र (एमओयू) पर दस्तखत किए गए। इसका मकसद आयुर्वेद के सिद्धांतों को आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के साथ जोड़ने के दिशानिर्देश तय करने में सहयोग को बढ़ावा देना भी है। ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर बार्नी ग्लोवर और अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की निदेशक प्रोफेसर तनुजा नेसारी ने सहमति पत्र पर दस्तखत किए।

कार टकराने पर चलाई गोली, युवक घायल

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

गोविंदपुरी में कार से लगी हल्की टक्कर के विवाद पर कुछ लोगों ने एक युवक को गोली मार दी। गंभीर हालत में घायल युवक समीर बेग (24) को एम्स ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अफसरों के मुताबिक समीर बेग शुक्रवार रात कार से कालका जी की तरफ जा रहे थे कि इसी दौरान उसकी कार चेतन नामक व्यक्ति की कार से मामूली रूप से टकरा गई। उस समय कहासुनी के बाद मामला शांत हो गया और दोनों मौके से चले गए। समीर बेग गोविंदपुरी में रहता हैं। झगड़ा शांत होने के बाद समीर घर के बाहर कार खड़ी कर मोबाइल पर बात कर रहा था। तभी चेतन अपने चाचा नूरी, असलम मलिक और दोस्त सूरज के साथ मौके पर पहुंचा और समीर के साथ मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर नूरी ने पिस्तौल से समीर पर गोली चला दी। गोली चलाने के बाद सभी आरोपित मौके से फरार हो गए। जिला उपायुक्त चिन्मय बिश्वाल के मुताबिक हत्या के प्रयास के तहत मामला दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी गई है।

तीन वाहनों के बीच हुई टक्कर

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

महरौली-गुड़गांव रोड पर तीन वाहनों के बीच हुई टक्कर में कुछ लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायल लोगों को एम्स ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया है। मामले की जांच चल रही है। पुलिस के मुताबिक शनिवार सुबह करीब पौने बारह बजे अंधेरिया मोड़ से लाडो सराय के बीच दो कारों के बीच टक्कर हो गई। कार तेज गति में थी और वे डिवाइडर से टकराते हुए दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बताया जा रहा कि कार का ब्रेक फेल होने के कारण यह दुर्घटना हुई। ऑटो में सवार लोग मामूली रूप से घायल हो गए।

परेशानी

अकेले उत्तरी दिल्ली में रोजाना सौ लोगों को काट रहे हैं कुत्ते

आवारा पशुओं पर निगम का उदासीन रवैया

अमलेश राजू
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

दिल्ली में आवारा पशुओं की लगातार बढ़ रही संख्या पर निगम रोक लगा पाने में नाकाम हो रहा है। सड़क पर गाय, कुत्ते और बंदरों से आए दिन दुर्घटनाएं सामने आ रही हैं। दिल्ली के तीनों नगर निगमों में आवारा पशुओं से प्रभावित लोगों की संख्या हजारों में है। निगम की लापरवाही का आलम यह है कि आवारा पशुओं के काटे जाने के बाद अस्पतालों में एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध कराने में निगम नाकाम हो रहा है। अकेले उत्तरी दिल्ली में रोजाना सौ लोगों को कुत्ते काट रहे हैं। उत्तरी निगम में इस साल अगस्त तक 18 हजार 183 मामले आवारा पशुओं से काटे जाने के मामले सामने आ चुके हैं और सात लोगों की जान जा चुकी है, जबकि दक्षिणी निगम ने 31 अक्तूबर तक 2155 आवारा पशुओं को पकड़ा है और 20 रुपए प्रति पशु गोशाला को शुल्क के रूप में अदा करता है। निगम ने आवारा पशुओं के लिए जगह की मांग के लिए उपराज्यपाल से गुहार लगाई है। उधर कांग्रेस का आरोप है कि निगम का पशुपालन विभाग आवारा पशुओं को पकड़ने में नाकाम है लिहाजा दुर्घटनाएं दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं।

हजारों की सख्या में पकड़े गए जानवरों में कुत्ते की नसबंदी के लिए उत्तरी निगम में सात नसबंदी केंद्र काम तो कर रहे हैं लेकिन यह अपर्याप्त है। नसबंदी के लिए जिन सात केंद्रों को अधिकृत किया गया है उसे 2018-19 में तीन करोड़, 64 लाख 13 हजार रुपए सिर्फ नसबंदी के अदा किए गए। उत्तरी निगम के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। यहां के सभी छह जोनों से 235 बंदरों और 27 हजार 804 आवारा कुत्तों के साथ 4696 आवारा पशुओं को पकड़कर नसबंदी कराई गई है। निगम के आंकड़े बताते हैं कि आवारा पशुओं के हमले से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, इस साल कुत्ते, बंदर के काटे जाने के 18 हजार 183 मामले सामने आए और सात लोगों की जान चली गई, जबकि बीते साल यही आंकड़ा 16 हजार 783 था और 15 लोगों की जान चली गई थी। जानवरों के काटे जाने के बाद दी जाने वाली वैक्सीन की अस्पताल में घोर कमी है। इसी साल छह मई को निगम का जन स्वास्थ्य विभाग एंटी रेबीज वैक्सीन खरीदने के लिए सभी रेबीज केंद्रों को आदेश दिया लेकिन दो बार निविदा के बाद भी कोई कंपनी इस दिशा में उत्सुकता नहीं दिखा पा रही है। निगम चिकित्सा विभाग का कहना है कि हर साल रेबीज सेंटरों की मांग के मुताबिक करीब 21 हजार वाइल्स की आवश्यकता है।

निगम ने सरकार से जमीन की मांग की

उत्तरी निगम में नेता सदन तिलकराज कटारिया ने मांग की है कि आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए ट्रकों और स्टाफ के लिए नगर निगम को दिल्ली सरकार अलग से राशि उपलब्ध कराए। कटारिया ने दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल से मांग की है कि वो दिल्ली विकास प्राधिकरण के जरिए आवारा पशुओं को रखने के लिए जमीन उपलब्ध कराएं ताकि नई गोशाला बनाने के लिए इच्छुक गैर सरकारी संस्थाओं को भूमि आबंटन कर आवारा पशुओं पर काबू पाया जा सके। कटारिया का कहना है कि गोशालाओं में आवारा पशुओं को न लेने के कारण अप्रैल से नगर निगम आवारा पशुओं को पकड़ने के अभियान को पूरी तरह से चला नहीं पा रही है।

कुत्तों का आतंक कॉलोनी से अस्पताल तक

कुत्तों का आतंक सिर्फ कॉलोनियों तक ही सीमित नहीं है। अस्पतालों में भी कुत्तों का आतंक है। पश्चिमी दिल्ली के दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में रात को कुत्ते की फौज काटने को दौड़ती है। कुत्तों के काटने पर एंटी रेबीज इंजेक्शन उपलब्ध नहीं होने से लोग परेशान हो जाते हैं। अस्पताल में बच्चों की आपात, ओपीडी के पास और दूसरे हिस्से पर भी आवारा कुत्तों ने अपना आधिपत्य जमा लिया है। अस्पताल के बोर्ड पर एंटी रेबीज वेक्सीन उपलब्ध नहीं होने की बात लिखकर स्वास्थ्य विभाग लापरवाही पेश कर रहा है।

कांग्रेस ने निगम अधिकारियों पर नाकामी का आरोप लगाया

उत्तरी निगम में कांग्रेस के नेता मुकेश गोयल ने 19 सितंबर को स्थायी समिति में आवारा पशुओं से संबंधित अल्पकालिक प्रश्न लगाते हुए आरोप लगाया है कि नगर निगम आवारा पशुओं पर काबू पाने में पूरी तरह से नाकाम रहा है। इससे दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं और लोगों की जानें जा रही हैं। गोयल ने आरोप लगाते हुए कहा कि निगम आवारा कुत्तों को पकड़कर उनकी नसबंदी करने के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति कर रहा है। गोयल ने आंकड़े जारी करते हुए कहा कि 2014-15 में उत्तरी दिल्ली में छह हजार 746 आवारा कुत्ते, तीन हजार 428 आवारा गाय और 438 बंदर पकड़े गए थे जबकि 2017-18 में दो हजार 878 गाय और 84 बंदर ही पकड़े गए। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि साल दर साल जब आवारा पशुओं की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है।

www.readwhere.com

कैमरे की निगरानी में पक रहा रेल यात्रियों का खाना

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 23 नवम्बर।

रेल यात्रियों को गुणवत्ता वाला नाश्ता व भोजन परोसने के लिए अब खाना सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में पक रहा है। भारतीय रेलवे ने खाने की गुणवत्ता बनाने के लिए यह नई पहल की है। रेलवे की रसोई में कैमरे का इंतजाम किए गए है। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉपरेशन लिमिटेड (आइआरसीटीसी) द्वारा यह खाना यात्रियों को उपलब्ध कराया जाता है।

रेल यात्रियों को वक्त पर व गुणवत्तायुक्त खाना मिले इसके लिए रेलयात्रा के दौरान खाना उपलब्ध कराने के लिए 358 ठेकेदारों की मदद ली जा रही है। खाना उपलब्ध कराने वाले ठेकेदारों पर भी रेलवे की तरफ से विशेष निरीक्षक (सुपरवाइजर) तैनात किए गए हैं। किसी भी खाने को आम जनता तक पहुंचाने से पहले खाने की विशेष जांच (थर्ड पार्टी जांच) कराई जा रही है। अब तक आइआरसीटीसी 47 निजी ठेकेदारों को खाने की गुणवत्ता की शिकायतों के बाद चेतावनी नोटिस जारी कर चुका है। इसके अतिरिक्त 24 ठेकेदारों की ठेका सेवाओं को आगे नहीं जारी नहीं रखा गया है जबकि 23 ठेकेदारों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है।

क्यूआर कोड बता देगा कहां से आया है खाना : रेल यात्रियों को उपलब्ध कराए जा रहे खाने में क्यूआर कोड की व्यवस्था को लागू किया है। यह सुविधा अभी विशेष ट्रेन से शुरू की गई है। इस कोड को फोन के माध्यम से ट्रेक किया जा सकता है। जैसे ही कोई भी यात्री अपने खाने पर लगे कोड को फोन के माध्यम से स्कैन करेगा तो उस तक खाने बनाने वाले किचन की जानकारी उपलब्ध हो जाएगी। इसकी मदद से यह भी पता चल जाएगा कि यह खाना किस दिन और किस समय पर तैयार किया गया है। जानकारी के मुताबिक इसकी मदद से खाने की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी और यात्री भी आसानी से खाने के संबंध में विस्तृत जानकारी हासिल कर सकें गे।

> खाने की गुणवत्ता को लेकर 47 ठेकेदारों को नोटिस जारी
> खाने की गुणवत्ता बनाने के लिए लागू की गई है बार कोड व्यवस्था

खाने के लिए बगासे की पैकिंग : खाने की गुणवत्ता के साथ रेलवे ने पर्यावरण हितैषी कदमों को भी जोड़ा है। मंत्रालय ने पहली बार बगासे की मदद से तैयार की गई प्लेट का प्रयोग कर रहा है। अभी यह सुविधा कुछ विशेष ट्रेन में शुरू की गई है। दो-तीन माह में सभी रेलगाड़ियों में यह सुविधा उपलब्ध होगी। अब तक इसकी जगह प्लास्टिक का प्रयोग किया जा रहा था। इसके अतिरिक्त यात्रियों की सुविधा के लिए ले जाने वाली प्लास्टिक बैग की जगह भी जूट के बैग प्रयोग किए जा रहे हैं। इन जूट के थैलों में रोटियां भर कर ट्रेनों में उपलब्ध कराई जा रही है।

बीपीएसएल के पूर्व सीएमडी को सात दिन की हिरासत

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

दिल्ली की एक विशेष अदालत ने भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड (बीपीएसएल) के पूर्व सीएमडी संजय सिंघल को बैंक धोखाधड़ी से जुड़े करोड़ों रुपये के धनशोधन मामले की जांच के लिए शनिवार को सात दिन के लिए प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में भेज दिया। ईडी ने सिंघल को शुक्रवार को गिरफ्तार किया। उनके खिलाफ धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत आरोप लगाए गए हैं।

विशेष न्यायाधीश इला रावत ने उन्हें ईडी की हिरासत में भेज दिया और उन्हें अपना चश्मा, डॉक्टरों द्वारा लिखी गई दवाइयां और गद्दे ले जाने की अनुमति दी। हालांकि, घर से खाना मंगाने की अर्जी ठुकरा दी गई। ईडी ने हाल में भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड की 4,025 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की थी। ईडी ने कहा था, कंपनी के सीएमडी रहने के दौरान सिंघल और उनके परिवार के सदस्यों ने बीपीएसएल में 695.14 करोड़ रुपए पूंजीगत निवेश के तौर पर लगाए और बैंक कर्ज से मिले कोष में गबन किया।

महाराष्ट्र में राजनीतिक दलों के कार्यालयों की सुरक्षा बढ़ाई

मुंबई, 23 नवंबर (भाषा)।

महाराष्ट्र की राजनीति में हो रहे नाटकीय घटनाक्रम को देखते हुए राजनीतिक दलों और नेताओं के कार्यालयों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यह कदम शहर में अप्रिय घटनाओं की संभावनाओं को रोकने के लिए उठाया जा रहा है। शनिवार को एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

राकांपा प्रमुख शरद पवार के निवास सिल्वर ओक के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस तैनात है। अधिकारियों के अनुसार पुलिस ने क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित करने के लिए बैरिकेड लगा दिए हैं।

मुंबई पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा, 'राज्य में हाल ही में हुए राजनीतिक घटनाक्रम के बाद शहर में सुरक्षा स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।' उन्होंने कहा कि नागरिकों को असुविधा न हो, इसके लिए सभी उपाय किए जा रहे हैं। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा कि राजनीतिक स्थिति को देखते हुए नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था का विश्लेषण किया जा रहा और परिस्थिति के अनुसार सुरक्षा बढ़ाई जा सकती है।

दादर में शिवसेना भवन, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के निवास स्थान 'मातोश्री', नरीमन प्वाइंट स्थित भाजपा के राज्य मुख्यालय, यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान और मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास 'वर्षा' की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

अरुणाचल प्रदेश में परिवार के चार सदस्यों की जल कर मौत

ईटानगर, 23 नवंबर (भाषा)।

अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में गोहपुर तिनाली के पास डोकोइसो कॉलोनी में शनिवार तड़के घर में आग लगने से एक परिवार के चार सदस्यों की जल कर मौत हो गई।

पुलिस अधीक्षक तुम्मे अमो ने कहा कि आग की घटना में एक दंपति ने अपनी दो बेटियों के साथ जान गंवा दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान हा तसांग, उनकी पत्नी हा यानिंग और उनकी बेटियां- हा यापी और हा यामा के रूप में हुई है। एसपी ने कहा कि आग से परिवार का एक टेंपो भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल सका है। यह परिवार मूल रूप से अरुणाचल प्रदेश के क्रा दादी जिले के पिप्सोरांग से था।

सड़क हादसे में छह महिलाओं समेत 12 लोगों की मौत, दस घायल

जयपुर, 23 नवंबर (भाषा)।

राजस्थान के नागौर जिले में शनिवार को एक सड़क हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि हादसा शनिवार तड़के उस समय हुआ, जब महाराष्ट्र के लातूर से हरियाणा के हिसार जा रही मिनी बस एक बैल को बचाने के चक्कर में पलट गई। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर बीच सड़क पर अचानक बैल आ गया, जिसके कारण मिनी बस चालक ने अचानक ब्रेक लगाए और बस अनियंत्रित होकर पलट गई। उन्होंने बताया कि हादसे में छह महिलाओं समेत 12 लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल चार लोगों को जयपुर के सवाई मानसिंह चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है, जबकि छह घायलों को नागौर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।पुलिस ने बताया कि 12 मृतकों में से 10 की पहचान भगवान, सुमित्रा, पल्लीराम, मयूरी, राम प्रसाद, गोविंद, शिवप्रसाद, सिद्दी, सालू बाई और सुप्रिया के रूप में की गई है।

KEI Wires and Cables

केईआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड

पंजी. कार्यालयः डी-90, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज-I, नई दिल्ली-110020
CIN: L74899DL1992PLC051527, Tel.: +91-11-26818840, 26818642,
Fax: +91-11-26811959, 26817225, Website: www.kei-ind.com ई-मेलःcs@kei-ind.com

SELECTED Superbrand INDIA 2019-20 Consumer Validated

प्रिय सदस्यों,
कम्पनी अधिनियम, 2013 (यहां के बाद ''अधिनियम'' के रूप में वर्णित) की धारा 73, 76 तथा लागू होने वाले अन्य प्रावधानों, यदि कोई हो, उसके अंतर्गत निर्मित नियमों के साथ पठित, के प्रावधानों के अनुपालन में आपकी कम्पनी, केईआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने जनता तथा कम्पनी के सदस्यों से जमाएं स्वीकार की हैं। पुनः, अधिनियम के लागू होने वाले प्रावधानों के अनुसार कम्पनी के सदस्यों से जमाएं आमंत्रित/स्वीकार/नवीकरण करने के लिए प्रपत्र डीपीटी-I में एक सर्क्युलर कम्पनी के सभी सदस्यों में प्रसारित करना पड़ता है। आपके अवलोकन के लिए जमाएं आमंत्रित करने के लिए विज्ञापन के रूप में यह सर्क्युलर इसके साथ संलग्न है।

निदेशक मंडल के लिए तथा उसकी ओर से
मै. केईआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड के लिए
(किशोर कुणाल)
कम्पनी सचिव

तिथिः 05 अगस्त, 2019
स्थानः नई दिल्ली

प्रपत्र डीपीटी-1
सर्क्युलर अथवा डिपॉजिट्स आमंत्रण विज्ञापन के रूप में सर्क्युलर
[कम्पनी (जमाओं की स्वीकृति) नियमावली, 2014 की धारा 73 (2)(ए) तथा धारा 76 तथा नियम 4(1) तथा 4(2) के अनुपालन में]

1.	सामान्य जानकारी	
क.	कम्पनी का नाम	केईआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड (CIN: L74899DL1992PLC051527)
	पता	डी-90, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, नई दिल्ली-110020
	वेबसाईट	www.kei-ind.com
	सम्पर्क विवरण	टेलीः +91-11-26818840, 26818642 फैक्सः +91-11-26811959, 26817225
ख.	कम्पनी के निगमन की तिथि	31 दिसम्बर, 1992
ग.	शाखाओं अथवा इकाइयों, यदि कोई हो, के विवरण के साथ कम्पनी तथा उसकी सहायकों द्वारा निष्पादित व्यवसाय	यह कंपनी ईएचवी/एचटी एवं एलटी पावर, कंट्रोल एवं इंस्ट्रुमेंटेशन कैबल, हाउस वायर, वाइंडिंग वायर, फ्लेक्सिबल वायर तथा स्टेनलेस स्टील वायर्स के निर्माण तथा टर्न की आधर पर अभियांत्रिकी प्राप्रण तथा निर्माण परियोजनाओं के कार्यान्वयन के व्यवसाय को कार्यान्वित करता है। कंपनी की फैक्ट्री अवस्थित है। **यूनिट-I:** एसपी-919, 920 एवं 922, आरआईआईसीओ औद्योगिक क्षेत्र, फेज-III, भिवाड़ी (राजस्थान)-301019 **यूनिट-II:** 99/2/7, मधुबन इंडस्ट्रियल इस्टेट, रखोली, सिलवस्सा (डीएंडएच) 396240 **यूनिट-III:** प्लॉट नं. ए-280-284, आरआईआईसीओ इंडस्ट्रियल एरिया, चोपनकी, जिला अलवर (राजस्थान) 301019 **यूनिट-IV:** आरआईआईसीओ इंडस्ट्रियल एरिया, पथरेडी, जिला-अलवर (राजस्थान) में प्लॉट नं. एसपी 2-874 **यूनिट-V:** सर्वे नं. 1/1/2/5, ग्राम चिंचपाडा, सिलवस्सा, संघ क्षेत्र दादरा तथा नगर हवेली-396230 सहायक का नामः केईआई कैबल्स आस्ट्रेलिया प्रा. लि., पताः टेल्लम एंड कैसेडी, लेवल 1, मारिया स्ट्रीट, मिल्टन, क्यूएलडी 4064 व्यवसाय की प्रकृति- कैबल आपूर्ति के लिए बोली अनुबंध, टर्न की परियोजना तथा ईपीसी कंपनी का अंचल तथा विपणन कार्यालय मुख्य नगरों जैसे कोलकता, रांची, गुआहाटी, पटना, भुवनेश्वर, मुम्बई, पुणे, अहमदाबाद, नागपुर, जयपुर, चंडीगढ़, नोएडा, चैन्नई, कोच्चि, हैदराबाद, बैग्लुरु आदि में तथा वैदेशिक कार्यालय दुबई, दक्षिण अफ्रीका तथा सिंगापुर तथा आस्ट्रेलिया में है।
घ.	कम्पनी के प्रबंधन का संक्षिप्त विवरण	कम्पनी का प्रबंध निदेशक मंडल के पर्यवेक्षण, निर्देशन तथा नियंत्रण के अंतर्गत अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक द्वारा किया जाता है।

ङ. निदेशकों का नाम, पता, डीआईएन तथा निदेशकों का पेशा

	नाम	पता	डीआईएन	पेशा
1.	श्री अनिल गुप्ता (अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक)	ए-7, पुष्पांजलि फार्म्स, विजवासन, दक्षिण पश्चिम, दिल्ली-110061	00006422	उद्योगपति
2.	श्रीमती अर्चणा गुप्ता (गैर-स्वतंत्र, नॉन-एक्जीक्यूटिव)	ए-7, पुष्पांजलि फार्म्स, विजवासन, दक्षिण पश्चिम, दिल्ली-110061	00006459	व्यवसाय
3.	श्री अक्षित दिवियज गुप्ता (पूर्ण-कालिक निदेशक)	ए-7, पुष्पांजलि फार्म्स, विजवासन, दक्षिण पश्चिम, दिल्ली-110061	07814690	व्यवसाय
4.	श्री पवन भोलूसरिया (स्वतंत्र, नॉन-एक्जीक्यूटिव)	26/11, शक्ति नगर, नई दिल्ली-110007	00092492	चार्टर्ड एकाउन्टैन्ट
5.	श्री किशन गोपाल सोमानी (स्वतंत्र, नॉन-एक्जीक्यूटिव)	163, टैगोर पार्क, नई दिल्ली-110009	00014648	चार्टर्ड एकाउन्टैन्ट
6.	श्री विजय भूषण (स्वतंत्र, नॉन-एक्जीक्यूटिव)	बी-5, स्वास्थ्य विहार, नई दिल्ली-110092	00002421	व्यवसाय
7.	श्री विक्रम भरतिया (स्वतंत्र, नॉन-एक्जीक्यूटिव)	271/2, फॉरेस्ट लेन, नेब सराय एक्स्टें., नई दिल्ली-110068	00013654	व्यवसाय
8.	श्री राजीव गुप्ता (गैर-स्वतंत्र, एक्जीक्यूटिव)	डी-269, आनंद विहार, दिल्ली-110092	00128865	सेवा
9.	श्री साधू राम बंसल (स्वतंत्र, नान-एक्जीक्यूटिव)	फ्लैट नं. 1052, संस्कृति अपार्टमैन्ट, प्लॉट नं. 35, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली-110075	06471984	सलाहकार
10.	श्रीमती शालिनी गुप्ता (स्वतंत्र, नान-एक्जीक्यूटिव)	एच.801, ला लैग्यून, गोल्फ कोर्स रोड, सन सिटी, सेक्टर-54, गुड़गाँव-122011	02361768	व्यवसाय

च.	जोखिम तथ्यों के विषय में प्रबंधन की परिकल्पना	केईआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड कैबल्स एवं वायर्स उद्योग में एक प्रख्यात् नाम है तथा 1968 से अपना व्यवसाय कर रही है (पूर्व में ''कृष्णा इलेक्ट्रिकल्स इंडस्ट्रीज'' के नाम से विदित)। कम्पनी बीएसई, एनएसई, सीएसई में सूचीबद्ध है। सावधि जमाओं के समय पर पुनर्भुगतान के लिए कम्पनी के पास पर्याप्त अधिशेष है। डिपॉजिट अप्रतिभूत प्रकृति का होता है, लेकिन इस तिथि तक जमाओं के पुनर्भुगतान अथवा उस पर ब्याज के भुगतान में किसी चूक से रहित जमाकर्ताओं की सेवा करने में कम्पनी का प्रमाणिक ट्रैक रिकार्ड रहा है। कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 73 (2)(सी) के अनुसार कम्पनी ने एक अनुसूचित बैंक में प्रबंधित एक पृथक जमा पुनर्भुगतान आरक्षित खाता में चालू तथा आगामी वित्त वर्ष के दौरान परिपक्व होने वाले 20% जमा राशि को जमा किया है जो अत्यंत कम जोखिम तत्व को सुनिश्चित करता है। लेकिन, मांग में किसी मंदी, घरेलू या अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक स्थितियों अथवा सरकार की नीतियों में परिवर्तन अथवा किसी अपरिहार्य परिस्थिति में कम्पनी का नगदी प्रवाह प्रभावित हो सकता है। * कम्पनी (संशोधन) अधिनियम, 2017 के अनुसार इस सीमा को 15% से बढ़ाकर 20% कर दिया गया है जो अधि सूचना सं. एस.ओ. (ई) तिथि 5.7.2018 के माध्यम से 15.8.2018 से कम्पनी कार्य मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किया गया है।
छ.	चूक, संलग्न राशि सहित, चूक की अवधि तथा वर्तमान स्थिति, अधोलिखित के पुनर्भुगतान में, का विवरण	
i.	सांविधिक देयता	शून्य
ii.	डिबेन्चर्स तथा उस पर ब्याज	एन.ए.
iii.	किसी बैंक या वित्तीय संस्थान से ऋण तथा उस पर ब्याज	शून्य
2.	जमा योजना का विवरण	
क.	बोर्ड का प्रस्ताव पारित होने की तिथि	5 अगस्त, 2019
ख.	इन जमाओं के आमंत्रण को अधिकृत करने के लिए आम सभा में प्रस्ताव पारित होने की तिथि	19 सितम्बर, 2014
ग.	जमाओं का प्रकार, प्रतिभूत या अप्रतिभूत	अप्रतिभूत
घ.	अधिनियम तथा उसके अंतर्गत निर्मित नियमों के अनुसार जमाओं द्वारा कम्पनी जो राशि उगाही कर सकती है	शेयरधारकों सेः रु. 773.67 मिलियन अन्य सेः रु. 1934.18 मिलियन
	तत्काल पूर्व वित्त वर्ष की अंतिम तिथि को वास्तविक रूप से धारित जमाओं का कुल योग	रु. 84.15 मिलियन (31 मार्च, 2019 को)
	सर्क्युलर या विज्ञापन जारी होने की तिथि को वास्तविक रूप से धारित जमाओं का कुल योग	रु. 99.10 मिलियन (5 अगस्त, 2019 को)
	उगाही करने के लिए प्रस्तावित जमा राशि	रु. 500 मिलियन
	अगले बारह महीने के भीतर पुनर्भुगतान योग्य जमा राशि	शून्य
ङ	जमाओं की उगाही की शर्तेः अवधि, ब्याज दर, भुगतान तथा पुनर्भुगतान की पद्धत्ति	

योजना-Iः सावधि जमा योजना

अवधि	ब्याज दर (प्र.व.)	भुगतान की पद्धत्ति	पुनर्भुगतान की पद्धत्ति
1 वर्ष/2 वर्ष/3 वर्ष	9.00%	चेक/आरटीजीएस/एनईएफटी	चेक/आरटीजीएस/एनईएफटी

च.	योजना खुलने की तिथि का उल्लेख करते हुए प्रस्तावित समय तालिका तथा समय अवधि जिसके लिए सर्क्युलर अथवा विज्ञापन वैध है	
	योजना खुलने की तिथि	समाचार पत्र में सर्क्युलर (डीपीटी-1) के प्रकाशन की तिथि से (कम्पनी रजिस्ट्रार के पास सर्क्युलर (डीपीटी-1) दाखिल करने के तीस दिनों बाद)
	समय अवधि जिसके लिए सर्क्युलर या विज्ञापन वैध है	30 सितम्बर, 2020 तक अथवा वित्त वर्ष 2019-20 में आयोजित होने वाली कम्पनी की आगामी वार्षिक सभा, जो भी पहले हो, तक
छ.	जमाओं की उगाही के कारण या उद्देश्य	कम्पनी की संक्षिप्त कालिक/कार्यरत पूंजी आवश्यकता पूरा करना
ज.	प्राप्त क्रैडिट रेटिंग	
	क्रैडिट रेटिंग एजेन्सी का नाम	क) आईसीआरए लिमिटेड (आईसीआरए) ख) केयर रैटिंग लिमिटेड (सीएआरई)
	प्राप्त रेटिंग	क) [आईसीआरए] एमए + ख) सीएआरई ए-(एफडी); स्टैबल [सिंगल ए (सावधि जमा); आउटलुकः स्टैबल, सीएआरई से]
	प्राप्त रेटिंग का अर्थ	इस रेटिंग से युक्त उपकरण का अर्थ होता है वित्तीय देयताओं के समय पर सर्विसिंग से संबंधित सुरक्षा की पर्याप्त डिग्री। यह इन्स्ट्रुमेन्ट्स न्यून साख जोखिम का वाहक होता है।
	रेटिंग प्राप्ति की तिथि	क) आईसीआरए से 12 जुलाई, 2019 ख) सीएआरई से 25 सितम्बर, 2018
झ.	जमा बीमा की सीमा, बीमा कम्पनी का नाम, बीमा कवरेज की शर्तें, कवरेज की अवधि, कवरेज का विस्तार, चूक आदि की स्थिति में दावे की प्रक्रिया	कम्पनी संशोधन (अधिनियम) 2017 के अनुसार एम.सी.ए. अधिसूचना सं. एस.ओ. (ई) तिथि 5.7.2018 के माध्यम से 15.8.2018 से जमा बीमा से संबंधित प्रावधान हटा दिया गया है तथा उससे पूर्व एमसीए ने 31 मार्च, 2018 अथवा डिपॉजिट बीमा उत्पाद की उपलब्धता, जो भी पहले हो, तक कम्पनी (जमाओं की स्वीकृति) नियमावली, 2014 के नियम 5(1) के प्रावधानों के इंजर्शन द्वारा जमा बीमा अनुबंध के बिना जमाओं को स्वीकार करने की अनुमति दी थी।
ञ.	इन जमाओं को प्राप्त करने के लिए निर्मित या निर्मित होने वाली चार्ज, यदि कोई हो, का संक्षिप्त विवरण	एन.ए.
त.	इन जमाओं में निदेशकों, प्रवर्त्तकों अथवा मुख्य प्रबंधन कर्मियों का कोई वित्तीय अथवा अन्य भौतिक हित तथा उस हित का प्रभाव जो अन्य व्यक्तियों के हित से अलग हो	निदेशकों तथा उनके संबंधियों ने कम्पनी की जमा योजना में निवेश किए हैं, लेकिन उनके हित कम्पनी के अन्य जमाकर्ताओं के हित के समानुरूप दर्जे के हैं।
3.	किसी बकाया जमाओं का विवरण	
क.	बकाया राशि	शून्य
ख.	स्वीकृति की तिथि	
ग.	कुल स्वीकृत राशि	
घ.	ब्याज दर	
ङ.	जमाकर्ताओं की कुल संख्या	
च.	जमाकर्ताओं की संख्या, संलग्न चूक की राशि तथा अवधि सहित जमाओं के पुनर्भुगतान तथा उस पर ब्याज के भुगतान में चूक, यदि कोई हो	
छ.	जमाओं पर उपचयित ब्याज का जमाकर्ता द्वारा कोई छूट	

4.	कम्पनी की वित्तीय स्थिति	
क.	सर्क्युलर अथवा विज्ञापन जारी होने की तिथि से तत्काल पूर्व तीन वित्तीय वर्षों में कर का प्रावधान करने से पूर्व या बाद कंपनी का लाभ	

(रु. मिलियन्स में)

विवरण	समाप्त वर्ष 31.03.2019	समाप्त वर्ष 31.03.2018	समाप्त वर्ष 31.03.2017*
कर से पूर्व लाभ/ (हानि)	2793.04	2041.60	1262.51
कर के बाद लाभ/ (हानि)	1818.71	1445.56	938.28

ख. उक्त तीन वित्त वर्षों के संदर्भ में कंपनी द्वारा घोषित लाभांशः पिछले तीन वर्षों के लिए ब्याज कवरेज अनुपात (कर के बाद कैश लाभ तथा प्रदत्त ब्याज अथवा प्रदत्त ब्याज)

विवरण	समाप्त वर्ष 31.03.2019	समाप्त वर्ष 31.03.2018	समाप्त वर्ष 31.03.2017*
घोषित लाभांश (रु. मिलियन में) (-आस्थगित लाभांश वितरण कर सहित)	114.18	78.36	46.68
ब्याज कवरेज अनुपात	3.05	2.83	2.01

ग. सर्क्युलर अथवा विज्ञापन जारी होने की तिथि से तत्काल पूर्व तीन अंकेक्षित तुलन पत्रों में कंपनी की संक्षिप्त वित्तीय स्थिति

(रु. मिलियन्स में)

परिसम्पत्तियाँ	31.03.2019 को	31.03.2018 को	31.03.2017* को
गैर-चालू परिसम्पत्तियाँ			
सम्पत्ति, प्लान्ट एवं उपकरण	4856.77	4039.50	4024.75
प्रगति में पूंजीगत कार्य	316.06	229.81	31.54
अन्य अस्पष्ट परिसम्पत्तियाँ	29.78	30.31	27.26
वित्तीय परिसम्पत्तियाँ	90.51	71.57	97.00
अन्य गैर-चालू परिसम्पत्तियाँ	92.14	118.79	13.99
चालू परिसम्पत्तियाँ	22257.86	17676.15	14761.60
कुल	27643.12	22166.13	18956.14
इक्विटी एवं देयताएँ			
इक्विटी			
इक्विटी शेयर पूंजी	157.85	156.72	155.59
अन्य इक्विटी	7631.08	5888.60	4453.54
देयताएँ			
गैर-चालू देयताएँ	1721.40	1922.27	1167.32
चालू देयताएँ	18132.79	14198.54	13179.69
कुल	27643.12	22166.13	18956.14

घ. सर्क्युलर अथवा विज्ञापन जारी करने की तिथि से तत्काल पूर्व तीन वर्षों के लिये लेखा-परीक्षित नगदी प्रवाह विवरण

(रु. मिलियन्स में)

क) प्रचालन कार्यों से नगदी प्रवाह	31.3.2019 को	31.3.2018 को	31.03.2017 को
कर एवं विशिष्ट मदों से पूर्व शुद्ध लाभ	2793.04	2041.60	1262.51
के लिए समायोजन			
मूल्यह्रास एवं परिशोधन खर्चे	339.48	322.30	(284.04)
प्राप्त लाभांश	(0.22)	(0.04)	(0.04)
निवेश पर (लाभ)/हानि)	-	-	-
ब्याज आय	(36.83)	(6.48)	(5.10)
ब्याज/वित्तीय चार्जेज	1361.54	1113.04	1244.25
शेयर आधारित भुगतान खर्चे	18.68	33.04	62.56
अवकाश नगदीकरण/ग्रैच्युईटी के लिये प्रावधान	25.92	28.85	17.00
प्रत्याशित साख हानि (ईसीएल) के लिये प्रावधान	5.26	4.09	43.94
वारंटी के लिये प्रावधान	4.07	1.05	5.41
प्रतिभूति जमा/कर्मचारी की ऋण के कारण फेयर वैल्यू समायोजन	0.51	0.18	0.35
एफसीएमआईटीडीए रिटर्न ऑफ	-	-	8.59
निर्धारित परिसम्पत्तियाँ रिटर्न ऑफ	2.83	3.58	1.71
परिसम्पत्तियों की बिक्री पर हानि	1.21	1.36	0.36
कार्यरत पूंजी में परिवर्तन से पूर्व प्रचालन लाभ	4515.49	3542.57	2925.58
कार्यरत पूंजी समायोजन			
व्यापार एवं अन्य रिसीवैबल्स में (वृद्धि)/कमी	(2084.66)	(1930.23)	(2390.98)
इन्वेन्टरीज में (वृद्धि)/कमी	(1340.49)	(566.64)	(764.57)
व्यापार एवं अन्य पेयेबल्स में (वृद्धि)/कमी	6014.46	1375.43	245.70
प्रचालनों से निर्मित नगदी	7104.80	2421.13	15.73
प्रदत्त प्रत्यक्ष कर	(865.04)	(527.52)	(304.22)
प्रचालन कार्यों से शुद्ध नगदी	**6239.76**	**(1893.61)**	**(288.49)**
ख) निवेश कार्यों से नगदी प्रवाह			
निर्धारित परिसम्पत्तियों की खरीद एवं अन्य पूंजीगत व्यय	(1223.11)	(655.82)	(625.06)
निर्धारित परिसम्पत्तियों की बिक्री	2.87	8.15	6.52
निवेशों की बिक्री	0.00	0.25	0.00
सहायकों में निवेश (रु. शून्य, पूर्व वर्ष रु.3988/-)	-	0.00	0.00
एसोसिएट कम्पनी में निवेश (रु.2349/-, पूर्व वर्ष रु. शून्य)	0.00	-	-
ब्याज आय	36.83	6.48	5.10
प्राप्त लाभांश	0.22	0.04	0.04
निवेश/बैंकों में जमाओं से आय	(1567.34)	(122.49)	(13.98)
निवेश कार्यों से शुद्ध नगदी	(2750.53)	(763.39)	(627.38)
ग) वित्तीय कार्यों से नगदी प्रवाह			
दीर्घकालिक उधारों से आय (बैंकों)	515.30	1729.51	4.26
दीर्घकालिक उधारों से आय (अन्यों)	200.00	-	312.23
दीर्घकालिक उधारों का पुनर्भुगतान (बैंकों)	(904.27)	(437.12)	(348.07)
दीर्घ-कालिक उधारों का पुनर्भुगतान (अन्यों)	(75.00)	(888.75)	(490.00)
वित्तीय लीज से आय	20.76	6.10	20.89
वित्तीय लीज का पुनर्भुगतान	(13.11)	(13.54)	(15.02)
ब्याज खर्चे/वित्तीय चार्जेज	(1361.54)	(1113.04)	(1244.25)
इंटर-कॉर्पोरेट तथा अन्य जमाओं (पुनर्भुगतान का नेट)	13.19	(31.85)	270.14
बैंकों से कार्यरत पूंजी मांग ऋण	(2707.82)	101.19	3803.24
इक्विटी शेयर पूंजी का निर्गम (प्रीमियम सहित) ईएसओएस के कार्यान्वयन पर	19.74	19.74	19.60
इक्विटी शेयरधारकों को प्रदत्त लाभांश	(78.36)	(46.68)	(38.62)
लाभांश वितरण कर	(16.11)	(9.50)	(7.86)
वित्तीय कार्यों से नगदी प्रवाह	**4387.22**	**(683.94)**	**2286.54**
नगदी एवं नगदी के समानों में निवल परिवर्तन (क+ख+ग)	**(897.99)**	**446.28**	**1370.67**
1 अप्रैल को नगदी एवं नगदी के समान (आरंभिक शेष)	**177.71**	**(268.57)**	**(1639.24)**
31 मार्च को नगदी एवं नगदी के समान (अंतिम शेष)	**(720.28)**	**177.71**	**(268.57)**

टिप्पणीः
* 31.3.2017 को समाप्त वर्ष के आँकड़ों को इंड एएस के अनुसार पुनर्वर्गीकृत/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

ङ	पिछले तीन वर्षों के दौरान लेखा नीतियों में कोई परिवर्तन तथा कंपनी की लाभों तथा आरक्षितों पर उसका प्रभाव	वित्त वर्ष 2017-18 का तुलन पत्र कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के अंतर्गत निर्दिष्ट कम्पनी (भारतीय लेखा मानक) नियमावली, 2015 (इंड एएस) तथा लागू होने वाली सीमा तक अन्य मान्यता प्राप्त लेखा नीतियों के अनुसार तैयार किया गया है। कम्पनी ने संक्रमण तिथि 01 अप्रैल, 2016 के साथ 01 अप्रैल, 2017 से पहली बार इंड एएस अपनाई है।
5.	निदेशकों द्वारा उद्घोषणा कि	
क.	कंपनी ने अधिनियम के शुरू होने से पूर्व अथवा बाद में स्वीकृत जमाओं के पुनर्भुगतान अथवा उस पर ब्याज के भुगतान में कोई चूक नहीं की है।	
ख.	निदेशक मंडल ने कंपनी के क्रियाकलापों तथा भावी संभावनाओं के संदर्भ में पूरी तरह से स्वयं को संतुष्ट कर लिए हैं तथा उनका अभिमत है कि कंपनी के भविष्य की अनुमानित वित्तीय स्थिति को देखते हुए जब और जैसे ही वह देय हो, कंपनी अपनी देयताओं को पूरा करने में समर्थ होगी तथा यह कि सर्क्युलर अथवा विज्ञापन जारी करने की तिथि से एक वर्ष की अवधि के भीतर कंपनी दिवालिया नहीं होगी;	
ग.	कंपनी ने अधिनियम तथा उसके अंतर्गत निर्मित नियमों का अनुपालन किया है;	
घ.	अधिनियम तथा नियमों के अनुपालन का यह अर्थ नहीं है कि जमाओं का पुनर्भुगतान केंद्र सरकार द्वारा प्रत्याभूत है;	
ङ	अधिनियम के आरंभ होने से पूर्व कंपनी द्वारा स्वीकृत जमाओं का 31.03.2015 को या उससे पूर्व पूरी तरह से पुनर्भुगतान कर दिया गया है;	
च.	क्रैडिट रैटिंग में किसी प्रतिकूल परिवर्तन की स्थिति में जमा-कर्ताओं को बिना किसी दंड के जमाओं को वापस लेने का एक अवसर दिया जाएगा।	
छ.	इन जमाओं का उपयोग सर्क्युलर अथवा विज्ञापन के रूप में सर्क्युलर में दर्शायी गई प्रयोजनों के

तीरंदाज

■ अश्विनी भटनागर

कस्तूरी कुंडल बसे

हाल ही में ब्रिटेन की सुप्रसिद्ध अभिनेत्री एमा वाट्सन ने अपने निजी रिश्तों के बारे में खुलासा करके सभी को चौंका दिया था। हैरी पॉटर जैसी क्रमांक सुपरहिट फिल्मों की सितारा एमा से पत्रकारों ने पूछा था कि वर्तमान में उनके जीवन में अंतरंग, विशिष्ट व्यक्ति कौन है? एमा ने मुस्करा कर जवाब दिया कि आजकल उनके जीवन में कोई बेहद खास व्यक्ति नहीं है, क्योंकि वे स्व-साथ कर रही हैं।

एमा ने जिस शब्द- स्व-साथ- का इस्तेमाल अपने निजी जीवन के बारे में किया था, वह अंग्रेजी लफ्ज 'सेल्फ पार्टनर' था, जिसका हिंदी में अनुवाद स्व-साथी/ स्व-साथ के रूप में किया जा सकता है। उनके कहने का मतलब यह था कि उन्हें अब किसी दूसरे की जरूरत नहीं महसूस हो रही है और वे स्व-केंद्रित हो गई हैं।

अंग्रेजी में 'सेल्फ पार्टर्नड' शब्द निजी संबंधों के बारे में अमूमन प्रयोग में नहीं लाया जाता है। जब कोई व्यक्ति किसी करीबी रिश्ते में नहीं होता है, तो वह अपने को 'सिंगल' कहता है। पर एमा ने सिंगल शब्द का उपयोग नहीं किया और उसकी जगह 'स्व-साथ' कहा था। उनके इस शब्द के चुनाव की वजह से ब्रिटिश मीडिया में कई दिनों तक कोलाहल मचा रहा था। कई तरह से इस उपयोग को तोला गया था और उस पर कई विवेचनाएं भी छपी थीं।

एमा वाट्सन की जुबान से स्व-साथ शब्द फिसला नहीं था। उन्होंने शायद इसका प्रयोग काफी सोच-समझ कर किया था। उनके अपने पिछले अनुभव और संबंधों की अनुभूति ने उन्हें इसकी तरफ प्रेरित किया होगा।

वैसे, हर रिश्ता हमें कुछ न कुछ सिखा कर जाता है और इन सीखों से ही हमारी मनोवस्था लगातार चलायमान रहती है। कुछ रिश्ते मधुरता का भाव छोड़ जाते हैं, तो कुछ और मन में खटास पैदा कर जाते हैं। जिंदगी में धूप-छांव चलती रहती है और हम बदलते मौसम से अपना संरक्षण बखूबी करते रहते हैं। सामान्य जीवन इसकी अद्भुत मिसाल है। हम अन्य से स्वयं की रखवाली काफी असरदार तरीके से करते हैं। कभी अन्य में घुल-मिल जाते हैं, तो कभी उससे दूरी बना लेते हैं। पर रहते आसपास ही हैं, क्योंकि हम मानते हैं कि कोई भी अन्य के बिना स्वयं पूर्ण नहीं हो सकता है। इस विश्वास की वजह से हमारी साथी की तलाश शुरू होती है, जिसमें अक्सर हम भटक जाते हैं। दूसरे की वजह से अपने से खिन्न हो जाते हैं। संपूर्णता की चाह हमको बिखरा देती है।

> महिलाएं छोटे-छोटे, मगर प्रभावी फैसले लेकर अपने जीवन को पुनः परिभाषित कर रही हैं। पुरुष इस बदलाव की प्रक्रिया में एक मूक, लाचार दर्शक है। शायद हतप्रभ है, इसीलिए असहाय है। उसको पता ही नहीं लगा है कि किस फुर्ती से महिलाओं ने लगाम अपने हाथों में ले ली है, और अगर उसको अब आगे का सफर तय करना है, तो गाड़ीवान की सारी शर्तें माननी होंगी।

वैसे अपने को एक बार फिर से समेटने के लिए स्व-साथ ही एकमात्र विकल्प है। यह ऐसा पायदान है, जहां से नीड़ का निर्माण फिर से शुरू होता है। स्व-साथ शब्द इस मनःस्थिति के लिए पूरी तरह से उपयुक्त नहीं है। शायद स्व-सान्निध्य या आत्म-सान्निध्य ज्यादा उपयुक्त होगा। स्व-सान्निध्य में समग्रता है, जो स्व-साथ में नहीं है। उससे हल्की-सी दूरी पर और अर्थ समेटता आत्म-सान्निध्य है, पर आत्म लगते ही संदर्भ बदला-सा प्रतीत होता है, हालांकि बात एक ही कही जा रही होती है।

एमा वाट्सन के बयान ने ब्रिटेन में बहुत से लोगों को अपने रिश्तों के बारे में सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। निजी रिश्तों के टूटते ही, चाहे वे प्रेम संबंध के हों या दांपत्य के, मर्द या औरत सिंगल की श्रेणी में आ जाते हैं। रीति ने अनुसार औरत का पार्टनर मर्द हो सकता है और मर्द का औरत। और अगर कोई इस तरह की पार्टनरशिप में नहीं है तो वह सिंगल यानी अकेला है। कई और तरह की पार्टनरशिप भी हैं, जिनमें समलैंगिक भी शामिल है, पर हर स्थिति में दो लोगों का होना जरूरी है। सिंगल श्रेणी से हट कर स्व-साथी होने की स्थिति अंत्यंत दुर्लभ है।

वैसे यह एक इत्तेफाक नहीं है कि स्व-साथ की बात एक महिला ने उठाई है। वर्तमान में निजी रिश्तों से लेकर परिवार और सामाजिक अवधारणा तक में महिलाओं की सोच पुरुषों से काफी आगे निकल चुकी है। वे नए समाज की संरचना अपनी जरूरतों के हिसाब से कर रही हैं और इस संरचना की बुनावट केवल भावात्मक नहीं है, बल्कि मानसिक, शारीरिक, आर्थिक, व्यावसायिक और राजनीतिक है। महिलाएं छोटे-छोटे, मगर प्रभावी फैसले लेकर अपने जीवन को पुनः परिभाषित कर रही हैं। पुरुष इस बदलाव की प्रक्रिया में एक मूक, लाचार दर्शक है। शायद हतप्रभ है, इसीलिए असहाय है। उसको पता ही नहीं लगा है कि किस फुर्ती से महिलाओं ने लगाम अपने हाथों में ले ली है, और अगर उसको अब आगे का सफर तय करना है, तो गाड़ीवान की सारी शर्तें माननी होंगी।

पर अगर हम स्त्री-पुरुष वाली बात से थोड़ा हट जाएं, तो एमा वाट्सन ने वास्तव में बेहद तेजी से बदलते सामाजिक और आर्थिक परिवेश में स्व-सान्निध्य की जरूरत को मुखर किया है। उन्होंने शायद हमें याद दिलाया है कि हम, स्त्री या पुरुष, उस हिरन की तरह हो गए हैं, जो अपने अंदर बसी कस्तूरी की खुशबू को बाहर ढूंढ़ता रहता है। स्व सान्निध्य हमारी कस्तूरी है, जिसे हम अन्य के साथ रिश्तों में तलाशते रहते हैं। अन्य से हमें स्वयं पर आ जाना चाहिए। स्व-पूर्ण होकर ही हम किसी अन्य को आश्रय दे सकते हैं या फिर दूसरे की पूर्णता से जुड़ सकते हैं।

मेरी आवाज सुनो

प्रेमपाल शर्मा

इसे सोशल मीडिया का उपकार कहना चाहिए कि कुछ अनूठे सामाजिक प्रासंगिकता के वीडियो मुफ्त में करोड़ों लोगों तक पहुंच जाते हैं। पिछले दिनों एक सात वर्षीय बच्ची का अपनी पढ़ाई के तनाव को लेकर वीडियो घमासान मचाए हुए है। बड़ी-बड़ी शिक्षा समितियों, विश्वविद्यालयों पर भारी पड़ेगा, इसमें कहा गया एक-एक शब्द और भाव। पूरे देश की आंख खोल सकता है। पहले बच्चे के मुंह से कही हुई चंद बातें : मुझे स्कूल से ही छुटकारा चाहिए एक महीने। सुबह छह बजे उठो। जल्दी जल्दी ब्रश करो। दूध पीयो, भागो। बस में बैठो। और स्कूल पहुंचते ही पहले इंग्लिश, फिर मैथ्स, ईवीएस, फिर गुजराती, फिर साइंस! एक बजे घर आओ, खाना खाओ फिर ट्यूशन, फिर लौट कर होमवर्क, सो कर उठो तो फिर बचा हुआ होमवर्क, फिर ड्राइंग की क्लास, फिर कराटे... माथा पीटते हुए बच्ची कहती है। भगवान ने पढ़ना अच्छा बनाया है, मजा के लिए।... ऊपर से पापा की डांट खाओ, मम्मी की, सिस्टर की, प्रोफेसर की, सर की। मैं थक गई हूं। मुझे पूरा यकीन है, मुझे इन स्कूलों से, सिस्टर से छुटकारा चाहिए। इन सबको एक कमरे में बंद कर दो और उसमें चूहे छोड़ दो। लॉक कर दो और बच्चों को कह दो कि भाग जाओ।

यह किसी बच्चे की रोते हुई आवाज नहीं। उसके एक एक शब्द में उसका गुस्सा, उसकी पीड़ा उमड़ती है। चेहरा खीज में लाल हो जाता है। बीच में अपनी बात कहते हुए पानी पीती है और बहुत साफ-साफ कहती है कि स्कूल से छुट्टी पानी है, बच्चों को आजाद छोड़ दो! लेकिन क्या कोई इस आवाज पर ध्यान देगा? हम सब दशकों से मासूम बच्चों के इन तनावों को सुनते आ रहे हैं, लेकिन इसे रोकने-बदलने की जुंबिश दूर-दूर तक नहीं। जिनके बच्चे रोज इन यातनाओं से गुजरते हैं, वे भी सिर्फ थोड़ी देर के लिए मुस्करा कर रह गए हैं। उन्हें बच्चे की बातों में अभिनय नजर आ रहा है। शायद वे अपने अपराधबोध से छुट्टी पाना चाहते हैं। अपराध भी दो तरफा। न बच्चों की पीड़ा को समझना और उस पूरी व्यवस्था की खामियां जानते हुए भी मुंह से आवाज तक न निकलना। स्कूल या पाठशाला को 'जेलशाला' जो कह दे उसे जबर्दस्ती बच्चों पर लाद देना। लेकिन बच्चे तो ईश्वर का प्रतिरूप हैं। उनमें कहने का साहस है कि राजा नंगा है। यह बाल सुलभ ईमानदार गुस्से का इजहार है। और यही सच है।

सुना है, नई शिक्षा नीति अपने अंतिम चरण में है। कस्तूरीरंगन द्वारा सौंपी गई छह सौ पेज की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने के बाद बताया जाता है कि एक लाख सुझाव आए हैं। चुप चुप, छिप छिप कर सुझाव देने वालों की इस देश में कमी नहीं है, लेकिन जो सच साफ-साफ बच्चे ने कहा है, शायद वह कहने का साहस कोई न कर पाए। अगर इन बच्चों की आवाज को घोट दिया गया, तो आगे चल कर यही मासूम इन दीवारों में घुट कर आत्महत्या के लिए मजबूर होते हैं।

पिछले हफ्ते ही एक बच्ची ने कोटा में आत्महत्या की थी और मां को पत्र लिखा था कि 'मैं नहीं चाहती थी गणित और विज्ञान पढ़ना, लेकिन मुझे आपने और पापा ने अपनी झूठी प्रतिष्ठा के नाते धकेल दिया।' यह पहला पत्र नहीं है। पिछले दस वर्षों में कोटा, हैदराबाद दिल्ली के न जाने कितने संस्थानों और विभिन्न स्कूलों में न जाने कितने बच्चों ने आत्महत्याएं की हैं। क्या इसकी गूंजें इस बच्ची के गुस्से में नहीं झलक रही? यह बच्ची गुजराती हिंदी में बोल रही है।

दिल्ली जैसे महानगरों में अंग्रेजी का आतंक इन्हें और भी पागल बना देता है। दो वर्ष पहले इंदौर के अहिल्यादेवी इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र शुभम ने अंग्रेजी माध्यम में न पढ़ पाने के कारण जान दे दी थी। और वैसे ही दिल्ली के एम्स में अनिल मीणा ने आज से छह वर्ष पहले खुदकुशी कर ली थी। सभी के एक से ही दर्द हैं। क्लास में अंग्रेजी समझ में नहीं आती, दोस्त मजाक उड़ाते हैं, प्रोफेसर हमारी बात को तवज्जो नहीं देते। एक आंकड़े के अनुसार सिर्फ अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई की वजह से हर साल पचास से ज्यादा नौजवान जान दे रहे हैं। हम कब तक इन आवाजों को अनसुना करते रहेंगे?

पिछले वर्ष दिल्ली विश्वविद्यालय में इतिहास विषय में प्रवेश परीक्षा सिर्फ अंग्रेजी में हुई। अपनी भाषा हिंदी की मांग के लिए बच्चे धरने पर बैठे, लेकिन कुछ नहीं हुआ। जेएनयू समेत सभी ऊंचे संस्थानों, लॉ कॉलेजों, मेडिकल कॉलेजों में भारतीय भाषाओं का एक शब्द भी शामिल नहीं है। हमने क्या सीखा नीदरलैंड, नार्वे, यूरोप, चीन, जापान इजरायल अमेरिका से? ग्लोबलाइजेशन तो दुनिया भर में आया, लेकिन अपनी भाषा किसी ने नहीं छोड़ी। क्या 'हैप्पिनेस लर्निंग' की किताब बच्चों को 'हैप्पी' बना देगी? हमारे बच्चे जान भी दे रहे हैं, तब भी उनकी आवाज नहीं सुनी जा रही।

> **शिक्षा**
>
> क्या हासिल हुआ या हो रहा है हमें जबर्दस्ती इन नन्हे-मुन्ने बच्चों को तीस-चालीस किलोमीटर तक दूर के स्कूलों में भेजने से? उन्हें जन्म से अंग्रेजी रटाने से? एक के बाद एक ट्यूशन लगाने से? क्यों ट्यूशन और कोचिंग पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध नहीं लगा सकते?

क्या सिर्फ पाकिस्तान या दूसरे देशों से लड़ते हुए शहीद होना ही देशभक्ति है? हम कितने दिनों तक देशभक्ति के जुमलों से काम चलाते रहेंगे? क्या सीखा उस इतिहास से जिसमें कई शताब्दियों तक कभी तुर्क, कभी मुगल और कभी अंग्रेज हमें पीटते रहे और अब आजाद होने के बाद हम नए-नए कुतर्क ढूंढ़ते रहते हैं अपनी हार के। कभी कांग्रेस को लताड़ते हैं, तो कभी सवर्णों, मुसलिमों को। क्या वक्त नहीं आ गया कि सब कुछ भूल कर हम इस बच्ची की आवाज से शिक्षा के विकल्प खोजें? हमारी शिक्षा व्यवस्था में नर्सरी से शुरू हुआ यह तनाव नौजवानी लील कर ही खत्म होता है। और बावजूद इतनी यातना के यूनीसेफ की रिपोर्ट कहती है कि भारत के बावन प्रतिशत नौजवान इक्कीसवीं सदी में किसी रोजगार के लायक नहीं हैं।

क्या हासिल हुआ या हो रहा है हमें जबर्दस्ती इन नन्हे-मुन्ने बच्चों को तीस-चालीस किलोमीटर तक दूर के स्कूलों में भेजने से? उन्हें जन्म से अंग्रेजी रटाने से? एक के बाद एक ट्यूशन लगाने से? क्यों ट्यूशन और कोचिंग पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध नहीं लगा सकते? पिछले बीस-पच्चीस वर्षों से तो शिक्षा में निजी स्कूलों का भी बोलबाला हो गया है। फिर भी हम क्यों दुनिया भर में हर साल शिक्षा के मानदंडों पर फिसड्डी साबित होते जा रहे हैं और हर साल लाखों बच्चे देश छोड़ कर अच्छी शिक्षा की तलाश में विदेश भाग रहे हैं। इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेंस की कवायद भी पिछले तीन-चार सालों में चली है, लेकिन हासिल क्या हुआ? क्या कभी हमने सोचा कि दुनिया के शीर्ष संस्थानों, मुल्कों में प्राथमिक स्कूली शिक्षा अपनी भाषाओं में है और वह भी बच्चे मजे-मजे में सीखते हैं। कोई होम वर्क नहीं, न रटने की पीड़ा। विज्ञान को प्राथमिकता दी जा रही है, धर्मांधता और अवैज्ञानिकता को नहीं। और विज्ञान के पैमाने पर हम सबसे कम खर्च कर रहे हैं। विश्वविद्यालयों से शोध गायब है।

इस बच्ची के अंतिम शब्दों पर फिर ध्यान दीजिए, जब वह हताशा में कहती है कि 'इन सबको एक कमरे में बंद करके ताला लगा दो और बच्चों को खुला छोड़ दो।' अगर हम यह भी कर पाए, तो भी हमें ऐसी पाठशालाओं से मुक्ति मिलेगी, जिसे रवींद्रनाथ टैगोर ने जेलशाला कहा था।

नए मिजाज की राजधानी

लटयन्स शब्द का राजनीतिक प्रयोग पहली बार मैंने ही किया था। तब मुझे मालूम न था कि यह शब्द हथियार बन जाएगा, जो मेरे जैसे लोगों के खिलाफ रोज इस्तेमाल किया जाएगा सोशल मीडिया के रंजिश भरे गलियारों में। पहली बार राजनीतिक तौर पर इस शब्द को मैंने तब प्रयोग किया अपने स्तंभ में 2013 में, जब मुझे विश्वास होने लगा था कि नरेंद्र मोदी भारत के अगले प्रधानमंत्री जरूर बनेंगे। ऐसा विश्वास उन लोगों को भी होने लगा था, जो सत्ता की ऊंचाइयों पर हमेशा विराजमान रहने के आदी हो गए थे। ये सारे लोग बसते थे राजधानी के उस रिहायशी इलाके में, जिसको लटयन्स दिल्ली कहा जाता है। मेरी पूरी जिंदगी दिल्ली के इसी इलाके में गुजरी है, सो मैं इन लोगों की चिंताओं से वाकिफ थी अच्छी तरह। मोदी का नाम सुनते ही ये लोग कांपने लगे थे 2013 में, इसलिए कि उनको यकीन था कि मोदी अगर प्रधानमंत्री बन जाते हैं, तो लटयन्स दिल्ली की शक्ल हमेशा के लिए बदल डालेंगे।

चिंता उनको यही थी कि जिन दीवारों के पीछे वे आम भारतीय की रोजमर्रा समस्याओं से दूर आराम और चैन की जिंदगी गुजार रहे थे, उन दीवारों को अगर मोदी तोड़ डालते हैं तो आम भारतीय मतदाता देख पाएंगे कि इस देश के जनप्रतिनिधि और सरकारी अफसर किस शान से रहते हैं समाजवाद के झूठे पर्दों के पीछे। याद रहे कि राजनेताओं और आला अधिकारियों के अलावा दिल्ली के इस हिस्से में सिर्फ बड़े उद्योगपति रहते हैं, क्योंकि यहां एक कोठी की कीमत बाजार में डेढ़ सौ करोड़ रुपयों से ज्यादा है। मैंने ये सारी बातें अपने उस लेख में लिखी थीं, जो अगस्त, 2013 में छपा था। लेख के छपने के अगले दिन मुझे गांधीनगर से फोन आया, गुजरात के मुख्यमंत्री के दफ्तर से बुलावा था। कौन मना कर सकता है ऐसे बुलावे को? सो, मैं गई और नरेंद्र मोदी के साथ कोई एक घंटा उनके दफ्तर में मिली। इस लंबी बातचीत के दौरान उन्होंने मेरे उस लेख का जिक्र किया और कहा कि, 'आपने ठीक लिखा था। मैं दिल्ली में रहा हूं और वहां काम भी किया है, लेकिन मैं कभी दिल्ली का हुआ नहीं।'

मोदीजी की यह बात मुझे बहुत अच्छी लगी, इसलिए कि विश्वास था मुझे कि लटयन्स दिल्ली में प्रवेश करते ही उनको दिख जाएगा कि जनता के सेवकों को कोई अधिकार नहीं होना चाहिए बड़ी-बड़ी कोठियों में रहने का, जब आम भारतीय जिंदगी भर की मेहनत के बाद दो कमरों का घर भी बना सके, तो अपने आप को खुशकिस्मत मानते हैं। अफसोस कि मोदी ने लटयन्स दिल्ली में ऐसा परिवर्तन नहीं लाकर दिखाया है अभी तक, लेकिन परिवर्तन यह जरूर आया है कि उन आलीशान कोठियों में रहने वालों के चेहरे बदल गए हैं। शान उनकी उतनी ही है जैसे पहले वालों की हुआ करती थी, लेकिन मोदी के समर्थकों ने लटयन्स को एक गाली बना कर उनके लिए इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है, जो उनकी नजरों में सत्तर सालों से इस देश को 'लूटने का काम किया है।'

मोदी के समर्थक हैं ये लोग और रोज उनको कोसते हैं, जो मोदी से पहले सत्ता में थे और उन पत्रकारों को जिनको वे मानते हैं 'लटयन्स' दिल्ली के हैं। इनमें मुझे भी गिना जाता है और मुझे इस बात की जरा भी शर्म नहीं है, इसलिए कि मेरे नाना उन पांच ठेकेदारों में से थे, जिन्होंने एडविन्स लटयन्स के साथ नई दिल्ली का निर्माण किया था कोई सौ साल पहले। अजीब बात मुझे यह लगती है कि मोदी के समर्थकों को अभी तक क्यों नहीं दिखा है कि लटयन्स दिल्ली की शानो-शौकत में फर्क सिर्फ यह पड़ा है कि चेहरे बदल गए हैं इस शाही इलाके के निवासियों के।

मोदी के समर्थकों को 'इलीट' शब्द से नफरत है, लेकिन उनको यह नहीं दिखता है कि इस 'इलीट' में अब वही लोग आ गए हैं, जिनका वे समर्थन करते हैं। शान उनकी वही है जो पुराने लोगों की थी, लेकिन लटयन्स दिल्ली में रहने वाले नए लोगों की पहचान अलग है। जहां पुराने लोग अंग्रेजी बोलते थे, अब हिंदी-गुजराती बोलने वाले आ गए हैं। जहां पुराने लोग थोड़े पश्चिमी किस्म के थे, अब देसी किस्म के हो गए हैं। सो, भारतीय सभ्यता के अनुसार ये नए 'एलीट' में धार्मिक लोग ज्यादा दिखते हैं, जो शराब पीना और गोश्त खाना बुरा मानते हैं। गोमाता का सम्मान करने वाले ज्यादा दिखते हैं और हिंदुत्ववादी ज्यादा दिखते हैं, जिनकी नजरों में भारत को बंटवारे के बाद ही हिंदू राष्ट्र बन जाना चाहिए था। इनकी समझ में देशभक्ति वही होती है, जिसका बुनियादी उसूल है सरकर की आलोचना कभी न करना। जो लोग मोदी सरकर की कश्मीर नीति की आलोचना करते हैं, उनको ये गद्दार मानते हैं। पाकिस्तान जाने को कहते हैं। लटयन्स की तरह पाकिस्तान शब्द भी गाली बन गया है।

ऐसा नहीं कि लटयन्स दिल्ली में परिवर्तन नहीं आया है। बहुत आया है। नए किस्म के राजनेता आ गए हैं, नए किस्म के पत्रकार, नए किस्म के बुद्धिजीवी, नए किस्म की सभ्यता। लेकिन जिस परिवर्तन की मुझे निजी तौर पर उम्मीद थी, वह अभी तक आया नहीं है। भारत ही एक लोकतंत्र देश है दुनिया में, जहां जनप्रतिनिधियों को गरीब मतदाता ऐसा जीवन जीने का हक प्रदान करती है, जो जनता अपने सपनों में भी नहीं देख सकती है। अन्य लोकतांत्रिक देशों में प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति के अलावा किसी को सरकारी कोठी नहीं मिलती है। कई विकसित देशों में प्रधानमंत्री खुद मेट्रो में जाते हैं और जनता के बीच में रहते हैं आम लोगों की तरह। ऐसा जिस दिन हो जाएगा भारत में, तो असली लोतंत्र की बुनियाद रखी जाएगी।

वक़्त की नब्ज़

■ तवलीन सिंह

> भारत ही एक लोकतंत्र देश है दुनिया में, जहां जनप्रतिनिधियों को गरीब मतदाता ऐसा जीवन जीने का हक प्रदान करती है, जो जनता अपने सपनों में भी नहीं देख सकती है। अन्य लोकतांत्रिक देशों में प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति के अलावा किसी को सरकारी कोठी नहीं मिलती है।

जाति न पूछो साधु की पूछ लीजिए ज्ञान

एक रिपोर्टर बीएचयू से बोला : आज मालवीय जी क्या सोच रहे होंगे, जब वे संस्कृत विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर नियुक्त किए गए डॉ. फीरोज खान के संस्कृत पढ़ाने के खिलाफ इस विरोध प्रदर्शन को देख रहे होंगे?

एक विरोधी छात्र कहने लगा कि वे मुसलमान हैं। मुसलमान हिंदुओं के कर्मकांड नहीं पढ़ा सकता। ऐसे अध्यापक को स्वयं कर्मकांडी होना होता है। जनेऊ धारण करना, गोमूत्र पीना होता है, जबकि एक मुसलमान शरीअत से चलता है। इनको किसी अन्य कोर्स में भेज दो। विरोध के साथ वे 'बुद्धि शुद्धि यज्ञ' भी किए जा रहे थे।

हिंदुत्व जब सिर चढ़ जाता है, तो वह इसी तरह बावला होकर अपनी दादागीरी करता है। कितनी भयानक बात है कि कुछ लोग 'संस्कृत' को 'हिंदुत्व' का पर्याय बनाए दे रहे हैं!

विश्वविद्यालय प्रशासन ने साफ किया कि फीरोज खान दस अन्यों से बेहतर थे, नियुक्ति समिति ने उनको सर्वसम्मति से नियुक्त किया। लेकिन सरजी! यह विरोध कानूनी न होकर घोर सांप्रदायिक और फासीवादी है, जबकि फीरोज खान की नियुक्ति शिक्षा के क्षेत्र में 'बहुलतावाद' की विजय है!

ये संकीर्णमना छात्र नहीं जानते कि ज्ञान के जाति-धर्म नहीं होते : 'जाति न पूछो साधु की पूछ लीजिए ज्ञान!

सप्ताह की एक और विवादास्पद खबर संसदीय रक्षा समिति में साध्वी प्रज्ञा को संसदीय रक्षा समिति का सदस्य बनाने ने बनाई। कांग्रेस समेत विपक्ष ने आपत्ति की कि जिन पर इतने आपराधिक मामले चल रहे हैं और जो गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे को अपना हीरो मानती हैं और जिनके ऐसे बयान पर पीएम ने कहा था कि इस बात के लिए प्रज्ञा को वे कभी माफ नहीं करेंगे। उन्हीं को रक्षा समित में जगह दी तो क्यों?

ऐसी एक बहस में एक विहिप प्रवक्ता ने एक राजनीतिक विश्लेषक को बोलने ही नहीं दिया और एक तेज-तर्रार कही जाने वाली एंकर भी उस परिषद वाले एकदम 'शट अप' न कर सकी।

अपने यहां कई चैनलों की बहसें, एंकरों की जानी-अनजानी मेहरबानियों से, हिंदुत्व की ओर इसी तरह लुढ़कती रहती हैं।

जिस दिन जेएनयू के छात्रों ने फीस बढ़ाने के खिलाफ संसद पर विरोध प्रदर्शन करने की कोशिश की, उस दिन लगभग हर रिपोर्टर और एंकर जेएनयू के छात्रों को 'आजादी' और 'टुकड़े गैंग' के पुराने मिथकों से ही परिभाषित करता रहा, जबकि छात्रों में से किसी ने भी इस बार 'आजादी आजादी' के नारे नहीं लगाए। पूरे दिन चैनल छात्रों और पुलिस प्रशासन के बीच की रस्साकशी को लाइव दिखाते रहे। धक्का-मुक्की और पकड़-धकड़ पूरे दिन चलती रही। पुलिस की रोक के बावजूद बैरीकेड तोड़ कर छात्र जब सफदरजंग की सड़क पर आ गए तो भी पुलिस चुप रही। जब अंधेरा छा गया तो लाठी चार्ज किया। कई छात्रों को चोंटे आईं। एक दृष्टिहीन छात्र ने दो चैनलों में निर्ममता से पीटे जाने की आपबीती बताते हुए कहा कि लाठी चार्ज से पहले सड़क की बिजली काट दी गई थी।... समूचे कवरेज में किसी रिपोर्टर या एंकर ने यह न कहा कि छात्र प्रदर्शन ही तो करने जा रहे थे, तब उनको पुलिस ने कैंपस में ही क्यों रोकने की कोशिश की? वे जंतर मंतर जाते, डफली बजाते, अपना गुस्सा निकालते और चले आते। अगर न आते, तो आप गिरफ्तार करते। लेकिन यह क्या कि कोई प्रदर्शन ही नहीं कर सकता! मगर वाह रे हमारे 'कठिन सवाल करने' वाले एंकर कि वे इस तरह के नरम सवाल तक जेएनयू या सरकार से न पूछे!

उधर, जेएनयू के कुछ छात्र भी कम न थे। उनमें से कई एक चैनल की महिला रिपोर्टर को देर तक 'हेकिल' करते रहे। एक ने तो उसके कैमरे के आगे धमकी दे डाली कि हम लाठी बंदूक उठाएंगे और मीडिया को चुन-चुन के मारेंगे।... यह कैसा जेएनयू कल्चर हुआ भाई?

हमारे कुछ एंकर इतनी तीक्ष्णबुद्धि वाले हैं कि कुछ बड़े नेताओं के हर इशारे को पकड़ लेते हैं। इधर एक बड़े नेता कुछ बोले, तो एक ने लाइन लगाई कि सर जी ने एक 'बड़ा संकेत' दिया है। फिर राम माधव कश्मीर को लेकर बोल दिए कि अब्दुल्ला मुफ्ती को फिर आना चाहिए।...

राष्ट्रवाद की नित्य की खुराक से छके-पके कई एंकरों को शायद यह लाइन पसंद न आई और बहस कराने लगे। कई संघ प्रवक्ताओं ने राम माधव की लाइन की जम कर ठुकाई की! लेकिन किसी एंकर ने भाजपा से यह सवाल न पूछा कि जब विपक्ष कह रहा था कि उनसे बात करो तो आप उनको देशद्रोही कह रहे थे और अब अपने बड़े भाई वही कह रहे हैं, तो उनको 'देशद्रोही' क्यों नहीं कह रहे?

राम जी की लीला राम जी ही जानें : पहले एनआरसी बनवाई और फिर बगलें बताई कि देखा अपना कमाल! जो कहते हैं, कर दिखाते हैं। लेकिन जब उससे मनचीती होती न दिखी, तो कहने लगे हम उसे नहीं मानते और केंद्र जब अखिल भारतीय एनआरसी बनाए तो हमारी भी एनआरसी बनवा दे!

और, एक से एक 'कठिन सवाल' पूछने के लिए अपने ही चैनलों में मियां मिठ्ठू बनने वाले प्रश्न-बहादुर एंकर, असम मंत्री की पलटी पर एक भी कठिन सवाल नहीं कर सके कि सर जी पहले एनआरसी बनवाई क्यों और अब रिजेक्ट क्यों की?

महाराष्ट्र में एनसीपी-शिवसेना-कांग्रेस की सरकार के बनने के आसार बढ़ने लगे तो कई चैनलों के पेट में दर्द होने लगा। कई एंकर बार-बार यही पूछते रहे कि ऐसी अवसरवादी सरकार कब तक चल पाएगी?

पहले चैनल दिल्ली में हवा की राजनीति बजाते रहे फिर पानी की राजनीति को बजाने लगे। जब तक दिल्ली के चुनाव नहीं हो जाते तब तक चैनल दिल्ली की हर चीज को खराब बताते रहेंगे, क्योंकि उनके लिए भी दिल्ली का मतलब 'केजरीवाल' है!

बाखबर

■ सुधीश पचौरी

> हमारे कुछ एंकर इतनी तीक्ष्ण बुद्धि वाले हैं कि कुछ बड़े नेताओं के हर इशारे को पकड़ लेते हैं। इधर एक बड़े नेता कुछ बोले, तो एक ने लाइन लगाई कि सर जी ने एक 'बड़ा संकेत' दिया है।

www.readwhere.com

दिल्ली के लिए बड़ा नुकसान साबित हुए हैं केजरीवाल

भाजपा के सांसद प्रवेश वर्मा का कहना है कि अरविंद केजरीवाल जनता को मुफ्त बिजली-पानी और बस का सफर कोई अपनी जेब से नहीं दे रहे, यह करदाताओं का ही पैसा है। जनता को कुछ निजी फायदों की बात छोड़ दें, तो आम आदमी पार्टी की सरकार ने बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए एक भी काम नहीं किया है। दिल्ली में प्रदूषण के लिए पूरी तरह से अरविंद केजरीवाल को जिम्मेदार ठहराया। बातचीत का संचालन किया कार्यकारी संपादक मुकेश भारद्वाज ने।

बारादरी की बैठक में प्रवेश वर्मा

सभी फोटो : अरुष चोपड़ा

मनोज मिश्र : आपका निर्वाचन क्षेत्र हरियाणा से लगा हुआ है। इस बार हरियाणा में जाटों ने भाजपा का साथ नहीं दिया। क्या दिल्ली में भी उसका असर पड़ेगा?

प्रवेश वर्मा : हरियाणा की राजनीति बिल्कुल अलग है। वहां के समीकरण बिल्कुल अलग हैं। वहां पर हमारी सरकार चल रही थी। दिल्ली में हमारी सरकार नहीं है। जब भी राज्यों के चुनाव होते हैं, तो उनमें स्थानीय मुद्दे प्रमुख होते हैं। राष्ट्रीय मुद्दे उतने प्रभावी नहीं होते। तो, हरियाणा के मुद्दे भी अलग हैं, उनकी मांगें भी अलग हैं, उनके काम भी अलग हैं। दिल्ली के मुद्दे बिल्कुल अलग हैं। तो, वहां के चुनाव का दिल्ली में असर पड़ेगा, ऐसा मैं नहीं मानता। वहां ग्रामीण इलाकों के लोगों के नाराज होने के कारण अलग हो सकते हैं। जब कोई सरकार पांच साल चलती है और काम करती है तो उसमें स्वभाविक रूप से कुछ न कुछ नाराजगी रहती है। यहां हम सत्ता में न होकर विपक्ष में हैं। तो, यहां के लोग हमसे नाराज न होकर सत्ता पक्ष से नाराज होंगे।

मुकेश भारद्वाज : आप कह रहे हैं कि आपको सत्ता विरोधी लहर का फायदा मिलेगा, मगर दिल्ली में माना जा रहा है कि केजरीवाल के खिलाफ कोई बहुत नाराजगी नहीं है। लोगों को बिजली मिल रही है, पानी मिल रहा है, शिक्षा मिल रही है और शुल्कों आदि में बढ़ोतरी नहीं हुई है। क्या आप मानते हैं कि यह मुद्दा होगा?

● दिल्ली की जनता उलझ गई है। अगर आप किसी से पूछें तो यह ठीक है कि जो उनको मुफ्त की सुविधाएं मिल रही हैं, उससे केजरीवाल के काम से वे प्रभावित हो सकते हैं। तो, लोग एक हजार रुपए के पानी के बिल की माफी को ही बड़ी उपलब्धि समझ रहे हैं। उनकी सड़कें टूटी हुई हैं, उनकी सीवर लाइन नहीं डली, उनके क्षेत्र में कोई अस्पताल नहीं बना, कोई कॉलेज, कोई स्टेडियम नहीं बना, वह सब उन्हें नहीं दिखाई दे रहा है। उन्हें अगर एक हजार रुपए का अपना व्यक्तिगत फायदा दिखाई दे रहा है तो वह केजरीवाल कोई अपनी जेब

से नहीं दे रहे हैं, वह दिल्ली के ही करदाताओं का पैसा है। इससे लंबे समय तक कोई फायदा नहीं मिलने वाला। इससे दिल्ली का विकास नहीं होने वाला। दिल्ली की परिवहन व्यवस्था का हाल यह है कि जब केजरीवाल ने सत्ता की कमान संभाली थी तो इस विभाग का घाटा साढ़े नौ सौ करोड़ का था, वह घाटा अब बढ़ कर साढ़े उन्नीस सौ करोड़ तक पहुंच गया है। यह घाटा इसलिए बढ़ा कि वहां का राजस्व जो उस महकमे में लगाया जाना था, उसे वहां लगाने के बजाय उससे अपने विज्ञापन दे रहे हैं। शीला जी के समय में विज्ञापन पर छब्बीस करोड़ रुपए खर्च होते थे, जब हमारी पार्टी की सरकार थी, तब खर्च होते थे चार करोड़ रुपए, पर आज इनके कार्यकाल में छह सौ करोड़ रुपए खर्च होते हैं। अगर इतने पैसे से कोई दूसरे काम हुए होते तो लोगों को जमीन पर दिखाई देते। ये कहते हैं कि मैं यह काम करूंगा, वह काम करूंगा। ये कभी नहीं कहते कि हमने यह काम किया, हमने अस्पताल बनवाए, कॉलेज बनवाया। मैंने अपने प्रयास से इतनी सड़कें, इतने फ्लाईओवर बनवाए। मगर ये एक ईंट नहीं दिखाते, जो इन्होंने लगाई है। क्या कोई मुख्यमंत्री अपने पांच साल के कार्यकाल के बाद यह कह सकता है कि मैं यह करूंगा, वह करूंगा? जब साढ़े चार साल में नहीं कर सके, तो अब तीन महीनों में क्या कर लेंगे? साढ़े चार साल तक तो यही कहते रहे कि प्रधानमंत्री और उपराज्यपाल मुझे काम नहीं करने दे रहे। अब क्यों करने दे रहे हैं। आप एक आरटीआइ लगाकर देखिए, तो पता चलेगा कि इन्होंने काम के बदले विज्ञापन पर कहां-कहां पैसे बांटे।

दीपक रस्तोगी : प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। यह दिल्ली ही नहीं, सभी प्रदेशों में बढ़ रहा है। केंद्र सरकार कोई पहल क्यों नहीं करती कि इस पर अंकुश लगे?

● जो काम जिसके जिम्मे है, उसे वही कर सकता है। दिल्ली में प्रदूषण की जहां तक बात है, तो उसमें सबसे नीचे का कारण है पराली का। उससे ऊपर कारण है गैसों का, धूल का और सबसे ऊपर कारण है वाहनों से निकलने वाला धुआं। ये कारण तो दिल्ली सरकार को समाप्त करने हैं। इसमें भारत सरकार क्या करेगी? पिछले साढ़े चार साल में एक भी बैठक ऐसी बता दीजिए, जो अरविंद केजरीवाल ने प्रदूषण पर की हो। एक बार ऐसा बता दीजिए कि दिल्ली के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री जी से इस विषय पर समय मांगा हो। एक बार ऐसा बता दीजिए जब मुख्यमंत्री ने दिल्ली के सातों सांसदों को इस विषय पर चर्चा के लिए बुलाया हो। एक बार ऐसा बता दीजिए जब उन्होंने पंजाब और हरियाणा के मुख्यमंत्रियों से मिलकर इस पर चर्चा की हो, जबकि केंद्र सरकार ने इस्टर्न-वेस्टर्न पेरीफेरल रोड बनाया, जिससे साठ हजार व्यावसायिक वाहन दिल्ली में घुसने के बजाय बार्डर से बाहर निकल जाते हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग 24 को चौड़ा किया भारत सरकार ने। दिल्ली में बीएस-6 लागू किया भारत सरकार ने। तो, जो काम भारत सरकार को करना चाहिए, वह तो कर ही रही है। दिल्ली सरकार को जो करना चाहिए, वह नहीं कर रही है। वह तो सिर्फ विज्ञापन देती है। सत्तर करोड़ रुपए सिर्फ सम-विषम योजना के विज्ञापन पर खर्च हुए हैं। इन पैसों से दिल्ली सरकार एअर प्यूरीफायर टावर क्यों नहीं लगाती?

जनसत्ता बारादरी

प्रवेश वर्मा

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के पुत्र प्रवेश वर्मा ने किरोड़ीमल कॉलेज से शिक्षा प्राप्त की है। पश्चिमी दिल्ली से सांसद हैं और दूसरी बार रिकार्ड जीत के साथ लोकसभा में पहुंचे हैं। इन्होंने लोकसभा चुनाव में 5,78,486 के बड़े अंतर से अपनी जीत दर्ज कराई थी। यह अब तक की सबसे बड़ी जीत है। 2013 में विधानसभा का चुनाव भी महरौली विधानसभा से लड़ा था और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष योगानंद शास्त्री को हराया था। भाजपा के तेज-तर्रार युवा चेहरों में से हैं। अपने संसदीय क्षेत्र में सक्रिय रहने के साथ आम आदमी पार्टी सरकार की नीतियों के खिलाफ हमलावर रहते हैं।

पंकज रोहिला : अभी दिल्ली के पानी की गुणवत्ता को लेकर जो रिपोर्ट आई है, उस पर केजरीवाल सरकार का कहना है कि भाजपा ने अपनी राजनीति चमकाने के लिए झूठी रिपोर्ट बनवाई है। आपका इस पर क्या कहना है?

● कुछ लोगों को शायद ऊपर वाले का आशीर्वाद प्राप्त होता है कि वे चाहे कितना भी पाप कर लें, उन पर लोगों का भरोसा बना रहेगा। पहले तो ये अपने बच्चों की कसमें खाते रहे कि मैं ये नहीं लूंगा, वो नहीं लूंगा फिर सब ले लिया। क्या कुछ किया नहीं, पर विज्ञापन हर काम का देते रहे। स्कूल एक नहीं बनवाया, पर बताते रहे कि हमने नए कमरे बनवा दिए। उन कमरों को बनाने का ठेका टेंडर से नहीं दिया गया। उसका भुगतान किया गया अट्ठासी सौ रुपए प्रति वर्ग फुट, जबकि पांच सितारा होटल बनाने का खर्च भी साढ़े चार हजार रुपए से अधिक नहीं बैठता है। अगर इन्होंने नियमों के तहत काम कराया होता, तो बारह सौ रुपए प्रति वर्ग गज से अधिक नहीं आती। मगर ये घोटाले करते रहे और खुद को साफ-सुथरा बताते रहे। इनका यही चल रहा है।

निर्भय कुमार पांडेय : दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सवाल उठते रहते हैं। केजरीवाल कहते हैं कि अगर पुलिस हमारे पास होती, तो हम इस पर काबू पा लेते। इस पर आपका क्या कहना है?

● अगर उनके पास पुलिस होती, तो शायद दिल्ली में अब तक आतंक का माहौल होता। दिल्ली में हर व्यक्ति की जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वह अपने आसपास होने वाले अपराध की सूचना पुलिस को दे। आज दिल्ली में करीब एक लाख पुलिस बल है। हम सोचें कि वह हर आदमी की मानसिकता को ही बदल देगी, तो ऐसा संभव ही नहीं है। अगर किसी महिला के साथ कोई अपराध होता है, तो लोग अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाते, पुलिस को सूचना नहीं देते, कोई मदद नहीं करते। जब हर आदमी अपनी जिम्मेदारी समझने लगेगा तो दिल्ली में सुरक्षा का माहौल हो जाएगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा था कि यहां की बसों में सुरक्षाकर्मी तैनात करेंगे, पर उन्होंने इस दिशा में कोई एक काम किया हो तो बता दीजिए।

मृणाल वल्लरी : दिल्ली पर पहले ही अनियोजित ढांचों का भारी दबाव है। ऐसे में अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने के फैसले का क्या प्रभाव पड़ेगा?

● हम अनधिकृत नहीं बोलते हैं उसे। वह कॉलोनी है। वह अनधिकृत इसलिए बनी कि डीडीए का काम था दिल्ली में लोगों को घर देना। वह नहीं दे पाया। लोग बाहर से आते गए, उन्हें रहने को घर तो चाहिए। डीडीए तो घर दे नहीं रहा था, तो लोग कहीं तो घर बनाएंगे। तो गांवों में जितने भी खेत थे, वहां पर उन्होंने कॉलोनियां बसानी शुरू कर दीं। निजी जमीन थी, लोगों ने पैसा दिया और वहां पर अपने मकान बनाए। इसलिए वे अनधिकृत नहीं हैं। डीडीए ने उनका नक्शा पास नहीं किया, बस इतनी बात है। आज डीडीए उनका नक्शा पास कर रही है। यह दिल्ली वालों के लिए बहुत बड़ी सौगात है। उन कॉलोनियों में सड़क, सीवर, पानी वगैरह का बंदोबस्त हो सकेगा।

सूर्यनाथ सिंह : आप कॉलोनियों को अनधिकृत नहीं मानते, मगर कहीं मस्जिद बन गई है, तो उसे अनधिकृत क्यों मानते हैं? फिर यह कि अगर केजरीवाल चुनाव के मद्देनजर फैसले और घोषणाएं कर रहे हैं, तो केंद्र ने भी तो चुनाव के समय ही अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने का फैसला किया है। यह कहां तक उचित है?

● मैं हर उस चीज को अवैध मानता हूं, जो सरकारी जमीन पर कब्जा कर-के बनाई गई है। मेरे ही लोकसभा क्षेत्र में पचास से ज्यादा मस्जिदें सरकारी जमीन पर कब्जा करके बनी हैं। लोगों ने कहा कि आपने मंदिर क्यों नहीं कहा? तो मैंने कहा कि कोई एक भी मंदिर ऐसा दिखा दो जो सरकारी जमीन पर कब्जा करके बनाया गया हो। कोई नहीं दिखा। खुद अल्पसंख्यक समिति मान चुकी है कि उस क्षेत्र में पैंतीस मस्जिदें सरकारी जमीन पर कब्जा करके बनाई गई हैं। बाकी बीस मस्जिदों के बारे में उनका कहना है कि वे भी सरकारी जमीन पर बनी हैं। पर उन्होंने डीडीए के पास आवेदन किया है कि उन्हें वह जमीन आबंटित कर दी जाए। ऐसा कहीं होता है क्या? अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने की जिम्मेदारी दिल्ली सरकार की थी, पर जब उसने नहीं किया, तो केंद्र को यह कदम उठाना पड़ा। इससे यही संकेत दिया गया कि लोगों को झूठे सपने मत दिखाओ कि मैं इन कॉलोनियों के नक्शे पास करूंगा। इसे खत्म करने के लिए ही भारत सरकार ने अपने अधिकारों का इस्तेमाल किया।

पंकज रोहिला : दिल्ली में एक और बड़ी समस्या है सीलिंग की। इस पर आप क्या कहेंगे?

● दिल्ली में मॉल बनाने के लिए जमीनों की नीलामी 2004-2005 में शुरू हुई थी। जब ये मॉल बन गए, तो उनकी दुकानें नहीं बिक रही थीं। फिर सारे बिल्डर इकट्ठा हो गए। उन्होंने दबाव बनाया कि जहां भी रिहाइशी इलाकों में दुकानें चल रही हैं, उन्हें बंद कर दो ताकि लोग मजबूर होकर शॉपिंग मॉल में भागें। तो 2006 में निगरानी समिति बन गई। उसने इस तरह की सारी दुकानों को सील करने का आदेश दे दिया। फिर शॉपिंग मॉल वालों ने अपनी दुकानों की कीमतें बढ़ा दीं। फिर जब भाजपा की सरकार आई, तो जो सीलिंग की गई थी, उसे खोल दिया। तो लोग वापस शॉपिंग मॉल छोड़ कर भागे। 2006 में जो निगरानी समिति बनी थी, वही आज तक चल रही है। मैं कहता हूं उसे भंग कर देना चाहिए।

आर्येंद्र उपाध्याय : केंद्र सरकार अनुच्छेद 370 को खत्म करना अपनी बड़ी उपलब्धि मानती है। महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनावों में इसे बड़ा मुद्दा बनाया गया, मगर इसका असर कुछ खास नहीं दिखा। इसकी क्या वजह है?

● हरियाणा में भाजपा का जलवा नया है। जब पिछली बार हमने सरकार बनाई, तो हमारी सैंतालीस सीटें थीं। तो एक ऐसा राज्य जहां हमारी कभी सरकार ही नहीं रही, वहां हमने पांच साल सरकार चलाई और हमारी सीटें सैंतालीस से घट कर चालीस हो गईं, तो मैं नहीं मानता कि हमारा कोई बहुत बड़ा घाटा हो गया। महाराष्ट्र में भी हमारा प्रदर्शन बुरा नहीं रहा। इन दोनों राज्यों में हमारा प्रदर्शन और अच्छा हो सकता था, अगर हमारा टिकट वितरण का प्रबंधन और अच्छा होता।

अरविंद शेष : अभी बनारस में संस्कृत के एक मुसलिम अध्यापक को लेकर भाजपा की छात्र इकाई के विद्यार्थी विरोध कर रहे हैं, इसे आप कैसे देखते हैं?

● मैं हर धर्म में विश्वास करता हूं। भाजपा कभी बांटने की राजनीति नहीं करती है। चाहे वह तीन तलाक का मामला था, राम मंदिर का मामला था या फिर अनुच्छेद 370 का मामला था, ये ऐसे मामले थे जिनकी वजह से देश आगे नहीं बढ़ पा रहा था। इसलिए इन मुद्दों को हमने खत्म किया। बाकी दूसरे राज्यों में कहां क्या हो रहा है, वहां की सरकारें उसे देखेंगी।

एक बार ऐसा बता दीजिए कि दिल्ली के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री जी से प्रदूषण पर समय मांगा हो। एक बार ऐसा बता दीजिए जब मुख्यमंत्री ने दिल्ली के सातों सांसदों को इस विषय पर चर्चा के लिए बुलाया हो। एक बार ऐसा बता दीजिए जब उन्होंने पंजाब और हरियाणा के मुख्यमंत्रियों से मिलकर इस पर चर्चा की हो।

पंकज रोहिला : जेएनयू में जो चल रहा है, उस पर आपकी क्या राय है?

● जैसे जेहाद में लोगों का माइंड वॉश हो जाता है, वैसे ही जेएनयू में बच्चों का माइंड वॉश हो जाता है। निस्संदेह वहां से कई गणमान्य लोग पढ़ कर निकले हैं, पर जब विवेकानंद की मूर्ति का अपमान होता है, तो उससे जाहिर है कि लोगों का माइंड वॉश होता है, लोगों को वहां जहर पिलाया जाता है। हमारी पूरी कोशिश है कि वहां का माहौल ठीक हो जाए।

मुकेश भारद्वाज : वहां फीस बहुत ज्यादा बढ़ा दी गई। उस पर आप क्या कहना चाहते हैं?

● बहुत सारे लोग कहते हैं कि जहां के बच्चे यह बोलते हैं कि भारत माता तेरे टुकड़े होंगे, वहां करदाता का पैसा क्यों लगाया जा रहा है। वहां इतनी सबसिडी दी जा रही है। अगर कोई भी संस्थान अपने पैरों पर खड़ा हो जाए, तो इसमें किसी को आपत्ति क्यों होनी चाहिए? देश के किसी भी संस्थान को सबसिडी नहीं मिलनी चाहिए, सबको अपने पैरों पर खड़ा होना चाहिए।

मृणाल वल्लरी : जब सारी सबसिडी ही खत्म हो जाएगी, सरकारी कंपनियों को बेच दिया जाएगा, तो फिर लोकतंत्र में सरकार की क्या भूमिका होगी?

● मैं तो कहता हूं कि अशोका होटल, सम्राट होटल को भी बेच देना चाहिए। सरकार को होटल क्यों चलाना चाहिए। लोगों के कर का पैसा किसी होटल में लगाने में सरकार की रुचि ही क्यों होनी चाहिए। वह हर ऐसा क्षेत्र, जिसमें हमारी आंतरिक सुरक्षा को चुनौती नहीं मिलती हो, उसका निजीकरण कर देना चाहिए।

प्रस्तुतिः सूर्यनाथ सिंह / मृणाल वल्लरी

किताबें मिलीं

उत्तर समय की प्रेम कहानियां

प्रेम ऐसी शक्ति है, जो मनुष्य को उदात्त भाव से भर देती है। हमारे जीने का नजरिया, सोच का ढंग और दूसरे के प्रति व्यवहार पर प्रेम का गहरा और व्यापक प्रभाव पड़ता है। प्रेम अपार सुखदायक है, पर साथ ही वह हमें जीवन के दुखों को सहने का सामर्थ्य और क्षमता देता है। इसकी दूसरों के कष्टों के निवारण करने में भी महती भूमिका है। इसलिए शायद ही कोई इस संवेदना से अछूता है।

प्रेम जैसी सर्वव्यापी और शाश्वत अनुभूति को महसूस करना जितना सहज और सरल है, उस पर लिखना शायद उतना ही कठिन। यह प्रायः स्वीकार्य है कि आज प्रेम कहानियों और कविताओं का नितांत अभाव है। और जो लिखी जा रही हैं, वे स्तरीय नहीं हैं और प्रेम के उदात्त तथा बहुस्तरीय स्वरूप को उद्घाटित नहीं करतीं। उसमें उस संवेदना का अभाव है, जो पाठकों को अंदर तक झकझोरने में सफल हो। वे मर्म को नहीं छू पातीं जैसा प्रभाव गुलेरी की 'उसने कहा था' का आज भी जन मानस पर दिखलाई पड़ता है।

इस संग्रह की कहानियों में प्रेम के उत्तर आधुनिक स्वरूप के विभिन्न पक्षों और आयामों को रेखांकित करने का प्रयास किया गया है, जिनसे गुजरते हुए पाठक प्रेम के आधुनिक स्वरूप और स्वभाव से रूबरू हो सकेंगे।

उत्तर समय की प्रेम कहानियां : संपादन- शैलेंद्र सागर; नमन प्रकाशन, 4231/1, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली; 450 रुपए।

व्यंग्य समय

व्यंग्य समय में शरद जोशी की कुछ चयनित रचनाएं दी गई हैं। विसंगति के स्रोत, विस्तार और परिणाम की जैसी अचूक परख उनको है, वह उनके समकालीन व्यंग्यकारों तक में दुर्लभ है। हास्य और व्यंग्य का सहजात संबंध उनकी रचनाओं में मौजूद है। बतरस और ललित निबंध के साथ कहावतों और लोक प्रसंगों से विकसित व्यंग्य को शरद जोशी ने हिंदी गद्य का अनिवार्य अंग बनाया। उनके लेखन में विषय-वैविध्य किसी को भी चकित करता है। वे विचार और राजनीति को लेकर बेहद स्पष्ट, पक्षधर, प्रखर और सतर्क लेखक हैं। यही कारण है कि पत्र-पत्रिकाओं में उनके स्तंभों ने एक इतिहास रचा। साहित्य के सैद्धांतिक और व्यावहारिक अंतर्विरोधों पर उन्होंने अद्वितीय लिखा है। वे जीवन के अपार और अबूझ से छोटे-छोटे पल लेकर रचनाएं बुनते हैं। यही विरल यथार्थबोध है, जो परिहास, वक्रोक्ति, आनंद आदि से आगे बढ़ कर रचना को किसी दूसरे ही स्तर पर ले जाता है।

व्यंग्य समय : शरद जोशी; किताबघर प्रकाशन, 4855-56/24, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली; 380 रुपए।

तुम्हारी रोशनी में

संस्मरणों के माध्यम से रचनाकार न सिर्फ अपनी स्मृतियों को ताजा करता, पुराने दिनों को नए सिरे से जीने का प्रयास करता, बल्कि उसमें बहुत सारे लोगों के जीवन की तहें भी खोलने-दिखाने, उसे समझने-समझाने का प्रयास करता है। संस्मरण नितांत वैयक्तिक दृष्टिकोण होता है, उसमें रचनाकार के देखने-परखने, अनुभव करने के अपने ढंग होते हैं। किसी व्यक्ति से जुड़े एक व्यक्ति के संस्मरण दूसरे कई लोगों के संस्मरणों से इसी अर्थ में भिन्न हो जाते हैं। उसमें विरोधाभास या वैचारिक विरोध भी नजर आ सकता है, पर यह सही है कि किसी एक ही व्यक्ति को लेकर लिखे गए हर संस्मरण से उसके अलग-अलग रंग उभरते हैं। कमल कुमार की इस किताब में संकलित विभिन्न रचनाकारों से जुड़े उनके संस्मरण इसीलिए अलग और अपने ढंग के हैं।

इस किताब में कमल कुमार के इकतीस रचनाकारों-कलाकारों से जुड़े संस्मरण संकलित हैं। इनमें आलोचक-अध्यापक भी हैं, कवि भी, कथाकार, नाटककार और नृत्य से जुड़े कलाकार भी। इन सभी रचनाकारों से कमल कुमार का लगातार मिलना-जुलना रहा। उनके साक्षात्कार लिए। पर एक रचनाकार अपनी रचनाओं से बाहर निजी जिंदगी में कैसा होता है, उसके जीवन के रंग कैसे होते हैं, वह सब कमल कुमार के इन संस्मरणों में बहुत सुंदर तरीके से दिखाई देता है।

तुम्हारी रोशनी में : कमल कुमार; इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, के-71, कृष्णानगर, दिल्ली; 450 रुपए।

बेखुदी में खोया शहर

इस किताब में संकलित लेखों में निजीपन, व्यक्ति विशेष, लोक-शहर के प्रति अनुराग एकाधिक बार है। लंदन, पेरिस, वियना, शंघाई, कोलंबो, दिल्ली, बंगलुरू, पुणे, श्रीनगर के साथ-साथ मैकलोडगंज, मगध, मिथिला और बेलारही, तिलोनिया, तरौनी जैसे गांव भी है। जेएनयू और जिगन विश्वविद्यालय भी है। 'ग्लोबल' और 'लोकल' की इस घुमक्कड़ी में जहां कुछ पहचाने चेहरे हैं, वहीं कुछ अनजाने राही। समंदर की आवाज के साथ-साथ डबरा, चहबच्चा की अनुगूंज भी है। होटल-रेस्तरां के साथ-साथ ढाबा भी।

इन पन्नों में समंदर पार से लहराती आती रेडियो की आवाज है। उदारीकरण के बाद अखबार के पन्नों पर फैली 'खुश खबर' है। 'न्यूजरूम नेशनलिज्म' की आहट भी। बॉलीवुड का स्थानीय रंग है, हिंदुस्तानी और लोक संगीत की मधुर धुन है, साथ ही नौटंकी का शोकगीत भी। मिट्टी पर बने कोहबर की खुशबू एक तरफ है, हवेलियों में बिखरते भित्तिचित्र दूसरी तरफ।

बेखुदी में खोया शहर- एक पत्रकार के नोट्स : अरविंद दास; अनुज्ञा बुक्स, 1/10206, लेन नं. 1 ई, वेस्ट गोरख पार्क, शाहदरा, दिल्ली; 375 रुपए।

नई दिल्ली

www.readwhere.com

राज्यपाल का विशेषाधिकार है किसी को आमंत्रित करना : राजनाथ

लखनऊ, 23 नवंबर (भाषा)।

महाराष्ट्र में शिवसेना-राकांपा और कांग्रेस के बीच उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाने को लेकर सहमति बनने के बाद देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री और अजित पवार के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि यह राज्यपाल का विशेषाधिकार है कि वह किसे आमंत्रित करते हैं। राजनाथ ने महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर कहा कि इस समय जिस कार्यक्रम में यहां पर आया हूं, कोई राजनीतिक बात नहीं कहना चाहता। यह राज्यपाल का विशेषाधिकार था। संतुष्ट होने पर राज्यपाल को जिसे आमंत्रित करना था, उन्होंने आमंत्रित किया। राजनाथ ने ट्वीट कर फडणवीस और पवार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि वे राज्य की प्रगति और संपन्नता के लिए मिलकर कार्य करेंगे।

इससे पहले राजनाथ ने यहां एएमसी स्टेडियम में रक्षा पेंशन अदालत की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि देश को अपनी सशस्त्र सेनाओं पर गर्व है और पूर्व सैनिकों पर भी गर्व है, जो आवश्यकता पड़ने पर उसी विश्वास के साथ अभी भी अपने कर्तव्य का निर्वहन कर सकते हैं। मुझे पूरा विश्वास है। उन्होंने स्टेडियम में लगाए गए विभिन्न स्टॉल देखे और पूर्व सैनिकों व शहीद सैनिकों की पत्नियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब्दुल हमीद और मनोज पांडेय जैसे योद्धाओं की जन्मस्थली रहा है और पूरा देश इन योद्धाओं का ऋणी रहेगा।

राजनाथ ने कहा कि जहां तक रक्षा पेंशन का प्रश्न है, स्वीकृति से लेकर वितरित करने तक की प्रक्रिया पेचीदा है। हो सकता है कि आपको वह पेंशन न मिले, जो मिलनी चाहिए। देशभर में पेंशन अदालतों के संचालन का फैसला इसलिए लिया गया, ताकि हमारे रिटायर हो चुके वरिष्ठों को पेंशन के मुद्दे पर किसी तरह का तनाव न हो। उन्होंने कहा कि सरकार ने गठन के कुछ महीने में ही 'वन रैंक वन पेंशन' की शुरुआत की, जो करीब 30-40 साल से अटका हुआ था। रक्षा मंत्री ने कहा कि आज देश ऊंचाइयां छू रहा है, इसमें सेना और जवानों का सबसे बड़ा योगदान है। अगर देश सुरक्षित नहीं रहेगा तो विकास संभव नहीं है। उन्होंने इस बात पर भी प्रसन्नता व्यक्त की कि युवा सशस्त्र सेनाओं में शामिल होने को उत्सुक हैं। देश के जिस हिस्से में भी मैं जाता हूं तो आग्रह किया जाता है कि सेना के लिए भर्ती कैंप आयोजित किए जाने चाहिए। यह सब इस सच्चाई के बावजूद है कि सेना में आने के बाद गोली, बम और आतंकवादियों का सामना करना पड़ सकता है।

रक्षा पेंशन अदालत, प्रधान रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) प्रयागराज ने मुख्यालय, मध्य कमान के साथ मिलकर आयोजित की है। पेंशन अदालत का मकसद उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में सशस्त्र सेनाओं के सेवानिवृत्त वरिष्ठ लोगों और उनके परिवार वालों की पेंशन से जुड़ी शिकायतों के समाधान का है।

कांग्रेस ने कहा, फडणवीस के नेतृत्व में बनी नई सरकार असंवैधानिक

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

कांग्रेस ने महाराष्ट्र में अप्रत्याशित राजनीतिक घटनाक्रम के तहत देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में बनी नई सरकार को गैरकानूनी और असंवैधानिक करार देते हुए शनिवार को दावा किया कि भाजपा और अजित पवार ने दुर्योधन व शकुनि की तरह जनादेश का 'चीरहरण' किया है।

पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि इस मामले में अदालत जाने सहित सभी विकल्प खुले हुए हैं। सुरजेवाला ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी पर भी निशाना साधा और दावा किया कि वह भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के हिटमैन की तरह काम किया है। उन्होंने कहा कि 23 नवंबर के दिन महाराष्ट्र और देश के लोकतांत्रिक इतिहास में काले अध्याय के तौर पर दर्ज होगा, जब संविधान को पांव तले रौंद दिया गया। अवसरवादी अजित पवार को जेल की सलाखों का डर दिखाकर सत्ता की हवस में अंधी भाजपा ने लोकतंत्र की सुपारी ले हत्या कर डाली।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि भाजपा व अजित पवार ने दुर्योधन व शकुनि की तरह महाराष्ट्र के जनादेश का चीरहरण कर दिया। ये महाराष्ट्र की जनता से विश्वासघात है। फडणवीस का वादा तो 72,000 करोड़ रुपए के घोटाले में अजित पवार को आर्थर रोड जेल भेजने का था, मगर उप मुख्यमंत्री बना मंत्रालय भेज दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र के राज्यपाल ने संविधान के रक्षक का नहीं, अमित शाह के हिटमैन का काम किया है और विधायकों की निष्ठा की मंडी में बोली लगाना भाजपा का चाल, चरित्र और चेहरा बन गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि कर्नाटक, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, गोवा, हरियाणा और अब बाबा साहेब के प्रदेश महाराष्ट्र में जनादेश का अपमान कर संविधान को रौंदने के काम को अंजाम देने वाला और कोई नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह हैं।

सुरजेवाला ने सवाल किया कि सरकार बनाने का दावा कब और किसने किया? कितने विधायकों के हस्ताक्षर थे? राज्यपाल ने हस्ताक्षर कब सत्यापित किया? राज्यपाल ने राष्ट्रपति शासन हटाने की अनुशंसा कब की? कैबिनेट की बैठक कब हुई और इसमें कौन-कौन शामिल थे? राष्ट्रपति शासन हटाने की अनुशंसा कितने बजे की गई? राष्ट्रपति ने अनुशंसा कितने बजे स्वीकार की? उन्होंने पूछा कि राज्यपाल ने किस पत्र के जरिए व कितने बजे शपथ के लिए बुलाया? मीडिया, अधिकारियों और प्रबुद्ध लोगों को शपथ ग्रहण समारोह के लिए क्यों नहीं बुलाया गया? लोकतंत्र का चीरहरण कब तक जारी रहेगा?

सुरजेवाला ने फडणवीस के भाषण का एक वीडियो पेश करते हुए कहा कि चुनाव से पहले जिसे आर्थर रोड जेल भेजने की बात की उसे मंत्रालय में बतौर उप मुख्यमंत्री पहुंच दिया। यह मोदी राज में संभव है। मोदी हैं तो मुमकिन है। उन्होंने कहा कि सभी विकल्प खुले हुए हैं।

महाराष्ट्र के लोग बदला लेंगे : उद्धव

पेज 1 का बाकी

का जिक्र करते हुए कहा- हमारी राजनीति 'रात्रि खेल चाले' (रात में खेल होता है) नहीं है।

ठाकरे ने कहा- मैंने सुना है कि आज तड़के केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। पाकिस्तान के खिलाफ जिस तरह से 'सर्जिकल स्ट्राइक' की गई, उसी तरह से यह महाराष्ट्र पर 'फर्जिकल स्ट्राइक' है। यह जनादेश और संविधान का स्पष्ट रूप से अनादर है। यह महाराष्ट्र के जनादेश पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' है और वे इसका जवाब देंगे।

शिवसेना प्रमुख ने कहा, 'हर कोई जानता है कि जब छत्रपति शिवाजी महाराज के साथ विश्वासघात किया गया था और उन पर पीछे से हमला किया गया था तब उन्होंने क्या किया था। शिवसेना के कार्यकर्ता पार्टी विधायकों का दल बदल कराने की सारी कोशिशें नाकाम कर देंगे।' भाजपा की आलोचना करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा, 'वह पार्टी सहयोगी दल, विपक्षी और अंदरूनी प्रतिद्वंद्वी नहीं चाहती है। शिवसेना इस प्रवृत्ति के खिलाफ लड़ रही है। हम चाहते हैं कि सब कुछ कानून और संविधान के मुताबिक हो। हम (शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस) साथ मिल कर सरकार बनाएंगे।'

शिवसेना नेता संजय राउत ने दावा कि महाराष्ट्र में सरकार बनाने को लेकर राकांपा नेता अजित पवार को भाजपा द्वारा ब्लैकमेल किया गया। उन्होंने कहा कि हमारे पास इस बारे में जानकारी है कि किस तरह अजित पवार को ब्लैकमेल किया गया और जल्द ही इसका खुलासा हो जाएगा।

संजय राउत ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि रात के अंधेरे में जो काम किया गया, वह ठीक नहीं। यह छत्रपति शिवाजी महाराज के महाराष्ट्र को शोभा नहीं देता।

कस्तूरीरंगन बने एनआइआइटी विश्वविद्यालय के नए चेयरमैन

नई दिल्ली, 23 नवंबर (भाषा)।

इसरो के पूर्व चेयरमैन के कस्तूरीरंगन एनआइआइटी विश्वविद्यालय के नए प्रमुख बने हैं। इसकी घोषणा एनआइआइटी विश्वविद्यालय के 11वें सालाना व्याख्यान में नीमराना में शनिवार को की गई।

कस्तूरीरंगन 1994 से 2003 तक इसरो के प्रमुख रहे हैं। उन्हें पद्मविभूषण सम्मान मिल चुका है। वह राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति भी रह चुके हैं। एनआइआइटी विश्वविद्यालय के संस्थापक और चेयरमैन राजेंद्र एस पवार ने कहा कि हम संस्थापक चेयरपर्सन के रूप में विश्वविद्यालय को शुरुआती सालों में मार्गदर्शन देने के लिए डॉ. कर्ण सिंह के आभारी हैं।

सुकमा में तीन नक्सली ढेर

रायपुर, 23 नवंबर (भाषा)।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षा बलों ने शनिवार को तीन नक्सलियों को मार गिराया।

बस्तर क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुकमा जिले में पुलिस दल ने अलग-अलग मुठभेड़ में तीन नक्सलियों को मार गिराया। उन्होंने बताया कि गश्ती दल ने सुबह जिले के फुलबगड़ी थाना क्षेत्र में एक नक्सली को तथा शाम को बुरकापाल थाना क्षेत्र में दो नक्सलियों को मार गिराया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के बुरकापाल थाना क्षेत्र में एसटीएफ और डीआरजी के संयुक्त दल को गश्त पर रवाना किया गया था। दल जब क्षेत्र के मिनपा गांव के जंगल में था तभी नक्सलियों ने पुलिस दल पर गोलीबारी शुरू कर दी।

इसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। कुछ देर तक दोनों ओर से गोलीबारी के बाद नक्सली वहां से भाग गए।

अधिकारियों ने बताया जब पुलिस दल ने घटनास्थल की तलाशी ली तो वहां वर्दीधारी दो नक्सलियों के शव और पांच हथियार बरामद हुए। उन्होंने बताया कि इस संबंध में अधिक जानकारी ली जा रही है। क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले शुक्रवार सुबह सुरक्षाबलों ने फुलबगड़ी थाना क्षेत्र के अंतर्गत मुलेर गांव के जंगल में मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया।

उन्होंने बताया कि डीआरजी के दल ने जिस नक्सली को मुठभेड़ में मार गिराया, उसकी पहचान पीएलजीए के प्लाटून नंबर 30 के सदस्य केसा के रूप में हुई है। सुरक्षाबलों ने घटनास्थल से एक पिस्तौल और एक वायरलेस सेट बरामद किया है।

मोदी और शाह ने दी बधाई

पेज 1 का बाकी

से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई। मुझे विश्वास है कि ये दोनों महाराष्ट्र के उज्जवल भविष्य के लिए काम करेंगे।

अमित शाह ने भी ट्वीट कर फडणवीस और अजित पवार को बधाई देते हुए कहा कि मुझे विश्वास है कि यह सरकार महाराष्ट्र के विकास और कल्याण के प्रति निरंतर कटिबद्ध रहेगी और प्रदेश में प्रगति के नए मापदंड स्थापित करेगी।

भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी फडणवीस और अजित पवार को बधाई दी। उन्होंने ट्वीट किया कि मैं देवेंद्र फडणवीस जी और अजित पवार जी को महाराष्ट्र के क्रम से मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए बधाई देता हूं। मुझे यकीन है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में यह सरकार महाराष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

बलात्कारी को नौ दिन में सुनाई सजा

पेज 1 का बाकी

अहिरवार को 20 साल कैद की सजा सुनाई। इसके अलावा उस पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। सिंह ने बताया कि दोषी रामकरण के खिलाफ गत छह अक्तूबर को एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग बहन को बहला-फुसला कर ले जाने का मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने 20 दिन बाद किशोरी को बरामद किया और आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

अदालत में दर्ज कराए बयान में किशोरी ने बलात्कार किए जाने की बात कही थी। इसके बाद अदालत ने 13 नवंबर को आरोपी के खिलाफ बलात्कार और पॉक्सो कानून के तहत आरोप तय कर नौ दिन तक चली नियमित सुनवाई में उसे दोषी करार देते हुए यह सजा सुनाई। उन्होंने कहा कि देश का यह पहला मामला है, जब अदालत ने दोषी को महज नौ दिन में सजा सुनाई है।

सत्ता हथियाने की साजिश नाकाम : प्रसाद

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

महाराष्ट्र में सरकार गठन के संबंध में आलोचनाओं पर पलटवार करते हुए भाजपा ने शनिवार को शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस गठबंधन को चोर दरवाजे से देश की वित्तीय राजधानी पर कब्जा करने की साजिश बताया और कहा कि भाजपा के पास सरकार बनाने का चुनावी और नैतिक जनादेश है। भाजपा ने यह भी कहा कि देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में अजित पवार के साथ नई गठबंधन और सरकार स्थायी और प्रमाणिक होगी।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने संवाददाताओं से कहा कि एक स्थायी सरकार के लिए देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में सरकार गठन के लिए अजित पवार के साथ राकांपा का एक बड़ा तबका आया। शनिवार सुबह भाजपा और अजित पवार ने राज्यपाल को चिट्ठी सौंपकर बहुमत का दावा किया। उन्होंने सवाल किया कि क्या शिवसेना और राकांपा का कोई आवेदन राज्यपाल के पास अब तक था?

शिवसेना पर निशाना साधते हुए कि प्रसाद ने कहा जा रहा है कि लोकतंत्र की हत्या की जा रही है।

राकांपा विधायक लापता, दर्ज कराई गई शिकायत

पेज 1 का बाकी

संपर्क नहीं हो पाया है। पूर्व विधायक पांडुरंग बरोड़ा शाहपुर थाना पहुंचे और दरोदा के लापता होने के बारे में शिकायत दर्ज कराई। दरोदा के बेटे करण ने मुंबई में संवाददताओं से कहा कि उनके पिता शनिवार सुबह से ही उनसे संपर्क में नहीं है। करण ने कहा कि उनके पिता राकांपा संस्थापक शरद पवार के साथ हैं।

अजित के पालाबदल से फडणवीस बने मुख्यमंत्री

पेज 1 का बाकी

के लिए शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के नाम पर सहमति बनी थी। राजभवन में हुए शपथ ग्रहण समारोह के बारे में लोगों को आभास भी नहीं हुआ।

मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद देवेंद्र फडणवीस मुंबई स्थित भाजपा दफ्तर पहुंचे। वहां कार्यकर्ताओं के द्वारा जोरदार स्वागत के बीच फडणवीस ने कहा- 'मोदी है तो मुमकिन है'। उन्होंने महाराष्ट्र को स्थिर सरकार देने का भी वादा किया। फडणवीस के साथ महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल समेत कई बड़े नेता भी मौजूद थे।

महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस के दोबारा मुख्यमंत्री बनने का रास्ता तैयार करने वाले राकांपा के अजित पवार के मुताबिक, मेरे पास राकांपा के विधायकों का समर्थन पत्र है, जो राज्यपाल को सौंपा गया है।

इससे पहले शुक्रवार को रांकपा, कांग्रेस और शिवसेना के वरिष्ठ नेताओं की बैठक में यह लगभग तय हो गया था कि उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बनेंगे। कुछ और मुद्दों पर चर्चा के लिए शनिवार को इन तीनों पार्टियों की एक बैठक और होने वाली थी। लेकिन इससे पहले भाजपा के साथ जा मिले शरद पवार के भतीजे अजित पवार ने खेल बदल दिया।

यह पूरा खेल कितना अप्रत्याशित था, इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि मल्लिकार्जुन खड़गे और उद्धव ठाकरे ने कहा कि शुक्रवार शाम तक तीनों दलों की मीटिंग में अजित पवार भी हिस्सा थे। जानकारों के मुताबिक, राकांपा में एक तरफ अजित पवार और दूसरी तरफ शरद पवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले में गुट बनने के चलते भाजपा को मदद मिली। विधानसभा चुनाव से पहले टिकट बंटवारे को लेकर भी दोनों गुटों के बीच तीखा संघर्ष देखने को मिला था। यही नहीं चुनाव से पहले जब शरद पवार ने ईडी के दफ्तर जाने की बात कही थी तब पूरे प्रदेश से राकांपा कार्यकर्ता मुंबई में जुटे थे। शरद पवार के समर्थन में हुए जमावड़े में हालांकि एक हैरान करने वाली बात थी कि अजित पवार इस लामबंदी का हिस्सा नहीं थे।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे 24 अक्तूबर को आए थे। गठबंधन में राज्य विधानसभा चुनाव लड़ने वाली भाजपा और शिवसेना ने 288 सदस्यीय सदन में क्रमशः 105 और 56 सीटें जीती थीं, लेकिन ढाई-ढाई साल मुख्यमंत्री की बात पर भाजपा-शिवसेना गठबंधन में दरार पड़ गई। शिवसेना ने भाजपा द्वारा मुख्यमंत्री पद साझा करने से इनकार करने के बाद उसके साथ अपने तीन दशक पुराने संबंध खत्म कर लिए।

नाबालिग से बलात्कार करने पर दस साल की कठोर कैद

पेज 1 का बाकी

उससे बलात्कार किया। बाद में पीड़िता गर्भवती हो गई। पीड़िता ने अपनी मां को आपबीती सुनाई, जिसके बाद भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (दुष्कर्म) और बाल यौन अपराध संरक्षण (पोक्सो) कानून के तहत आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

अपराध की गंभीरता को देखते हुए और समाज में एक नजीर पेश करने के लिए अदालत ने आरोपी को दस साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई और उस पर 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

'गठबंधन सरकार ही बनेगी'

पेज 1 का बाकी

राकांपा और उनकी पार्टी की सरकार बनेगी। उन्होंने इन आरोपों को भी खारिज कर दिया कि राज्य में शिवसेना और राकांपा के साथ मिलकर सरकार बनाने में कांग्रेस ने विलंब किया। पटेल ने आरोप लगाया /इबाकी पेज कि भाजपा ने 'बेशर्मी' की सीमा लांघ दी। उन्होंने कहा कि राकांपा अध्यक्ष शरद पवार के भतीजे अजित पवार के साथ हाथ मिलाकर भगवा दल द्वारा सरकार बनाने के बाद लोकतंत्र बिखर गया है।

उन्होंने कहा कि शिवसेना-कांग्रेस-राकांपा गठबंधन विधानसभा में बहुमत साबित करने के दौरान भाजपा को हराएगा और तीनों दलों के गठबंधन की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि तीनों दल राजनीतिक और कानूनी मोर्चे पर लड़ाई लड़ेंगे। पटेल के साथ कांग्रेस महासचिव मल्लिकार्जुन खड़गे और केसी वेणुगोपाल, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण, राज्य कांग्रेस के प्रमुख बाला साहेब थोराट एवं अन्य नेता भी मौजूद थे। इसके बाद एक नेता (अजित) जाते हैं और एक सूची सौंपते हैं। इस सूची की पुष्टि नहीं की जाती है। सभी से बात की जानी चाहिए थी। लेकिन किसी को बताए बिना मनमाने तरीके से सुबह में शपथ ग्रहण समारोह करा दिया गया। मुझे इसमें षड्यंत्र नजर आता है।

पटेल ने इन आरोपों को भी खारिज कर दिया कि शिवसेना और राकांपा के साथ मिलकर कांग्रेस ने सरकार बनाने में विलंब किया। उन्होंने कहा कि ये पूरी तरह निराधार आरोप हैं...हमारी तरफ से एक सेकेंड का भी विलंब नहीं हुआ। इस महीने की शुरुआत में शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे द्वारा सरकार बनाने के लिए समर्थन मांगने के तुरंत बाद कांग्रेस हरकत में आई। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी विधायक एकजुट हैं। उन्होंने कहा कि केवल दो विधायक (अपने) गांवों में हैं। वे भाजपा को हराने के लिए तैयार हैं। शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस की सरकार बनेगी। यह पूछने पर कि बहुमत साबित करने से पहले कांग्रेस विधायकों को कहीं और स्थानांतरित किया जाएगा ताकि कोई तोड़फोड़ नहीं हो सके तो पटेल ने कहा कि इस पर पार्टियां रणनीति बनाएंगी। यह पूछने पर कि क्या पवार के एक निकट विश्वस्त के भाजपा से हाथ मिलाने से कांग्रेस दुखी है तो पटेल ने कहा कि निस्संदेह यह दुखद है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंची शिवसेना, कांग्रेस, राकांपा

पेज 1 का बाकी

यह मांग भी की गई है कि राज्यपाल को निर्देश दिए जाएं कि वह शिवसेना-कांग्रेस-राकांपा गठबंधन को सरकार बनाने का न्योता दें, क्योंकि उनके पास बहुमत है।

याचिका में कहा गया है, 'याचिकाकर्ता शिवसेना दूसरी बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जिसके पास 56 सीटें हैं, दूसरी याची राकांपा के पास 54 सीटें हैं और तीसरी याची कांग्रेस के पास 44 सीटें हैं। याचियों को राज्यपाल के मनमाने और दुर्भावनापूर्ण तरीके से उठाए गए कदम के खिलाफ तत्काल राहत दिलाने के लिए अनुच्छेद 32 के तहत रिट पिटीशन डालने को विवश होना पड़ा।' इस याचिका में गृह मंत्रालय, महाराष्ट्र सरकार, देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार को प्रतिवादी बनाया गया है।

याचियों ने आरोप लगाया कि राज्यपाल ने भेदभावपूर्ण व्यवहार किया और भाजपा द्वारा सत्ता पर कब्जा किए जाने में उन्होंने खुद को मोहरा बनने दिया। तीनों दलों ने 24 घंटे के भीतर शक्ति परीक्षण कराने का भी अनुरोध किया, ताकि विधायकों की खरीद-फरोख्त को और महा विकास आघाडी (एमवीए) को मिलाकर किसी भी तरह से सत्ता हासिल करने के अवैध प्रयासों को रोका जा सके।

पृथ्वी पर ऐसी जगह, जहां जिंदगी नामुमकिन

पेज 1 का बाकी

वातावरण में कुछ सूक्ष्म जीवों के पनपने की संभावना है। अनुसंधानकर्ताओं के अनुसार इस स्थान को मंगल ग्रह जैसा माना गया था जहां की स्थितियां रक्ताभ ग्रह जैसी ही हैं।

इस अध्ययन की सह-लेखिका लोपेज गार्सिया ने बताया, 'पिछले अनुसंधानों की तुलना में हमने इस बार अधिक नमूनों की जांच की और और इस नतीजे पर पहुंचे कि इन खारे, गर्म और अतिअम्लीय तालाबों में सूक्ष्म जीवों के पनपने की भी संभावना शून्य है।

जेएनयू में शुल्क बढ़ोतरी के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग

पेज 1 का बाकी

कैनन भी तैनात किए गए थे। प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय में वित्तीय स्वायत्तता की अवधारणा का विरोध किया। छात्रसंघ की अध्यक्ष आयुषी घोष, उपाध्यक्ष साकेत मून, सचिव सतीशचंद्र यादव, सह सचिव एमडी दानिश व तमाम काउंसलर भी प्रदर्शन में शामिल हैं। छात्रों ने अपने ज्ञापन में कहा है कि विश्वविद्यालय को वित्तीय आधार पर आत्मनिर्भर बनाने की अवधारणा ही गलत है।

महाराष्ट्र में तड़के 5:47 बजे हटाया गया राष्ट्रपति शासन

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 23 नवंबर।

महाराष्ट्र में शनिवार तड़के पांच बजकर 47 मिनट पर राष्ट्रपति शासन हटाए जाने के बाद भाजपा-राकांपा सरकार ने प्रभार संभाला। गृह मंत्रालय की एक अधिसूचना के अनुसार, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार सुबह राष्ट्रपति शासन को समाप्त करने की घोषणा की। इस आशय का राजपत्र केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने सुबह पांच बजकर 47 मिनट पर जारी किया।

कोविंद द्वारा हस्ताक्षरित राजपत्र के अनुसार, 'संविधान के अनुच्छेद 356 के खंड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसार, मैं भारत का राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, मेरे द्वारा 12 नवंबर 2019 को महाराष्ट्र राज्य के संबंध में की गई घोषणा को निरस्त करता हूं, जो 23 नवंबर 2019 से प्रभावी है।' राष्ट्रपति शासन हटने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के देवेंद्र फडणवीस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अजित पवार ने महाराष्ट्र के क्रमशः मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के 18 दिन बाद भी कोई राजनीतिक हल नहीं निकल सकने की स्थिति में 12 नवंबर को राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया था। गृह मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारत सरकार के (कार्य संचालन) नियमों के एक विशेष प्रावधान का इस्तेमाल करते हुए केंद्र ने महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन हटाने के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी दी। इस नियम के तहत प्रधानमंत्री के पास विशेष अधिकार होते हैं।

राष्ट्रपति शासन हटाने के लिए राष्ट्रपति को केंद्रीय मंत्रिमंडल की सिफारिश की जरूरत होती है। चूंकि केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक नहीं हुई, इसलिए केंद्र सरकार ने भारत सरकार के (कार्य संचालन) नियमों (12) को लागू किया। अधिकारी ने बताया कि सरकार के कार्य संचालन के नियम 12 के तहत प्रधानमंत्री के पास केंद्रीय मंत्रिमंडल की सिफारिश की जरूरत को नजरअंदाज करने की विशेष शक्ति है।

शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस की ही बनेगी सरकार : पवार

पेज 1 का बाकी

और छोटे दलों के विधायकों के साथ 169-170 विधायकों का समर्थन हासिल है और वे सरकार बनाने के लिए तैयार हैं।

शरद पवार ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि क्या उनके भतीजे ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के डर से भाजपा का समर्थन करने का फैसला लिया। अजित पवार उन लोगों में शामिल हैं, जो करोड़ों रुपए के महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक घोटाले मामले में नामजद किए गए हैं। शरद पवार ने कहा, 'राकांपा का विधायक दल का नेता होने के नाते अजित पवार के पास आंतरिक उद्देश्यों के लिए सभी 54 विधायकों के नाम, हस्ताक्षर और निर्वाचन क्षेत्रों के साथ सूची थी। मुझे लगता है कि उन्होंने यह सूची समर्थन पत्र के रूप में राज्यपाल को सौंपी होगी। यदि यह सच है तो राज्यपाल को भी गुमराह किया गया है।'

राकांपा प्रमुख ने इस आशय की अटकलों को खारिज कर दिया कि मुख्यमंत्री पद को लेकर उनकी बेटी सुप्रिया सुले के साथ सत्ता संघर्ष के कारण अजित ने पाला बदला। उन्होंने कहा, 'सुप्रिया की राज्य की राजनीति में रूचि नहीं है। वह सांसद है और राष्ट्रीय स्तर की राजनीति करना चाहती है।' राकांपा प्रमुख ने कहा, 'सुबह करीब साढ़े छह-पौने सात बजे, मेरे पास यह फोन कॉल आया कि राकांपा के कुछ विधायकों को राजभवन ले जाया गया है। कुछ देर बाद हमें पता चला कि देवेंद्र फड़णवीस और अजित पवार ने क्रमशः मुख्यमंत्री एवं उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है।' उन्होंने कहा, 'राकांपा के जो 10 से 11 विधायक राजभवन में अजित के साथ उपस्थित थे, उनमें से तीन पार्टी में लौट आए। दो और लौट रहे हैं। टीवी फुटेज और तस्वीरों से हमने विधायकों की पहचान कर ली है।'

उनके साथ मौजूद विधायकों-बुलढाणा से राजेंद्र शिंगणे और बीड से संदीप क्षीरसागर ने कहा कि रात 12 बजे उन्हें अजित पवार का फोन कॉल आया, जिसमें उनसे पार्टी के नेता धनंजय मुंडे के आवास पर सुबह सात बजे आने को कहा गया। दोनों विधायकों ने कहा कि इसके बाद उन्हें राजभवन ले जाया गया।

विधायक दल के नेता पद से अजित पवार बर्खास्त

पेज 1 का बाकी

पवार ने यह कार्रवाई की। दिलीप वलसे पाटील को विधायक दल का नेता चुना गया है।

इस बैठक के दौरान एक दिलचस्प वाकया देखने को मिला, जब शिवसेना के नेता मिलिंद नार्वेकर और एकनाथ शिंदे ने हवाई अड्डे पर राकांपा के दो विधायकों को पकड़ा और उन्हें बैठक में लेकर पहुंचे। बताया जा रहा है कि ये विधायक दिल्ली जाने की तैयारी में थे।

राकांपा की बैठक में पार्टी के कुल 50 विधायक मौजूद थे। अजित पवार के द्वारा फडणवीस के साथ शपथ लेने के बाद ही शरद पवार ने कहा था कि यह फैसला अजित पवार ने निजी तौर पर लिया है।

उस वक्त कहा जा रहा था कि अजित पवार ने अपने चाचा शरद को बड़ा झटका दिया है, लेकिन शाम को पार्टी की बैठक में 50 विधायकों ने हाजिरी लगाई। अजित पवार समेत सिर्फ चार विधायक ही इस बैठक से गैरहाजिर थे। सभी विधायकों को मुंबई के एक होटल में रखे जाने की तैयारी है।

www.readwhere.com

परमाणु विरोधी संदेश के साथ जापान पहुंचे पोप

तोक्यो, 23 नवंबर (एएफपी)।

पोप फ्रांसिस शनिवार को जापान पहुंचे, जहां उनके परमाणु अस्त्र के खिलाफ शांति संदेश देने की उम्मीद है। जापान परमाणु हमले की विभीषिका झेलने वाला विश्व का अब तक का एकमात्र देश है।

पोप अपनी चार दिवसीय यात्रा की शुरुआत नागासाकी और हिरोशिमा जाकर करेंगे, जहां द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिका ने परमाणु बम गिराए थे। इन परमाणु हमलों में क्रमशः 74 हजार और 1.40 लाख लोग मारे गए थे।

वेटिकन से रवाना होने से पहले जापानी लोगों के नाम एक वीडियो संदेश में पोप ने कहा, 'आपके साथ, मैं प्रार्थना करता हूं कि मानव इतिहास में कभी परमाणु हथियारों की विध्वंसक शक्ति का इस्तेमाल न हो।' पोप थाईलैंड से जापान पहुंचे हैं। थाईलैंड में उन्होंने धार्मिक सहिष्णुता और शांति का संदेश दिया।

जापान की अधिकतर जनसंख्या शिंतो और

वेटिकन से रवाना होने से पहले जापानी लोगों के नाम एक वीडियो संदेश में पोप ने कहा, 'आपके साथ, मैं प्रार्थना करता हूं कि मानव इतिहास में कभी परमाणु हथियारों की विध्वंसक शक्ति का इस्तेमाल न हो।' पोप थाईलैंड से जापान पहुंचे हैं। थाईलैंड में उन्होंने धार्मिक सहिष्णुता और शांति का संदेश दिया।

बौद्ध धर्म को मानती है, लेकिन जापान में कई लोग क्रिसमस जैसे ईसाई त्योहार भी मनाते हैं। फ्रांसिस हिरोशिमा के विश्व प्रसिद्ध शांति स्मारक में भाषण भी देंगे जो हिरोशिमा में छह अगस्त 1945 को परमाणु बम गिराए जाने की याद में बनाया गया है।

तोक्यो में जेसुइट सामाजिक केंद्र के निदेशक फादर योशियो कजियामा का जन्म युद्ध के तुरंत बाद हिरोशिमा में हुआ था और उन्हें पोप के परमाणु-विरोधी भाषण का बेसब्री से इंतजार है। उन्होंने बताया, 'जिस दिन हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराया गया, उसी दिन मेरे दादा की मृत्यु हुई। मैं उनसे कभी नहीं मिला। चार दिन बाद मेरी आंटी गुजर गईं। उनकी उम्र 15 साल थी।' उन्होंने कहा, 'अगर आप हिरोशिमा में पैदा हुए हैं तो आप बम को नहीं भूल सकते।' फ्रांसिस तोक्यो में सोमवार को 2011 में भूकम्प, सूनामी और परमाणु संयंत्र दुर्घटना के पीड़ितों से भी मिलेंगे।

दक्षिण कोरिया, जापान के नेता शिखर वार्ता के लिए राजी

नगोया (जापान), 23 नवंबर (एएफपी)।

जापान और दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री अपने नेताओं के बीच अगले महीने शिखर सम्मेलन आयोजित करने पर शनिवार को सहमत हुए। सोल द्वारा एक महत्त्वपूर्ण सैन्य समझौता करने के बाद तनाव कम करने के लिए यह सहमति बनी है। प्रधानमंत्री शिंजो आबे और राष्ट्रपति मून जाये के बीच अगले महीने चीन में बैठक हो सकती है। दोनों देशों के मंत्री जापान के नगोया में जी-20 बैठक के इतर इस मुलाकात के लिए राजी हुए।

जापान के एक राजनयिक ने अपना नाम उजागर नहीं करते हुए बताया कि अगले महीने जापान-चीन-दक्षिण कोरिया त्रिपक्षीय वार्ता के अवसर पर शिखर सम्मेलन आयोजित होगा।

अलग देश बनाने के लिए बोगनविले में रायशुमारी

बुका (पापुआ न्यू गिनी), 23 नवंबर (एएफपी)।

बोगलविले के पापुआ न्यू गिनी में अधिक स्वायत्तता या पूर्ण स्वतंत्रता को लेकर बहुप्रतीक्षित जनमत संग्रह के लिए शनिवार को मतदान शुरू हुआ।

बुका में मतदान केंद्र पर सुबह ही एक हजार से अधिक लोगों को पंक्ति में खड़े देखा गया। मतदान करने आए मतदाता स्वतंत्रता के समर्थन में झंडे फहराते और गीत गाते नजर आए। क्षेत्र में स्थापित किए गए 21 मतदान केंद्रों पर इसी प्रकार का नजारा देखने को मिला। बुका के छोटे द्वीपों से लोगों को मतदान के लिए शहर लाने की खातिर दर्जनों नौकाओं का प्रयोग किया गया। इन नौकाओं पर स्वतंत्रता के समर्थन में झंडे लगे थे।

बोगेनविले के करीब दो लाख 70 हजार लोग आगामी दो सप्ताह तक चलने वाले मतदान के लिए पंजीकृत हैं। ये मतदाता इस बात का फैसला करेंगे

बोगेनविले के करीब दो लाख 70 हजार लोग आगामी दो सप्ताह तक चलने वाले मतदान के लिए पंजीकृत हैं। ये मतदाता इस बात का फैसला करेंगे कि क्या दुनिया के मानचित्र पर एक नया देश नजर आएगा या नहीं। मतदाता पूर्ण स्वतंत्रता या पापुआ न्यू गिनी के बीच अधिक स्वायत्तता के बीच फैसला करेंगे।

कि क्या दुनिया के मानचित्र पर एक नया देश नजर आएगा या नहीं। मतदाता पूर्ण स्वतंत्रता या पापुआ न्यू गिनी के बीच अधिक स्वायत्तता के बीच फैसला करेंगे।

बोगनविले विद्रोहियों और पीएनजी सुरक्षा बलों के बीच एक दशक तक चले संघर्ष में 20,000 से अधिक लोग मारे गए थे। बाद में एक शांति समझौते के साथ यह संघर्ष समाप्त हुआ।

परिणाम की घोषणा 15 दिसंबर को होने की

चिली में हिंसक प्रदर्शनों में अब तक 23 की मौत

सैंटियागो, 23 नवंबर (एएफपी)।

चिली में हिंसक अशांति में शुक्रवार को मरने वालों की संख्या बढ़ कर 23 हो गई। देश में सामाजिक अशांति का यह पांचवा सप्ताह है। दक्षिणी अमेरिकी देश के सभी शहरों में लूटपाट और प्रदर्शन हो रहे हैं। चिली में नए संविधान का मसौदा तैयार करने को लेकर राजनीतिक खाके पर समझौते के बावजूद न तो लोगों की नाराजगी कम हुई है और न ही रक्तपात में कमी आई है।

सामाजिक एवं आर्थिक असमानता और देश के गिने चुने रईस परिवारों से राजनैतिक कुलीन वर्गों के विरोध में चिली में 18 अक्तूबर से प्रदर्शन हो रहे हैं। तीन दशक के चिली के लोकतंत्र में यह सबसे भीषण संकट है। प्रदर्शनों में करीब 2,000 लोग घायल हुए हैं, इनमें 280 वैसे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने पैलेट गन की चपेट में आने से अपनी आंखें गंवाई हैं।

कोलंबिया प्रदर्शन में तीन की मौत

ड्यूक ने सामाजिक सुधार का वादा किया

बोगोटा, 23 नवंबर (एएफपी)।

कोलंबिया में सरकार विरोधी व्यापक प्रदर्शनों के बाद लगाए गए कर्फ्यू और सामाजिक नीति पर राष्ट्रपति इवान ड्यूक के 'राष्ट्रीय संवाद' के वादे को दरकिनार करते हुए प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार को ड्यूक के आवास पर पथराव किया। इन प्रदर्शनों में तीन लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल हो गए हैं।

दिन में टेलीविजन पर प्रसारित भाषण में ड्यूक ने कहा, 'अगले सप्ताह से मौजूदा सामाजिक नीति एजंडा को मजबूत करने के लिए मैं राष्ट्रीय संवाद की शुरुआत करूंगा। इस संबंध में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ एकजुट होकर काम किया जाएगा, जो हमें सामाजिक दूरियों के करीब ला सके।' उन्होंने कहा, 'यह संवाद सभी सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्रों के साथ क्षेत्रीय रूप में होगा। मैं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और भागीदारी तंत्र का इस्तेमाल करूंगा... ताकि हमलोग सुधार के एक अर्थपूर्ण पथ को तैयार कर सकें।'

अमेरिका की मुख्य सहयोगी दक्षिणपंथी विचारधारा वाली ड्यूक की सरकार की लोकप्रियता घटी है। 18 महीने पहले ही ड्यूक राष्ट्रपति चुने गए थे। बताया जाता है कि पड़ोसी वेनेजुएला से 14 लाख शरणार्थियों को शरण देने और एफएआरसी विद्रोहियों एवं मादक पदार्थ तस्करों के साथ 2016 में हुए शांति समझौते के कारण ड्यूक की लोकप्रियता पर असर पड़ा है।

ड्यूक की आर्थिक, सामाजिक एवं सुरक्षा नीतियों के विरोध में कोलंबियाई नागरिकों ने राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया था और गुरुवार को हजारों प्रदर्शनकारी बोगोटा एवं अन्य शहरों की सड़कों पर उतरे।

ट्रेड यूनियन, छात्रों, विपक्षी दलों एवं दक्षिण अमेरिकी देश के मूल संगठनों ने इसमें हिस्सा लिया जिसमें कई गिरफ्तारियां और संघर्ष हुए। कर्फ्यू लगाए जाने के करीब एक घंटे बाद प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर कर दिया गया।

रक्षा मंत्री कार्लोस होम्स त्रुजिलो ने पत्रकारों को बताया कि दिन की शुरुआत में देश भर में सैकड़ों प्रदर्शनकारियों के प्रदर्शन के बाद पश्चिमी वेले देल कॉका विभाग में प्रदर्शन हुए जिसमें तीन लोगों की मौत हुई।

बोगोटा के महापौर एनरिक पेनालोसा ने बताया कि बोगोटा में हिसा के दौरान 76 बसों को निशाना बनाया गया और 79 बसों में तोड़फोड़ की गई।

सिखों के 90 फीसद धरोहर स्थल पाकिस्तान में

पेशावर, 23 नवंबर (भाषा)। भारतीय मूल के ब्रिटिश इतिहासकार और लेखक बॉबी सिंह बंसल ने दावा किया है कि सिखों के 90 फीसद धरोहर स्थल पाकिस्तान में स्थित हैं, जिनमें से ज्यादातर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हैं। इसके साथ ही उन्होंने धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के महत्व को भी रेखांकित किया। शुक्रवार को पेशावर संग्रहालय के विक्टोरिया मेमोरियल हॉल में 'करतारपुर से खैबर दर्रे तक' नामक एक संगोष्ठी में इतिहासकार ने सिख काल के स्मारकों, किलों, युद्धक्षेत्रों, धार्मिक स्थलों, गुरुद्वारों और हवेलियों का जिक्र किया। वह ऐतिहासिक परिदृश्य के माध्यम से दर्शकों को एक दिलचस्प यात्रा पर ले गए।

पाकिस्तान : अल्पसंख्यकों का जबरन धर्मांतरण रोकने के लिए संसदीय समिति गठित

इस्लामाबाद, 23 नवंबर (भाषा)

रूढ़ीवादी मुसलिम बहुल पाकिस्तान ने धार्मिक अल्पसंख्यकों का जबरन धर्मांतरण रोकने और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए कानून का मसविदा बनाने के लिए 22 सदस्यीय संसदीय समिति गठित की है। मीडिया में शनिवार को आई खबर में यह जानकारी दी गई।

डॉन में प्रकाशित खबर के मुताबिक सीनेट के अध्यक्ष सादिक संजरानी ने नेशनल असंबली के स्पीकर असर कैसर, सीनेट के नेता सदन शिबली फराज और नेता प्रतिपक्ष राजा जफरुल हक से परामर्श कर समिति का गठन किया। इस संबंध में सीनेट सचिवालय ने 21 नवंबर को अधिसूचना जारी की। धार्मिक मामलों के मंत्री नूरुल हक कादरी, मानवाधिकार मंत्री शीरीन मजरी और संसदीय मामलों के राज्यमंत्री अली मुहम्मद खान इस समिति के हिस्सा होंगे। समिति में सीनेट सदस्य अशोक कुमार भी शामिल हैं।

नेशनल असंबली सदस्य मलिक मुहम्मद अमिर डोगर, शुनिला रूथ, जय प्रकाश, लाल चंद, मुहम्मद असलम भूटानी, राणा तनवीर हुसैन, डॉ दर्शन, केशोमल खीअल दास, शगुफ्ता जुमानी, रमेश लाल, नवीद अमिर जीवा और अब्दुल वासेय भी इस समिति के सदस्य हैं। समिति अपनी पहली बैठक में संदर्भ बिंदु पर फैसला करेगी। हालांकि, बैठक की कोई तारीख अब तक तय नहीं की गई है।

यह समिति सितंबर महीने में सिंध प्रांत में एक हिंदू लड़की का कथित अपहरण कर धर्मांतरण करने की घटना के बाद गठित की गई है।

आतंक रोकने के लिए एफएटीएफ की सिफारिशें लागू करे पाक : अमेरिका

वाशिंगटन, 23 नवंबर (भाषा)।

अमेरिका की एक शीर्ष दूत ने कहा है कि आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने के लिए पाकिस्तान को वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की सिफारिशें पूरी तरह लागू करनी चाहिए।

दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए अमेरिका की कार्यवाहक सहायक विदेश मंत्री एलिस वेल्स ने एक सवाल के जवाब में कहा कि आतंकवादी नेटवर्कों के खिलाफ कार्रवाई करने के साथ-साथ एफएटीएफ की सिफारिशें लागू करने से अमेरिका को पाकिस्तान के संबंध में अमेरिकी यात्रा परामर्श में संशोधन करने में मदद मिलेगी। उन्होंने गुरुवार को 'विल्सन सेंटर' थिंक टैंक के एक कार्यक्रम में कहा, 'हम पाकिस्तान के सुरक्षा हालात में सुधार देखना चाहते हैं ताकि यह यात्रा संबंधी हमारे परामर्श में भी दिखाई दे। मुझे लगता है कि जो कदम बहुत आवश्यक हैं, उनमें एफएटीएफ को पूरी तरह लागू करना, आतंकवादी संगठनों के सदस्यों के खिलाफ मुकदमा चलाना और उनकी संपत्तियां जब्त करना शामिल है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इस साल नौ अप्रैल को जारी यात्रा परामर्श में अमेरिकी नागरिकों से पाकिस्तान जाने की अपनी योजना पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया था। इसमें अमेरिकी नागरिकों को आतंकवाद एवं अपहरण के खतरे के मद्देनजर बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा नहीं जाने की सलाह दी गई थी।

इण्डियन ओवरसीज बैंक
INDIAN OVERSEAS BANK

शाखाः एफ 8, एफ 9-1 ला तल
रहेजा स्क्वॉयर, आईएमटी मानेसर

[See rule8(1)]POSSESSION NOTICE (for immovable property)[See rule8(1)]

जैसा कि, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत इंडियन ओवरसीज बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि को जारी कर ऋणधारक (कों) को नीचे वर्णित तिथियों को सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

ऋणधारक(कों) इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक/मार्टगैजरों/गारन्टरों तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा कर लिया है।

विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय उस पर आगे के ब्याज, लागत आदि के साथ यहां नीचे वर्णित राशि के लिये इंडियन ओवरसीज बैंक के चार्ज के अधीन होगा। ऋणधारकों का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।

ऋणधारकों/मार्टगैजरों का नाम एवं पता	अचल सम्पत्ति का विवरण	कब्जा सूचना के अनुसार बकाया राशि	मांग सूचना तिथि 10.05.2019 कब्जा की तिथि 19.11.2019
श्रीमती रेश्मा देवी, पत्नी श्री ब्रहम् प्रकाश तथा श्री ब्रहम प्रकाश, पुत्र श्री निसल सिंह, ग्राम शिकोहपुर, तहसीलः मानेसर, गुड़गांव-122050	श्री ब्रहम् प्रकाश के स्वामित्व में ग्राम शिकोहपुर, मानेसर, जिला गुड़गांव 122004 की राजस्व सम्पदा में स्थित खेवत 333, खतोनी नं. 445, खसरा नं. 2002 (0-4) तथा खेवत नं. 334, खतोनी नं. 446 में शामिल सम्पत्ति आवासीय प्लॉट माप 435.70 वर्ग यार्ड्स का सभी भाग तथा हिस्सा। चौहद्दी इस प्रकार हैः उत्तरः खसरा नं. 1790 का भाग, दक्षिणः वहीं-, पूर्वः खसरा नं. 1847, पश्चिमः पंचायत रोड 20 फीट चौड़ा	रु. 5349638.34 (रुपये तिड़ेपन लाख उन्चास हजार छः सौ अड़तीस तथा पैसे चौंतीस मात्र) के साथ आगे का ब्याज तथा चार्जेज आदि	
श्रीमती रेश्मा देवी, पत्नी श्री ब्रहम् प्रकाश तथा श्री मनोज यादव, पुत्र ब्रहम प्रकाश, ग्राम शिकोहपुर, तहसीलः मानेसर, गुड़गांव-122050	श्रीमती रेश्मा देवी के स्वामित्व में ग्राम शिकोहपुर मानेसर-122004 की राजस्व सम्पदा में स्थित खेवत/खाता नं. 27/37, खसरा प्लाट 1847 (0-14-0), 1858 (0-8-0), 1859 (0-4-0)= कुल 1 बीघा एवं 6 बिसवा शेयर 3/16 में शामिल भूमि की सम्पत्ति आवासीय प्लॉट माप 737.34 वर्ग यार्ड्स का सभी भाग तथा हिस्सा। चौहद्दीः इस प्रकार हैः उत्तरः खसरा नं. 1847, 1858 का भाग, दक्षिणः खसरा नं. 1847, 1859 का भाग, पूर्वः खसरा नं. 1890, पश्चिमः खसरा नं. 1790 का भाग।	रु. 21,38,532.33 (रुपये इक्कीस लाख अड़तीस हजार पांच सौ बत्तीस एवं पैसे तैंतीस मात्र) के साथ आगे का ब्याज तथा चार्जेज आदि रु. 30,15,577.90 (रुपये तीस लाख पन्द्रह हजार पांच सौ सतहत्तर एवं पैसे नब्बे मात्र) के साथ आगे का ब्याज तथा चार्जेज आदि	मांग सूचना तिथि 10.05.2019 कब्जा की तिथि 19.11.2019

तिथिः 24.11.2019, स्थानः मानेसर

हस्ता./- प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन ओवरसीज बैंक

HDFC
WITH YOU, RIGHT THROUGH

हाउसिंग डिवेलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि.
द कैपिटल कोर्ट, मुनिरका, आउटर रिंग रोड, ओलोफ पाल्मे मार्ग, नई दिल्ली-110067
दूरभाषः 011-41596676/568, CIN L70100MH1977PLC019916, वेबसाइटः www.hdfc.com

ई-नीलामी बिक्री सूचना (केवल ई-बिडिंग के माध्यम से बिक्री)

वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के प्रावधानो के साथ पठित प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के प्रवर्तन के अंतर्गत अचल परिसम्पत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना

कॉलम (क) में वर्णित कर्जदार (रों) और गारंटर (रों) और आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि कॉलम (ग) में दर्शाई गई प्रतिभूत लेनदार के पास बंधक/प्रभारित अचल सम्पत्ति (यों) जिनका हाउसिंग डेवेलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचडीएफसी लि.), प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कॉलम (घ) में वर्णित अनुसार रचनात्मक/भौतिक कब्जा लिया था, उन्हें नीचे दिये गये विवरणों के अनुसार **''जैसा है जहां है'', ''जो है जैसा है'' एवं ''जो भी वहां है''** आधार पर बेचा जाएगाः

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के अंतर्गत **कॉलम (क)** में वर्णित कर्जदार/बंधककर्ता (ओं)/कानूनी उत्तराधिकारी, विधिक प्रतिनिधियों (चाहे ज्ञात या अज्ञात), निष्पादक (कों), प्रशासक (कों), सबंधित कर्जदार (रों)/बंधककर्ता (ओं) (अब मृतक) के उत्तराधिकारी और वारिस, जैसा भी मामला हो, को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है।

बिक्री के विस्तृत नियम व शर्तों के लिए कृपया हाउसिंग डेवेलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचडीएफसी लि.) प्रतिभूत लेनदार की वेबसाइट, यानी, www.HDFC.Com पर दिये गये लिंक को देखें।

(क)	(ख)	(ग)	(घ)	(ङ)	(च)	(छ)	(ज)	(झ)	(ञ)
कर्जदार (रों)/बंधककर्ता (ओं)/गारंटर (रों)/कानूनी उत्तराधिकारी एवं विधिक प्रतिनिधियों (चाहे ज्ञात या अज्ञात), निष्पादक (कों), प्रशासक (कों), सबंधित कर्जदा (रों)/बंधककर्ता (ओं)/गारंटर (रों) (अब मृतक) के उत्तराधिकारी और वारिस, जैसा भी मामला हो, का नाम।	वसूल की जाने वाली बकाया राशि (प्रतिभूत ऋण) (रु.)*	अचल सम्पत्ति/प्रतिभूत परिसम्पत्ति का विवरण	अधिग्रहण का प्रकार	निरीक्षण की तिथि एवं समय	आरक्षित मूल्य (रु.)	बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि	अग्रिम जमा राशि (रु.)	बोली बढ़ोत्तरी दर (रु.)	नीलामी की तिथि एवं समय
1) श्री गौतम अरोरा एवं सुश्री शैली सहाय (ऋण खाता सं. 604147923)	31 दिसम्बर 2018* को रु. 1,68,00,785/- (केवल एक करोड़ अड़सठ लाख सात सौ पचासी रुपए)	प्लॉट नं. एच-1/14, हौज़ खास, नई दिल्ली के दूसरे माले पर 1000 वर्गफुट (लगभग) एरिया पर बने दूसरे माले के फ्लैट टैरेस राइट्स के साथ और प्लॉट एरिया 1616.69 वर्गफुट के दूसरे माले के टैरेस पर 800 वर्गफुट (लगभग) में निर्मित 2 बेडरूम के साथ ड्राइंग डाइनिंग और किचेन तथा टैरेस में 2 कमरे और किचेन के साथ नीचे अविभाजित जमीन के आनुपातिक हिस्से का अधिकार।	भौतिक अधिग्रहण	06-दिसम्बर-2019 सुबह 11 बजे से अप. 3 बजे तक	रु. 1,45,00,000/- (केवल एक करोड़ पैंतालीस लाख रुपए)	24-दिसम्बर-2019 सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%	रु.25,000/- (केवल पच्चीस हज़ार रुपए)	27-दिसम्बर - 2019 प्रातः 10 बजे से 10:30 बजे तक
2) श्रीमती पूजा गुप्ता एवं श्री योगेश अग्रवाल (खाता सं. 611435108)	31 अगस्त 2017* को रु. 42,85,589/- (केवल बयालीस लाख पचासी हज़ार पांच सौ नवासी रुपए)	प्लॉट नं. 2393, पूरा पहला माला, अरावली विहार, सेक्टर-49 (भाग), फरीदाबाद, हरियाणा एवं उस पर वर्तमान एवं भावी निर्माण, 611 वर्गफुट कवर्ड एरिया (लगभग) जिसमें 2 बेडरूम, 1 डाइनिंग कम ड्राइंग रूम, 2 शौचालय, 1 किचेन है।	भौतिक अधिग्रहण	7-दिसम्बर-2019 सुबह 11 बजे से अप. 3 बजे तक	रु. 30,00,000/- (केवल तीस लाख रुपए)	24-दिसम्बर-2019 सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%	रु.10,000/- (केवल दस हज़ार रुपए)	27-दिसम्बर - 2019 प्रातः 11 बजे से 11:30 बजे तक
3) श्री रमेश मनीषराज बर्मन एवं श्री रमेश बर्मन (खाता सं. 616990820)	31 जुलाई 2019* को रु. 1,83,44,790/- (केवल एक करोड़ तिरासी लाख चवालीस हज़ार सात सौ नब्बे रुपए)	फ्लैट नं. ए-1601, 16वां माला, टावर ए, सेक्टर-3, कृष प्रोवेंस स्टेट, ग्वालपहाड़ी, वैली व्यू रोड, गुड़गांव- फरीदाबाद रोड, गुड़गांव नीचे अविभाजित 5800 वर्गफुट (लगभग) ज़मीन जिसमें 4 बेडरूम, ड्राइंग/ डाइनिंग रूम, किचेन, स्टोर रूम, 2 सर्वेंट रूम, 6 टॉयलेट और 9 बाल्कनियां हैं उसमें आनुपातिक हिस्सा।	भौतिक अधिग्रहण	09-दिसम्बर-2019 सुबह 11 बजे से अप. 3 बजे तक	रु. 2,55,00,000/- (केवल दो करोड़ पचपन लाख रुपए)	24-दिसम्बर-2019 सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%	रु. 25,000/- (केवल पच्चीस हज़ार रुपए)	27-दिसम्बर - 2019 दोपहर 12 बजे से 12:30 बजे तक
4) श्री ज्ञानेन्द्र सिंह एवं सुश्री वन्दना सिंह (खाता सं. 624275485)	31 मार्च 2019* को रु. 34,87,286/- (केवल चौतीस लाख सत्तासी हज़ार दो सौ छियासी रुपए)	फ्लैट नं. एस-2, दूसरी मंजिल, एमआईजी, फ्रंट साइड, एलएचएस प्लॉट नं. 745, शक्तिखंड-III, इंदिरापुरम, गाज़ियाबाद एवं उसके 484 वर्गफुट (लगभग) एरिया पर वर्तमान एवं भावी निर्माण और इसमें शामिल हैं 2 बेडरूम, ड्राइंग/डाइनिंग रूम, किचेन, 2 टॉयलेट और एक बाल्कनी।	भौतिक अधिग्रहण	10-दिसम्बर-2019 सुबह 11 बजे से अप. 3 बजे तक	रु. 27,00,000/- (केवल सत्ताईस लाख रुपए)	24-दिसम्बर-2019 सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%	रु.10,000/- (केवल दस हज़ार रुपए)	27-दिसम्बर - 2019 अप. : 1.30 बजे से 2 बजे तक
5) श्री नवनीत मित्तल एवं श्री पुनीत मित्तल (खाता सं. 610539180)	28 फरवरी 2019* को रु. 21,96,478/- (केवल इक्कीस लाख छियानवे हज़ार चार सौ अठहत्तर रुपए)	आदित्य वर्ल्ड सिटी, जीएच -6, गांव शाहपुर बम्हेटा, एनएच -24, जिला गाजियाबाद -201001 स्थित सिटी अपार्टमेंट बिल्डिंग में फ्लैट-डी/सीए-806, फ्लोर -8, टाइप VI, टॉवर डी, 8वीं मंजिल, 924 वर्ग फुट का सुपर एरिया के साथ नीचे अविभाजित जमीन के आनुपातिक हिस्से का अधिकार।	भौतिक अधिग्रहण	11-दिसम्बर-2019 सुबह 11 बजे से अप. 3 बजे तक	रु. 23,56,000/- (केवल तेईस लाख छप्पन हजार रुपए)	24-दिसम्बर-2019 सायं 5 बजे से पहले	बोली राशि का 10%	रु.10,000/- (केवल दस हज़ार रुपए)	27-दिसम्बर - 2019 अप. : 2.30 बजे से 3 बजे तक

*उस पर भुगतान और/या वसूली की तिथि तक आगे लागू अनुसार @ 18% ब्याज प्रति वर्ष, प्रासंगिक व्यय, लागत, प्रभार आदि।

एचडीएफसी लि. बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान एवं सूचना के अनुसार, निम्नलिखित को छोड़कर उपरोक्त अचल सम्पत्तियों/प्रतिभूत परिसम्पत्तियों के संबंध में कोई अधिभार नहीं है।

क्रम सं. 3 और 5 में दर्ज प्रॉपर्टी के इच्छुक क्रेताओं/निविदाकर्ताओं से निवेदन है कि निविदा करने से पहले बिल्डर/सोसायटी की बकाया राशि या अन्य वैधानिक/अन्य बकाया राशियां स्वयं सुनिश्चित कर लें और यदि कोई राशि बकाया है तो सफल क्रेता को देना/भुगतान करना होगा।

मैसर्स श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड ई-बोली प्रक्रिया के माध्यम से नीलामी के आयोजन में प्राधिकृत अधिकारी की सहायता करेंगे। सम्पत्ति का निरीक्षण या बोली दस्तावेज प्राप्त करने और किसी भी प्रकार की पूछताछ के लिए श्री शादाब अख्तर (मोबाईल नं. 9910453434) मैसर्स श्रीराम ऑटोमाल इंडिया लिमिटेड या श्री अजु अशोक, प्राधिकृत अधिकारी, एचडीएफसी लि. (011-41596568, मोबाईल नं. 9971380421) या श्री सचिन कपूर, प्राधिकृत अधिकारी, एचडीएफसी लि. (011-41596568, मोबाईल नं. 8968570037) या श्री नीलम मिश्रा (मोबाईल नं. 8527464627) से संपर्क कर सकते हैं।

बोली दस्तावेज़ को हाउसिंग डिवेलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचडीएफसी) के प्राधिकृत अधिकारी, दूसरा तल, द कैपिटल कोर्ट, मुनिरका, ओलोफ पाल्मे मार्ग, नई दिल्ली-110067 या मैसर्स श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड से संग्रह/प्राप्त किये जा सकते हैं।

प्रतिभूत परिसम्पत्ति को ''जैसा है जहां है'' एवं ''जो है जैसा है'' आधार पर बेचा जा रहा है।

दिनांक : 23 नवम्बर 2019
स्थान : नई दिल्ली

प्राधिकृत अधिकारी

पंजीकृत कार्यालयः रेमन हाउस, एच टी पारेख मार्ग, 169, बैकबे रिक्लेमेशन, चर्चगेट, मुंबई-400 020

www.readwhere.com

'घिया-तोरी' को कमतर बताने वाले विज्ञापन के लिए मैकडोनाल्ड को नोटिस

नई दिल्ली, 23 नवंबर (भाषा)।

भारतीय खाद्य संरक्षा व मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआइ) ने फास्ट फूड को बढ़ावा देने के लिए अपने विज्ञापनों में ताजे पके भोजन और सब्जियों का तिरस्कार करने के लिए मैकडोनाल्ड को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

एफएसएसएआई ने एक बयान में कहा कि नियामक ने हार्ड कासल रेस्टोरेंट्स और कनॉट प्लाजा रेस्टोरेंट्स लिमिटेड को नोटिस भेजकर पूछा है कि उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं शुरू की जाए। ये फ्रेंचाइजी कंपनियां भारत में मैकडोनाल्ड श्रृंखला के रेस्तरां चलाती हैं। मैकडोनाल्ड ने इस महीने की शुरुआत में अखबारों में एक विज्ञापन दिया था, जिसमें घर में पके खाने और स्वास्थ्यवर्धक सब्जियों को कथित तौर पर कमतर करके दिखाया गया है।

मैकडोनाल्ड के विज्ञापन में कहा गया था- 'फिर अटके घिया-तोरी के साथ? बनाएं अपना मनपसंद 1+1 कॉम्बो।' एफएसएसएआइ ने माना है कि कुछ खाद्य कंपनियां अपने खाद्य पदार्थों की बिक्री को बढ़ाने के लिए अक्सर अच्छा नहीं माने जाने वाले खाने को स्वस्थ खाने के विकल्प के रूप में पेश करती हैं। नियामक ने इस तरह के विज्ञापनों पर चिंता जताई है। मैकडोनाल्ड को निर्धारित समय सीमा के भीतर जवाब देने के लिए कहा गया है। एफएसएसएआइ के विज्ञापन संहिता के उल्लंघन पर 10 लाख रुपए तक का जुर्माना है।

बयान में कहा गया कि नई दिल्ली और मुंबई में केंद्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकरण और एफएसएसएआइ के अधिकारियों ने इस पर संज्ञान लिया है। उन्होंने खाद्य सुरक्षा और मानक (विज्ञापन और दावे) विनियम, 2018 के प्रावधानों का उल्लंघन करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए पूछा है कि मैकडोनाल्ड के खिलाफ क्यों न कार्रवाई शुरू की जाए।

हार्डकासल रेस्टोरेंट्स प्राइवेट लिमिटेड ने बयान में कहा कि वह पश्चिम और दक्षिण भारत में रेस्तरां चलाती है और अखबार के जिस विज्ञापन को लेकर सवाल उठ रहे हैं वह हमारे द्वारा जारी नहीं किया गया है। हमने इस बात को साफ करते हुए एफएसएसएआइ को पत्र लिखा है। हार्डकासल ने नियामक को लिखे पत्र में नोटिस वापस लेने का अनुरोध किया है जबकि कनॉट प्लाजा रेस्टोरेंट्स की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। फ्रेंचाइजी ने कहा कि हम मैकडोनाल्ड ब्रांड के नाम से पश्चिम और दक्षिण भारत के हिस्सों में रेस्तरां चलाते हैं। उत्तर और पूर्व भारत में रेस्तरां चलाने वाली इकाई कनॉट प्लाजा रेस्टोरेंट्स है, जोकि अलग है और हमारा उससे संबंध नहीं है। उसने कहा कि दिल्ली का बाजार उत्तरी भारत के अंदर आता है, जहां वह परिचालन नहीं करती है।

गुवाहाटी के एक गांव में शनिवार को अपने खेत में धान की फसल काटती महिला।

चिकित्सा बीमा खरीदने वालों में महिलाओं की संख्या बढ़ी

नई दिल्ली, 23 नवंबर (भाषा)।

स्वास्थ्य को लेकर बढ़ती जागरूकता के कारण पिछले कुछ समय में चिकित्सा बीमा खरीदने वाली महिलाओं की संख्या बढ़ी है। एक सर्वेक्षण के अनुसार 2016-17 में चिकित्सा बीमा खरीदारों में महिलाओं की हिस्सेदारी महज 9 फीसद थी, जो 2018-19 में बढ़कर 19 फीसद पर पहुंच गई।

बीमा संबंधी ऑनलाइन सेवाएं देने वाली कंपनी पॉलिसी बाजार डॉट कॉम के एक सर्वेक्षण के अनुसार अब हर 10 में से छह महिलाएं अपने लिए चिकित्सा बीमा खरीद रही हैं और ये महिलाएं पांच लाख रुपए या इससे अधिक का प्लान चुन रही हैं। सर्वेक्षण के अनुसार चिकित्सा बीमा खरीदने वाली महिलाओं की संख्या 2017-18 की तुलना में 2018-19 में 57 फीसद बढ़ी है। इस दौरान पांच लाख से 10 लाख रुपए तक का प्लान खरीदने वाली महिलाओं की संख्या 80 फीसद और 10 लाख रुपए से अधिक का प्लान खरीदने वाली महिलाओं की संख्या 61 फीसद बढ़ी है।

कंपनी के प्रमुख (चिकित्सा बीमा) अमित छाबड़ा ने कहा कि भारत में महिलाओं का औसत जीवनकाल 69 साल का होता है, जिससे यह पता चलता है कि महिलाओं को एक सही चिकित्सा बीमा खरीदना ही चाहिए। चिकित्सा बीमा सभी उम्र की महिलाओं के लिए जरूरी है। किशोर उम्र की लड़कियां अपने परिजनों के साथ चिकित्सा बीमा ले सकती हैं, वहीं शादीशुदा महिलाओं को एक निजी चिकित्सा बीमा रखना जरूरी है।

नए बाजारों में पहुंच बना रहे हैं चमड़ा निर्यातक

नई दिल्ली, 23 नवंबर (भाषा)।

भारत के चमड़ा निर्यातकों ने अमेरिका, कनाडा, रूस, जापान, आस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया जैसे विश्व के नए बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ाई है।

चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई) के चेयरमैन पीआर अकील अहमद ने शुक्रवार को कहा कि निर्यातक इन बाजारों की बढ़ती मांग का फायदा ले रहे हैं। इससे देश का कुल निर्यात बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। अहमद ने कहा कि वैश्विक कंपनियों के समक्ष अपने उत्पादों के प्रदर्शन के लिए हमने उलट क्रेता-विक्रेता बैठक आयोजित की है। उन्होंने कहा कि यूरोप के परंपरागत बाजार के अलावा उद्योग ने कई संभावित बाजारों मसलन अमेरिका, कनाडा, रूस, जापान, संयुक्त अरब अमीरात, दक्षिण कोरिया और आस्ट्रेलिया के बाजारों में भी अपनी पहुंच बनाई है।

उन्होंने कहा कि बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए परिषद यूरोप और अन्य प्रमुख व संभावित बाजारों में निर्यात प्रोत्साहन के लिए कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। उन्होंने कहा कि 2019-20 में हम ऐसे 16 मार्केटिंग कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं। 2020-21 में ऐसे 25 कार्यक्रमों के आयोजन की तैयारी है। अहमद ने बताया कि उलट क्रेता-विक्रेता बैठक में 26 देशों के 55 विदेशी खरीदार भाग ले रहे हैं।

कारोबारियों के आपसी व्यापार में फर्जी बिलों से सरकार चिंतित

नई दिल्ली, 23 नवंबर (भाषा)।

सरकार ने फर्मों के बीच (बी2बी) कारोबार में फर्जी बिल बनाए जाने के रुझानों पर चिंता जताई है। उसका कहना है कि इससे माल व सेवा कर (जीएसटी) की वसूली प्रभावित हो रही है।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय में राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को कहा कि फर्मों का आपसी कारोबार में मूल्य कम दिखाना सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। उन्होंने कहा कि इससे पार पाने की जिम्मेदारी उद्योग जगत की भी है। कारोबारियों के बीच खरीद-बिक्री में फर्जी बिल की समस्या के विषय में ठाकुर ने कहा कि यह केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि इसमें उद्योग को भी अहम भूमिका निभानी चाहिए।

जीएसटी के तहत हमें काफी नकली बिलों का आदान-प्रदान देखने को मिल रहा है और यह काम एक फर्म का दूसरे फर्म के साथ कारोबार के बीच में हो रहा है। ठाकुर यहां कंजूमर इलेक्ट्रानिक्स एंड एप्लायंसिज मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के सालाना कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे जिसमें उन्होंने इलेक्ट्रानिक कचरे के निस्तारण की बढ़ती समस्या का निदान निकालने पर भी बल दिया।

उन्होंने कहा कि इस मामले में फर्म से उपभोक्ता के बीच बिक्री (बी2सी) की कहानी दूसरी है। बी2बी में हम कई फर्जी बिल या चालान देख रहे हैं जो कि जीएसटी संग्रह बढ़ाने के मामले में एक बाधा बना हुआ है। वित्त राज्यमंत्री ने उद्योग जगत को आश्वासन भी दिया कि सरकार पूरी प्रणाली में अधिक पारदर्शिता लाएगी। इस संबंध में उन्होंने हाल में पेश किए गए आनलाइन आयकर आकलन व्यवस्था का भी जिक्र किया। जिसमें करदाता और कर अधिकारी एक-दूसरे के सीधे संपर्क में नहीं होते हैं और एक-दूसरे को नहीं जानते हैं।

उन्होंने कहा कि कई उद्योगपतियों ने सरकार से कर विभाग में उनका उत्पीड़न होने की बात कही थी। यही वजह है कि हमने पहचान से स्वतंत्र कर आकलन की शुरुआत की। इस व्यवस्था की विजयादशमी से शुरुआत है। इसके तहत फिलहाल 58,322 मामले लिए गए हैं। मंत्री ने कहा- मैं आपसे प्रणाली में और बदलाव का वादा करता हूं जो कि पारदर्शी और अधिक जवाबदेह होंगे। हमें अधिक पारदर्शी प्रणाली बनाकर और उद्योग की मदद कर काफी खुशी होगी, और मुझे पूरा विश्वास है कि आप भी हमें अधिक निवेश करके मदद पहुंचाएंगे। उन्होंने उद्योगों से कहा कि वह भारत को पांच हजार अरब डालर की अर्थव्यवस्था बनाने में अपना योगदान करें।

इलेक्ट्रानिक उद्योग से ई-कचरे से उत्पन्न समस्या निपटने का आह्वान करते हुए ठाकुर ने कहा कि भारत में इस समय हर साल 18.5 लाख टन ई-कचरा पैदा हो रहा है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में कॉरपोरेशन बैंक व आंध्र बैंक के विलय को मंजूरी

नई दिल्ली, 23 नवंबर (भाषा)।

वित्त मंत्रालय ने कॉरपोरेशन बैंक और आंध्र बैंक का यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में प्रस्तावित विलय को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

कॉरपोरेशन बैंक ने शनिवार को बंबई शेयर बाजार को इसकी जानकारी दी। बैंक ने कहा कि वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग ने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत कॉरपोरेशन बैंक और आंध्र बैंक का यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में विलय किए जाने को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। कॉरपोरेशन बैंक के निदेशक मंडल ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में विलय के प्रस्ताव को 16 सितंबर को हुई बैठक में मंजूरी दी थी।

सितंबर तिमाही में सूचीबद्ध कंपनियों का प्रदर्शन निराशाजनक

नई दिल्ली, 23 नवंबर (भाषा)।

बंबई शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों का वित्तीय प्रदर्शन चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में निराशाजनक रहा है। 75 फीसद से अधिक कंपनियों को या तो घाटा हुआ है या लाभ एक साल पहले के स्तर पर ही स्थिर रहा।

बंबई शेयर बाजार (बीएसई) के मार्केट्स मोजो के आंकड़ों के अनुसार सितंबर तिमाही में अब तक 2,919 कंपनियों ने परिणाम जारी किए हैं। इनमें से 30.6 फीसद यानी 893 कंपनियों को घाटा हुआ है। आंकड़ों के अनुसार सितंबर तिमाही में 44.7 फीसद यानी 1,304 कंपनियों का लाभ एक साल पहले के स्तर पर स्थिर रहा। इस दौरान सिर्फ 24.7 फीसद यानी 722 कंपनियों के लाभ में ही वृद्धि हुई है।

बड़ी कंपनियों की बातें करें तो सितंबर तिमाही में इन्होंने बेहतर प्रदर्शन किया। बंबई शेयर बाजार की लार्ज कैप कंपनियों (ऐसी कंपनियां जिनका बाजार पूंजीकरण 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक है) में अब तक 136 कंपनियों ने सितंबर तिमाही का परिणाम जारी किया है। आंकड़ों के अनुसार इनमें से 41.9 फीसद कंपनियों का लाभ बढ़ा है। बड़ी कंपनियों में महज 22.8 फीसद का प्रदर्शन नकारात्मक रहा है जबकि 35.3 फीसद कंपनियों का प्रदर्शन स्थिर रहा।

जेपी इंफ्रा : कर्जदाता बैंकों की 28 को होगी बैठक

नई दिल्ली, 23 नवंबर (भाषा)।

दिवाला प्रक्रिया से गुजर रही जेपी इंफ्राटेक के लिए एनबीसीसी और सुरक्षा रीयल्टी की बोली पर आगे और विचार-विमर्श के लिए कर्जदाता बैंकों की 28 नवंबर को बैठक होगी।

जेपी इंफ्राटेक के अंतरित समाधान पेशेवर (आइआरपी) अनुज जैन ने नियामकीय सूचना में कहा है कि ऋणदाता समिति की एक बैठक 28 नवंबर, 2019 को होगी। हालांकि बैठक के एजंडे के बारे में कुछ नहीं बताया गया। हालांकि, सूत्रों ने बताया है कि कर्जदाता बैंकों का बोली लगाने वाली दोनों कंपनियों के साथ विचार-विमर्श लगातार जारी रहेगा।

इससे पहले, इस सप्ताह ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) ने एनबीसीसी लिमिटेड और सुरक्षा रीयल्टी द्वारा सौंपी गई बोली पर चर्चा की। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर ये बोलियां मंगाई गईं। यह बोली का तीसरा दौर है। ऋणदाताओं की समिति के समक्ष 18 नवंबर की बैठक में एनबीसीसी और सुरक्षा रीयल्टी के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपनी प्रस्तुति दी थी और जेपी इंफ्राटेक के पुनरुत्थान को लेकर अपनी समाधान योजना के मुख्य बिंदुओं का उल्लेख किया।

एनबीसीसी और सुरक्षा रीयल्टी को सीओसी की अगली 28 नवंबर को होने वाले बैठक के बाद अपनी अंतिम योजना सौंपने को कहा जा सकता है। उसके बाद समाधान योजनाओं पर मतदान की प्रक्रिया 10 दिसंबर से पहले हो सकती है। जेपी इंफ्राटेक के मामले में सीओसी में 13 बैंकों और 23,000 से अधिक मकान खरीदारों के पास मतदान का अधिकार है। खरीदारों के पास जहां 60 फीसद मत हैं वहीं किसी भी बोली को मंजूरी के लिए कुल मिलाकर 66 फीसद मत की जरूरत होगी।

सरकार एकीकृत स्वर्ण नीति पर कर रही काम

नई दिल्ली, 23 नवंबर (भाषा)।

सरकार एकीकृत स्वर्ण नीति पर काम कर रही है। सूत्रों के मुताबिक यह नीति जल्द ही जारी होने वाली है। वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह कहा। इस नीति का मकसद देश में स्वर्ण उद्योग और आभूषण निर्यात को बढ़ावा देना है।

वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामले विभाग में संयुक्त सचिव सुरिंदर पाल सिंह ने यहां एक कार्यक्रम के मौके पर संवाददाताओं से कहा कि नीति आयोग ने स्वर्ण नीति को लेकर विस्तृत रिपोर्ट सौंपी है। इस रिपोर्ट की जांच परख की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार निश्चित रूप से इसे देख रही है, निश्चित ही एक स्वर्ण नीति होगी। घरेलू स्वर्ण उद्योग ने सोने पर आयात शुल्क को मौजूदा 12.5 फीसद से घटाकर चार फीसद करने की मांग की है।

इस तथ्य के बावजूद कि भारत इस कीमती धातु का सबसे बड़ा आयातक और उपभोक्ता है, देश में वर्तमान में कोई स्वर्ण नीति नहीं है। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने इस पीली धातु को निवेश संपत्ति के तौर पर विकसित करने के लिए एक वृहद स्वर्ण नीति बनाने की घोषणा की थी जिसको अब अमली जामा पहनाया जा रहा है।

MGM REALTORS PRIVATE LIMITED
CIN: U45200DL2008PTC181473
Regd. Off.: 108, First Floor Madangir Village New Delhi, DL-110062
E-mail: mgmrealtor12@gmail.com; Website: www.mgmrealtor.com; corporate@mgmrealtor.com
POSTPONEMENT OF BOARD MEETING
Pursuant to provision of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, notice is hereby given that due to unavoidable circumstances the meeting of Board of Directors of the Company which was re-scheduled to be held on November 23, 2019 i.e. today is now postponed and re-scheduled to be held on Monday, 25th November, 2019, inter alia, to consider and approve un-audited financial results of the Company for the Half Year ended on September 30, 2019.
The said Notice may be accessed on the Company's website at http://www.mgmrealtor.com and the website of BSE at http://www.bseindia.com.
For MGM Realtors Private Limited
SHIV SHANKAR SAH
Place: New Delhi CHIEF FINANCIAL
Date:23.11.2019 OFFICER

मिश्रित प्रतिशत दर ई-निविदा आमंत्रण प्रैस सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यपालक अभियंता (सी), डाक सिविल प्रभाग, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्यों के लिए ऑन लाइन प्रतिशत दर (सीपीडब्ल्यूडी-7) मिश्रित ई-निविदाएं आमंत्रित हैं:
1. एनआईटी सं.: एनआईटी/ईईपीसीएनडी/ 2019-20/86
कार्य का नामः रोहिणी, सेक्टर-15, दिल्ली में डाक घर भवन का निर्माण।
अनुमानित लागतः रु. 1,21,29,025/-{रु. 1,09,96,425/- (सिविल भाग) एवं रु. 11,32,600/- (विद्युत भाग)} धरोहर राशिः 2,42,581/- पूर्णता अवधिः 12 माह।
2. एनआईटी सं.: एनआईटी/ईईपीसीएनडी/ 2019-20/87
कार्य का नामः दिलशाद गार्डन, दिल्ली में डाक घर भवन का निर्माण
अनुमानित लागतः रु. 8134670/-{रु. 7286875/- (सिविल भाग) एवं रु. 847795/- (विद्युत भाग)} धरोहर राशिः 162693/- पूर्णता अवधिः 10 माह।
बोली जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः 9.12.2019 के 15.00 बजे तक बोली प्रपत्र तथा अन्य विवरण वेबसाईट www.dopcivil.euniwizarde.com से प्राप्त की जा सकती है।

परिसंपत्तियों की बिक्री के लिए सूचना
एडवांस नवोटपेड सर्फेक्टेंट्स लिमिटेड (परिसमापन में)
श्री सेठुरथनम रवि, परिसमापक द्वारा दिवाला और शोधन अक्षमता कोड, 2016 के अधीन परिसम्पत्तियों की बिक्री
परिसमापक का पंजी. पताः 505-ए, 5वां तल, रेकॉर्गल-1, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, साकेत, दिल्ली-110017, ई-मेलः casravi.ip@gmail.com, liqansl@gmail.com
संपर्क नं.: 011-40548860
ई-नीलामी की तिथि एवं समयः 05.12.2019 को प्रातः 10.00 बजे से अपराह्न 05.00 बजे तक (5 मिनट प्रत्येक के अतिरिक्त विस्तार के साथ) दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए अंतिम तिथिः 29.11.2019
परिसमापन एस्टेट के हिस्से वाली एडवांस नवोटपेड सर्फेक्टेंट्स लिमिटेड की परिसंपत्तियों की बिक्री दिवाला और शोधन अक्षमता कोड, 2016 के प्रावधानों के अधीन माननीय एनसीएलटी, प्रधान बेंच द्वारा विधुक्त परिसमापक द्वारा आयोजित की जा रही है। परिसंपत्तियों की बिक्री परिसमापक द्वारा ई-नीलामी मंच https://eauctions.co.in के माध्यम से की जाएगी।
बिक्री के लिए परिसंपत्तियों तथा संपत्तियों का संक्षिप्त विवरण:

परिसंपत्तियों	ब्लॉक	आरक्षित मूल्य	ईएमडी राशि	वृद्धिशील राशि
भिवाड़ी, अलवर स्थित फैक्टरी- प्लॉट नं. एफ-56, एफ-57, इंडस्ट्रियल एरिया, भीवाड़ी, जिला अलवर, राजस्थान में स्थित भूमि,भवन, संयंत्र व मशीनरी, फर्नीचर व फिक्चर्स से युक्त संपत्ति के सभी अनिवार्य अंग।	ए	732.79 लाख रु.	36.63 लाख रु.	5.00 लाख रु.

परिसंपत्तियों का विवरण, ऑनलाइन ई-नीलामी बोली प्रपत्र, घोषणा और शपथ फॉर्म, ऑनलाइन नीलामी बिक्री की सामान्य निबंधन एवं शर्तों से युक्त पूर्ण ई-नीलामी प्रक्रिया दस्तावेज वेबसाइट https://eauctions.co.in पर उपलब्ध है।
ई-नीलामी सेवा प्रदाता की ओर से संपर्क व्यक्तिः दीक्षित प्रजापति-7874138237
परिसमापक की ओर से संपर्क व्यक्तिः
ईमेल- casravi.ip@gmail.com, liqansl@gmail.com
ह./- सेठुरथनम रवि, परिसमापक,
दिनांकः 24.11.2019 एडवांस नवोटपेड सर्फेक्टेंट्स लिमिटेड
स्थानः दिल्ली IBBI Reg. No. IBBI/IPA-001/IP-P00372/2017-18/10629

शुद्धिपत्र - फार्म-ए
वाई एम फूडवेज़ प्राइवेट लिमिटेड, बी-14, ऑफिस नं. 302ए, तीसरी मंजिल, विकास मार्ग, लक्ष्मी नगर, नई दिल्ली -110092 के लेनदारों का ध्यान दिवालियापन के नियम 6 के तहत "प्रपत्र-ए", सार्वजनिक घोषणा (भारतीय दिवाला और ऋण असमता बोर्ड [कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए ऋण शोध अक्षमता समाधान प्रक्रिया] विनियमावली, 2016 के विनियम 6 के अधीन) की ओर आकर्षित है, जो इस अखबार में दिनांक 23 नवंबर 2019 को प्रकाशित हुआ है, जिसमें कॉर्पोरेट ऋणी का नाम "वाई एम फूडस प्राइवेट लिमिटेड" के रूप में गलती से छपाई हुई है। कृपया कॉर्पोरेट ऋणी का नाम "वाई एम फूडवेज़ प्राइवेट लिमिटेड" पढ़ें।
दिनांक: 23 नवंबर 2019 अमित कौशल
स्थान: नई दिल्ली अंतरिम संकल्प पेशेवर
पंजीकरण सं.: IBBI/IPA-002/IP-N00041/2016-2017/10080

प्रतिशत दर ई-निविदा आमंत्रण प्रैस सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यपालक अभियंता (सी), डाक सिविल प्रभाग, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्यों के लिए ऑन लाइन प्रतिशत दर (सीपीडब्ल्यूडी-7) ई-निविदाएं आमंत्रित हैं:
1. एनआईटी सं. एनआईटी/ ईईपीसीएनडी/ 2019-20/61 (2 रा कॉल)
कार्य का नामः सेवा नगर, नई दिल्ली में डाक कर्मचारी के क्वार्टरों का विशेष सिविल मरम्मत कार्य एवं एआर एमओ।
अनुमानित लागतः रु. 42,03,537/-; धरोहर राशिः 84,071/- पूर्णता अवधिः 03 (तीन) माह।
बोली जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः 9.12.2019 के 15.00 बजे तक बोली प्रपत्र तथा अन्य विवरण वेबसाईट www.dopcivil.euniwizarde.com से प्राप्त की जा सकती है।

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank
...भरोसे का प्रतीक! ...the name you can BANK upon!
सामान्य सेवाएं प्रशासन प्रभाग, प्रथम तल, प्लाट सं. 4, सेक्टर 10, द्वारका नई दिल्ली-110075, ई-मेलः hogad@pnb.co.in, टेलीफनः 011-28075388
निविदा सूचना
पंजाब नेशनल बैंक ने "जैसा है जहाँ है" के आधार पर पीएनबी गोदाम 18, अयोध्या अपार्टमेन्ट पश्चिमी पटेल नगर, दिल्ली में पड़ी पुरानी/गैर-सेवा योग्य एसएफएफ वस्तुओं और अन्य विविध अवशिष्ट सामग्रियों की बिक्री के लिए पात्र बोलीदाताओं से सीलबंद बोलियाँ (तकनीकी और वाणिज्यिक दोनों) आमंत्रित की हैं।
निपटान की जाने वाली वस्तुओं का निरीक्षण 28.11.2019 से 30.11.2019 तक 10.30 पूर्वान्ह बजे से 4.30 अपरान्ह बजे के बीच उक्त पते पर किया जा सकता है।
निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 09.12.2019 03.00 अपरान्ह बजे तक है।
इच्छुक बोलीदाता विस्तृत निविदा दस्तावेज डाउनलोड करने के लिए हमारी वेबसाइट https://www.pnbindia.in/Tender.aspx पर जा सकते हैं।
उपर्युक्त कार्यों के संबंध में कोई भी शुद्धिपत्र/स्पष्टीकरण केवल हमारी वेबसाइट https://www.pnbindia.in/Tender.aspx पर ही जारी किया जाएगा।
मुख्य प्रबंधक

सूचना
क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र के समक्ष
कंपनी अधिनियम, 2013, की धारा 13 (4) तथा कंपनी (निगमन) नियमावली, 2014 के नियम 30(6) (ए) के मामले में
तथा
मै. एचकेजी लिमिटेड (पूर्व में योज़ एण्टरप्राईजेज लिमिटेड के नाम से विदित) जिसका पंजीकृत कार्यालय 203, गुप्ता आर्केड, श्रेष्ठ विहार मार्केट, दिल्ली-110092, भारत में है, - आवेदक
एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि "राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली" से "महाराष्ट्र राज्य" में उसके पंजीकृत कार्यालय को परिवर्तित करने के लिए कंपनी को सक्षम बनाने के लिए सोमवार, 30 सितम्बर, 2019 को पोस्टल बैलॅट के माध्यम से पारित विशेष प्रस्ताव के अनुसार कंपनी के मेमोरैंडम ऑफ एसोसिएशन के परिवर्तन की पुष्टि के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के अंतर्गत यह कंपनी केन्द्र सरकार के पास आवेदन करने का प्रस्ताव करती है।
कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के इस प्रस्तावित परिवर्तन से यदि किसी व्यक्ति का हित प्रभावित होता हो, वे एमसीए-21 पोर्टल (www.mca.gov.in) पर निवेशक शिकायत प्रपत्र दाखिल करें अथवा उसके पंजीकृत कार्यालय 203, गुप्ता आर्केड, श्रेष्ठ विहार मार्केट, दिल्ली-110092, भारत में आवेदक कंपनी को उसकी एक प्रति के साथ इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के भीतर अपने हित की प्रकृति तथा आपत्ति के कारणों का उल्लेख करते हुए एक शपथ- पत्र द्वारा समर्थित अपनी आपत्ति क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र के पते बी-2 विंग, 2रा तल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्प्लैक्स, नई दिल्ली-110003 में जमा करें या जमा कराएं या पंजीकृत डाक से भेजें:
आवेदक के लिये तथा उसकी ओर से
एचकेजी लिमिटेड के लिये
हस्ता./-
यतिन भूपेन्द्र शाह
तिथिः 25.11.2019 प्रबंध निदेशक
स्थानः दिल्ली DIN: 02055422
पताः ए-901, गोकुल सोसायटी, देव नगर के सामने, न्यू साई बाबा नगर, कांडिवली वेस्ट, मुम्बई-400067

ऋण वसूली न्यायाधिकरण-III, दिल्ली के समक्ष
चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001
बैंक तथा वित्तीय संस्थाओं का देय ऋण की वसूली अधिनियम, 1993 की धारा 19(4) के साथ पठित ऋण वसूली न्यायाधिकरण (प्रक्रिया नियमावली, 1993) के नियम 12 और 13 के तहत सूचना
ओ.ए. नं. 934/2017 के मामले में
बैंक ऑफ बड़ौदा आवेदक — विरूद्ध — रवि रतन एवं अन्य प्रतिवादीगण
सेवा में
डी-3 मैसर्स शुभकामना बिल्डटेक प्रा. लि. प्लॉट नं. जीएच-05/बी, सैक्टर-137, एक्सप्रेसवे, नोएडा, उत्तर प्रदेश यहां भी : ए-120, एफ.एफ., स्टार हाउस, सैक्टर-4, नोएडा-201301 यहां भी : ए-80, सैक्टर-2, नोएडा-201301
जबकि उपरोक्त नामक आवेदक ने आपके विरूद्ध एक वाद स्थापित किया है तथा जबकि न्यायाधिकरण को संतोषप्रद रूप से यह दर्शाया जा चुका है कि आपको साधारण रूप से सूचना दिया जाना संभव नहीं है, इसलिए, विज्ञापन के रूप में इस सूचना के माध्यम से आपको दिनांक 23.11.2019 को पूर्वा. 10:30 बजे इस न्यायाधिकरण में उपस्थित होने का निर्देश दिया जाता है।
ध्यान दें कि यदि आप उपरोक्त तिथि को इस न्यायाधिकरण के समक्ष उपस्थित नहीं होंगे, वाद की सुनवाई तथा निर्णय आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।
मेरे हस्ताक्षर एवं मुहर सहित 5 नवम्बर 2019
न्यायाधिकरण के आदेश द्वारा,
सहायक अधिकारी, डीआरटी-III, नई दिल्ली

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड
भारत सरकार का उपक्रम (रेल मंत्रालय)
प्रस्ताव हेतु प्रत्यक्ष अनुरोध (डीआरपीएफ)
देश- भारत परियोजना का नाम- ईस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेड कोरीडोर परियोजना-3
लोन सं.: (आईएन-8513)
संदर्भ सं.: परियोजना आईडी: पी150158
कार्य शीर्षकः डीएफसीसीआईएल नेटवर्क पर ट्रैक एक्सेस चार्जेज तथा की परफॉर्मेन्स इंडीकेटर्स (केपीआई) पर परामर्शी सेवायें
अधिसूचना संदर्भः प्रस्ताव हेतु प्रत्यक्ष अनुरोध (डीआरएफपी) की अधिसूचना संख्या- नं. एचक्यू/ओपीएंडबीडी/सीएस/टीएसी एवं केपीआई/डीएफसीसीआईएल/2019, दिनांक 19.11.2019
निविदा सं.: एचक्यू/ओपीएंडबीडी/सीएस/टीएसी एवं केपीआई/ डीएफसीसीआईएल/2019, दिनांक 19.11.2019
डेडीकेटेड फ्रेड कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) डीएफसीसीआईएल नेटवर्क पर ट्रैक एक्सेस चार्जेज तथा की परफॉर्मेन्स इंडीकेटर्स (केपीआई) पर परामर्शी सेवायें प्रदान करने में प्रत्यक्ष आरएफपी में भागीदारी हेतु पात्र परामर्शी फर्मों ("परामर्शदाता") को आमंत्रित करता है।
इच्छुक परामर्शदाताओं को सूचित किया जाता है कि संबंधित संदर्भ संख्या एवं आवश्यक दिशानिर्देशों से युक्त अधिसूचना तथा डीआरएफपी जमा करने के लिए विस्तृत सूचना को डाउनलोड करने हेतु डीएफसीसीआईएल की वेबसाइट 'www.dfccil.com' पर अपलोड कर दी गई है। परामर्शदाताओं से अनुरोध है कि वे आरएफपी अधिसूचना को डाउनलोड करें, जरूरी तैयारी करें और तत्पश्चात् डीआरएफपी को समूह महाप्रबंधक (व्यवसाय विकास), डेडीकेटेड फ्रेड कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, कमरा सं. 400ए, चौथ तल, प्रगति मैदान मेट्रो स्टेशन भवन परिसर, नई दिल्ली के पास 03.01.2020 को 15:00 बजे तक जमा कर दें।

दिल्ली कृषि विपणन परिषद्
(राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार)
9 इंस्टीट्यूशनल एरिया, पंखा रोड जनकपुरी, नई दिल्ली-110058
फोनः- 28522085, 28525232 फैक्सः- 011-28522085,
ई-मेलः- ambdl@nic.in, वेबसाइटः- www.delagrimarket.nic.in
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
सेक्रेटरी एपी ऍम सी नजफगढ़ की ओर से ई-निविदा के माध्यम से निम्नलिखित मद दर ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैः-

क्रम सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	पूरा करने की अवधि	ई-प्रोक्योरमेंट समाधान के माध्यम से निविदाओं की प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	निविदा आई.डी. संख्या/ एन.आई.टी
1.	नयी अनाज मंडी नजफगढ़ में सेप्टिक टैंक, सीवर और स्टॉर्म वॉटर लाइनों की सफाई और डिसिल्टिंग करना	रु. 9,63,821/-	रु. 19,300/-	3 महीने	27/11/2019 को 14.30 बजे तक	2019_डी.ए.एम.बी. 1840071

(i) निविदाएं अधिशासी अभियंता, डी.ए.एम.बी के कार्यालय में ऑनलाइन खोली जायेंगीः-
(ii) तकनीकी बोली दिनांक 27.11.2019 को 15:00 बजे खोली जाएगी।
(iii) नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण वेबसाइटः- https:/govtprocurement.delhi.gov.in पर देखे जा सकते हैं।
हस्ता./-
अधिशासी अभियंता-I
DIP/Shabdarth/1032/19-20 DAMB

दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार कार्यकारी अभियंता का कार्यालय सी-10 इन्द्रलोक, दिल्ली-110035
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड की ओर से कार्यपालक अभियंता, सी-10, डी.यू.एस.आई.बी., इन्द्रलोक, दिल्ली-110035 निम्नलिखित कार्य के लिए दो निविदा प्रणाली में प्रतिशत दर निविदा (ऑनलाइन) आमंत्रित करते हैं: एनआईटी संख्याः 106/ EEC-10/ DUSIB/

सबरीमला : मलिकाप्पुरम मंदिर के नए पुजारी ने कार्यभार संभाला

सबरीमला (केरल), 23 नवंबर (भाषा)।

एमएस परमेश्वरन नंबूदिरी ने शनिवार को यहां अयप्पा मंदिर के पास स्थित मलिकाप्पुरम मंदिर के पुजारी का कार्यभार संभाल लिया। नंबूदिरी 17 नवंबर को तय कार्यक्रम के अनुसार कार्यभार नहीं संभाल पाए थे। उनके परिवार में किसी की मृत्यु हो गई थी।

देवस्वओम बोर्ड की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि मलिकाप्पुरम देवी मंदिर के नए पुजारी के कार्यभार संभालने के लिए तांत्रिक कंडारू महेश मोहनारारू ने धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। इस बीच पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 16 नवंबर शाम में मंदिर खुलने के बाद से शनिवार तक साढ़े तीन लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने कहा कि मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं। अभी तक करीब साढ़े तीन लाख श्रद्धालु मंदिर में दर्शन कर चुके हैं। प्राधिकारी और श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद कर रहे हैं, क्योंकि सरकार ने 12 लोगों की क्षमता वाले वाहन को पंबा तक ले जाने की इजाजत देने का निर्णय किया है।

इससे पहले निजी वाहनों को केवल निलक्कल आधार शिविर तक ले जाने की इजाजत दी जाती थी। वहां से केरल राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बसें चलती थीं। प्राधिकारियों ने निलक्कल में और एटीएम काउंटर खोले हैं। भगवान अयप्पा मंदिर 16 नवंबर को दो महीने चलने वाले मंडला मकारविलाक्कू तीर्थयात्रा मौसम के लिए खुला था।

खुशी देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री की शपथ लेने पर महाराष्ट्र के सांगली में भाजपा कार्यालय पर लोगों ने पटाखे फोड़कर खुशी मनाई।

शरद पवार को राजग में शामिल होना चाहिए, पुरस्कार मिलेगा : अठावले

पटना, 23 नवंबर (भाषा)।

महाराष्ट्र की राजनीति में नाटकीय मोड़ के लिए शिवसेना को जिम्मेदार ठहराते हुए केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने शनिवार को राकांपा प्रमुख शरद पवार से राजग के खेमे में शामिल होने का अनुरोध किया। अठावले ने संकेत दिया कि ऐसा करने से उन्हें केंद्र में महत्वपूर्ण पद का पुरस्कार मिल सकता है। उन्होंने कहा कि पवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले अपने बागी भतीजे अजित पवार का भी समर्थन करना चाहिए।

30 नवंबर को होने वाले शक्ति परीक्षण से पहले अजित पवार नीत खेमे के समक्ष कठिनाई के बारे में पूछे जाने पर अठावले ने कहा, 'शरद पवार को भी अपने रुख में बदलाव लाने के बारे में सोचना चाहिए और राजग में शामिल होना चाहिए। उन्हें केंद्र में कोई अच्छा पद मिल सकता है।' महाराष्ट्र आधारित दलित समर्थक पार्टी आरपीआइ का नेतृत्व करने वाले अठावले यहां एक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। अठावले केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री हैं। मंत्री ने कहा कि समय आने पर शिवसेना की चिंताओं का निराकरण हो सकता था। लेकिन उसने नाराजगी दिखाई और इससे गतिरोध हुआ। आखिरकार आज के समय के 'चाणक्य' अमित शाह ने उन्हें मात दे दी । घटनाक्रम पर तुकबंदी करते हुए अठावले ने कहा, 'भाजपा ने कांग्रेस को लटका दिया है, शिवसेना को झटका दिया है और राकांपा को सरकार में अटका दिया है।'

घटनाक्रम पर तुकबंदी करते हुए अठावले ने कहा, 'भाजपा ने कांग्रेस को लटका दिया है, शिवसेना को झटका दिया है और राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी को सरकार में अटका दिया है।'

पहले हफ्ते 90 फीसद समय कामकाज में लगाया राज्यसभा ने

नई दिल्ली, 23 नवंबर (भाषा)।

राज्यसभा ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान पहले हफ्ते में कामकाज के लिए निर्धारित समय के 90 फीसद से अधिक समय को कार्य निष्पादन में इस्तेमाल करते हुए इसे उच्च सदन के 250वें सत्र के लिए विशेष उपलब्धि बताया है।

राज्यसभा सचिवालय के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि उच्च सदन ने शीतकालीन सत्र में कार्य निष्पादन हेतु पहले सप्ताह के लिए निर्धारित 28 घंटों में से 25 घंटे तक सदन की बैठक चली। इसे महत्त्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए अधिकारी ने बताया कि इस सप्ताह सोमवार को शुरू हुए सत्र के पहले पांच दिनों में दो घंटा 43 मिनट तक सदन की कार्यवाही स्थगित रहने के कारण नहीं हो सकी।

राज्यसभा में पहले सप्ताह के कामकाज संबंधी ब्योरे के अनुसार सभापति एम वेंकैया नायडू की अनुमति से उच्च सदन में अति महत्त्वपूर्ण विषय में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के तहत वायु प्रदूषण के मुद्दे पर तीन घंटे तक चर्चा हुई। पिछले 13 साल में हुई 43 सत्रों के दौरान ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर किसी विषय पर यह अब तक की सबसे लंबी चर्चा थी। इसके पहले 1984 के सिख दंगा मामलों के पीड़ितों के लिये शुरू किए गए राहत कार्यों की समीक्षा के मुद्दे पर 2006 में राज्यसभा के 207वें सत्र के दौरान ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चार घंटे से अधिक समय तक चर्चा हुयी थी।

वंचित वर्गों की जरूरतों पर ध्यान दें राज्यपाल-उपराज्यपाल : मोदी

प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और पर्यटन क्षेत्रों का विशेष उल्लेख किया

नई दिल्ली, 23 नवंबर (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राज्यपालों एवं उपराज्यपालों से अल्पसंख्यक समुदायों और वंचित वर्गों की जरूरतों पर ध्यान देने और उनके उत्थान के लिए काम करने का आग्रह किया।

राज्यपालों एवं उपराज्यपालों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, 'सहकारी एवं प्रतिस्पर्धी संघीय ढांचे को साकार करने में राज्यपाल की विशेष भूमिका है। यह सम्मेलन राज्यपालों और उपराज्यपालों के लिए विचारों का आदान-प्रदान करने और एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने के साथ-साथ प्रत्येक राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश की विशिष्ट एवं विविध आवश्यकताओं और उनके अनुकूल सर्वोत्तम अंतर्राष्ट्रीय प्रथाओं को अपनाने का अवसर प्रदान करता है।' प्रधानमंत्री ने राज्यपालों और उपराज्यपालों से अनुरोध किया कि वे आम लोगों की जरूरतों पर ध्यान दें और अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का समुचित निर्वहन करें।

उन्होंने राज्यपालों से आग्रह किया, 'आप अनुसूचित जनजातियों, अल्पसंख्यक समुदायों, महिलाओं और युवाओं सहित कमजोर तबकों के उत्थान की दिशा में काम करें।' मोदी ने कहा कि इसके लिए वे राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करने के अलावा वर्तमान योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वनयन पर ध्यान दे सकते हैं। प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और पर्यटन क्षेत्रों का विशेष उल्लेख किया जहां रोजगार सृजन और गरीबों एवं दलितों की बेहतरी के लिए नए अवसर मौजूद है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल कार्यालय का उपयोग विशिष्ट उद्देश्यों जैसे तपेदिक के बारे में जागरूकता फैलाने और 2025 तक भारत को इस बीमारी से मुक्त बनाने के लिए भी किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अपने प्रशासनिक ढांचे के कारण केंद्र शासित प्रदेश विकास के मोर्चे पर आदर्श स्थापित कर सकते हैं। मोदी ने कहा कि 2022 में भारत अपनी आजादी की 75वीं वर्षगांठ और 2047 में 100वीं वर्षगांठ मनाएगा। ऐसे में प्रशासनिक तंत्र को देश के लोगों के करीब लाने और उन्हें सही राह दिखाने में राज्यपाल की भूमिका कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि हम भारतीय संविधान के लागू होने की 70वीं वर्षगांठ मनाने जा रहे हैं। ऐसे में राज्यपालों और राज्य सरकारों को भी भारतीय संविधान में विभिन्न सेवा पहलुओं को उजागर करने की दिशा में काम करना चाहिए, विशेष रूप से नागरिकों के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के बारे में।

राज्यपाल, उपराज्यपाल की संवैधानिक व्यवस्था में भूमिका अहम : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 23 नवंबर (भाषा)।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को कहा कि देश की संवैधानिक व्यवस्था में राज्यपाल और उपराज्यपाल की भूमिका अहम होती है, खास तौर पर तब जब सहकारी एवं प्रतिस्पर्धी संघवाद की बात होती है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्यपालों एवं उपराज्यपालों के 50वें सम्मेलन को संबोधित करते हुए कोविंद ने कहा कि आज जब देश की प्रगति के हित में सहकारी संघवाद और स्वस्थ प्रतिस्पर्धी संघवाद पर जोर दिया जाता है तो राज्यपाल की भूमिका और महत्त्वपूर्ण हो गई है। आदिवासी कल्याण का जिक्र करते हुए कोविंद ने कहा कि उनका विकास और सशक्तिकरण व देश की आंतरिक सुरक्षा समावेशी विकास से जुड़ी हुई होती है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल उनको प्रदत्त संवैधानिक अधिकार का उपयोग करके उपयुक्त मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं ताकि विकास की राह में पीछे छूट गए लोगों के जीवन को बेहतर बनाया जा सके।

(फार्म ए)
सार्वजनिक उद्घोषणा
[भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड
(कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया) विनियम, 2016 के विनियम 6 के अंतर्गत]
मैसर्स बीआर निटवियर्स प्राईवेट लिमिटेड के लेनदारों के ध्यानार्थ

	संगत विवरण	
1.	कॉर्पोरेट देनदार का नाम	बीआर निटवियर्स प्राईवेट लिमिटेड
2.	कॉर्पोरेट देनदार के गठन की तिथि	13/01/2011
3.	प्राधिकरण जिसके अधीन कॉर्पोरेट देनदार गठित / पंजीकृत है	कपनी अधिनियम, 1956 के तहत कपनी पंजीयक रा.रा. क्षेत्र दिल्ली और हरियाणा
4.	कॉर्पोरेट देनदार की कॉर्पोरेट पहचान संख्या / सीमित दायित्व पहचान सं.	U18109HR2011PTC041892
5.	कॉर्पोरेट देनदार के पंजीकृत कार्यालय एवं प्रधान कार्यालय, यदि कोई हो का पता	प्लॉट नं. 672, पेस सिटी-II, सैक्टर -37, गुडगॉव, एच आर, 122001.
6.	कॉर्पोरेट देनदार के संबंध में दिवाला प्रारंभ तिथि	21/11/2019 एनसीएलटी आदेश IB-300/CHD/HRY/2019 दिनांक 21/11/2019
7.	दिवाला समाधान प्रक्रिया बंद होने की अनुमानित तिथि	20/05/2020 (अर्थात् दिवाला प्रारंभ तिथि से 180 दिन)
8.	अंतरिम रिजोल्यूशन प्रोफेशनल के रूप में कार्य करने के लिए इनसॉल्वेंसी प्रोफेशनल का नाम और पंजीकरण संख्या	श्री नरेश कुमार गोयल आईबीबीआई पंजीकरण सं. : IBBI/IPA-002/IP-N00696/2018-19/12323
9.	बोर्ड के साथ पंजीकृत अनुसार अंतरिम रिजोल्यूशन प्रोफेशनल का पता एवं ई-मेल	पता : 203, वर्धमान स्टार मॉल, सैक्टर-19, नियर बडखल मोर मेट्रो स्टेशन, फरीदाबाद,हरियाणा-121002. ई-मेल : Email: nkg1964@rediffmail.com
10.	अंतरिम रिजोल्यूशन प्रोफेशनल के साथ पत्राचार के लिए उपयोग किया जाने वाला पता एवं ई-मेल	पता : 203, वर्धमान स्टार मॉल, सैक्टर-19, नियर बडखल मोर मेट्रो स्टेशन, फरीदाबाद,हरियाणा-121002. ई-मेल : irp.brknitwear@gmail.com; nkg1964@rediffmail.com
11.	दावों को जमा करने की अंतिम तिथि	06/12/2019
12.	अंतरिम रिजोल्यूशन प्रोफेशनल द्वारा निर्धारित किये गये अनुसार धारा 21 की उपधारा (6ए) के अनुच्छेद (ख) के अधीन लेनदारों का वर्ग, यदि कोई हो	लागू नहीं
13.	एक वर्ग में लेनदारों के अधिकृत प्रतिनिधि के तौर पर कार्य करने के लिए निर्धारित किये गये इनसॉल्वेंसी प्रोफेशनल का नाम (प्रत्येक वर्ग में तीन नाम)	लागू नहीं
14.	(क) संगत फार्म और (ख) अधिकृत प्रतिनिधि उपलब्ध रहने का विवरण	क) वेब लिंक https://ibbi.gov.in/downloadform.html ख) लागू नहीं

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण बेंच, चंडीगढ़ ने 21/11/2019. को **बीआर निटवियर्स प्राईवेट लिमिटेड** के विरूद्ध कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया प्रारंभ करने का आदेश दिया है।

बीआर निटवियर्स प्राईवेट लिमिटेड के लेनदारों को एतद्द्वारा नीचे मद 10 में वर्णित पते पर अंतरिम रिजोल्यूशन प्रोफेशनल के पास चौदह दिन के अन्दर 06/12/2019 को या उससे पूर्व अपने दावों के प्रमाण जमा करने के लिए सूचित किया जाता है।

वित्तीय लेनदार केवल इलेक्ट्रॉनिक पद्धति द्वारा अपने दावों को जमा करेंगे। अन्य सभी लेनदार अपने दावे व्यक्तिगत या डाक या इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से जमा कर सकते हैं।

प्रविष्टि सं. 12 के अधीन सूचीबद्ध अनुसार वर्ग से संबंधित वित्तीय लेनदार को वर्ग के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में काम करने के लिए प्रविष्टि सं. 13 के अधीन तीन रिजोल्यूशन प्रोफेशनल में से अपनी पसंद का एक अधिकृत प्रतिनिधि चुनना होगा – लागू नहीं – फार्म सीए

दावों के झूठे या मिथ्या प्रमाण जमा करने पर दण्डित किया जायेगा।

हस्ता/-
नरेश कुमार गोयल
अंतरिम रिजोल्यूशन प्रोफेशनल
आईबीबीआई पंजीकरण सं. : IBB/IPA-002/IP-N00696/2018-19/12323

दिनांक : 22/11/2019
स्थान : फरीदाबाद

कार्यकाल पूरा होने तक उपमुख्यमंत्री बने रहेंगे सावदी : येदियुरप्पा

बंगलुरू, 23 नवंबर (भाषा)।

कर्नाटक में उपचुनाव के बाद लक्ष्मण सावदी के उपमुख्यमंत्री बने रहने के बारे में जारी अटकलों के बीच मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने शनिवार को आश्वस्त किया कि वह पूरे समय तक राज्य के उप मुख्यमंत्री बने रहेंगे। कर्नाटक में पांच दिसंबर को उपचुनाव हैं। भाजपा ने सावदी को उपमुख्यमंत्री बनाया था, जबकि वह किसी भी सदन के सदस्य नहीं थे।

पार्टी ने अथानी में होने वाले उप चुनाव के लिए उन्हें टिकट नहीं दिया है। येदियुरप्पा ने कहा, 'मैं इस क्षेत्र के मतदाताओं और अपने कार्यकर्ताओं को साफ कर देना चाहता हूं कि वह उपमुख्यमंत्री और जिला प्रभारी मंत्री बने रहेंगे।'

शिवसेना, कांग्रेस, राकांपा को सड़कों पर उतरना चाहिए : दिग्विजय

भोपाल, 23 नवंबर (भाषा)।

महाराष्ट्र में नाटकीय घटनाक्रम के बीच भाजपा के देवेंद्र फड़णवीस के मुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता अजित पवार के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद कांग्रेस नेता दिग्विजय सिह ने इस गठबंधन को असंवैधानिक बताते हुए शनिवार को कहा कि शिवसेना, कांग्रेस और राकांपा को अपनी ताक़त ज़मीन पर दिखा कर मुंबई की सड़कों पर उतरना चाहिए।

उन्होंने दावा किया कि अजित पवार अकेले इस भाजपा नीत नई सरकार में शामिल हुए हैं और राकांपा का कोई अन्य विधायक इस सरकार में शामिल नहीं होगा। सिंह ने ट्विटर पर लिखा, 'महाराष्ट्र के राज्यपाल से मेरे कुछ बुनियादी प्रश्न हैं। पहला, क्या राज्यपाल को राकांपा द्वारा समर्थन का कोई पत्र मिला है? दूसरा सामान्य रूप से राज्यपाल को राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल का विधायकों के हस्ताक्षर वाला पत्र मिलने के बाद ही शपथ के लिए आमंत्रित करना चाहिए था। तीसरा यदि ऐसा नहीं किया गया है तो क्या राज्यपाल ने संविधान का उल्लंघन नहीं किया है?'

उन्होंने कहा, 'शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस को अपनी ताकत जमीन पर दिखा कर सड़कों पर उतरना चाहिए। देखते हैं मुंबई और महाराष्ट्र की जनता किसके साथ है?' दिग्विजय ने लिखा, 'तीनों पार्टियों के लिए यह अस्तित्व का सवाल है। विशेषकर उद्धव (ठाकरे) और ठाकरे परिवार के लिए यह प्रतिष्ठा का प्रश्न है।'

ट्वीट के बाद मीडिया के सवालों के जवाब में दिग्विजय ने कहा कि कांग्रेस भी शिवसेना के साथ मुंबई की सड़कों पर उतरेगी। उन्होंने दावा किया कि राकांपा नेता अजित पवार अकेले ही भाजपा के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार में शामिल हुए हैं।

भुवनेश्वर से सूरत के बीच सीधी विमान सेवा 20 जनवरी से

भुवनेश्वर, 23 नवंबर (भाषा)।

भुवनेश्वर से सूरत के बीच विमान सेवा आगामी 20 जनवरी से शुरू होगी, जो एक हफ्ते में दो बार उड़ान भरेगी। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि एअर इंडिया प्राधिकारियों ने बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निदेशक को पत्र लिख कर 20 जनवरी से भुवनेश्वर और सूरत के बीच विमान सेवा शुरू किए जाने का प्रस्ताव दिया है।

एअर इंडिया बंगलुरु-सूरत-भुवनेश्वर और बंगलुरु-भुवनेश्वर-सूरत के बीच विमान सेवा की शुरुआत करेगी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को विमान सुबह 6 बजकर दस मिनट पर उड़ान भर कर सुबह आठ बजकर दस मिनट पर भुवनेश्वर में उतरेगा। उन्होंने बताया कि आधे घंटे बाद विमान आठ बजकर 40 मिनट पर भुवनेश्वर से सूरत के लिए उड़ान भरेगा।

प्रपत्र ए
सार्वजनिक उद्घोषणा
[भारत दिवाला तथा दिवालिया मंडल (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 6 के अंतर्गत]
मदर्स प्राइड डेयरी इंडिया प्राईवेट लिमिटेड के क्रेडीटरों के ध्यानार्थ

	संबंधित विवरण	
1.	कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम	मदर्स प्राइड डेयरी इंडिया प्राईवेट लिमिटेड
2.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि	30.9.2014
3.	वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/पंजीकृत है	कम्पनी रजिस्ट्रार-दिल्ली
4.	कॉर्पोरेट पहचान संख्या/कॉर्पोरेट ऋणधारक का लिमिटेड लाएबिलिटी पहचान संख्या	U74999DL2014PTC272213
5.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	पंजीकृत कार्यालयः ए-11, भू तल, निर्माण विहार, शकरपुर, नई दिल्ली-110092 कॉर्पोरेट कार्यालयः डी-190, सेक्टर-63, नोएडा, उ.प्र.-201301 फैक्ट्री स्थलः खसरा नं. 312 एवं 314, आनंदपुर, ब्लॉक बहजोई, जिला सम्भल, उ.प्र.-244410
6.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के संदर्भ में दिवाला आरंभ होने की तिथि	13.11.2019, आदेश की प्रति आईआरपी को 19.11.2019 को उपलब्ध कराई गई।
7.	दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया के समापन की अनुमानित तिथि	11.5.2020 अर्थात दिवाला आरंभ होने की तिथि से 180 दिन
8.	रिजोल्यूशन प्रॉफेशनल का नाम, पंजीकरण संख्या, जो अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के रूप में कार्यरत है	मोह. नजीम खान IBBI/IPA-002/IP-N00076/2017-18/10207
9.	बोर्ड में यथा पंजीकृत अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल का पता एवं ईमेलः	पताः एमएनके एंड एसोसिएट्स, कम्पनी सेक्रेट्रीज, जी-41, भू तल, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-110008 ईमेलः nazim@mnkassociates.com
10.	अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के साथ पत्राचार के लिये प्रयुक्त होने वाला पता तथा ईमेल	पताः एमएनके एंड एसोसिएट्स, कम्पनी सेक्रेट्रीज, जी-41, भू तल, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-110008 ईमेलः motherspride.cirp@gmail.com
11.	दावे जमा करने की अंतिम तिथि	3.12.2019
12.	क्रेडीटर का वर्ग यदि कोई हो, धारा 21 की उप धारा (6ए) के उपबंध (बी) के अंतर्गत, अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल द्वारा सुनिश्चित किया गया	इस चरण में क्रेडीटरों का कोई वर्ग सुनिश्चित नहीं है।
13.	किसी वर्ग में क्रेडीटर्स के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिये पहचान किये गये इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफिशनल का नाम (प्रत्येक वर्ग से तीन नाम)	इस चरण में क्रेडीटरों का कोई वर्ग सुनिश्चित नहीं है, तद्नुसार कोई प्राधिकृत प्रतिनिधि प्रस्तावित नहीं है।
14.	(क) संबंधित प्रपत्र तथा (ख)प्राधिकृत प्रतिनिधियों का विवरण उपलब्ध है	संबंधित प्रपत्रों का वेब लिंकः https://www.ibbi.gov.in/home/downloads संबंधित प्रपत्रों के लिए भौतिक पताः पताः एमएनके एंड एसोसिएट्स, कम्पनी सेक्रेट्रीज, जी-41, भू तल, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-110008

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण नई दिल्ली पीठ ने 13.11.2019 को, आदेश की प्रति अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल को 19.11.2019 को उपलब्ध कराई गई, मदर्स प्राइड डेयरी इंडिया प्राईवेट लिमिटेड के संदर्भ में कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेन्सी प्रस्ताव प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है।
एतद्द्वारा मदर्स प्राइड डेयरी इंडिया प्राईवेट लिमिटेड के क्रेडीटरों को निर्देश दिया जाता है कि मद सं. 10 में वर्णित पते पर अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के पास 03.12.2019 को या उससे पूर्व प्रमाण के साथ अपने दावे जमा करें। फाइनांसियल क्रेडीटर्स केवल इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से ही प्रमाण के साथ अपने दावे जमा कर सकते हैं। अन्य सभी क्रेडीटर्स व्यक्तिगत, डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से प्रमाण के साथ अपने दावे जमा कर सकते हैं।
प्रविष्टि सं. 12 के समक्ष यथा सूचीबद्ध किसी वर्ग से संबंधित वित्तीय क्रेडीटर प्रपत्र सीए में वर्ग के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिये (वर्ग निर्दिष्ट करें) प्रविष्टि सं. 13 के समक्ष सूचीबद्ध तीन इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफिशनलों में से प्राधिकृत प्रतिनिधि की अपनी पसंद को दर्शाएं।
दावे का गलत अथवा भ्रामक प्रमाणों को जमा करने पर दंडित किया जा सकता है।
दावे का प्रमाण भारत दिवाला तथा दिवालिया मंडल (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के चैप्टर IV के अनुसार जमा किया जाएगा। दावे का प्रमाण निम्न विनिर्दिष्ट प्रपत्रों में जमा किए जा सकते हैं।
प्रपत्र बीः कर्मियों तथा कर्मचारियों को छोड़कर ऑपरेशनल क्रेडीटर्स द्वारा दावे;
प्रपत्र सीः वित्तीय क्रेडीटर्स द्वारा दावे;
प्रपत्र सीएः किसी वर्ग में वित्तीय क्रेडीटरों द्वारा दावे (रीअल इस्टेट परियोजना के अंतर्गत)
प्रपत्र डीः कर्मियों अथवा कर्मचारियों द्वारा दावे;
प्रपत्र ईः कर्मियों तथा कर्मचारियों के किसी प्राधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा जमा किए गये दावे
प्रपत्र एफः वित्तीय क्रेडीटरों तथा ऑपरेशनल क्रेडीटरों के अतिरिक्त क्रेडीटरों द्वारा दावे

हस्ता/-
मोह. नजीम खान
अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफिश्नल
आईपी पंजी. सं.: IBBI/IPA-002/IP-N00076/2017-18/10207

तिथिः 20 नवम्बर, 2019
स्थानः नई दिल्ली

भारत का 50वां अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह | **बातचीत** | गोवा में जमा हैं बॉलीवुड फिल्मी सितारे

फिल्म उद्योग में पुरुष वर्चस्व ज्यादा : तापसी

अजित राय

सांड की आंख, मनमर्जियां, पिंक, बदला और मुल्क जैसी फिल्मों से चर्चा में आईं अभिनेत्री तापसी पन्नू का कहना है कि भारतीय फिल्म उद्योग में पुरुष वर्चस्व बहुत ज्यादा है और स्त्रियों को बराबरी में आने में अभी बहुत वक्त लगेगा। तापसी पन्नू भारत के 50 वें अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में वुमन इन लीड विषय पर संवाद में बोल रही थी।

उन्होंने कहा कि जैसे ही कोई स्त्री केंद्रित फिल्म बननी शुरू होती है, प्रोड्यूसर बजट कम कर देते हैं। कई बार तो बड़े फिल्म स्टार के पारिश्रमिक के आधे में ही ऐसी फिल्में बन जाती है। यह हालत तब तक नहीं बदलेगी जब तक बड़ी संख्या में स्त्रियां प्रोड्यूसर नहीं बनती। उन्होंने कहा कि उन्हें कई बार औरत होने के नाते इस भेदभाव का शिकार होना पड़ा है। कई बार तो निर्देशक की इच्छा के बावजूद प्रोड्यूसर के दबाव के कारण उन्हें फिल्म में नहीं लिया गया। कई तटस्थ और लिंगभेद से परे लिखी पटकथा पर बनने वाली फिल्म में उनकी जगह पुरुष कलाकार को ले लिया गया। उनका सपना है कि वे अवेंजर्स जैसी फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाएं जो अक्सर पुरुष निभाते हैं।

तापसी पन्नू ने कहा कि भारतीय मुख्य धारा के सिनेमा में पुरुष वर्चस्व के कारण ही हाल तक औरतों के लिए दो ही तरह की भूमिकाएं लिखी जाती थी।

तापसी पन्नू ने कहा कि भारतीय मुख्य धारा के सिनेमा में पुरुष वर्चस्व के कारण ही हाल तक औरतों के लिए दो ही तरह की भूमिकाएं लिखी जाती थी। एक वैंप यानी चुड़ैल या बुरी औरत और दूसरी माता टाइप औरत। स्त्री केंद्रित फिल्म या तो अच्छी होती है या खराब। पर हमारे यहां पुरुष वर्चस्व वाली खराब फिल्में भी बॉक्स आफिस पर अच्छा खासा कारोबार कर लेती है। उन्होंने कहा कि फिल्म और अभिनय उनके लिए जीवन मरण का मामला नहीं है। यही जीवन का अंत नही है। यह जीवन का केवल एक हिस्सा है। मैं फिल्में मजे के लिए करती हूं। जिस दिन लगेगा कि मुझे अभिनय में मजा नहीं आ रहा, मैं फिल्म छोड़ कर कोई दूसरा काम करूंगी। फिल्म में मेरा काम तभी सफल माना जाएगा जब दर्शक सिनेमाघरों से बाहर निकलने के बाद भी मुझे याद रखें।

उन्होंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में कोई भी एक व्यक्ति न तो उनका गॉड फादर है न मेंटर। हर वह निर्देशक जिसके साथ उन्होंने काम किया। उनका मेंटर है चाहे अनुराग कश्यप हों या नीरज पांडे या डेविड धवन हो या शूजित सरकार। सांड की आंख फिल्म में अपनी उम्र से चालीस साल बड़ी औरत की भूमिका पर उन्होंने कहा कि उन्हें पटकथा बहुत पसंद आई और इसमें बहुत कुछ नया करने की गुंजाइश थी।

उन्होंने कहा कि वे दक्षिण भारतीय सिनेमा की शुक्रगुजार हैं क्योंकि उनकी पहली फिल्म तमिल में बनी और खूब चली। दक्षिण भारत की फिल्मों ने मुझे सिनेमा सिखाया, मुझे अभिनेत्री बनाया। मैंने सपने में भी नहीं सोचा कि दक्षिण भारतीय फिल्मों का सीढ़ी की तरह बालीवुड में जाने के लिए इस्तेमाल करूंगी।

उन्होंने कहा कि वे फिनीक्स पक्षी की तरह अपनी ही राख से बार-बार जीवित होने की कला सीख गई है। एक वह भी दौर था कि जब तीन-चार तेलुगू फिल्में असफल हुई तो मैं हैदराबाद में अकेली पड़ गई। प्रोड्यूसरों के दबाव में कोई निर्देशक चाह कर भी मुझे अपनी फिल्म में लेने को तैयार नहीं था। फिर भी मैंने हिम्मत नहीं हारी क्योंकि सिनेमा मेरे लिए जीवन का अंत नहीं है।

खबर कोना

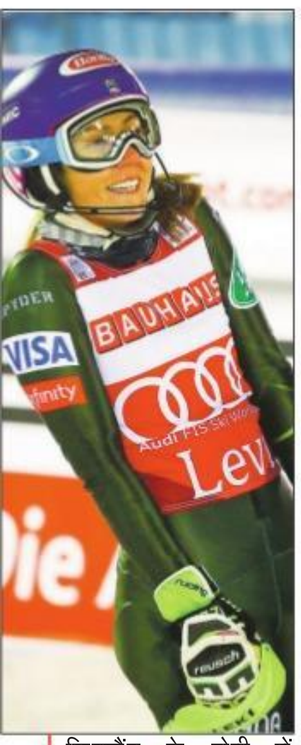

फिनलैंड के लेवी में शनिवार को अल्पाइन स्की प्रतियोगिता में संयुक्त राज्य अमेरिका की मिकाएला शिफ्रिन।

विजेंदर ने लगातार 12वां पेशेवर खिताब जीता

दुबई, 23 नवंबर (भाषा)।

भारतीय मुक्केबाजी स्टार विजेंदर सिंह ने घाना के पूर्व राष्ट्रमंडल चैंपियन चार्ल्स अडामू को हराकर लगातार 12वीं जीत दर्ज की। इसके साथ ही पेशेवर सर्किट में उनका चार साल का अपराजेय अभियान कायम रहा। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता 34 साल के विजेंदर डब्ल्यूबीओ एशिया पेसीफिक और ओरिएंटल सुपर मिडिलवेट खिताब जीत चुके हैं। उन्होंने आठ दौर के मुकाबले में अडामू को हराया। विजेंदर ने जीत के बाद कहा, 'यह अच्छा मुकाबला था। चार्ल्स अडामू अच्छा मुक्केबाज है लेकिन मैं पूरी तरह से तैयार था। मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं।' विजेंदर की नजरें अगले साल विश्व खिताब जीतने पर लगी है।

मानवादित्य ने अनुष्का के साथ मिलकर ट्रैप मिश्रित टीम खिताब जीता

नई दिल्ली, 23 नवंबर (भाषा)।

राजस्थान के मानवादित्य सिंह राठौड़ ने शनिवार को यहां चल रही शाटगन राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अनुष्का सिंह भाटी के साथ मिलकर मिश्रित टीम ट्रैप खिताब जीतकर दो दिन के भीतर तीसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। शुक्रवार को व्यक्तिगत जूनियर पुरूष ट्रैप और टीम खिताब जीतने वाले मानवादित्य ने अनुष्का के साथ मिलकर मध्यप्रदेश के प्रियांशु पांडे और मनीषा कीर को शूटआफ में 3-2 से शिकस्त दी। दोनों जोड़ियां 50 शाट के बाद 37-37 अंक से बराबरी पर थीं। हरियाणा ने जूनियर मिश्रित टीम ट्रैप स्पर्धा जीती। भौवनीश मेंदिरत्ता और किरन ने दिल्ली के कबीर शर्मा और कीर्ति गुप्ता को स्वर्ण पदक के मैच में 47-40 से मात दी।

शशि मुकुंद ने पाक के खिलाफ डेविस कप से नाम वापस लिया

नई दिल्ली, 23 नवंबर (भाषा)।

युवा शशि कुमार मुकुंद ने पैर की चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ डेविस कप मुकाबले से नाम वापिस ले लिया। मुकुंद टीम में रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर शामिल थे। उन्हें पुर्तगाल में एक टूर्नामेंट खेलते हुए चोट लगी। भारत के डेविस कप कोच जीशान अली ने कहा, 'शशि हमारे साथ नहीं जाएगा। उसने बताया कि उसे पूरव राजा के साथ युगल मैच खेलते हुए चोट लगी।' इससे पहले रोहन बोपन्ना भी कंधे की चोट के कारण पीछे हट गए थे। जीशान ने कहा कि वह एन श्रीराम बालाजी को नूर सुल्तान ले जाना चाहते हैं लेकिन इतने कम समय में वीजा मिलना मुश्किल है। बालाजी को आठ सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया था लेकिन वह अभ्यास शिविर में टीम के साथ है।

कोहली का शतक, गेंदबाजों का कहर

347 रनों पर घोषित की पारी भारत ने | दिन-रात टैस्ट | जीत के लिए चार विकेट की दरकार

कोलकाता, 23 नवंबर (भाषा)।

विराट कोहली ने गुलाबी गेंद की परीक्षा में खरा उतरते हुए शनिवार को बेहतरीन शतक जमाया। वहीं ईशांत शर्मा ने लगातार दूसरी पारी में शानदार गेंदबाजी की। लेकिन अनुभवी मुशफिकुर रहीम की प्रतिबद्ध पारी ने भारत का बांग्लादेश पर जीत का इंतजार तीसरे दिन तक बढ़ा दिया। कोहली ने 194 गेंदों पर 136 रन बनाए और वह दिन रात टैस्ट मैच में शतक जड़ने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। भारत ने अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 347 रन बनाकर घोषित की और इस तरह से 241 रन की बढ़त हासिल की।

दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक बांग्लादेश ने छह विकेट पर 152 रन बनाए

पहली पारी में केवल 106 रन बनाने वाले बांग्लादेश की शुरुआत फिर से खराब रही और उसने चार विकेट 13 रन पर गंवा दिए। इसके बाद मुशफिकुर (नाबाद 59) ने बखूबी जिम्मेदारी संभाली जिससे बांग्लादेश ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक छह विकेट पर 152 रन बनाए हैं। उसे पारी की हार से बचने के लिए अब भी 89 रन की जरूरत है।

मुशफिकुर को छोड़कर केवल महमुदुल्लाह (रिटायर्ड हर्ट 39) ही भारतीय गेंदबाजों का सामना कर पाए। पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले ईशांत ने फिर से कातिलाना गेंदबाजी की और अब तक वह 39 रन देकर चार विकेट ले चुके हैं। उमेश यादव (40 रन देकर दो) ने बाकी दो विकेट लिए हैं। भारतीय तेज गेंदबाजों का बांग्लादेश के बल्लेबाजों में आतंक का यह आलम था कि मोहम्मद मिथुन सिर पर चोट खाने वाले उसके तीसरे बल्लेबाज बने। वह ईशांत के बाउंसर को झुककर नहीं खेल पाए। इससे पहले मोहम्मद शमी के बाउसंर पर उसके दो बल्लेबाज (लिटन दास और नईम हसन) चोटिल हो चुके हैं और उनकी जगह स्थानापन्न खिलाड़ियों को लेना पड़ा।

कोहली ने पोंटिंग के रेकार्ड की बराबरी की

विराट कोहली ने बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को दूसरी पारी में शतक लगाकर कप्तान के रूप में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों को मिलाकर सबसे ज्यादा 41 शतक लगाने वाले आस्ट्रेलियाई दिग्गज रिकी पोंटिंग की बराबरी की।

कुल 70वां जबकि टैस्ट में 27वां शतक कोहली के करियर का यह। भारतीय कप्तान के तौर पर टैस्ट में कोहली की यह 20वीं शतकीय पारी है उन्होंने इस मामले में पोंटिंग को पछाड़ दिया जिन्होंने कप्तान के तौर पर 19 शतक लगाए थे।

इस मामले में वह दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ (25 शतक) के बाद दूसरे स्थान पर हैं।

शुक्रवार को कोहली ने कप्तान के रूप में सबसे कम पारियों में 5000 टैस्ट रन पूरे करने का नया रेकार्ड बनाया था।

कोहली पहले भारतीय कप्तान हैं जिन्होंने कप्तान के रूप में 5000 टैस्ट रन पूरे किए।

विश्व क्रिकेट में हालांकि वह इस मुकाम पर पहुंचने वाले छठे कप्तान बन गए हैं।

भारतीय टीम के एडीलेड में दिन रात का टैस्ट खेलने की उम्मीद : वार्न

मेलबर्न, 23 नवंबर (भाषा)।

भारतीय टीम के दिन रात के पहले टैस्ट के बीच आस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वार्न ने उम्मीद जताई है कि विराट कोहली की टीम आस्ट्रेलिया में अगले साल दिन रात का टैस्ट खेलेगी। वार्न ने बीसीसीआइ के नए अध्यक्ष सौरव गांगुली और कप्तान कोहली को बधाई दी।

उन्होंने गांगुली के एक ट्वीट पर जवाब दिया, 'आपको और कोहली को दिन रात का टैस्ट खेलने पर राजी होने के लिए बधाई। मुझे उम्मीद है कि भारतीय टीम एडीलेड में फिर टीम दिन रात का टैस्ट खेलेगी। यह शानदार होगा।' इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान ने कहा, 'शाबास सौरव। उम्मीद है कि टीम अगली बार आस्ट्रेलिया में भी दिन रात का मैच खेलेगी।' भारतीय टीम अगले साल नवंबर से आस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी जहां उसे चार टैस्ट खेलने हैं।

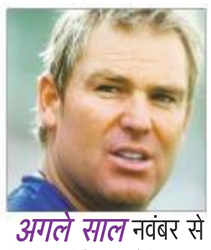

अगले साल नवंबर से आस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगा भारत जहां उसे चार टैस्ट खेलने हैं।

एशियाई अंडर-15 चैंपियनशिप के दूसरे दिन भारत ने जीते छह स्वर्ण

नई दिल्ली, 23 नवंबर (भाषा)।

भारतीय पहलवानों ने चीन के ताइजुंग में चल रही एशियाई अंडर-15 कुश्ती चैंपियनशिप के दूसरे दिन शनिवार को भी शानदार प्रदर्शन करते हुए छह स्वर्ण पदक जीते। विश्व कैडेट चैंपियन कोमल ने (39 किग्रा) स्वर्ण जीतकर शुरुआत की। कोमल के अलावा लड़कियों के वर्ग में सलोनी (33 किग्रा) और बबली (36 किग्रा) ने भी सोने के तमगे जीते।

भारतीय लड़कों ने फ्रीस्टाइल में दूसरे दिन भी वर्चस्व कायम रखा। आकाश ने 48 किलोग्राम भारवर्ग में जापान के डाइकी ओग्वा को 8-3 से हराकर जीत हासिल की।

पदार्पण कर रहे उदित कुमार ने 57 किलोग्राम भारवर्ग में भारत को रजत पदक दिलाया। कपिल ने 52 किलोग्राम भारवर्ग में कपिल ने कांस्य पदक जीता।

गुलाबी गेंद को देखना लाल गेंद से आसान : गांगुली

कोलकाता, 23 नवंबर (भाषा)।

पहले दिन-रात टैस्ट मैच में गेंद की दृश्यता को लेकर चल रही चर्चा पर बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि पारंपरिक टैस्ट मैचों में इस्तेमाल होने वाली लाल गेंद के मुकाबले गुलाबी गेंद को देखना 'आसान' है। शाम के समय में गुलाबी गेंद की दृश्यता को लेकर सवाल उठ रहे थे।

पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, 'इसे देखना लाल गेंद से भी आसान है।' गांगुली ने हालांकि आस्ट्रेलिया में दिन-रात टैस्ट मैच खेलने के बारे में पूछे जाने पर कुछ नहीं बोलना बेहतर समझा। देश में गुलाबी गेंद से पहले टैस्ट की मेजबानी में अहम भूमिका निभाने वाले गांगुली ने कहा कि मैदान में दर्शकों की भीड़ को देख कर उन्हें काफी खुशी हुई।

उन्होंने कहा, 'सबसे अहम यह है कि इतने सारे लोग मैच देखने आए। मैं किसी दबाव में नहीं था लेकिन व्यस्त था।' गांगुली ने मैच के पहले दिन बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की उपस्थिति के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

उन्होंने बांग्लादेश के राष्ट्रपिता शेख मुजीबुर रहमान की 100वीं जयंती के मौके पर अगले साल खेले जाने वाले एशियाई आल स्टार एकादश और विश्व एकादश के बीच खेले जाने वाले दो टी20 मैचों के दौरान मौजूद रहने का वादा किया।

गुलाबी गेंद से टैस्ट की मेजबानी में अहम भूमिका निभाने वाले गांगुली ने कहा कि मैदान में दर्शकों की भीड़ को देख कर उन्हें खुशी हुई।

कोलकाता के ईडन गार्डंस में चल रहे भारत- बांग्लादेश के बीच पहले दिन रात टैस्ट के दौरान भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली और टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा

फुटबाल इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबाल मैच के दौरान लंदन स्टेडियम में वेस्ट हैम और टोटेनहैम के खिलाड़ी।

मध्य प्रदेश में खिलाड़ियों को नौकरी में आरक्षण

भोपाल, 23 नवंबर (भाषा)।

मध्य प्रदेश में खिलाड़ियों को भी अब शासकीय नौकरियों में पांच प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलेगा। इसके अलावा, स्कूली स्तर पर खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए अंडर-16 प्रांतीय ओलंपिक शुरू किया जाएगा। मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री जीतू पटवारी ने शनिवार को ग्वालियर के कम्पू खेल परिसर में प्रांतीय ओलंपिक खेलों का शुभारंभ करते हुए यह घोषणा की।

पटवारी ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में लगातार पदक हासिल करने के बाद भी खिलाड़ियों को नौकरी से वंचित रहना पड़ता है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री (कमलनाथ) की मंशा अनुसार नई खेल नीति में यह व्यवस्था की जा रही है कि शासकीय नौकरी में खिलाड़ियों को पांच प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिल सके।' उन्होंने कहा कि अंडर-16 प्रांतीय ओलंपिक में सीबीएसई, सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बच्चे शामिल होंगे।

घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए ऋषभ पंत और शुभमन गिल बाहर | **चयन** | ऋषभ वेस्ट इंडीज के खिलाफ टी20 और वनडे मैच खेलेंगे

पंत, गिल भारतीय टैस्ट टीम से बाहर, भरत टीम में

कोलकाता/नई दिल्ली, 23 नवंबर (भाषा)।

भारतीय चयन समिति ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ अगले महीने होने वाली एक दिवसीय श्रृंखला से पहले घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए ऋषभ पंत और शुभमन गिल को टैस्ट टीम से रिलीज करने का फैसला किया है।

आंध्र के विकेटकीपर बल्लेबाज कोना श्रीकर भरत बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे और आखिरी क्रिकेट टैस्ट के बाकी खेल में रिधिमान साहा के कवर के तौर पर टीम से जुड़ेंगे।

बीसीसीआइ के एक सीनियर सूत्र ने कहा, 'ऋषभ वेस्ट इंडीज के खिलाफ टी20 और वनडे मैच खेलेंगे। चयनकर्ताओं ने उन्हें दिल्ली के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्राफी में खेलने को कहा है।' ऋषभ अब दिल्ली के अगले दो सुपर लीग मैचों में खेलने के लिए उपलब्ध होंगे। दिल्ली को हरियाणा के खिलाफ 24 नवंबर को और राजस्थान से 27 नवंबर को खेलना है। दूसरी ओर शुभमन अगले दो सुपर लीग मैचों में पंजाब के लिए खेलेंगे। पंजाब को 24 नवंबर को कर्नाटक से और 25 नवंबर को तमिलनाडु से खेलना है।

बीसीसीआइ के एक सीनियर सूत्र ने कहा, 'ऋषभ वेस्ट इंडीज के खिलाफ टी20 और वनडे मैच खेलेंगे। चयनकर्ताओं ने उन्हें दिल्ली के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्राफी में खेलने को कहा है।' ऋषभ अब दिल्ली के अगले दो सुपर लीग मैचों में खेलने के लिए उपलब्ध होंगे। *दूसरी ओर* शुभमन अगले दो सुपर लीग मैचों में पंजाब के लिए खेलेंगे।

घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले भरत ने 69 प्रथम श्रेणी मैचों में 3909 रन बनाए हैं जिसमें आठ शतक और 20 अर्धशतक शामिल हैं।

भरत ने कहा, 'मैने लखनऊ में दलीप ट्राफी में गुलाबी गेंद से खेला है। मुझे शाम को टीम से जुड़ने को कहा गया है। मैं अपने आदर्श विराट भाई के साथ ड्रेसिंग रूम में रहने को लेकर बेकरार हूं।'

आइसीसी के नियमों के अनुसार नियमित विकेटकीपर को चोट लगने पर ही स्थानापन्न विकेटकीपर को उतारा जा सकता है। ऐसे में भरत को सिर्फ एहतियात के तौर पर बुलाया गया है।

छेत्री ने दिलाई बंगलुरू को जीत

बंगलुरू, 23 नवंबर (भाषा)।

कप्तान सुनील छेत्री के 55वें मिनट में किए गए गोल के दम पर बंगलुरू एफसी ने शनिवार को श्रीकांतीरावा स्टेडियम में खेले गए इंडियन सुपर लीग (आइएसएल) फुटबाल टूर्नामेंट के मैच में केरल ब्लास्टर्स को 1-0 से हराया। बंगलुरू की यह वर्तमान सत्र की दूसरी जीत है जबकि ब्लास्टर्स को तीसरी हार का सामना करना पड़ा। इस जीत से बंगलुरू को तीन अंक मिले और उसके अब पांच मैचों में दो जीत और तीन ड्रॉ के साथ नौ अंक हो गए हैं और वह दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। भारतीय टीम के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के कारण बीच में विश्राम के बाद यह आइएसएल का पहला मैच था जिसमें पहला हाफ गोलरहित छूटा, लेकिन 55वें मिनट में दिमास डेल्गाडो की कार्नर किक पर गोल करके टीम को बढ़त दिलाई।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 37, अंक 7, *हवाई शुल्क:* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

जनसत्ता रविवारी

• 24 नवंबर, 2019 •

जग दर्शन का मेला

भारत मेलों का देश है। यहां साल भर कोई न कोई बड़ा मेला आयोजित होता है। पर अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले की बात ही कुछ और है। दिल्ली में हर साल आयोजित होने वाले इस मेले में न सिर्फ देश भर से कारोबारी और व्यापारी, निर्माता-उत्पादक, दस्तकार हिस्सा लेते हैं, बल्कि दुनिया के अनेक देशों की भी इसमें उत्साहजनक हिस्सेदारी होती है। यह मेला यों तो व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है, पर इसमें सामान्य नागरिक भी खूब उत्साह के साथ भाग लेते हैं। वे इसमें विभिन्न राज्यों और देशों के खानपान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेते और मनचाही खरीदारी करते हैं। इस बार के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के बारे में बता रहे हैं सुशील राघव।

मेला' शब्द सुनते ही हमारे दिमाग में रंग-बिरंगी बत्तियों से सजे झूले, खिलौने, मिठाइयां खासकर जलेबी और मौज-मस्ती करते हुए बच्चों के दृश्य सामने आने लगते हैं। भारत में साल में छोटे-बड़े सैकड़ों मेले लगते हैं, जिनमें से अधिकतर धार्मिक मेले हैं। इसके अलावा कुछ मेले मौसम के बदलाव के समय लगते हैं। सबसे बड़े मेलों की बात करें तो इनमें कुंभ मेला, सोनपुर मेला, पुष्कर मेला, हेमिस गोम्पा मेला, चंद्रभागा मेला, गंगासागर मेला, अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला आदि प्रमुख हैं।

कुंभ मेला हर बारह साल में एक स्थान पर आयोजित होता है। यह मेला चार स्थानों प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में आयोजित होता है। कुंभ हिंदुओं का सबसे बड़ा मेला है। इस दौरान श्रद्धालु पवित्र नदियों (गंगा, यमुना, क्षिप्रा या गोदावरी) में डुबकी लगाते हैं। बिहार में लगने वाला सोनपुर मेला पशुओं की खरीदारी के लिए जाना जाता है। यह गंगा और गंडक नदियों के किनारे आयोजित होता है। सोनपुर मेला अपनी तरह का दुनिया में अकेला मेला है। इस मेले का मुख्य आर्कषण हाथी बाजार होता है, जहां पर बड़ी संख्या में हाथियों की खरीद-फरोख्त की जाती है। अच्छे पशुओं की खरीदारी के लिए पूरे एशिया से लोग यहां आते हैं। सोनपुर मेले में जहां सभी पशुओं की खरीद-फरोख्त होती है, वहीं पुष्कर मेला ऊंटों के बाजार के रूप में जाना जाता है। पुष्कर झील के किनारे आयोजित होने वाले इस मेले में दुनिया भर से लोग ऊंट खरीदने के लिए आते हैं, जिनमें इजरायल से सबसे अधिक लोग आते हैं। हेमिस गोम्पा मेले का भारतीय बौद्ध लोगों के बीच विशेष महत्त्व है। हर साल जनवरी-फरवरी के दौरान यह मेला लद्दाख स्थित हेमिस गोम्पा बौद्ध मठ के पास आयोजित किया जाता है। इस मेले में हजारों लोग जुटते हैं। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के नजदीक आयोजित होने वाले चंद्रभागा मेले को माघ सप्तम मेला भी कहते हैं। फरवरी में आयोजित होने वाले इस मेले में आने वाले श्रद्धालु चंद्रभागा नदी में डुबकी लगाते हैं और विश्व प्रसिद्ध कोणार्क सूर्य मंदिर के दर्शन करते हैं। कुंभ के बाद सबसे अधिक लोग गंगासागर मेले में जुटते हैं। पश्चिम बंगाल में जहां गंगा नदी बंगाल की खाड़ी से मिलती है, वहीं इस मेले का आयोजन होता है। इस दौरान लाखों लोग पवित्र नदी में डुबकी लगाते हैं। ■

दिल्ली का अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला

सभी मेलों में दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित होने वाला भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आइआइटीएफ) सबसे अलग है। हर साल 14 से 28 नवंबर के बीच आयोजित होने वाले इस मेले का संबंध न तो किसी धार्मिक आयोजन से है और न ही यह किसी नदी के नट पर आयोजित होता है। जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, यह मेला मुख्य रूप से व्यापार के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। इस साल मेले में आठ सौ से अधिक देसी-विदेशी कंपनियां भाग ले रही हैं। ये कंपनियां अपने उत्पाद लेकर मेले में आई हैं और उन्हें ऐसे व्यापारियों का इंतजार है, जो उनके साथ बड़े सौदे करें। हर साल ये कंपनियां यहां से करोड़ों रुपए के सौदे करके जाती हैं।

इसके अलावा आम दिनों में दिल्ली और आसपास के शहरों के लोग बड़ी संख्या में मेले में पहुंचते हैं। ये लोग खरीदारी करने के साथ मेले का भरपूर आनंद उठाते हैं। फिर चाहे ये विभिन्न राज्यों के व्यंजनों को चखें या मेले में आए नए उत्पादों के बारे में जानकारी लें। मेले में कई बार नए उत्पाद लांच होते हैं, ऐसे में दर्शकों के पास ऐसे उत्पादों को सबसे पहले खरीदने का विकल्प भी होता है। इसके अलावा मेले में विभिन्न उत्पादों पर छूट भी होती है। खरीदारी के समय लोग छूट का भरपूर फायदा उठाते हैं। मेले में कई तरह की छोटी-मोटी प्रतियोगिताएं भी आयोजित होती हैं। इनमें भाग लेकर दर्शक मनोरंजन के साथ इनाम भी जीतते हैं।

मेले में ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, बांग्लादेश, भूटान, चीन, हांगकांग, इंडोनेशिया सहित कई देश हर साल की तरह अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। अफगानिस्तान को इस साल के आइआइटीएफ में भागीदार देश और दक्षिण कोरिया को फोकस देश बनाया गया है। वहीं बिहार और झारखंड को फोकस राज्य का दर्जा दिया गया है।

इंडिया ट्रेड प्रमोशन आर्गनाइजेशन (आइटीपीओ) की ओर से आयोजित इस मेले में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अलावा कुछ अन्य देशों की संस्कृति की झलक दिखाई देती है। इतना ही नहीं, यहां सभी राज्यों के मशहूर पकवानों का भी लुत्फ उठाया जा सकता है। इनमें बिहार का लिट्टी चोखा सबसे आगे है। इसके अलावा राजस्थान की गजक, तिलपट्टी और खोए के लड्डू भी लोगों को खूब भा रही है। आप यहां महाराष्ट्र का वडा पाव, मध्यप्रदेश के पोहे और नमकीन, पश्चिम बंगाल की मीठी दही, गुजरात का ढोकला, तेलंगाना की बिरयानी, गोवा की फिश करी, पूर्वोत्तर राज्यों के पकवान आदि का स्वाद चखा जा सकता है।

अफगानिस्तान के मेवे

यहां आपको अफगानिस्तान के सूखे मेवे मिलेंगे, तो कोरिया से आया तकनीकी समान भी आसानी से मिल जाएगा। अफगास्तिान के स्टॉल पर बादाम, अंजीर, अखरोट, किशमिश आदि उपलब्ध हैं। अफगास्तिान के स्टाल से सफेद शहद भी खरीदा जा सकता है, जिसमें औषधीय गुण हैं। यहां के करीब एक-एक किलो के अनार भी दर्शकों को खूब लुभा रहे हैं। सूखे मेवे के अलावा यहां से कालीन और संगमरमर का सामाना भी खरीदा जा सकता है। अगर आपको कतर के कपड़े पसंद हैं तो आप व्यापार मेले से कतर से आए कपड़ों की खरीदारी भी कर सकते हैं। कतर से विशेष रूप से महिलाओं के कपड़े मेले में आए हैं। इतना ही नहीं, भूटान के अचार का जायका भी व्यापार मेले में लिया जा सकता है। इसके अलावा पापड़, कॉर्न फ्लेक्स, टोमैटो प्यूरे आदि खरीद सकते हैं। थाईलैंड के स्टॉल से महिलाओं के बैग, मेकअप का सामान, आभूषण आदि खरीदे जा सकते हैं।

कलाओं का जीवंत प्रदर्शन

बिहार मंडप को मधुबनी पेंटिंग से सजाया गया है, जिसके लिए विशेष रूप से बिहार से कलाकारों को बुलाया गया था। मंडप में बिहार की चार प्रमुख शिल्प कलाओं का जीवंत प्रदर्शन (लाइव डेमो) किया जा रहा है। टेराकोटा शिल्क का लाइव डेमो राज्य पुरस्कार विजेता पटना की नीतू सिन्हा, टीकुली कला का लाइव डेमो राज्य पुरस्कार विजेता सबीना इमाम, सिक्की कला की जीवंत प्रदर्शन रैयाम मधुबनी की राज्य पुरस्कार विजेता मुन्नी देवी और कैमूर से राज्य पुरस्कार विजेता संतोष कुमार गुप्ता स्टोन क्राफ्ट का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बार बिहार मंडप में हथकरघा और हस्तकला के सोलह स्टॉल हैं। इन स्टॉलों पर बिहार के पारंपरिक हस्तकलाओं एवं हस्तकरघा उत्पाद जिनमें नालंदा का बाबन बूटी, भागलपुर का सिल्क, मिथिलांचल का मधुबनी पेंटिंग, पटना की टीकुली कला इत्यादि को स्थान दिया गया है।

तिहाड़ के कैदियों की बनाई मिठाइयां

तिहाड़ जेल में सजा काट रहे कैदियों की बनाई मिठाइयां पहली बार दिल्ली मंडप में उपलब्ध हैं। यहां से बूंदी के लड्डू, रसगुल्ला सहित अन्य मिठाइयां खरीदी जा सकती हैं। इसके अलावा बिस्कुट और देसी मसाले भी उपलब्ध हैं। दिल्ली मंडप में मोहल्ला क्लीनिक भी बनाया गया है। इस क्लीनिक पर दर्शक स्वास्थ्य संबंधित जानकारी जुटा रहे हैं। यहां पर डॉक्टरों की एक टीम भी तैनात हैं, जो दर्शकों को प्राथमिक उपचार दे रही है। यहां पर दर्शकों को दिल्ली सरकार की इस लाभकारी सेवा के बारे में जानकारी दी जा रही है।

सरदार पोस्ट की पवित्र मिट्टी

सीआरपीएफ मंडप में रखे गए सरदार पोस्ट की पवित्र मिट्टी उन वीर जवानों के शौर्य की गाथा सुना रही है, जिन्होंने पाकिस्तान की सेना का डट कर मुकाबला किया था और उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था। भारतीय सीमा क्षेत्र पर अधिकार करने के लिए 9 अप्रैल, 1965 की सुबह तीन बजे पाकिस्तान की 51वीं ब्रिगेड ने अपने साढ़े तीन हजार सैनिकों के साथ रण ऑफ कच्छ की टाक और सरदार पोस्ट पर हमला किया। लेकिन हर बार की तरह पाकिस्तान को भारत के वीर जवानों ने करारा जवाब दिया। इस युद्ध में कई जवान शहीद भी हुए। सीआरपीएफ मंडप में बच्चे से लेकर बुजुर्ग अपने जवानों के शौर्य को देखने के लिए रहे हैं और सरदार पोस्ट की मिट्टी को देख भावुक भी हो रहे हैं।

साबरमती आश्रम

मेले में खादी ग्रामोद्योग के मंडप में इस बार साबरमती आश्रम बनाया गया है। यहां पर साबरमती आश्रम में मौजूद चीजों को दिखाने की कोशिश की गई है। देश ने हाल ही में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की डेढ़ सौवीं जयंती मनाई, इसी को आगे बढ़ाते हुए खादी ग्रामोद्योग ने साबरमती आश्रम को व्यापार मेले में जीवंत करने की पूरी कोशिश की है। खादी ग्रामोद्योग मंडप से दर्शक अपने पसंद के खादी वस्त्र खरीद सकते हैं। कुछ वस्त्रों पर छूट भी उपलब्ध कराई जा रही है।

बरतन-भांड़े

इथियोपिया के स्टॉल पर 449 रुपए प्रति किलो के हिसाब से बरतन-भांडे यानी क्रॉकरी खरीदी जा सकती है। स्टॉल संचालक के मुताबिक प्लास्टिक की प्लेट, कटोरी, डोंगे आदि को 449 रुपए प्रति किलो के हिसाब से बेचा रहा है और लोग इनकी खूब खरीदारी कर रहे हैं। इसके अलावा इथियोपिया के स्टॉल से कांच और बोन चाइना की भी क्रॉकरी खरीदी जा सकती है।

सेल्फी कार्नर हैं खास

पूरे मेला क्षेत्र में कई सेल्फी कार्नर और प्वाइंट बनाए गए हैं। अर्धसैनिक बल ने पब्लिक के लिए खास सेल्फी कार्नर का इंतजाम किया है, जहां आप अपने परिवार के साथ बंदूकों और वहां मौजूद सैनिकों के साथ सेल्फी ले सकेंगे। इसके अलावा खादी ग्रामोद्योग के मंडप में हर साल की तरह गांधीजी के साथ फोटो खिंचवाने का इंतजाम किया गया है। फोटो में ऐसा लगता है जैसे गांधीजी आपसे बातचीत कर रहे हों। इसके अलावा लोगों को आकर्षित करने के लिए हर मंडप में एक-दो स्थानों में सेल्फी कार्नर या प्वाइंट बनाया गया है। इतना ही नहीं, सीआरपीएफ मंडप में जवान दर्शकों को अस्त्रों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। ज्यादातर लोग एके-47 के बारे में जानने के लिए आतुर दिखे। एके-47 की गोली तीन सौ मीटर की दूरी तय कर सकती है। इसके साथ पंद्रह किलो वजन की तोप भी आकर्षण का केंद्र बन रही है।

हस्तशिल्प की भरमार

बिहार व पश्चिम बंगाल के जूट के सामान और झारखंड के बांस के बने सजावट के सामान की लोगों के बीच बहुत अधिक मांग है। बिहार मंडप में जूट की गुड़िया, फूलदान, तस्वीरें, पंखे, झालर, लटकने वाली टोकरियां आदि उपलब्ध हैं। पश्चिम बंगाल मंडप में कई तरह के डिजाइन जूट के थैले उपलब्ध हैं। झारखंड मंडप में बांस के बॉक्स, पेंसिल रखने वाले बॉक्स, बांस का पेट्रोमैक्स के अलावा कई तरह के सजावट के सामान उपलब्ध हैं। सौ रुपए से लेकर कई हजार रुपए तक की सजावट की वस्तुएं खरीदी जा सकती हैं। ■

मेले के बाहर मेला

प्रगति मैदान के अंदर अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला के साथ बाहर भी एक मेला लगता है। छोटे-छोटे दुकानदार खाने-पीने की चीजों से लेकर किताबें, छोटे-मोटे आभूषण, खिलौने आदि बेचते आसानी से दिख जाएंगे। पापड़ बेचने वाले एक शख्स ने बताया कि व्यापार मेले के दौरान उनकी कुछ अच्छी आमदनी हो जाती है। इसलिए वे हर साल मेले के बाहर पापड़ बेचने आते हैं। इसी तरह बच्चों के छोटे खिलौने और गुब्बारे आदि यहां कम दाम पर मिल जाते हैं, जिन्हें पाकर बच्चे भी खुश हो जाते हैं। हर साल मेला देखने आने वाले संजय ने बताया कि मैं मेले के बाहर से जरूर कुछ न कुछ खरीदता हूं। उन्होंने बताया कि बाहर चीजें बेचने वालों के पास यदि पर्याप्त धन होता तो वे बाहर की जगह अंदर अपना सामान बेचते, लेकिन उनकी आर्थिक स्थिति सही नहीं है। उन्होंने कहा कि वे मदद के भाव से बाहर से भी खरीदारी करते हैं।

पूरे साल करते हैं इंतजार

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का दिल्लीवालों के साथ आसपास के शहरों में रहने वाले लोग पूरे साल इंतजार करते हैं। कुछ लोग सूखे मेवे, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ों आदि की खरीदारी व्यापार मेले से ही करते हैं। राजू पार्क में रहने वालीं पिंकी बताती हैं कि यदि आपको किसी राज्य विशेष का कोई कपड़ा या अन्य सामान लेना है, तो उसके लिए आपको व्यापार मेले का इंतजार करना ही पड़ता है। उन्होंने बताया कि यदि आप लखनऊ की चिकनकारी के कपड़े या बिहार की मधुबनी पेंटिंग लेना चाहते हैं तो सबसे बेहतर है कि आप व्यापार मेले का इंतजार करें और यहीं से उचित दामों में इन्हें खरीदें। शाहदरा में रहने वाले सचिन बताते हैं कि वे हर साल अफगानिस्तान से आने वाले सूखे मेवे खरीदते हैं। उन्होंने बताया कि बिना मेले के यदि हम इन सूखे मेवों को मंगवाएंगे तो इनकी कीमत बहुत अधिक होती है। इसलिए मैं पूरे साल के लिए व्यापार मेले से ही सूखे मेवे खरीद लेता हूं।

अगले साल से मेले का रंग

अगले साल व्यापार मेला अपनी पुरानी रंगत में नजर आएगा। 2020 में जहां चार नए हॉल शुरू हो जाएंगे, वहीं सांस्कृति सभागार की व्यवस्था भी हो जाएगी। पूरी दुनिया ख्याति प्राप्त कर चुके अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का रूप पिछले तीन सालों से छोटा हो चुका है जिसका खमियाजा जहां एक ओर प्रदर्शकों को उठाना पड़ रहा है। दूसरी ओर, मेला देखने के लिए आने वाले दर्शक भी इससे खुश नहीं हैं। इसकी वजह से ना तो मेला देखने में मजा आ रहा है और ना ही मेले में अपने सामान की बिक्री करने के लिए आने वालों को। प्रगति मैदान का पुनर्निर्माण किया जा रहा है। इसके चलते मैदान के कई हॉलों को तोड़ा गया था, जिसकी जगह नए हॉल बनाए गए हैं। फिलहाल मेला 7 से 12 नंबर हॉल में लगाया जा रहा है। अगले साल से मैदान में चार नए हॉल तैयार हो जाएंगे, जिससे मेले को बढ़ाने में आसानी होगी। इसके साथ प्रदर्शकों की संख्या में अधिक बढ़ जाएगी और हैंगर का सहारा नहीं लेना पड़ेगा। वहीं, जबसे मेला छोटा हुआ है, सांस्कृतिक कार्यक्रम कम आयोजित हो रहे हैं। जगह बढ़ने के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की संख्या में भी इजाफा होगा। ■

www.readwhere.com

चित्र: नरेंद्र नागदेव

समाधान

कहानी

हबीब कैफी

लिफाफा हाथ में आते ही माधव ने जान लिया कि बैंक ने याद किया है। अपढ़ माधव को लिफाफे के भीतर वाले मजमून की जानकारी थी- बार-बार याद दिलाने के बावजूद किस्तें अदा नहीं की जा रही हैं। इस तरह तो कर्ज बढ़ता ही जाएगा। बैंक आप को एक और चेतावनी देने के लिए मजबूर है...

बैंक और मजबूर! मजबूरी तो असल में पिछले सत्तर बरसों से भी अधिक समय से मेरे इस परिवार के सामने है। माधव ने सोचा, कर्ज पहले पिताजी के सिर था। वे असमय ही चले गए। कर्ज के कारण। समय पर सूद न चुका पाने की वजह से। तो क्या मेरे न रहने पर यही कर्ज किसना के सिर होगा? नियम कानून-कायदे का तकाजा तो यही है कि बाप का कर्ज बेटा चुकाए। क्या इससे कभी मुक्ति नहीं मिलेगी?

अचानक मोबाइल की घंटी बजी, तो माधव का ध्यान भंग हुआ। उसने जाना कि दयाकृष्ण ने याद किया है। माधव ने फौरन ही उसे सुना। कान से लगे फोन से सुनाया जा रहा था- आज ही का दिन बोला था न तू ने! तेरे वादे के मुताबिक शाम को आ रहा हूं। असल पर जोर नहीं देता, लेकिन ब्याज तो लेकर मानूंगा। यह भी कोई बात हुई कि छह-छह महीने तक ब्याज चुकाने का नाम ही न लिया जाए। हद है! ब्याज नहीं दिया तो तू जानता ही है...

हां, जानता हूं। फोन कटा तो माधव ने जैसे अपने आप से कहा, तू एक आफत बन कर आएगा। जैसे कई-कई दफा आया है। आएगा तो तेरा सत्कार भी करना पड़ेगा। हैसियत से कई गुना बढ़ कर आवभगत करनी पड़ेगी। जानता हूं कि जंवाई से भी बढ़ कर तेरा खयाल रखना होगा। खास खाना होगा। चिकन भुनवां। लेकिन इससे भी बढ़ कर पहले पीने का प्रबंध करना होगा। महंगी अंगरेजी लानी होगी। ये सब तो जैसे-तैसे कर लूंगा, लेकिन चुकाने को सूद की रकम कहां से लाऊंगा?

दया के तेवर से ही डर लगता है। बातें अब भी माधव के मन में चल रही थीं, देखने में वह डरावना नहीं है, लेकिन पीने के बाद शैतान बन जाता है। रुपयों का तकाजा करता है तो बीच-बीच में मां-बहन को भी याद करता जाता है। पिछली दफा तो हद ही कर डाली थी उसने। थोड़ी विलायती जब गले से नीचे उतर गई तो तू-तड़ाक करता हुआ मां-बहन की पर उतर आया था। खून के घूंट पीता हुआ चुपचाप मैं उसकी निगाहों के कमीनेपन को देख रहा था। असल में उसकी निगाहें लछमी पर गड़ने लगी थीं। मां रुक्मा द्वारा बनाए गए ताजा-ताजा पकौड़ों की प्लेट लेकर घर भर की लाडली वहां आई थी। उसका कसूर बस इतना रहा कि कुछ क्षण वह वहीं खड़ी रह गई थी। बस, फिर क्या था? शैतान उस निहायत ही मासूम पर नजरें गड़ाने लगा। ऐसे में इच्छा हुई कि कुल्हाड़ी उठाऊं और दया के बच्चे को काट कर रख दूं। लछमी वहां से जाने लगी तो कड़क आवाज में उसे मैंने लौट कर इधर न आने की हिदायत दी। फिर इसके बाद का वह मंजर और वातार्लाप-

'इतना क्यों बिगड़ रहा है उस पर तू?' दूर जाती हुई लछमी की ओर एक नजर देखने के बाद उसने माधव को मुखातिब किया, 'मेरा यहां आना तुझे सुहाया नहीं क्या?'

'नहीं दया भाई, ऐसी कोई बात नहीं है।' माधव ने कहा, 'बात असल में यह है कि मुझे आपके पैसों की चिंता लगी है। इसी से मगज में टेंशन बन गया।'

'क्या बोला तू?' दारू की गिलास एक ओर सरका कर दया ने उसे घूरा, 'इसका मतलब ये तो नहीं कि सूद के पैसे नहीं दे रहा है तू?'

'नहीं-नहीं, वो बात नहीं है।' माधव ने फीकी हंसी के साथ कहा, 'आप पहले खा-पीकर आराम कर लें... सूद आपको मिल जाएगा।'

'नहीं मिला तो तू मुझे जानता है!...' गिलास उसने फिर से उठा लिया, 'बिगाड़ होते देर नहीं लगेगी, यह जान लेना।'

'बरोबर-बरोबर!' माधव ने आजिजी से कहा, 'आपका सुभाव मैं जानता तो हूं। पर आप थोड़ा धीरज घरें।'

'नहीं, तू अभी का अभी साफ-साफ बोल मिक सूद का पैसा दे रहा है कि नहीं?' गिलास की बची दारू उसने हलक में उंड़ेल ली।

'बोला ना कि आप खाली हाथ नहीं जाएंगे।' उसने दया के आगे हाथ जोड़े, 'कसम खाने की जगह नहीं है। वादा कर रहा हूं आपसे!'

'तो ठीक है।' गिलास में दारू डालने के बाद उसने पानी का जग उठाते हुए कहा, 'अपनी बात पर कायम रहना। मेरा भरोसा मत तोड़ना।'

'ऐसा कभी नहीं होगा, दया भाई।' माधव ने कहा, 'आपका भरोसा तोड़ने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता है।'

संतुष्ट होकर दया पीने लगा। इसके साथ ही वह सिगरेट के कश भी खींचे जा रहा था।

माधव इधर खामोश चिंता में डूबा था। उस वक्त तो दया को वह किसी तरह टालने में कामयाब हो गया था। लेकिन आज उसे टाल देना संभव न होगा। कारण कि स्थिति उस दिन से अलग और गंभीर है। इस वक्त भी उसकी वही चिंता थी- सूद का पैसा कहां से आए? घर में जो कुछ भी आटे-दाल के लिए रखा था, वह सब तो इस पिशाच की खातिरदारी में खर्च हो चुका है। यहां कभी जिंदगी में अंगरेजी चखी तक नहीं। देसी से ही काम चलाया है होली-दीवाली के अवसर पर। सिगरेट का तो सवाल ही पैदा नहीं होता। बीड़ी ही फूंकी है उम्र भर। कभी-कभी तो इसका भी जुगाड़ नहीं होता। ऐसे में तलब मिटाने के लिए इधर-उधर देखना पड़ जाता है। मुर्गी-मटन का मामला कहां कुछ बैठता है? बच्चों के बहुत जिद करने पर घर पर कभी थोड़ा मांस-मुर्गा पकता भी है तो पतली दाल जैसा शोरबा रखना पड़ता है। मुश्किल से मांस का एक-एक कतला हाथ लगता है। रुक्मा तो अक्सर इससे भी वंचित रह जाती है। और एक यह दया का बच्चा है, रोज ही दारू-मांस भकोसने वाला! क्यों न मस्ती का जीवन जिएगा ये? जगह-जगह सूद वसूल करता है। मुझसे कई बरस बड़ा है, लेकिन खानपान और आराम के जीवन के कारण एकदम लाल चेहरा। हंसने या क्रोध करने पर यही चेहरा और अधिक लाल हो उठता है। मुझे तो ऐसा लगता है कि इसके बदन का सारा खून और चेहरे की ललाई हम जैसे लोगों के कारण ही है। ब्याज की शक्ल में यह लोगों का खून ही तो चूसता है जोंक की तरह।

पीने के बाद खाने से फारिग होकर दया ने गुनूदगी के आलम में एक बार फिर सूद की रकम का तकाजा कर डाला, तो माधव सकते में आ गया। उसने तो सोचा था कि खासी मात्रा में अंगरेजी गटकने और भरपेट मनपसंद भोजन कर लेने के बाद वह खाट पर लगे बिस्तर पर सो रहेगा। लेकिन भारी हो आई आवाज में किए गए तकाजे ने उसे बेचैन कर दिया। अब? दया के स्वर ने उसे ज्यादा कुछ सोचने का अवसर नहीं दिया। उसने कहा, 'सुना तूने कि नहीं?'

'सुना दया भाई और समझा भी है मैंने।' माधव ने बिस्तर पर पड़े दया के पायताने खड़े-खड़े कहा।

'क्या समझा तू?' डूबते स्वर में उसने पूछा।

'यही कि सूद की रकम आपको अभी और इसी समय चाहिए...' माधव ने अपने स्थान से कहा।

'बरोबर समझा है तू...' इस तरह उसकी आवाज डूब गई और नशे की हालत में वह नींद की आगोश में चला गया। दया को नींद में गाफिल होते देखा तो माधव को लगा कि उसे राहत मिल गई है। लेकिन यह राहत ज्यादा से ज्यादा रात भर के लिए थी। सुबह जब यह पिशाच जागेगा, तो? खयाली मंजर और माहौल की कल्पना से इस वक्त वह बचे रहना चाहता था। तो फिर क्या किया जाए आखिर? कोई उपाय?

उपाय है तो। वही बरसों पुराना सुझाव कि मंगले, दीने और दीगर लोगों की तरह खेत-जमीन बेच कर गांव ही छोड़ दिया जाए। ऐसा कर लेने पर सबसे पहले विकराल आफत से छुटकारा मिल जाएगा। कर्ज और ब्याज से मुक्ति मिलेगी। वहां शहर में ठाठ होंगे। जीवन ही बदल जाएगा पूरी तरह से। लेकिन क्या यह संभव है? ठहर कर माधव ने हकीकत पर ध्यान दिया, जमीन और खेत बेचने वालों ने ऐसा ही तो सोचा था। मंगले, दीने और दूसरे लोगों को फौरी तौर पर राहत मिल तो गई थी। कर्ज और सूद से मुक्ति भी मिली थी। शुरू-शुरू में ऐसे तमाम लोगों के ठाठ हो चले थे। खानपान, रहन-सहन और उठने-बैठने तक में परिवर्तन आ गया था। ऐसा लगने लगा था कि इनकी जिंदगियां ही बदल गई हैं। लेकिन वास्तविकता जल्दी ही सामने आ गई। अनुभवहीनता के कारण इन्हें हर मोर्चे पर घाटा झेलना पड़ा। जिसने व्यापार शुरू किया उसे घाटा हुआ। शहर में जा बसने वालों को वहां की फिजा और लोग रास नहीं आए। सारे ही ठाठ-बाट वक्ती और नकली साबित हुए। और आखिरकार लौट के बुद्धू घर को आए तो बहुत पछताए। जमीन-खेत न रहने और पूंजी खत्म हो जाने से ये तमाम लोग दो कौड़ी के अस्थायी दिहाड़ी मजूर बन कर रह गए। कइयों को तो इससे भी वंचित रहना पड़ गया। ऐसा? ना बाबा ना। जमीन और खेत हैं तो पैर टिकाने को जगह भी है। इनके रहते आस तो जिंदा है। कभी तो दिन फिरेंगे। अच्छे दिन आएंगे।

रात आधी बीत चली थी। गुलाबी ठंड ने रंग दिखाना शुरू कर दिया था। दया गहरी नींद और नशे में सीधा सोया हुआ था। वह लयबद्ध खर्राटे खींच रहा था। माधो की आंखों से नींद पूरी तरह से गायब थी। वास्तव में वह उपाय की तलाश में था। खाली पेट होने के बावजूद उसे भूख का कतई एहसास नहीं था। इसकी बड़ी वजह थी चिंता।

सुबह की चिंता ने उसे एक बार फिर सोचने के लिए मजबूर कर दिया। वह सोचने लगा, कुछ समय पहले हम किसानों के कर्जमाफी की बात चली तो थी। सुन कर अच्छा लगा था। लगना ही था। सरकारी बैंक के कर्जे की माफी। लेकिन फिर बाद में उसका क्या हुआ, किसी को कुछ पता नहीं। इसके बारे में अब कोई बात भी नहीं करता। चुनावी हवा का असर था। चुनाव गए और बात हवा-हवाई हुई। लेकिन असल बात तो दया जैसे सूदखोरों की है। इसका कोई इलाज है कि नहीं? पौ बारह तो उन लोगों की है, जिनके यहां कुएं और ट्यूबवेल हैं। ऐसों की हमेशा ही पांचों अंगुलियां घी में रहती हैं। पानी की इफरात होने से तीन-तीन फसलें लेते हैं ये लोग। तिलहन और तरकारियां भी इनके यहां खूब पैदा होती हैं। कुछ भी बेचने के लिए इन्हें कहीं भी जाना नहीं पड़ता। खरीदने वाले खुद इनके द्वारे आते हैं। ठाठ हैं इन लोगों के हमेशा से ही। बड़े अफसर, नेता, बैंक वाले और सूदखोरों तक का इनके यहां आना-जाना लगा रहता है। पर इधर तो अधिकांश की खेती का दारोमदार बरसात पर ही रहता है। समय पर माकूल वर्षा हुई, तो खेत लहलहा उठते हैं। ऐसे में समर्थन मूल्य के लिए तरसना भी पड़ जाता है। इन हालात में शहर में गली-गली घूम कर हजारों मुसीबतें झेलने पड़ती हैं। किसान अनाज लिए घूमते हैं। लहसुन-प्याज और टमाटर भी फेरी वालों की तरह लिए फिरते हैं। फिर भी कहां पूरा पड़ता है इनका? लेकिन इसके विपरीत बरसात कम या बिलकुल ही न होने की दशा में तो कहर ही टूट पड़ता है। थोड़ी बहुत जमा पूंजी सबसे पहले खत्म होती है। घर की जरूरतें पूरी करने के लिए दया जैसे सूदखोरों की तरफ देखना पड़ता है। ऐसे में कर्ज पर कर्ज और सूद-दर-सूद दम ही निकाल डालता है। ऐसा इस दफा भी कइयों के साथ हुआ है। मेरे साथ भी हुआ है। इसीलिए तो दया का बच्चा खा-पीकर यहां आज पसरा पड़ा है। सुबह उठेगा... सुबह?

विचारों की दुनिया में विचरते हुए माधव को सुबह का खयाल आया तो वह अचानक ही भयभीत हो उठा। क्या होगा? सूरज के उजाले में काल्पनिक दृश्य सोचता हुआ वह लरज उठा- जहर खाने को भी पैसे नहीं हैं तेरे पास, तो क्यों बुलाया था मुझे अपने यहां? एक नंबर का झूठा और मक्कार है तू! तेरा पूरा परिवार ही फरेबी है! क्या सोचा था तूने कि दो घूंट दारू और एक टेम का खाना खाकर मैं चुपचाप चला जाऊंगा यहां से? गलत सोचा था तूने! आज मैं यहां से सूद लिए बिना टस से मस नहीं होने वाला हूं। अब तू खुद ही बिक या फिर अपने घर वालों को बेच आ! कुछ भी कर के रुपया ला!... शर्म आनी चाहिए तुझे!...

हां, शर्म आती तो है और खयाल भी आता है कि इससे भी बुरा हो सकता है! इससे भी बुरा क्या?... मुंह अंधेरे के बावजूद मंजर सामने और साफ है- नींद से जाग चुका सूदखोर दयाकृष्ण देख रहा है, उधर कोई बीस कदम की दूरी पर पेड़ की डाल पर साफे से लटका शरीर एकदम स्थिर है। यह माधव है! उसी का मुर्दा शरीर!

नहीं, नहीं चाहिए अपनी ही आत्महत्या का यह दृश्य मुझे। बहुत हो चुकी आत्महत्याएं। फिर इसके बाद किस-किसको मुक्ति मिली है इस दैत्य कर्ज से? हकीकत तो यह है कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी बढ़ता ही चला जाता है यह कर्ज। समाधान इसका आत्महत्या नहीं, जीवन है। जीवन है तो सब कुछ है। इसलिए जीवित रहना जरूरी है। और समाधान होने तक मैं जिंदा रहूंगा। ❑

> वह सोचने लगा, कुछ समय पहले हम किसानों के कर्जमाफी की बात चली तो थी। सुन कर अच्छा लगा था। लगना ही था। सरकारी बैंक के कर्जे की माफी। लेकिन फिर बाद में उसका क्या हुआ, किसी को कुछ पता नहीं। इसके बारे में अब कोई बात भी नहीं करता। चुनावी हवा का असर था। चुनाव गए और बात हवा-हवाई हुई। लेकिन असल बात तो दया जैसे सूदखोरों की है। इसका कोई इलाज है कि नहीं?

मुनादी वालों और ढिंढोरचियों का कोलाहल सुनो

ललित प्रसंग

सुरेश सेठ

मुनादी वाला मुनादी कर रहा है। ढिंढोरची ढिंढोरा पीट रहे हैं। जुमलेबाज जुमले फेंक रहे हैं। नशे से अधमुंदे छोकरे सारंगी पर बजती बधाई धुन को सदन राग में बदलता देखते हैं, पर नाचने से परहेज नहीं करते। देश में लोगों के लिए सनसनी की कमी है। अच्छे दिन आने के उद्गार उनका पेट नहीं भरते। नेताओं ने अपने लूमड़ चेहरों पर हंसमुख मुखौटे चढ़ा लिए हैं। चुनाव करीब आएं। अपने चुनाव हलके की जिन गलियों और बाजारों का भूगोल भी उन्हें भूल गया था, वहां अब उनकी पदचाप सुनाई देती है। गलियां, बाजार, सड़कें, चौराहे वैसे ही हैं, दो चार घंटे सावन शोर करके गुजर जाए तो बाद में इनकी अस्मत लुटी नजर आती है। सड़कें जंगली पगडंडियों में बदल जाती हैं। उनमें अचानक उभर आए गड्ढे राहगीरों को निमंत्रण देते हैं कि आओ और हममें गिरो। गिर कर अपना कूल्हा तुड़वा कर चीखो तो संदेश देना, 'मेरा भारत महान कह मेरी जान'। चीखों में से भी तेरी यह आवाज उभरेगी तो ये देशभक्त कह तो सकेंगे कि अपने इस रुदन भरे गायन से अब हमें रुलाएगा क्या पगले?

हां, अब यहां गाना और रोना एक समान हो गया। भूख और उपवास एक समान हो गए। भूख से सुबक-सुबक कर लड़कियां या सींकिया किसान मर जाएं, तो सरकारी आंकड़ा शास्त्री बोलते हैं, 'अबे क्यों चिल्लाता है, उनके राज में तो हर रोज औसत से ज्यादा लोग मरते थे, हमारे में तो औसत कम हो गई। यही तरक्की है, मेरी जान, इसलिए हरि बोल।'

सपनों का बंजारा रैलियों के मंच से कहता है, मेरे पैरों में घुंघरू बंधवा दे, और फिर मेरी चाल देख ले।' हम इस चाल पर हजार जान से फिदा। यह चाल क्रांति का आह्वान नहीं, सीधा प्रहार करती है। नोटबंदी के आर्थिक प्रहार की तरह एक रुपए का काला धन बाहर नहीं आया। लेकिन पूरे का पूरा बैंकों में जमा होकर उन्हें संपन्न तो कर गया। तब अंधाधुंध बड़े लोगों में ऋण बंटा, समर्थ धन भकोस विदेश उड़न छू हो गए। इन्हें वापस लाने के प्रयास होते हैं तो वे कहते हैं- 'पहले अपनी जेलों को पंचतारा बनाओ, वातानुकूलित करो, तभी हम वापस आएंगे।' उनकी इस प्रगतिशील मांग ने आम आदमी की आंखें भर दीं। देखो बैंकों के खाते मृत बना कर विदेश भाग कर भी स्वदेश की जेलों की बेहतरी की कितनी चिंता कर रहे हैं! जेल सुधारो अभियान चलाओ, तभी वे वापस लौटेंगे। जेलें बेहतर हो जाएंगी, इससे चोर उचक्के और उठाईगीर खुश हैं। बैंकिंग व्यवस्था के खातों को मौत का संदेश देकर इन आर्थिक भगोड़ों ने जेल सुधार की कितनी चिंता की। खुद तो बाहर की नागरिकता खरीद चैन की बंसी बजाएंगे और बाकी बच गए उनके बस्ता उठाने वाले चम्मच, जब तक राजनीति में जाकर चोर, उचक्का, चौधरी और गुंडीरन्न प्रधान की लोकोक्ति प्रमाणित नहीं करते, तब तक वे जेलों को सुधरते देख यही कहेंगे, 'अब इस विकास से भी हमें रुलाएगा क्या पगले।'

लेकिन विकास ही क्यों समय भी तो पगला रहा है। बर्नार्ड शॉ न जाने कितने दशक पहले कह गए- 'राजनीति शैतानों का अंतिम शरण स्थल है।' लेकिन समय पगलाया तो ऐसे जुमले भी पगलाने लगे। राजनीति अंतिम कहां, पहला शरणस्थल बन गई। संसद और विधानसभा चुनावों में खम ठोक कर दंगल करने के लिए उतरते राजनेताओं को देख लो। सब करोड़पति हैं और अरबपति बनने की राह चल रहे हैं। इनकी आपराधिक छवि तलाशने के लिए इन पर दायर मुकदमों की सूची हमें न दिखाओ। क्या तुम नहीं जानते कि जब तक किसी आरोपी पर आरोप सिद्ध न हो जाए, उसे दंड न मिले, वह अपराधी नहीं बनता। अभी वे समाज के मार्गदर्शन के लिए पूरी तरह सुयोग्य हैं।

इन सुयोग्य नशे की बरात में किराए पर लाए गए लोगों की रैलियां भीड़ है। इनके आगे बजते बैंडों के स्वर जुमले उठाते रहे हैं। जनता के हृदय सम्राट ही लोकप्रिय नेता बनते हैं। लेकिन जनसेवा के नाम पर इनमें जोड़-तोड़ की महारत होनी चाहिए। इनके भाषणों में पीड़ितों के प्रति संवेदना रहनी चाहिए। जब चुनाव जीतने के लिए काले धन की जरूरत आ पड़े, तो मजदूर किसान की पीड़ा के साथ यह अमीरजादों की पीड़ा भी इसमें शामिल कर सकें। देश को तरक्की करनी है तो इनकी पीड़ा को भी अपनाना होगा।

हमारी कुर्सियों के नीचे इनकी अट्टालिकाओं के ठोस समर्थन की धरती चाहिए। तभी जब इनके हाथों की कृपा से प्रस्तुत ताज को अपने माथे पर सजाने लगे तो कह सके, 'अब तू भी अपनी जायज पीड़ा से हमें रुलाएगा क्या पगले?' पगला आपको क्या रुलाएगा, पूरा अर्थतंत्र ही बौरा गया। मंदी की रुआंसी ठंड ने कार्यस्थलों पर ताले लटका दिए। बेकारों की भीड़ में छंट कर आए बेकाम भी जुड़ने लगे, लेकिन जनाब रुलाइए नहीं, यह तो विश्वव्यापी समस्या है। इसका समाधान भी व्यापक स्तर पर ही होगा। देश के गरीब किसान, मजूर और बेकार नौजवानों की चिंता करने की भला क्या जरूरत? उन्हें तो कभी न टलने वाला अंधेरा अपने आगोश में समाए है और अंधे नशों की घुट्टी पिला रहा है। अब इस बात पर तो न रुलाइए हमें आप। इससे क्या बेहतर नहीं कि हम वैश्विक स्तर पर इन समस्याओं का समाधान करें। धनपतियों के राजपथ से निजीकरण की आवाजों को सुनें, ये आर्थिक प्रगति को तेज करेंगी। इस तेजी की तलछट से बेकारी का समाधान अपने आप हो जाएगा बंधु! ❑

चित्र: श्रीगोपाल व्यास

> मंदी की रुआंसी ठंड ने कार्यस्थलों पर ताले लटका दिए। बेकारों की भीड़ में छंट कर आए बेकाम भी जुड़ने लगे, लेकिन जनाब रुलाइए नहीं, यह तो विश्वव्यापी समस्या है। इसका समाधान भी व्यापक स्तर पर ही होगा। देश के गरीब किसान, मजूर और बेकार नौजवानों की चिंता करने की भला क्या जरूरत?

काम का बोझ और दरकते रिश्ते

मुद्दा

मोनिका शर्मा

आज की आपाधापी में जिंदगी एक अंतहीन दौड़ बन कर रह गई है। मगर यह भागमभाग बेहद चिंताजनक हो जाती है, जब सेहत बिगड़ने और रिश्तों के छूटने की स्थितियां बनने लगें। न आपसी संवाद का समय बचे और न ही जुटाई जा रही सुविधाओं को पल भर ठहर कर जीने का वक्त मिले। हाल ही में देश के तेरह शहरों में कराए गए एक सर्वे में 68.2 फीसद लोगों ने माना कि वे अपनी शर्तों पर जिंदगी नहीं जी पा रहे हैं। न अपने परिवार को समय दे पाते हैं, न अपने बच्चों को। चंडीगढ़, मुंबई, जयपुर, कोयंबतूर, पुणे, हैदराबाद, कोलकाता, दिल्ली और बंगलूरू जैसे शहरों में किए गए इस ताजा अध्ययन में सामने आया है कि पड़ोसी देश चीन के बाद अब भारत में भी 996 वर्क कल्चर तेजी से अपने पांव पसार रहा है, जिसके चलते जीवन बुरी तरह से प्रभावित हो गया है। गौरतलब है कि 996 वर्क कल्चर में सप्ताह के छह दिन बारह घंटे काम करना पड़ता है। चीन की बड़ी तकनीकी कंपनियों और स्टार्टअप्स में यह कार्य संस्कृति आम बात है। भारत में भी अब यही कार्य संस्कृति देखने को मिल रही है, जिसने जीवन से समय का संतुलन छीन लिया है। इस सर्वे में चौंतीस फीसद भारतीय पेशेवरों ने कहा है कि वे अपने बच्चों को ज्यादा समय नहीं दे पाते हैं। कामकाजी व्यस्तता के चलते वे परिवार, दोस्तों और अपने शौक पूरा करने के लिए वक्त नहीं निकाल पाते।

यह कामकाजी संस्कृति पूरे सामजिक-पारिवारिक ढांचे को प्रभावित कर रही है। हालिया बरसों में हमारे यहां न केवल तलाक के मामले बढ़े हैं, बल्कि अभिभावकों और बच्चों में भी दूरियां आ रही हैं। यहां तक कि घर के बड़े-बुजुर्ग भी अकेलेपन और अवसाद का शिकार हो रहे हैं। निस्संदेह इन स्थितियों की एक अहम वजह आपसी संवाद का रीत जाना है। मौजूदा समय में हर आयु वर्ग के लोग इस आपाधापी के खमियाजा भुगत रहे हैं। कामकाजी अभिभावक बच्चों के साथ समय ही नहीं बिता पा रहे, तो नई पीढ़ी को मार्गदर्शन देने और मनोबल बढ़ाने की बातें ही बेमानी हैं। बच्चे स्मार्ट गैजेट्स के साथ वक्त बिता रहे हैं और बड़े कामकाज के डेडलाइंस पर खरा उतरने के लिए जूझ रहे हैं।

आजकल बड़े शहरों में ज्यादातर पति-पत्नी दोनों ही नौकरीशुदा हैं। ऐसे परिवारों में शादी के रिश्ते में भी कई उलझनें देखने को मिल रही हैं। कामकाजी व्यस्तता ने जाने-अनजाने वैवाहिक संबंधों में भी दूरियां और शिकायतें बढ़ा दी हैं। अपनेपन का भाव और लगाव कम कर दिया है। यानी समय की कमी और कामकाज का बोझ रिश्तों में दरारें लाने से लेकर सेहत बिगाड़ने तक के काम कर रहा है। इस अध्ययन में भी चौंसठ फीसद पेशेवरों ने माना है कि वे परिवार को पूरा वक्त नहीं दे पाते हैं। अठाईस फीसद कामकाजी लोगों ने बताया कि वे अपनी पत्नी को ज्यादा समय नहीं दे पा रहे। वहीं 21.2 फीसद पेशेवरों का कहना है कि काम की भागदौड़ में दोस्तों से मिलने का समय नहीं बचता है। 16.2 फीसद लोगों का कहना है कि वे अपने माता-पिता को ज्यादा वक्त नहीं दे पाते हैं।

कॉरपोरेट क्षेत्र को सेहतमंद बनाने के उद्देश्य से हुए कई अध्ययनों में यह बात भी सामने आई है कि अपने काम में बहुत अधिक व्यस्त रहने की वजह से करीब सत्तर प्रतिशत पेशेवर लोग अपनी शारीरिक या मानसिक अस्वस्थता को नजरंदाज कर डॉक्टर के पास जाने की जरूरत को भी टालते रहते हैं। प्रतियोगी हो चले आज के जीवन में यह भागदौड़ नकारात्मक असर डाल रही है। यही वजह है कि चीन के युवाओं ने कई बड़े मंचों पर इस कार्य संस्कृति को लेकर शिकायत भी जताई है। 996 वर्क कल्चर की वहां आलोचना हो रही है। गौरतलब है कि चीन में ऐसी करीब 139 कंपनियां हैं, जिनमें नौकरीशुदा लोगों को कार्य संस्कृति के इस फॉर्मूले का अनुसरण करना पड़ता है।

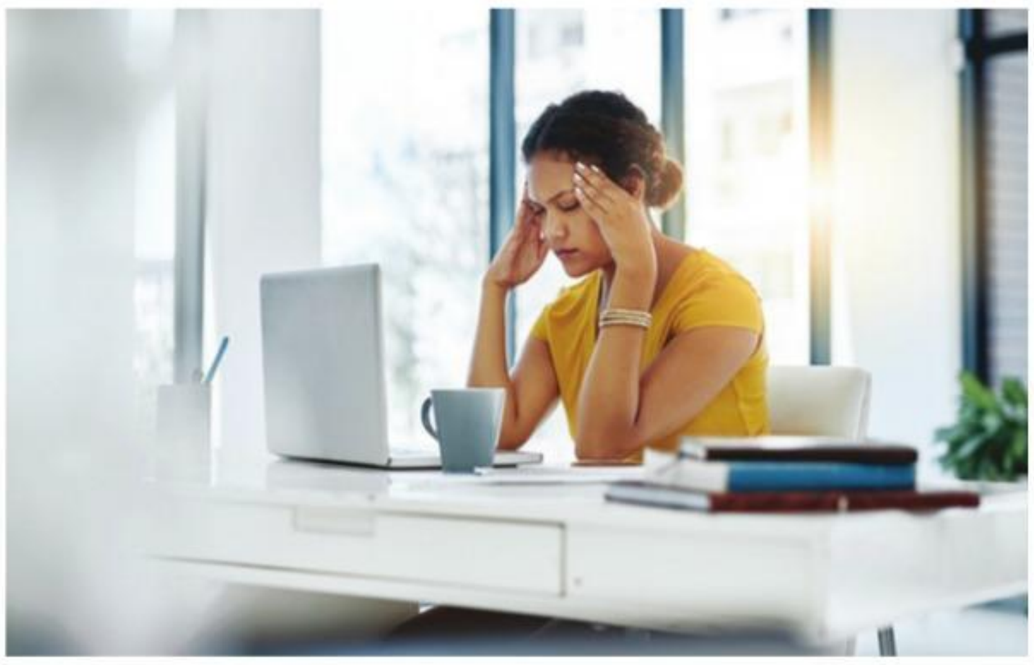

दरअसल, तकनीक के आने से कामकाज सहज तो हुआ है, पर काम करने का समय भी बढ़ा है। तकनीकी सुविधाओं से अब काम हरदम साथ चलता है। पहले घर और दफ्तर का समय बंटा हुआ था। अब हर समय ऑनलाइन रहना और अपने कामकाज को निपटाना, जरूरी और मजबूरी दोनों बन गया है। गौरतलब है कि 996 वर्क कल्चर के तहत काम में जुटे अधिकतर लोग युवा हैं। यह व्यस्तता उनके स्वास्थ्य पर भी बहुत बुरा असर डाल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की कामकाजी समय सारणी से न केवल इंसान की सेहत बिगड़ती है, बल्कि एक समय के बाद व्यक्ति की काम करने की क्षमता भी कम होने लगती है। इतना ही नहीं, इस कामकाजी दबाव से व्यक्ति की एकाग्रता भी घटती है। लगातार चलने वाली कामकाजी गतिविधियों से यादाश्त काम होने लगती है। गौरतलब है कि भारत में भी बड़ी संख्या में लोग कामकाज की व्यस्तता से जुड़े तनाव की चपेट में आ रहे हैं। विशेषकर कॉर्पोरेट क्षेत्र में काम का दबाव बहुत ज्यादा है। कुछ समय पहले हुए मणिपालसिग्ना के एक अध्ययन के मुताबिक हमारे यहां बयासी फीसद लोग काम, सेहत और रुपए-पैसे से जुड़े मामलों को लेकर तनाव में रहते हैं। खासकर पैंतीस से उनचास साल की उम्र वाले नवासी फीसद भारतीय तनाव का शिकार बन रहे हैं। उनके तनावग्रस्त रहने के प्रमुख कारणों में दफ्तर में बढ़ते काम, परिवार की सेहत, निजी स्वास्थ्य, कामकाजी प्रदर्शन में गिरावट, नियमित रूप से सिरदर्द और थकान खास वजहों के तौर पर सामने आए हैं। कॉर्पोरेट कर्मचारियों में नींद की कमी, आक्रामक व्यवहार और सहज अपनेपन की कमी अब आम बात हो गई है।

एसोचैम हेल्थकेयर समिति की एक रिपोर्ट के मुताबिक कॉरपोरेट जगत में कर्मचारियों को दिए गए लक्ष्य इतने ऊंचे रहते हैं कि करीब उनसठ फीसद कर्मचारी छह घंटे से भी कम नींद लेते हैं। काम का तनाव कर्मचारियों में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा और अवसाद जैसी परेशानियां बढ़ा रहा है। इतना ही नहीं, इस अति-व्यस्त कार्यशैली के कारण लोग अपने सामाजिक-पारिवारिक परिवेश से भी कट रहे हैं। आपसी संवाद की कमी के चलते अकेलेपन और आक्रामकता का व्यवहार भी अब देश की श्रमशक्ति के बड़े वर्ग को घेर रहा है।

स्वस्थ, सधी और सकारात्मक जीवनशैली के लिए काम और आराम में संतुलन जरूरी है। इंसान का दिमाग हो या शरीर, सही देखभाल के बिना लंबे समय तक स्वस्थ नहीं रह सकता। चिंताजनक है कि हमारे यहां कामकाज के दबाव के चलते काफी लोगों की जीवनचर्या असंतुलित बनी हुई है। पैंतीस से उनचास साल की उम्र वाले जो लोग तनाव का शिकार बने हुए हैं, वे हमारे देश के कार्यबल का अहम हिस्सा हैं। गौरतलब है कि बीते कुछ बरसों में हमारे देश की श्रमशक्ति में महिलाओं की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। भारत जैसे सामाजिक-पारिवारिक ढांचे वाले देश में महिलाओं के कामकाजी समूह पर दफ्तर के साथ ही घर की जिम्मेदारियों के निर्वहन का भी दबाव रहता है। यही वजह है कि तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं आधी आबादी के कामकाजी वर्ग को भी घेर रही हैं।

एसोचैम के सर्वे के अनुसार अठहत्तर फीसद कामकाजी महिलाएं जीवनशैली से जुड़े किसी न किसी विकार की शिकार हैं। ऐसे में स्त्री हों या पुरुष, देश के कामकाजी तबके की शारीरिक-मानसिक सेहत का बिगड़ना हमारी सामाजिक-पारिवरिक और आर्थिक स्थितियों को गहराई से प्रभावित करने वाली बात है। जरूरी है कि हर क्षेत्र में कार्यरत लोगों के लिए काम और व्यक्तिगत जीवन में संतुलन बनाए रखने के हालात बनाए जाएं। ताकि हर वक्त काम में लगे रहने की जद्दोजहद देश की श्रमशक्ति के मन-जीवन को बीमार न बना दे। ■

जगदीश चंद्र बसु

जन्म : 30 नवंबर 1858
निधन : 23 नवंबर 1937

शख्सियत

आचार्य जगदीश चंद्र बसु भारत के महान वैज्ञानिक थे। उन्हें जे सी बोस के नाम से भी जाना जाता है। वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। उन्हें भौतिकी, जीवविज्ञान, वनस्पति विज्ञान तथा पुरातत्व शास्त्र का गहरा ज्ञान था।

बचपन और पढ़ाई-लिखाई

उनका जन्म तत्कालीन बंगाल के मेमनसिंह नगर में हुआ। यह इलाका अब बांग्लादेश में है। बसु की प्रारंभिक शिक्षा गांव के ही एक छोटे से बंगाली स्कूल में हुई और यहीं से उनकी रुचि पेड़-पौधों की दुनिया में जगी। स्कूली शिक्षा के बाद जगदीश कलकत्ता चले आए और यहां उन्होंने सेंट जेवियर स्कूल में दाखिला लिया। यहां से उन्होंने भौतिक विज्ञान की पढ़ाई की।

आगे की पढ़ाई के लिए वे अमेरिका गए, लेकिन बीमार रहने के कारण वे अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर सके। इसके बजाय, उन्होंने कैम्ब्रिज में नोबेल विजेता लॉर्ड रेले के साथ अपना शोध किया। 1885 में वे भारत लौट आए और भौतिकी के सहायक प्राध्यापक के रूप में प्रेसिडेंसी कॉलेज में पढ़ाने लगे। उस समय भारतीय शिक्षकों को अंग्रेजों के मुकाबले कम वेतन दिया जाता, जिसका बसु ने घोर विरोध किया। वेतन में बराबरी की मांग करते हुए उन्होंने तीन वर्ष तक वेतन नहीं लिया। बाद में सरकार को झुकना पड़ा।

रेडियो तरंगों की खोज

रेडियो और सूक्ष्म तरंगों पर अध्ययन करने वाले जगदीश चंद्र बसु पहले भारतीय वैज्ञानिक थे। बसु ने एक ऐसे यंत्र का निर्माण किया था, जिससे 5 मिलीमीटर से लेकर 25 मिलीमीटर तक के आकार वाली सूक्ष्म रेडियो तरंगें उत्पन्न की जा सकती थीं। नवंबर 1894 में बसु ने कलकत्ता के टाउन हॉल में अपनी रेडियो तरंगों का प्रदर्शन किया। आज का रिमोट कंट्रोल सिस्टम उनकी इसी धारणा पर आधारित हैं।

रेडियो डेवलपमेंट में स्थान

कॉलेज में पढ़ाने के साथ बसु ने अपना शोध कार्य जारी रखा। शोध करते हुए उन्होंने वायरलेस सिग्नलिंग की खोज में उल्लेखनीय प्रगति की। जगदीश चंद्र बसु पहले वैज्ञानिक थे जिन्होंने रेडियो संकेतों का पता लगाने के लिए सेमीकंडक्टर जंक्शनों का इस्तेमाल किया था।

वनस्पति विज्ञान

बसु ने वनस्पति शास्त्र में भौतिकी विज्ञान और प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया, जिसे उनका महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है। बसु ने पूरी दुनिया को बताया कि पेड़-पौधों में भी जीवन होता है।

महत्वपूर्ण योगदान

अमेरिका से पेटेंट प्राप्त करने वाले वे पहले भारतीय वैज्ञानिक थे। जगदीश चंद्र बसु को रेडियो विज्ञान का पिता कहा जाता है। बसु विज्ञान कथाएं भी लिखते थे और उन्हें बंगाली विज्ञान कथा-साहित्य का पिता भी कहा जाता है। 1896 में, बोस ने 'निरुद्देशर कहिनी' (द स्टोरी ऑफ द मिसिंग वन) नाम की एक छोटी कहानी लिखी थी, जिसे बाद में विस्तारित किया गया।

सम्मान

1917 में जगदीश चंद्र बसु को 'नाइट' की उपाधि दी गई। 1920 में वे 'रॉयल सोसाइटी' के फेलो भी चुने गए। 1927 में इंडियन साइंस कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे। बसु ने अपना पूरा शोधकार्य बिना किसी अच्छे उपकरण और प्रयोगशाला के किया था इसलिए वे एक अच्छी प्रयोगशाला बनाना चाहते थे। 'बोस इंस्टीट्यूट' (बोस विज्ञान मंदिर) इसी सोच का परिणाम है जोकि विज्ञान में शोधकार्य के लिए राष्ट्र का एक प्रसिद्ध केंद्र है।

निधन : उन्यासी साल में उनका निधन हुआ। ■

सर्दी में कुछ तीखा-चटपटा

सर्दी के मौसम में गरमागरम, तीखा और चटपटा खाने की इच्छा बहुत होती है। इससे शरीर को गरमी भी मिलती है। बाजार में जब ऐसी चीजें दिखती हैं तो मुंह में पानी आ जाता है। तो क्यों न घर में ही झटपट कुछ तीखा और चटपटा ऐसा बनाएं, जो सर्दी में सेहत की दृष्टि से भी अच्छा हो और स्वाद भी भरपूर दे। चिली पोटैटो और गोभी का सूखा मंचूरियन ऐसे ही कुछ तीखे और चटपटे व्यंजन हैं, जो घर पर बहुत आसानी से और झटपट बनाए जा सकते हैं।

दाना-पानी

मानस मनोहर

तीखा चटपटा आलू

सर्दी में आलू के व्यंजन बहुत भाते हैं। चाहे वह आलू की टिक्की हो, सूखे मसालेदार आलू हों, आलू दम या आलू के परांठे। यह हर घर में उपलब्ध रहता है। बच्चे भी बहुत चाव से आलू से बने चटपटे व्यंजन खाते हैं। बाजार में बना चिली पोटैटो तो खाने के लिए अक्सर जिद करते हैं। मगर बाजार का चिली पोटैटो खाने या बच्चों को खिलाने से बेहतर है कि घर पर ही सेहत से भरपूर सूखा चटपटा आलू यानी चिली पोटैटो बनाया जाए। इसे बनाना बहुत आसान है। इसके लिए बहुत सामग्री की भी जरूरत नहीं पड़ती, न अधिक कौशल की।

सूखा चटपटा आलू बनाने के लिए बड़े आकार के आलू लें। आलुओं का छिलका उतार लें और उन्हें लंबे-लंबे आकार में काट लें, जैसे फिंगर चिप्स के लिए काटते हैं। इन कटे आलुओं को पानी में भिगो कर रखें, नहीं तो काले पड़ने लगेंगे। फिर एक शिमला मिर्च और एक बड़े आकार के प्याज को बड़े चौकोर आकार में काट लें और प्याज की हर परत को अलग-अलग कर लें।

अब एक कड़ाही में तलने के लिए भरपूर तेल गरम करें। इसमें कटे हुए आलुओं को तलना है। जब तक तेल गरम हो रहा है, आलुओं को बाहर निकाल कर पानी निथार लें। उस पर एक से दो चम्मच मैदा, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर थोड़ा-सा नमक डाल कर ठीक से मिला लें, ताकि मैदा सारे आलुओं पर चिपक जाए। इस तरह आलू कुरकुरे बने रहते हैं और खाने का आनंद बढ़ जाता है।

जब तेल खूब गरम हो जाए, तो उसमें आलुओं को डालें और चम्मच से उन्हें चला कर अलग कर दें, ताकि आपस में चिपकने न पाएं। आंच को मध्यम कर दें और आलुओं को सुनहरा होने तक तलें। जब आलू तल जाएं तो प्याज और शिमला मिर्च को भी तेज गरम तेल में अलग-अलग डालें और करीब तीस सेकेंड के लिए तलने के बाद बाहर निकाल लें, ताकि इनका कचकचापन बना रहे। इन्हें तले हुए आलुओं के साथ ही रखें।

इन आलुओं को चटपटा बनाने की तैयारी कर लें। एक कटोरी में एक चम्मच कार्नफ्लोर लेकर घोल लें। उसी में जरूरत भर का नमक, अपने स्वाद के अनुसार तीखापन लाने के लिए कुटी लाल मिर्च और पांच-छह काली मिर्चें कूट कर डाल दें। इसी में एक चम्मच चीनी भी मिला दें। इसे अलग रख दें।

अब दो कली लहसुन और आधा से एक इंच अदरक लेकर कूट लें। एक कड़ाही में एक चम्मच तेल गरम करें और उसमें कुटे हुए अदरक-लहसुन का पेस्ट डालें और चलाते हुए पकाएं। ध्यान रखें कि अदरक-लहसुन जलने न पाए। अब इसी में अरारोट का घोल डालें और चलाते हुए पकने दें। जब इसमें उबाल आने लगे, तो तीन से चार चम्मच टोमैटो सॉस और एक चम्मच वेनेगर डालें और चलाते हुए थोड़ी देर पकाएं। जब घोल गाढ़ा होने लगे, तो उसमें तले हुए आलुओं को डालें और चलाते हुए ठीक से मिलाएं, ताकि घोल सारे आलुओं पर चिपक जाए। सब सारा घोल चिपक कर सूख जाए, तो आंच बंद कर दें। ऊपर से हरा धनिया काट कर गरमा-गरम परोसें।

सूखी चटपटी फूल गोभी

फूल गोभी के पकौड़े, सब्जी, परांठे वगैरह तो बहुत खाए होंगे, पर सूखी चटपटी गोभी का अपना आनंद है। फूल गोभी के बड़े-बड़े टुकड़े कर लें। इन्हें नमक मिले गरम पानी में डाल कर दे-तीन मिनट के लिए छोड़ें और फिर बाहर निकाल कर पानी निथार लें। इन्हें ठंडा होने दें। फिर जैसे आलुओं के साथ डालने के लिए शिमला मिर्च और प्याज काटे थे, वैसे ही इसमें डालने के लिए भी काट लें।

अब इन गोभियों पर परत चढ़ाने के लिए एक बड़े कटोरे में मैदा लें। जितनी गोभी ली है, उसी के अनुपात में मैदा लें। इसमें नमक और एक चम्मच कुटी लाल मिर्च डालें और गाढ़ा घोल बना लें। ध्यान रखें कि घोल पतला होगा तो गोभी पर ठीक से नहीं चढ़ेगा।

अब एक कड़ाही में तेल गरम करें। गोभियों को मैदे के घोल में डुबो कर गरम तेल में डालते जाएं और फिर आंच मध्यम कर दें। सुनहरा होने तक गोभियों को तलें। अधिक कुरकुरा बनाने का एक तरीका यह हो सकता है कि पहले गोभियों को आधा तलें और फिर दुबारा गाढ़ा सुनहरा रंग आने तक तलें। गोभियों को तलने के बाद प्याज और शिमला मिर्च को भी बिना मैदा का घोल लगाए आधा मिनट के लिए तेज आंच पर तल लें।

फिर एक अलग कड़ाही में उसी प्रकार ग्रेवी तैयार करें जैसे तीखे चटपटे आलुओं के लिए तैयार किया था। उस ग्रेवी में तले हुए गोभी के टुकड़ों को डालें और उन्हें चलाते हुए ग्रेवी को सभी टुकड़ों पर ठीक से लपेट लें। जब ग्रेवी ठीक से लिपट और सूख जाए, तो ऊपर से हरा धनिया डाल कर गरमागरम खाने को परोसें। ■

दूर करें पसीने की बदबू

सेहत

गर्मी के दिनों में पसीना आना स्वभाविक है लेकिन क्या आप जानते है कि सर्दियों के दिनों में भी पसीना आता है। दरअसल मौसम चाहे गर्मी का हो या सर्दी का पसीना तो आता ही है। बस फर्क यह है कि सर्दी का पसीना दिखाई नहीं देता या दिखाई भी देता है तो कभी-कभी। लेकिन इसकी दुर्गंध आती है। इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे उपाय बता रहे हैं जिनकी मदद से आप पसीना और इससे होने वाली दुर्गंध से निजात पा सकते है।

पसीने का कारण

बैक्टीरिया : पसीना गंधहीन होता है परंतु शरीर में बैक्टीरिया, पसीने में मिल जाते हैं, उसके बाद ही पसीने से बदबू आती है।

दवाइयों का अधिक सेवन : कई बार आपके पसीने की बदबू का कारण आपकी दवाइयां भी होती है। दरअसल कई लोगों को हर बात में दवा खाने की आदत होती है। दवाओं की गर्मी शरीर में दुर्गंध उत्पन्न करती है।

पानी कम पीना : सर्दी में प्यास कम लगती है इसलिए ज्यादातर लोग पानी कम पीते है। वहीं शरीर में पानी की कमी होने से भी शरीर से बदबू आती है। इसलिए पानी भरपूर पीएं।

जंक फूड का सेवन : जंक फूड का अधिक सेवन भी आपके शरीर में दुर्गंध उत्पन्न करता है। प्रोसेस्ड फूड में मौजूद परिष्कृत चीनी में ग्लाइसेमिक सूचकांक बहुत अधिक होता है। इसलिए जब आप प्रोसेस्ट फूड का सेवन करते हैं तो रक्त में मौजूद शक्कर त्वचा पर मौजूद बैक्टीरिया के साथ मिलकर पसीने की बदबू पैदा करती है।

हार्मोनल परिवर्तन : गर्भावस्था के दौरान महिलाओं में शारीरिक दुर्गंध आना एक आम बात है। दरअसल गर्भावस्था में शरीर के हार्मोन में तेजी से बदलाव होता है। वहीं इस अवस्था में गर्भवती महिला के शरीर का तापमान बढ़ जाता है और उनमें गर्मी को सहने की क्षमता काफी कम हो जाती है। बढ़ते वजन के कारण गर्भवती महिलाओं को ठंड के दिनों में भी अधिक पसीना आ सकता है। गर्भवती महिलाओं में पसीने वाली ग्रंथियां अति सक्रिय हो जाती हैं और शरीर की गंध को तेज करती है।

खाते हुए पसीना आना : देखा गया है कि कई लोगों को खाना खाते समय खूब पसीना आता है, फिर चाहे वो खाना गर्मी में खा रहे हो या फिर सर्दी में। यही नहीं कुछ लोगों को खाने के समय न सिर्फ पसीना आता है बल्कि उनकी नाक भी बहने लगती है, जैसे बहुत तीखा खा लिया हो। यह एक सामान्य आदत है और ऐसी स्थिति में शरीर से बदबू नहीं आती।

ये उपाय देंगे पसीने की बदबू से छुटकारा

शहद का प्रयोग : नहाने के बाद पानी में एक चम्मच शहद मिलाकर शरीर में लोशन की तरह मल लें और फिर दो मग पानी डाल लें। पूरे दिन आप तरोताजा महसूस भी करेंगे और पसीने की बदबू भी दूर होगी।

साबुन का इस्तेमाल : गर्मी में दो बार नहाकर शरीर की दुर्गंध को कम किया जा सकता है लेकिन सर्दी में ऐसा करना मुश्किल होता है। वहीं सर्दी में कई लोग कम नहाते तो कुछ नहाते ही नहीं है या नहाते भी है तो साबुन या बॉडी वॉश का प्रयोग नहीं करते। ऐसे में शरीर से दुर्गंध आ सकती है। इसलिए नहाते समय ऐंटीबैक्टीरियल साबुन का प्रयोग करें। ये आपके रोमछिद्रों को साफ करता है और बैक्टीरिया को दुर्गंध फैलाने से रोकता है।

टेलकम पाउडर लगाएं : सर्दियों में दिनभर ऊनी कपड़ों को पहने रखने और पैरों को जूता-मोजे में कसे रखने के कारण सबसे ज्यादा पसीना हमारे बगल और पैरों में आता है। इससे तेज दुर्गंध भी आती है। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए बगल की सफाई रखने के साथ बैक्टीरिया मुक्त टेलकम पाउडर का इस्तेमाल करें। इससे शरीर में खुशबू बनी रहेगी और बैक्टीरिया भी जड़ से खत्म हो जाएंगे।

नींबू के रस का प्रयोग : शरीर में होने वाली दुर्गंध से छुटकारा पाने के लिए नींबू के रस का प्रयोग सबसे अच्छा उपचार माना गया है। नींबू में प्राकृतिक एसिड के गुण पाए जाते है जो त्वचा की सफाई कर बैक्टीरिया को खत्म करने में सहायक होते है। आधा नींबू के रस को नहाने वाले पानी में डालें और इससे नहाएं। इससे शरीर में ताजगी बनी रहेगी।

पर्याप्त पानी पीएं : अगर आपको पसीना आ रहा है तो तरल पदार्थों का खूब सेवन करें क्योंकि पानी आपके शरीर से सभी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है और आपके पाचन तंत्र को साफ रखता है। इससे आपके शरीर में दुर्गंध भी नहीं आती है। अगर सर्दी में ठंडा पानी नहीं पीना चाहते तो पानी को थोड़ा गुनगुना कर ले या फिर पानी की जगह फल-सब्जियों का जूस या फिर गरमा गर्म सूप पीएं।

ऐसा हो भोजन : अगर पसीने से दुर्गंध आती हो तो खाने में प्याज, लहसुन, मछली और मीट का सेवन कम कर दें। इस मौसम में हरी साग-सब्जियों और फल बहुताय से मिलते हैं, इसलिए इन्हें खाते रहें। इससे शरीर की दुर्गंध कम होती है। कैफीन, तला-भुना, अल्कोहल और सिगरेट से भी शरीर से दुर्गंध आती है। इसलिए इसके सेवन से बचें। सल्फर युक्त सब्जियों के सेवन से भी बचना चाहिए।

डॉक्टर की राय : अगर शरीर की स्वच्छता बनाए रखने के बाद भी आपके शरीर से तेज गंध आ रही है या पसीना आना कम नहीं हुआ है तो ऐसी परिस्थितियों में डॉक्टर की सलाह जरूर लें। ■

पहनावे का नया अंदाज

लगभग हम सभी की मम्मियां 50 से 60 के दशक की होंगी। बहुतेरियों से बात करने पर मालूम हुआ कि उनके जमाने में सलवार-सूट अविवाहित और साड़ी विवाहिता पहनती थीं। खैर, समय ने फैशन की रंगबिरंगी फुहारें बहाई कि आज सब इसमें गोते खा रहे हैं। आज हमारे पास बेशुमार आरामदायक और फैशनेवल परिधान है, जिनके अपने रंग, कट्स, डिजाइन और अपने अंदाज हैं। फैशन के इस नए अंदाज की जानकारी दे रही हैं दीप्ति अंगरीश।

समय ने सब बदल दिया है। हम 2019 में जी रहे हैं। अब फैशन के लिहाज से काफी आजादी है। गुजरे जमाने की बात करें, तो जानेंगे कि काफी बदल गया है पहनावा। यह आलम समस्त भारत में कमोबेश एक-सा है। इसके लिए ज्यादा दूर नहीं मम्मी, मौसी, चाची, बुआ और ताई से इस बारे में बात करते हैं। इस क्रम में दादी-नानी को नहीं लाएं। बहुत हुआ तो फैशन के लिए अविवाहित बेल-बॉटम या ढीली पैंट-शर्ट पहनती थीं। बताते हैं कि उस दौर में विवाहित महिला साड़ी के सिवाय कुछ नहीं पहनती थी। कितनी अजीबो गरीब विवाहिता और अविवाहित में रेखांकन था। मौजूदा दौर में ऐसा नहीं है। आज हर तरफ फैशन का जलवा है। बाजार में छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी दुकान में आधुनिक फैशन की बयार है। ऐसे में आपके पास कपड़ों के ढेरो विकल्प मौजूद हैं।

आपको हाल-फिलहाल में पार्टी में जाना है और आप रोजाना के घिसे-पिटे कपड़े नहीं पहनना चाहती और आप चाहती हैं कि आप सबसे हटकर पहनें, जो ना इंडियन हो, ना वेस्टर्न हो और ना इंडो वेस्टर्न। सच है कि कभी-कभी पहनावा बदलना भी चाहिए, क्यों हर बार हम टाइपकास्ट लगें। इस बार खास मौकों पर पहनते हैं स्टाइलिश वॉन पीस ड्रेस। अरे! झिझकिए नहीं। आखिर हम किसी सेलिब्रिटी से कम थोड़े ही हैं। कभी सिंगल वॉन पीस ड्रेस में सिर्फ सेलिब्रिटी ही नजर आती थीं, लेकिन आज ऐसा नहीं है। बाजार में वॉन पीस ड्रेसों की भरमार है। सभी का जायजा लेते हैं, पर सबसे अहम है आत्मविश्वास से इसे पहनना।

गाउन

सिंगल ड्रेस में गाउन बहुत लोकप्रिय है। इसे इवनिंग गाउन भी कहते हैं। लेकिन यह रात में पहने जाने वाले गाउन से बिलकुल अलग है। आजकल पार्टी में गाउन पहनने का चलन काफी है। इस पोशाक की दो खासियत है। एक इसे पहनना और पहन कर इठलाना काफी आसान है। दूसरा, यह हर तरह यानी मोटी-पतली, लंबी-छोटी सभी युवती व महिलाओं पर फबता है। साथ ही इसे पहनकर न सिर्फ आप आकर्षक बल्कि निडर और आत्मविश्वास से भरपूर लगती हैं। शायद यही वजह है कि फिल्मी सितारें इसे खूब पहनती हैं। आप भी इसे पहनें। बाजार में इवनिंग गाउन कई प्रकार के कपड़े में उपलब्ध है, जैसे सिल्क, शिफॉन, जॉर्जेट, वेलवेट, नेट, क्रेप, लाइक्रा कॉटन आदि। इसमें प्लेन, स्टोन, सीक्वेंस, एंब्रॉयडरी और लेस वर्क ज्यादा पसंद किया जा रहा है। जहां तक गाउन में कट्स की बात है, तो इसमें फिश कट, वॉन या टू साइड स्लिट, फ्लेयर, ए शेप, बॉक्स प्लीटस आदि चलन में है। आप मौके के हिसाब से ही गाउन का चयन करें। मसलन रात की पार्टी के लिए गाढ़े रंग में चमकने वाले कपड़े से बने गाउन और दिन के समय हल्के व बर्फी रंग में मोटे कपड़ों से बने गाउन पहनें। इन दिनों इसमें टखने या इससे नीचे तक का चलन है। ध्यान रखें कि गाउन का कपड़ा बहुत पतला नहीं हो। अन्यथा यह दिखने में भद्दा लग सकता है।

ट्यूनिक

कभी-कभी हटकर पहनने का मन हो तो ट्यूनिक बेहतर विकल्प है। फैशन स्टोर्स में एक रंग, भारी कढ़ाई वाले और विषम रंग व काल्पनिक छींटों में ट्यूनिक उपलब्ध हैं। ट्यूनिक में बाजू की बनावट आउटफिट को खास बनाता है। इसमें क्वॉर्टर स्लीव्स, स्लीवलेस से लेकर स्ट्रैपलेस पैटर्न अच्छा लगता है। इसे पहनने के लिए आत्मविश्वास और मौके की नजाकत को ध्यान में रखना काफी अहम है। इसमें शिफॉन, जॉर्जेट और क्रेप सभी लोगों पर फबता है। ट्यूनिक की खासियत होती है गले का डिजाइन। वी आकार वाला गला इसमें अधिक चलन में है। कुछ गले के डिजाइन में डोरियों का भी प्रयोग होता है। गले में आमतौर पर चौड़ी किनारी लगाई जाती है और इसे रंग संयोजन, कढ़ाई, किनारी,बटंस से खास बनाया जाता है। चलन की बात करें तो ट्यूनिक में भारतीय प्रिंट वाले बागरू-डाबरू व इंडिगो पैच वर्क को अधिक पसंद किया जा रहा है। स्टाइलिंग की बात करें तो ट्यूनिक में गहरे रंगों का चयन करें। कारण हल्के रंगों में ट्यूनिक हटकर नहीं लगती। इसमें हरा, महरून, काला, नियॉन, मिंट ग्रीन, नांरगी, गाढ़ा हरा रंग जंचते हैं। इस पोशाक की लंबाई घुटनों तक या घुटनों से एक-दो इंच अधिक होती है।

मिडी ड्रेस

मिडी ड्रेस फ्रॉक की तरह घेरेदार न होकर ऊपर से लेकर नीचे तक सीधी होती है। हालांकि इस पोशाक के लिए शरीर का फिट होना या पतला होना जरूरी है। अन्यथा हंसी का पात्र बन जाएंगी। आमूमन मिडी ड्रेस में फ्रंट साइज में बटन होते हैं। कुछ खास मौके पर आप इसे पहन रही हैं तो इसपर भारी कढ़ाई वाली शिमरी बेल्ट लगाएं। यह जहां आपको अलग-सा दिखाएगी। वहीं इससे आपकी शारीरिक बनावट उभर कर आएगी। इसमें कप स्लीव, हॉफ स्लीव, क्वाटर स्लीव व स्लीवलेस अच्छी लगती है। जहां तक कपड़ों की बात है तो फैशन स्टोर्स में डेनिम, कॉटन, हॉजिरी, लाइक्रा आदि में ये उपलब्ध है। इसमें एक रंग से लेकर फ्लोरल, चेक जैसे छींट का चयन आप अपने शरीर की लंबाई-चौड़ाई को देखते हुए कर सकती हैं। इस पोशाक की लंबाई घुटनों तक या घुटनों से एक -दो इंच अधिक होती है।

ट्यूब ड्रेस

जब मन करें कि पार्टी में हॉट लगा जाए, तब ट्यूब ड्रेस एकदम मुफीद है। ट्यूब ड्रेस बिना स्ट्रैप की होती है। स्ट्रैप की जगह सपोर्ट के लिए इसमें फ्रंट पर कसा हुआ इलास्टिक लगा होता है। घुटनों और घुटनों से ऊपर लंबाई वाली ट्यूब ड्रेस ऊपर से थोड़ी ढीली और नीचे से कसी हुई होती है। यह पोशाक हल्के कपड़ों जैसे शिफॉन, जार्जेट आदि से बनाई जाती है। फैशन स्टोर्स में ट्यूब ड्रेस में कई विभिन्न छींट व डिजाइन की ट्यूब ड्रेस उपलब्ध हैं। आप चाहे तो ट्यूब ड्रेस को साड़ी, स्कर्ट, स्कर्ट प्लाजो आदि के साथ भी पहन सकती हैं। लेकिन इसे हर जगह पर पहनने की गलती ना करें। साथ ही इसे तभी पहने जब इसे पहन कर आराम लगता हो।

ऑफ शोल्डर ड्रेस

ऑफ शोल्डर ड्रेस को गाउन की तरह या टॉप की तरह पहन सकते हैं। इसके लिए ड्रेस में ऑफ शोल्डर स्लीव का पैटर्न होना चाहिए। यदि आप इसे टॉप की तरह पहन रही हैं तो इसे स्कर्ट, पतलून, पाजमा, साड़ी आदि के साथ पहना जा सकता है। सबसे जरूरी है कि इसे आत्मविश्वास के साथ पहनना। क्योंकि अगर आप इसे पहनकर बार-बार ठीक करती रहेंगी, तो सामने वाले पर इसका खराब प्रभाव पड़ेगा। इसे पहनते समय इस बात का ध्यान रखे कि यह इतना फिट नहीं होना चाहिए कि बगल का मोटापा नजर आए। साथ ही अगर आप इसे वॉन पीस के तौर पर पहन रही है तो इसकी लंबाई कम से कम घुटनों तक जरूर रखें। लूज या टाइट कट शोल्डर ड्रेस से अच्छा भला रूप भी बेकार लगने लगता है। अगर आप गाउन पहन रही हैं, तो ध्यान रखें कि बस्ट से इसकी फिटिंग वेस्ट तक होनी चाहिए। वैसे तो यह स्टाइल हर तरह के कपड़े पर बनाया जाता है। बावजूद इसके जॉर्जेट, क्रेप, साटन, नेट में अधिक बनाए जाते हैं। आजकल हर फैशन स्टोर्स में ऑफ शोल्डर ड्रेस में विविध कट व डिजाइंस की भरमार है। आप मौके के अनुसार इसका चयन कर सकती हैं। इसमें आकार, रंग, कपड़े, कट्स और कढ़ाई वाले विभिन्न तरह के ड्रेस उपलब्ध है। कट में आप ए लाइन, फ्रिल, फिश कट, पेंसिल फिटेड आदि का चुनाव कर सकती हैं। जहां तक नेकलाइन की बात है तो इसमें स्क्वायर, एसिमिट्रिकल, सिमिट्रिकल आदि अधिक फबते हैं। ❑

नन्ही दुनिया

वह मुस्कुरा उठा

कहानी

सिराज अहमद

समर ने विशाल की किताब का एक पन्ना फाड़ दिया। विशाल बिदक गया, उसका चेहरा देखकर कोई भी अंदाजा लगा सकता था कि वह बहुत गुस्से में है। उसने समर को धक्का दे दिया। समर गिर पड़ा और जोर-जोर से रोने लगा। इससे पहले कि विशाल को डांट पड़ती वह खुद ही किताब लेकर मम्मी के पास जा पहुंचा और उन्हें दिखाते हुए सारी बात बतला दी।

समर भी उठकर मम्मी के पास आंसू पोंछता हुआ चला आया। उसके हाथ में किताब का फटा हुआ वही पन्ना था। उसने पन्ना लाकर मम्मी को थमा दिया जैसे वह कहना चाह रहा हो कि उसने जानबूझकर उसे नहीं फाड़ा।

विशाल उसे डांटने लगा तो मम्मी ने टोकते हुए कहा, 'मैं इसे जोड़ दूंगी। अब लड़ना बंद करो।' समर का रोना चालू था, अब भी उसकी आंखो से आंसू जारी थे। मम्मी ने उसे गोद में उठा लिया और दुलराने लगी। थोड़ी देर में ही उनकी गोद में खेल कूदकर वह बहल गया।

एक रोज विशाल स्कूल से घर आया। घर में सन्नाटा था। आते ही उसने पूछा, 'मम्मी, समर कहां है?' उसने बैग सोफे पर रखा और समर को कमरे के अंदर तक ढूंढ आया लेकिन वह उसे नहीं मिला। 'तुम्हारी मांसी आई हुई हैं, समर उन्हीं के साथ है। वह कुछ सामान लेने बाजार गई हुई है, अभी आती होंगी।' मांसी आई है! विशाल यह सुनकर उछल पड़ा और बेसब्री से उनके आने का इंतजार करने लगा।

कुछ ही देर में दरवाजे पर खटखट हुई। विशाल ने लपककर दरवाजा खोला तो देखा मांसी ही सामने खड़ी है। उनकी गोद में समर है। 'देखो मैं तुम्हारे लिए क्या लाई हूं।' कहते हुए मांसी ने एक गिफ़्ट पैक विशाल को पकड़ा दिया। समर के हाथो में भी एक रोबोट था जो बटन दबाने पर बोलता था, 'मेरा नाम रोबो है।' जैसा ही रोबो बोलता समर खिलखिलाकर हंस पड़ता।

विशाल ने फटाफट अपना गिफ़्ट खोल डाला, 'अरे वाह मांसी! यह तो कमाल की कार है।'

'उसमें रिमोट भी है उससे भी चला सकते हो।' मांसी ने बताया।

दोनो भाई खेलने लगे। कुछ ही देर हुई थी कि समर तेजी से चीखा तो मम्मी दौड़कर उनके पास पहुंची। समर ने मम्मी को अपना रोबोट दिखाया। बटन दबाने पर रोबो अब कोई जवाब नहीं दे रहा था।

'विशाल यह तुमने किया?' मम्मी ने पूछा तो वह बोला, 'मम्मी, समर इसे बार- बार दबा कर मुझे इरिटेट कर रहा था तो मैंने रोबो को छीनकर हल्के से फर्श पर लुढ़का दिया था, बस।'

समर चिड़चिड़ाकर विशाल की कार को तोड़ने के मकसद से उस पर लपका लेकिन विशाल उसे लेकर भाग खड़ा हुआ। खैर मम्मी ने समर का रोबो ठीक कर दिया और वह फिर उससे खेलने में मशगूल हो गया।

एक शाम मम्मी फुर्सत में बैठी पापा का पुराना एल्बम देख रही थी। विशाल और समर भी आकर उनके पास बैठ गए। वे दोनो भी फोटो देखने लगे। एल्बम में पापा के बचपन की फोटो भी थी।

'अच्छा बताओ यह कौन है?' मम्मी ने विशाल से पूछा।

बहुत गौर से देखने के बाद भी विशाल अपने पापा को पहचान न सका।

'यह तुम्हारे पापा है।' मम्मी कहकर हंस पड़ी।

'इतने छोटे से।' विशाल ने कहकर मुंह पर हाथ रख लिया। उसे देखकर समर ने भी वैसा ही किया।

एक फोटो में पापा अपनी छोटी बहन को अपने हाथ से मिठाई खिला रहे थे। यह फोटो देखते ही विशाल ने जिज्ञासावश पूछा, 'यह कौन है मम्मी?'

'यह आपकी बुआ है।' मम्मी ने बताया।

एक दूसरी फोटो में पापा अपनी बहन के साथ पार्क में खेल रहे थे। एक और फोटो थी जिसमें पापा अपनी बहन को उसके जन्मदिन पर गिफ्ट दे रहे थे। विशाल और समर बड़े गौर से फोटो देख रहे थे।

फोटो देखते-देखते विशाल को एहसास हुआ कि समर ने प्यार से उसके सिर को चूमा। उसने समर की तरफ देखा तो वह मुस्कुरा उठा। विशाल ने उसके मुलायम गाल पर पप्पी ली और उसे अपनी गोद में बिठा लिया और उसके गालों को हल्के हाथो से खींचकर बोला, 'मेरा प्यारा छोटा भाई।' ❑

कविता

किरण सिंह

गोलू मोलू बबलू डबलू

गोलू मोलू बबलू डबलू खेल रहे थे बॉल
आई आंटी बीच में तो उड़ गई उनकी शॉल

गोलू मोलू हक्का - बक्का बबलू थे आवाक
होकर आंटी आग बबूला लगीं दिखाने आंख

डबलू कान पकड़ कर बोला कर दो आंटी माफ
हम न करेंगे फिर से गलती कर लो दिल को साफ।

पिघल गया दिल आंटी का पर बोलीं यूं मत खेल।
पढ़ो लिखो मन से वर्ना सब हो जाओगे फेल ।

तभी अचानक गोलू मोलू लेकर आए शॉल।
बोले अब से कभी न छत पर हम खेलेंगे बॉल।

शब्द-भेद

कुछ शब्द एक जैसे लगते हैं। इस तरह उन्हें लिखने में अक्सर गड़बड़ी हो जाती है। इससे बचने के लिए आइए उनके अर्थ जानते हुए उनका अंतर समझते हैं।

वेद / वैद / वैध

हिंदू धर्म में वेद चार हैं- ऋगवेद, अथर्ववेद, यजुर्वेद और सामवेद। जबकि वैद का अर्थ होता है चिकित्सक, डॉक्टर। वैध यानी जो कानून सम्मत हो। जो कानून सम्मत नहीं है उसे अवैध कहते हैं।

परक / परख

हिंदी की एक प्रत्यय है परक, जो किसी शब्द के अंत में लगता है, तो उसका अर्थ संबंध रखने वाला हो जाता है। जैसे धर्म में परक प्रत्यय लगने से धर्मपरक बनता है, जिसका अर्थ होता है धर्म संबंधी। जबकि परख का अर्थ होता है जांचना, गुणवत्ता की सही जानकारी हासिल करना। जैसे हीरे की परख की जाती है।

नटखट

प्रस्तुति-ओंकार

खुद बनाओ

कूचड़ी

दुनिया उल्टी-पुल्टी

सच है या झूठ?

आजादी के बाद 50 सालों में पाकिस्तान ने तीन बार अपनी राजधानी बदली है. सच है या झूठ ?

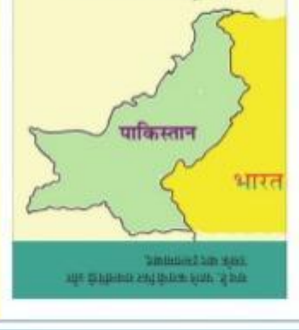

अनूठे सच

हिमालय विश्व की सबसे ऊंची पर्वत श्रंखला है. ये पर्वत 2,500 किलोमीटर क्षेत्र में फैले हैं. वहीं मौजूद माउंट एवरेस्ट चोटी 8,850 मीटर ऊंचाई पर है.